Causes and Consequences of Migration
A Case Study of Allahabad City

A

THESIS SUBMITTED

AT THE

UNIVERSITY OF ALLAHABAD

FOR THE DEGREE OF

DOCTOR OF PHILOSOPHY

UNDER THE GUIDANCE OF

Dr. Anup D. Sharma
D.E.D., D. Litt.
PROFESSOR IN ECONOMICS
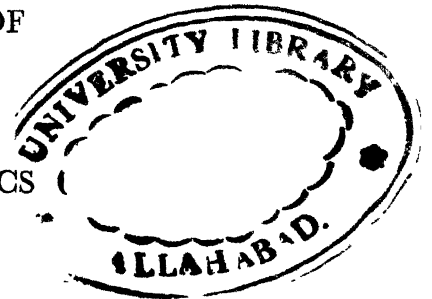
BY

Sheel Priya Tripathi

DEPARTMENT OF ECONOMICS
UNIVERSITY OF ALLAHABAD
ALLAHABAD
1 9 8 6

प्रवास के कारण एवं परिणाम -

इलाहाबाद नगर की समस्या का एक अध्ययन

CAUSES AND CONSEQUENCES OF MIGRATION -
A CASE STUDY OF ALLAHABAD CITY

प्राक्कथन

प्राक्कथन

"राष्ट्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के सन्दर्भ में प्रवास का अध्ययन अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है। वस्तुत:नगरीकरण प्रवृत्ति के मापन का यह एक महत्वपूर्ण चर भी है। विश्व के अधिकांश देशों में ग्रामीण जनसंख्या की अपेक्षा नगरी जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है। ग्रामीण जनसंख्या रोजगार एवं शिक्षा की प्राप्ति हेतु देश के विभिन्न नगरों में प्रवास कर रही है क्योंकि कृषि एवं शैक्षिक संस्थान रोजगार व्युत्पन्न में असक्षम सिद्ध हो रहे हैं। नगरी जनसंख्या का 'प्रदर्शन-प्रभाव' भी ग्रामीणों को आकर्षित करता है। अधिकांशत: उद्योग-धन्धे नगर क्षेत्रों में ही विकसित हैं जिससे आकर्षित होकर प्रवास प्रक्रिया प्रारम्भ होती है जो अत्यधिक जन दबाव, जनसुविधाओं में ह्रास, घुटन एवं संत्रास को जन्म देती है। निश्चित रूप से यह तथ्य 'ग्रामीण-क्षेत्रों की गरीबी एवं नगरी कष्ट (Rural Poverty and Urban misery) एक ही सिक्के के दो पहलू हैं' को बल देती है।

कोई भी समुदाय या राष्ट्र 'जनसंख्या' को प्रजननता या प्रवास के द्वारा प्राप्त कर सकता है और 'जनसंख्या' को मृत्यु या प्रवास के द्वारा खो सकता है। इस प्रकार प्रवास दोनों रूपों में सामाजिक परिवर्तन का यंत्र है। प्रवास-प्रक्रिया के परिणाम मूल स्थान (Place of Origin), प्रवास स्थल (Place of destination) एवं स्वयं प्रवासियों पर पड़ते हैं। सामान्य रूप में जनसंख्या का प्रवास समुचित जनसंख्या वितरण, समायोजन एवं सन्तुलन की स्थिति उत्पन्न करेगी लेकिन विषम परिस्थितियों में परिणाम अनुचित हो सकते हैं।

वस्तुत: प्रवास पर अध्ययन बहुत कम हुए हैं। जो भी हुए हैं उसमें प्राथमिक समंको के आधार पर हुए अध्ययन कम हैं। अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास के आँकड़े तो सुलभ हो जाते हैं लेकिन आन्तरिक एवं किसी विशिष्ट नगर के अध्ययन में यह समस्या बनी ही रहती है। इन्हीं सभी तथ्यों को लेकर प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध में इलाहाबाद नगर के परिप्रेक्ष्य में प्रवास के कारण एवं परिणामों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में अन्त:प्रवास (In-migration) एवं वाह्य-प्रवास (Out-migration) का संतुलित रूप रखने का प्रयास किया गया है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मेरे तन-मन एवं अध्यव्यवसाय का महत्वपूर्ण फल है जिसका सम्पूर्ण श्रेय परमपाद गुरुवर्य श्रद्धेय डा0 ए0डी0 शर्मा, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय को है, जिनके आशीर्वाद, निर्देशन एवं सानिध्य में रहकर मैंने यह प्रबन्ध पूर्ण किया है। शब्दों के माध्यम से उनकी विद्वता के विषय में कहना मेरी लेखनी के लिए संभव नहीं। उनका मैं आजन्म ऋणी रहूँगा।

विभाग के अन्य लोगों में प्रोफेसर डी0एस0 कुशवाहा, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, डा0 वी0के0 आनन्द, डा0 बी0के0 त्रिपाठी, डा0 जी0सी0 त्रिपाठी एवं डा0 डी0के0 त्रिपाठी का आभारी हूँ जिनकी प्रेरणा से निरन्तर शोध में रत रहा।

शोध हेतु प्रेरकों में मेरी माँ एवं पिता श्री जगदीश चन्द्र त्रिपाठी, एडवोकेट की विशेष भूमिका है जिनके आशीर्वाद से यह प्रबन्ध निर्विघ्न पूर्ण

हुआ। माँ तुल्य गुरु पत्नी श्रीमती शैला शर्मा का आशीर्वाद अमित-स्नेह एवं छत्र-छाया सर्वाधिक प्रेरणादायक रहा जिसके कारण शोध-प्रबन्ध को एक नयी दिशा मिल सकी।

मैं अपने अग्रज श्री सुरेश चन्द्र त्रिपाठी, श्री कृष्ण मुरारी त्रिपाठी, मित्र श्री योगेश चन्द्र मिश्र, सुनील शर्मा, सन्तराम, अनूप मुखर्जी, अरूण राय, सुशील गुप्त, डा० राजेन्द्र तिवारी, जिला अर्थ-संख्याधिकारी, इलाहाबाद, डा० बाबू राम, डा० जयप्रकाश मिश्र, डा० बी० शर्मा, श्री शैलेन्द्र मिश्र एवं पूज्य तात डा० ए०एन० त्रिपाठी, चिकित्साधिकारी का विशेष आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर सहयोग एवं मंत्रणा दी।

विभाग के अध्यापकों, मित्रों, एवं उन समस्त शोधकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने शोध-सर्वेक्षण एवं सारणीयन आदि में सहायता दी। अपने शोध सहपाठियों में सुश्री मुकुल दुबे, सुश्री कल्पना माथुर सुश्री रचना माथुर, स्नेहमयी श्रीमती श्याम एवं पुष्पा त्रिपाठी का विशेष आभारी हूँ जिनके सहयोग ने मुझे एवं मेरे प्रबन्ध को मूर्त रूप देने का सार्थक प्रयास किया।

नैतिक रूप से अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय का भी आभारी हूँ जिसकी वित्तीय सहायक 'शोध-छात्रवृत्ति' एवं विभागीय पुस्तकालय व पुस्तकालयाध्यक्ष श्री एल० यादव ने कार्य के सम्पादन में सहयोग दिया।

शोध-टंकण हेतु मैं श्री ए०एन० गुप्त एवं मेसर्स खन्ना ब्रदर्स का विशेष आभारी हूँ।

शीलप्रिय त्रिपाठी

अगस्त 24, 1986

(शीलप्रिय त्रिपाठी)

विषय-अनुक्रमणिका

पृष्ठ

-x-

सारिणी-सूची

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम		पृष्ठ

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम		पृष्ठ

मानचित्र एवं ग्राफ-सूची

अध्याय - 1

विषय-परिचय एवं अध्ययन का उद्देश्य

(Introduction and Object of the study)

विषय-परिचय

जनांकिकी क्षितिज के विगत तीन दशकों §1951-81§ में विकासशील विश्व की जनसंख्या लगभग दुगुनी §1·7 से 3·3 बिलियन§* हो गयी है। इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य नगरीय विकास वृद्धि एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास परिलक्षित हुए हैं। सन् 1950 से एशिया, अफ्रीका एवं लैटिन अमेरिका में नगरीय वृद्धि दर यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका की अपेक्षा लगभग दुगने से भी अधिक दर से बढ़ी है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के अनन्तर ब्रिटिश शासन से मुक्त होने पर अधिकांश राष्ट्र लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए प्रेरित हुए। इस प्रक्रिया में एक ओर प्राकृतिक संशाधनों का दोहन, औद्योगिक विकास, आधारभूत-अंत:वाह्य-संरचना सुविधाओं (Infrastructural facilities) का विकास हुआ तो दूसरी ओर प्रवास प्रक्रिया में तीव्र वृद्धि दिखायी पड़ी। विकासशील राष्ट्रों में विकसित कुछ नगर-स्थल तीव्र विकास की ओर उन्मुख हुए।

भारत की 68·38 करोड़ जनसंख्या नगरी जनसंख्या 159 मिलियन है जो देश की जनसंख्या का 23% है। सन् 1971-81 की अवधि में नगरी जनसंख्या में 46·4% की वृद्धि हुई है। नगरी जनसंख्या में वृद्धि का कारण जन्म दर में वृद्धि न होकर प्रवास में वृद्धि मूल कारण है। ग्रामीण क्षेत्रों से

---

*पापुलेशन रिपोर्ट्स, सिरीज-एम, नं·7, सित·- अक्टू· '83

नगरों, उपनगरों एवं मेट्रोपोलिटिन क्षेत्रों में अन्त:प्रवास प्रवृति तीव्र हुई है। भूमि पर बढ़ते हुए दबाव, बेरोजगारी एवं विभिन्न प्रतिकूल तत्वों के कारण लोग भौतिक सुखों के लिए अन्यत्र प्रवास कर रहे हैं। शैक्षणिक-सांस्कृतिक गतिविधियों, रोजगार की खोज, वाणिज्य-व्यापार, रहन-सहन के स्तर में सुधार की अभिलाषा आदि आकर्षक अनुकूल तत्वों ने प्रवास हेतु लोगों को प्रेरित किया है।

प्रवास में लिंग एवं संरचनात्मक परिवर्तन भी तीव्र हुए हैं। पुरूष युवाओं के प्रवास के साथ-साथ वैवाहिक-प्रवास एवं सह-प्रवास प्रक्रिया में आधारभूत परिवर्तन हुआ है। समाज में महिलाओं के प्रति परिवर्तित दृष्टिकोण ने भी महिलाओं को भी प्रवास हेतु एक नया आयाम दिया है। बदलते हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों एवं मानवीय परिवेश ने भी अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन एवं आप्रजन को प्रोत्साहित किया है।

इन्हीं विभिन्न कारकोंके अन्तर्गत लोग आशान्वित होकर ग्रामीण क्षेत्रों से टाउन एरिया में एवं अन्य बड़े नगरों-महानगरों में प्रवास कर रहे हैं। दिन-प्रतिदिन बढ़ते बेरोजगारी के कारण यह संभव नहीं है कि ये सभी प्रवासी प्रवासस्थल पर समायोजित हो सकें। कुछ मनुष्य वापस मूल-स्थान को लौट जाते हैं। वापस लौटने के पूर्व अपने भाग्य को विभिन्न नगरों में देखने का प्रयास करते हैं। कुछ सफल होकर वहीं बस जाते हैं। सामान्यतया शिक्षित प्रवासी शिक्षा के बाद अपने ग्रामीण मूल स्थान को वापस लौटना नहीं चाहता, वहीं नगरों में बसजाना चाहता है।

इस प्रकार शिक्षित व्यक्ति गाँव में अशिक्षितों एवं वृद्ध मनुष्यों को छोड़कर अन्यत्र प्रवास कर लेता है। इन्हीं सभी तथ्यों एवं विचारों को शोध-प्रबन्ध अध्ययन में रखने का प्रयास किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य

शोध अध्ययन का मूल उद्देश्य इलाहाबाद नगर के प्रवास कारणों एवं उससे हुए एवं होने वाले परिणामों का अध्ययन है। आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आदि पहलू जनांकिकी चरों को प्रभावित करते ही हैं साथ ही यह भी सत्य है कि जनांकिकी चर इनको भी प्रभावित करते हैं। मृत्यु क्रम को छोड़कर अन्य सभी में व्यावहारिक चर एवं मानवीय निर्णय सम्मिलित होते हैं। मानवीय जीवन को सुरुचिपूर्ण बनाने में जीवन-तत्व एवं साथ में चार जनांकिकी चर जनसंख्या आकार, वृद्धिदर, संरचना एवं वितरण महत्वपूर्ण अंग कहा जा सकता है। अध्ययन में इस तथ्य पर भी ध्यान देने का प्रयास किया गया है कि स्थिति में परिवर्तन, व्यवसाय में परिवर्तन, पुनः स्थायित्वता आदि सामाजिक आयामों से सम्बन्धित प्रवास की यह प्रक्रिया शहरीकरण, आर्थिक विकास, सामाजिक परिवर्तन एवं राजनीतिकसंगठन का महत्वपूर्ण अंग कहाँ तक है।

प्रवास-गतिविधि अध्ययन में नगर के अंतः प्रवासियों एवं नगर के वाह्य प्रवासियों के क्रमशः अन्तःएवं वाह्य प्रवासिक कारणों का अध्ययन

किया गया है। नगर के अन्त: प्रवासिक अनुकूल कारकों एवं प्रवासियों के मूल स्थान के प्रतिकूल कारणों को अध्ययन महत्वपूर्ण उद्देश्य है। प्रवास न करने वालों के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजकों एवं आव्रजकों का भी अध्ययन किया गया है।

कोई भी परिवर्तन या संक्रान्ति अंतत: नये वातावरण के मध्य समायोजन एवं नये सम्बन्धों की स्थापना का नेतृत्व करता है। चूंकि प्रवास-प्रक्रिया समाज से प्रत्यक्षत: जुड़ी है, अत: इसका परिणाम समाज पर पड़ना अवश्यसंभावी है। अस्तु, परिणामात्मक स्वरूप का आयाम क्या होगा, यह महत्वपूर्ण उद्देश्य कहा जा सकता है। इसके सुपरिणामों एवं कुपरिणामों को प्रवासस्थल मूल-स्थल एवं प्रवासियों पर देखने का प्रयास किया गया है। सामाजिक, आर्थिक, जनांकिकी, भौगोलिक, राजनीतिक, एवं धार्मिक परिणामों का अध्ययन महत्वपूर्ण हैं जो प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध के उद्देश्य का महत्वपूर्ण भाग है।

प्रवास-प्रवृति से जनसंख्या परिवर्तन और विकास कार्यक्रमों में अनुसंधान अपेक्षित हो जाता है। प्रवास गतिविधि के कारणों एवं परिणामों को अध्ययन की विषय सामग्री बनाने का विचार उठा। कौन-कौन से ऐसे करता है, इलाहाबाद नगर में अंत: प्रवास एवं वाह्य प्रवास के क्या कारण हो सकते हैं, क्या नगर में अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास-प्रक्रिया भी संलग्न हैं। इसका इलाहाबाद नगर पर, प्रवासियों के मूल स्थान पर एवं स्वयं प्रवासियों पर क्या परिणाम पड़ सकते हैं आदि शोध का मुख्य विषय रखा गया है।

अध्याय - 2

परिकल्पना

(Hypothesis)

परिकल्पना

शोध-विषय, प्रवास के कारण और परिणामों को इलाहाबाद नगर के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन किया जायेगा। इसके लिए द्वितीयक आंकड़ों के साथ-साथ प्राथमिक समंकों के द्वारा अध्ययन-धरातल निर्मित होगा जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य होगा। परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु सर्वेक्षण विधि में अनुसूची-प्रश्नावली पत्रकका आश्रय लेना पड़ेगा।

परिकल्पना के निर्माण के लिए विभिन्न पुस्तकालयों, पॉयलट सर्वेक्षण,एवं विभिन्न अर्थशास्त्रियों, समाजशास्त्रियों एवं वैज्ञानिकों के विचारों एवं स्वयं शोधकर्ता के चिन्तन-मनन के द्वारा परिकल्पना बनायी गयी है।

विभिन्न पुस्तकालायों में केन्द्रीय पुस्तकालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, विभागीय पुस्तकालय, अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, पब्लिक लाइब्रेरी, इलाहाबाद, राज्य-पुस्तकालय, इलाहाबाद, जनसंख्या केन्द्र, लखनऊ, रतन टाटा लाइब्रेरी, दिल्ली से सम्बन्धित अध्ययन किया गया है। पुस्तकालय कार्य के साथ साथ विभिन्न विद्वानों के सम्बन्धित कार्यों का अध्ययन किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण रूप से ये विद्वान-मिचेल पी० टोडारो, जार्ज डब्लु·बर्कले, डेविस किंग्सले, डोनाल्ड बोग, जे·, सिडनी गोल्डस्टैन, ब्रीजी-गेरॉल्ड, डेविड एम० हीर, गुनार मिर्डल, विलियम पिटर्सन, गाई स्टैन्डिंग, ए०एस० ओबरॉय, एच·के· मनमोहन सिंह, प्रोफे· आशीष बोस, एवं प्रोफे· एस०एन० अग्रवाल आदि हैं।

परिकल्पनाओं का निर्माण इतनी शोध-प्रक्रिया के अनन्तर ही निर्मित की गयी, जो इस प्रकार हैं -

1- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए लोग प्रवास करते हैं।

2- रोजगार हेतु प्रवास के अलावा लोग स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु प्रवास करते हैं।

3- जहाँ पर शिक्षा की सुविधाएं समुचित उपलब्ध नहीं है। वहाँ से शिक्षार्थी अन्यत्र उपयुक्त स्थल पर प्रवास करता है।

4- नगरी आकर्षण शैक्षिक संस्थाएं लोगों को अच्छी सुविधायें एवं अधिक अच्छी शिक्षा प्राप्ति में सहायक होती है।

5- प्रवास-स्थल धार्मिक होने पर अन्तः प्रवास अपेक्षाकृत अधिक होता है।

6- राजनीतिक एवं भौगोलिक अनुकूलता या प्रतिकूलता प्रवास प्रक्रिया को प्रेरित करती है।

7- सेवा-क्षेत्र में स्थानांतरण प्रवास गतिविधि को बढ़ाता है।

8- लैंगिक-संरचना में अपेक्षाकृत पुरूष और उसमें भी नवयुवकों में प्रवास-प्रवृति अधिक होती है।

9- प्रवास की दिशा ग्रामीण क्षेत्रों से नगरी क्षेत्रों में अधिक होती है।

10- प्रवास गतिविधि में दूरी का भी महत्व होता है। मूलस्थान से प्रवास स्थल निकट होने पर प्रवास की मात्रा में वृद्धि होती है।

11- शिक्षित लोगों में अपेक्षाकृत निरक्षर एवं कम शिक्षितों के, प्रवास क्षमता अधिक होती है।

12- प्रवास के परिणाम मूल-स्थान, प्रवास-स्थल एवं स्वयं प्रवासी तीनों पर पड़ते हैं।

13- प्रवास देश की असंतुलित जनसंख्या वितरण, नगरी जनसंख्या में वृद्धि एवं नगरी समस्याओं की वृद्धि करता है।

14- प्रवास से प्रवासी पर अच्छे प्रभाव पड़ते हैं।

15- प्रवास-स्थल पर पड़ने वाले परिणाम प्रवास-स्थल की क्षमता एवं प्रवासियों के गुणों पर निर्भर करता है।

16- प्रवास, नगर में आर्थिक विकास एवं नगरीकरण व औद्योगीकरण को प्रोत्साहित करता है। मूल स्थान पर नवयुवकों की हुई कमी, प्रगति को हतोत्साहित करती है।

17- अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिभा पलायन समाज एवं राष्ट्र के लिए अहितकर है।

उपर्युक्त परिकल्पनाओं को इलाहाबाद नगर में सर्वेक्षण के द्वारा प्रवास के कारण और परिणामों का अध्ययन किया गया जिसे प्राप्तियों (findings) पर परीक्षण करने के बाद स्वीकार या अस्वीकार किया गया।

अध्याय - 3

क्षेत्र एवं शोध-विधि

(Premises & Research Methodology)

शोध-क्षेत्र

शोध विषय, प्रवास के कारणों एवं परिणामों का अध्ययन इलाहाबाद नगर के संदर्भ में होने के कारण नगर का मौलिक परिचय शोध उपादेयता की ओर संकेत करता है।

इलाहाबाद नगर, मूलत: इलाहाबाद जिले का मुख्यालय है। उत्तर-प्रदेश के इलाहाबाद संभाग में यह नगर महापालिका क्षेत्र को धारण करता है। इलाहाबाद के नाम की उत्पत्ति अति प्राचीन है। इसका प्राचीन नाम प्रयाग है। इतिहासकार बदायूँनी के अनुसार 1575 में जब अकबर प्रयाग आया तो उसने इसको नगर का रूप दिया और इसका नाम इलावास रखा। किम्वदन्ती है कि इलाहाबाद - इलावास का परिवर्तित रूप है। इला पुरूरवाओं की माँ का नाम था जो चन्द्रवंशी क्षत्रियों के पूर्वज थे और जिन्होंने प्रतिष्ठानपुरी को अपनी राजधानी बनाया था। इस स्थान को आजकल झूंसी कहते हैं। अन्य परम्पराएं इसे अल्लाह शब्द से जोड़ती हैं।*

पवित्र गंगा-यमुना के संगम एवं अदृश्य सरस्वती नदी के अंतस्थल में बसा यह नगर 25^0 22' एवं 25^0 30' उत्तर अक्षांश तथा 81^0 45' एवं 81^0 55' पूर्व देशांतर पर स्थित है। 7261 वर्ग किमी के विस्तृत क्षेत्र

---

*उत्तर-प्रदेश डिस्ट्रिक्ट गजेटियर, इलाहाबाद-1968.

में फैला हुआ इलाहाबाद आकार की दृष्टि से प्रदेश में नवें स्थान पर है। समुद्री सतह से इसकी ऊंचाई 340 फिट है।

इलाहाबाद उत्तर, मध्य एवं पूर्वोत्तर रेलवे का महत्वपूर्ण जंक्शन है। उत्तर की ओर फैजाबाद, उत्तर पूर्व की ओर जौनपुर-वाराणसी, पूर्व की ओर हावड़ा, पश्चिम की ओर दिल्ली, एवं उत्तर-पश्चिम की ओर रायबरेली-लखनऊ भारतीय-रेल चलती है। मध्य रेलवे इलाहाबाद को बम्बई से जोड़ती है। पूर्वोत्तर रेलवे इलाहाबाद को रामबाग रेलवे स्टेशन से वाराणसी तक जोड़ती है। भारत के वायु मानचित्र में इलाहाबाद भी अंकित है जिसका बमरौली हवाई अड्डा भारत के प्रमुख महानगरों से जुड़ा हुआ है। कलकत्ता, बम्बई एवं दिल्ली से इसके मध्य दूरी 564, 845 एवं 391 मील क्रमशः है। ग्रैण्ड-ट्रंक रोड नगर के प्रमुख स्थल से होकर गुजरती है।

भारत की महानतम पवित्र गंगा-यमुना एवं अदृश्य सरस्वती नदियों ने इस नगर की स्थापना एवं श्रीवृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जहां प्रतिवर्ष माघ मास में लाखों व्यक्ति 'स तीर्थराजो जयति प्रयागः' की धार्मिक सहिष्णुता की भावना को लेकर पवित्र संगम में स्नान करते हैं।

शिक्षा, संस्कृति एवं कला के क्षेत्र में इलाहाबाद का अपना विशिष्ट स्थान है। 1981 में इलाहाबाद की साक्षरता 27.89% रही। शिक्षा जगत में क्रांति का प्रतीक 1 विश्वविद्यालय (इलाहाबाद विश्वविद्यालय जिसके 100 वर्ष पूर्ण हो गये हैं); 13 महाविद्यालय, 1 इंजीनियरिंग कालेज,

ALLAHABAD CITY
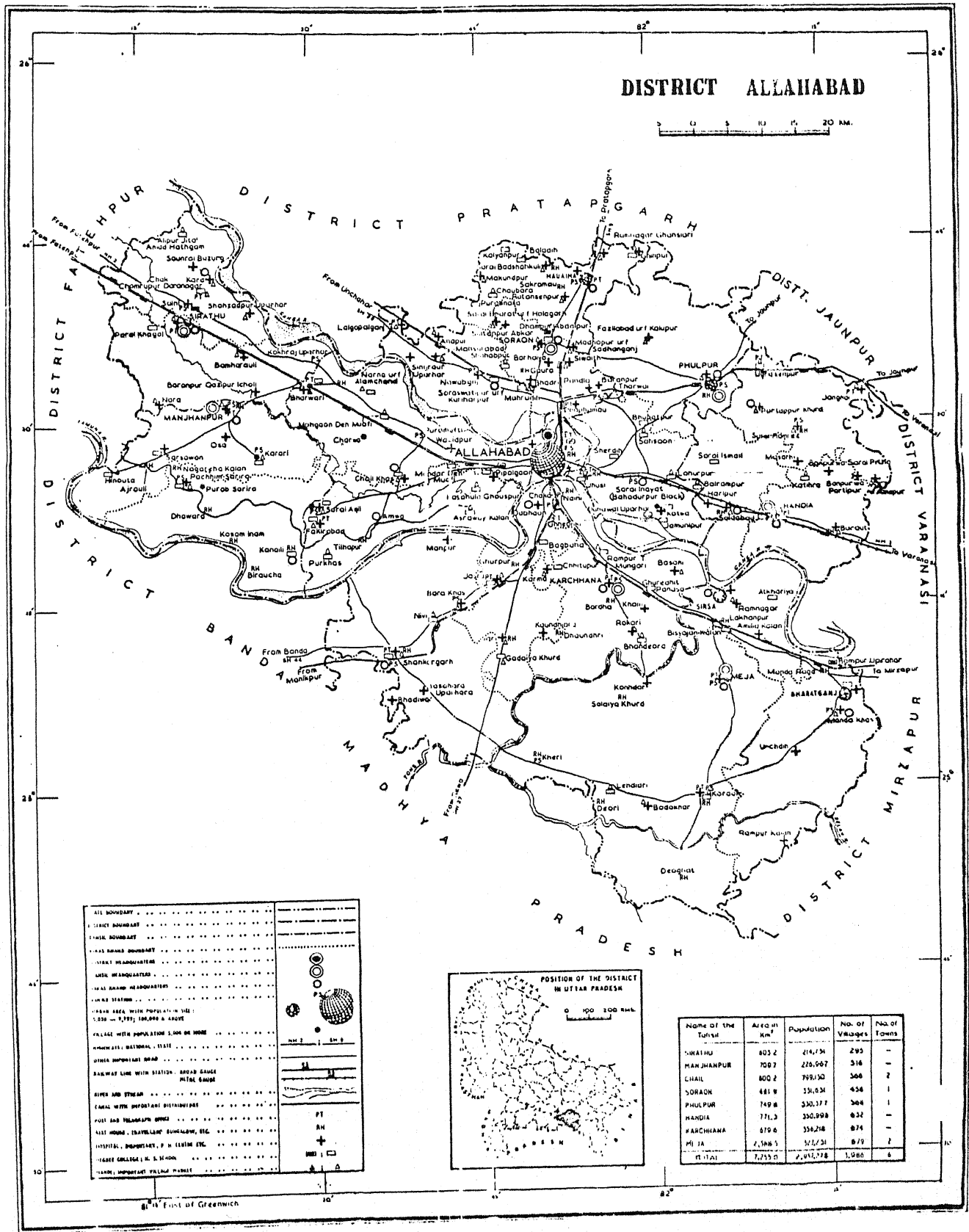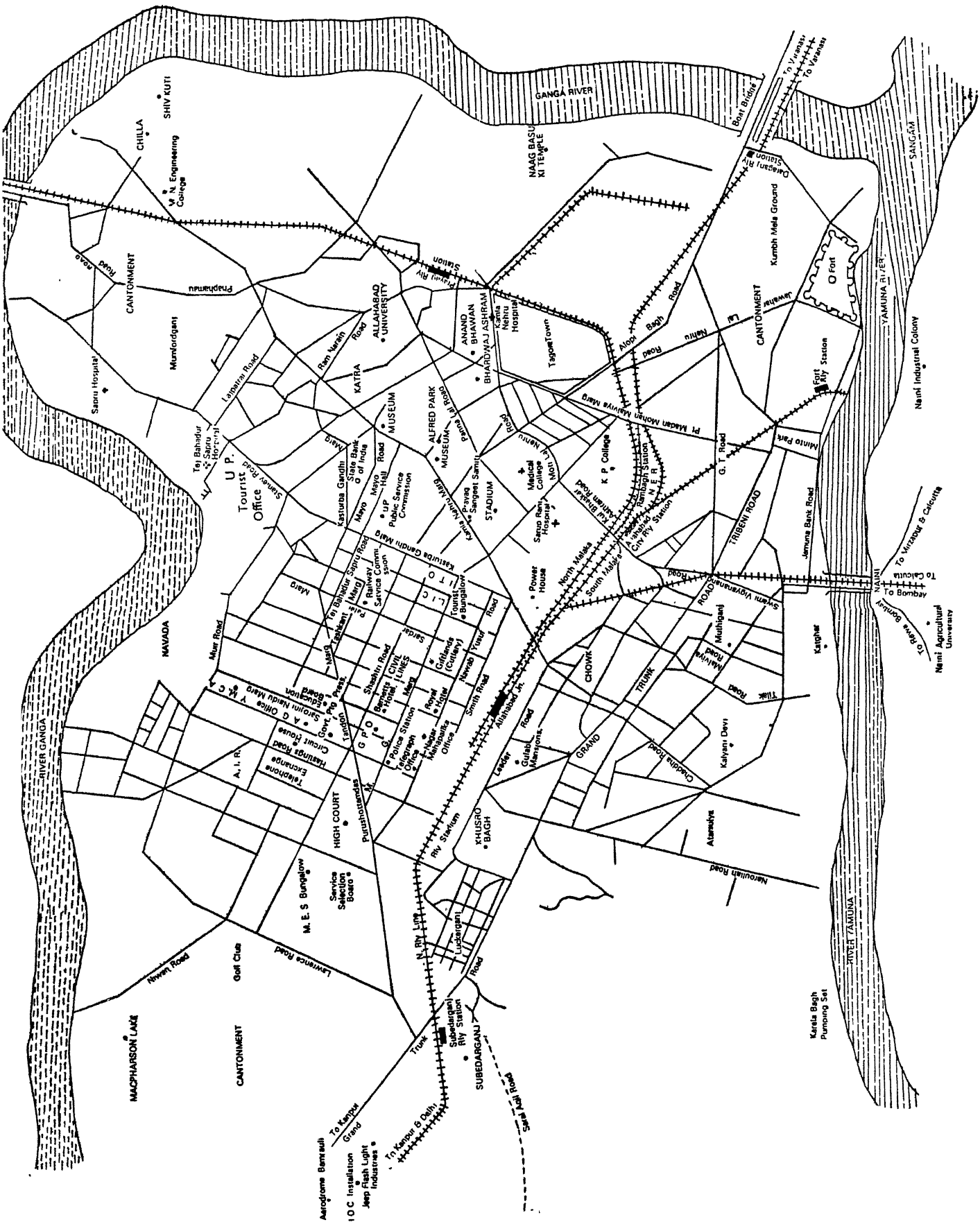
1 मेडिकल कालेज, 2 एग्रीकल्चरल इंस्टीट्यूट, 1 पालीटेक्नीक (आई०ई० आर०टी०), 53 हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट कालेज जिसमें 24 बालिकाओं के, एवं बड़ी संख्या में अन्य शैक्षिक स्तर के विद्यालय हैं।* हिन्दी, हिन्दू-हिन्दुस्तान की आवाज को स्वर देने वाला हिन्दी साहित्य सम्मेलन एवं संगीत को प्रश्रय दायिनी प्रयाग संगीत समिति नगर में ही स्थित हैं। अपने उच्च शैक्षिक गतिविधियों एवं शोध-अनुसंधानों के कारण एशिया महाद्वीप एवं वाह्य विश्व के विद्यार्थियों का ध्यान अपनी ओर इलाहाबाद आकृष्ट करता है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में इलाहाबाद की अहम भूमिका रही। देश की राजनीति का केन्द्र 'स्वराज्य भवन' नगर की राजनीतिक पर्यावरण को व्यक्त करता है।

शोध-विधि

शोध विषय, प्रवास के कारण एवं परिणामों को इलाहाबाद नगर के संदर्भ में अध्ययन किया जायेगा। इसके लिए पुस्तकालय कार्य, विभिन्न विद्वानों, चिन्तकों, समाजशास्त्रियों, अर्थशास्त्रियों एवं वैज्ञानिकों के विचारों का अध्ययन होगा। महत्वपूर्ण रूप से अनुभवगम्य अध्ययन हेतु इलाहाबाद नगर का 2% प्रतिदर्श लेकर इलाहाबाद नगर से वाह्य-प्रवास के कारणों, अन्तःप्रवास के कारणों एवं सम्बन्धित परिणामों को ज्ञात एवं परीक्षण किया जायेगा।

---

*सांख्यिकी पत्रिका, जनपद इलाहाबाद, अर्थ एवं संख्या प्रभाग.

इलाहाबाद नगर, इलाहाबाद नगर महापालिका क्षेत्र को धारण करता है। इलाहाबाद नगर महापालिका क्षेत्र चालीस विभिन्न वार्डों में विभाजित है जो सड़कों एवं मुहल्लों में विभक्त है।

प्राथमिक समंकों को एकत्रीकरण के लिए समग्र में से 2% गृहों को चुनकर न्यादर्श निर्माण होगा। समस्त वार्डों में प्रत्येक पाचवां वार्ड दैव-निदर्शन विधि से सर्वेक्षण हेतु चुना जायेगा। इन वार्डों की सूची एवं विभिन्न वार्डों में स्थित आवासों की सूची कर-अधीक्षक, नगर महापालिका इलाहाबाद से प्राप्त करके उसमें से प्रत्येक दसवां गृह अध्ययन की इकाई होगी। प्रश्नोत्तरी-पत्रक के माध्यम से सर्वेक्षण होगा जो स्वयं शोधकर्ता के द्वारा ही किया जायेगा।

सर्वेक्षण से प्राप्त तथ्यों को विशिष्ट दिशा देने के लिए आवश्यक सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग, वर्गीकरण एवं सारिणीयन किया जायेगा, जो शोध एवं सत्यान्वेषण में सहायक होंगें।

अध्याय - 4

न्यादर्श-वितरण

(Sample-Distribution)

(1) अन्तः प्रवास (In-migration)
(2) वाह्य प्रवास (Out-migration)
(3) अ-प्रवास (Non-migration)

न्यादर्श - वितरण

इलाहाबाद नगर के वाह्य-प्रवास एवं अंत:-प्रवास के कारणों एवं सम्बन्धित परिणामों के अध्ययन के लिए दो प्रतिशत न्यादर्श का निर्माण किया गया है। इलाहाबाद नगर महापालिका द्वारा विभाजित चालीस वार्डों में, प्रत्येक पाँचवें वार्ड का चुनाव करके अध्ययन हेतु 8 वार्डों को सर्वेक्षण का प्रमुख केन्द्र बनाया गया है। ये वार्ड इस प्रकार हैं - दारागंज, ममफोर्डगंज, अल्लापुर, बाघम्बरी गद्दी, सुलेम सराँय, खलासी लाइन, मुट्ठीगंज एवं कीटगंज।

चयनित वार्डों एवं गृहों में शोधकर्ता द्वारा स्वयं सम्पर्क एवं प्रश्नोत्तरी-पत्रक के माध्यम से स्थल को सर्वेक्षित किया गया है। 1033 गृहों का सर्वेक्षण कर 1350 प्रश्नोत्तरी-पत्रक पूरित हुए हैं। सर्वेक्षण में प्रवास गतिविधियों में संलग्न 1863 पुरूषों एवं 2062 महिलाओं तथा प्रवास गतिविधियों में असंलग्न 5101 व्यक्तियों के विषय में तथ्य संग्रहीत किये गये हैं। इन तथ्यों को वर्गीकृत एवं सारणीयन करके न्यादर्श को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

न्यादर्श में अंत: प्रवास

(In-migration in Sample Distribution)

अंत: प्रवासियों का धर्म वितरण

(Religion-wise distribution of In-migrants)

सारणी संख्या 1·0 में अंत: प्रवासियों का धर्म वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में कुल 2878 अन्त: प्रवासियों का अध्ययन किया गया है जिसमें 1495 (51·95%) पुरूष-अन्त: प्रवासी एवं 1383 (48·05%) महिला-अन्त: प्रवासी हैं। समस्त अंत: प्रवासियों को सह-अंत: प्रवास एवं स्व-अंत: प्रवास के अनुसार विभक्त करने पर कुल सह-अंत: प्रवासियों की संख्या 1722 है जिसमें 398 (22·11%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी एवं 1324 (76·89%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। स्व-अंत: प्रवासियों की संख्या 1156 है जिसमें 1097 (94·90%) पुरूष स्व-अंत: प्रवासी एवं 59 (5·10%) महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं।

धर्म के अनुसार अंत: प्रवासियों को स्पष्ट करने के लिए चार प्रमुख धर्मों हिन्दू, इस्लाम, सिक्ख एवं ईसाई धर्म को लिया गया है। विभिन्न धर्मावलम्बियों को सह-अंत: प्रवासी एवं स्व-अंत: प्रवासी के रूप में विभक्त किया गया है। सह-अंत: प्रवासियों को पुरूष सह-अंत: प्रवास एवं महिला सह-अंत: प्रवास के वर्ग में विभक्त करने के बाद दोनों वर्गों को वैवाहिक एवं अन्य कारक के रूप में भी स्पष्ट किया गया है। जबकि स्व-अंत: प्रवासियों को मात्र पुरूष स्व-अंत: प्रवासी एवं महिला स्व-अंत: प्रवासी के रूप में ही स्पष्ट किया गया है।

सारिणी संख्या - 1.0

धर्मानुसार अंत: प्रवास

(RELIGION-WISE DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS)

अन्त: प्रवासियों का धर्म	सह-अंत: प्रवास (%)							स्व-अंत: प्रवास (%)		
	पुरुष सह-अंत: प्रवासी			महिला सह-अंत: प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-अंत: प्रवासी	महिला स्व-अंत: प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
हिन्दू	4 0·23	364 21·14	368 21·37	624 36·24	562 32·64	1186 68·87	1554 90·24	1029 89·01	53 4·58	1082 93·60
इस्लाम	1 0·06	16 0·93	17 0·99	73 4·24	11 0·64	84 4·88	101 5·87	17 1·47	-	17 1·47
सिख	-	4 0·23	4 0·23	26 1·51	13 0·75	39 2·26	43 2·50	24 2·08	5 0·43	29 2·51
ईसाई	-	9 0·52	9 0·52	5 0·29	10 0·58	15 0·87	24 1·39	27 2·34	1 0·09	28 2·41
योग	5 0·29%	393 22·82	398 23·11	728 42·28	596 34·61	1324 76·89	1722 100·00	1097 94·90	59 5·10	1156 100·00
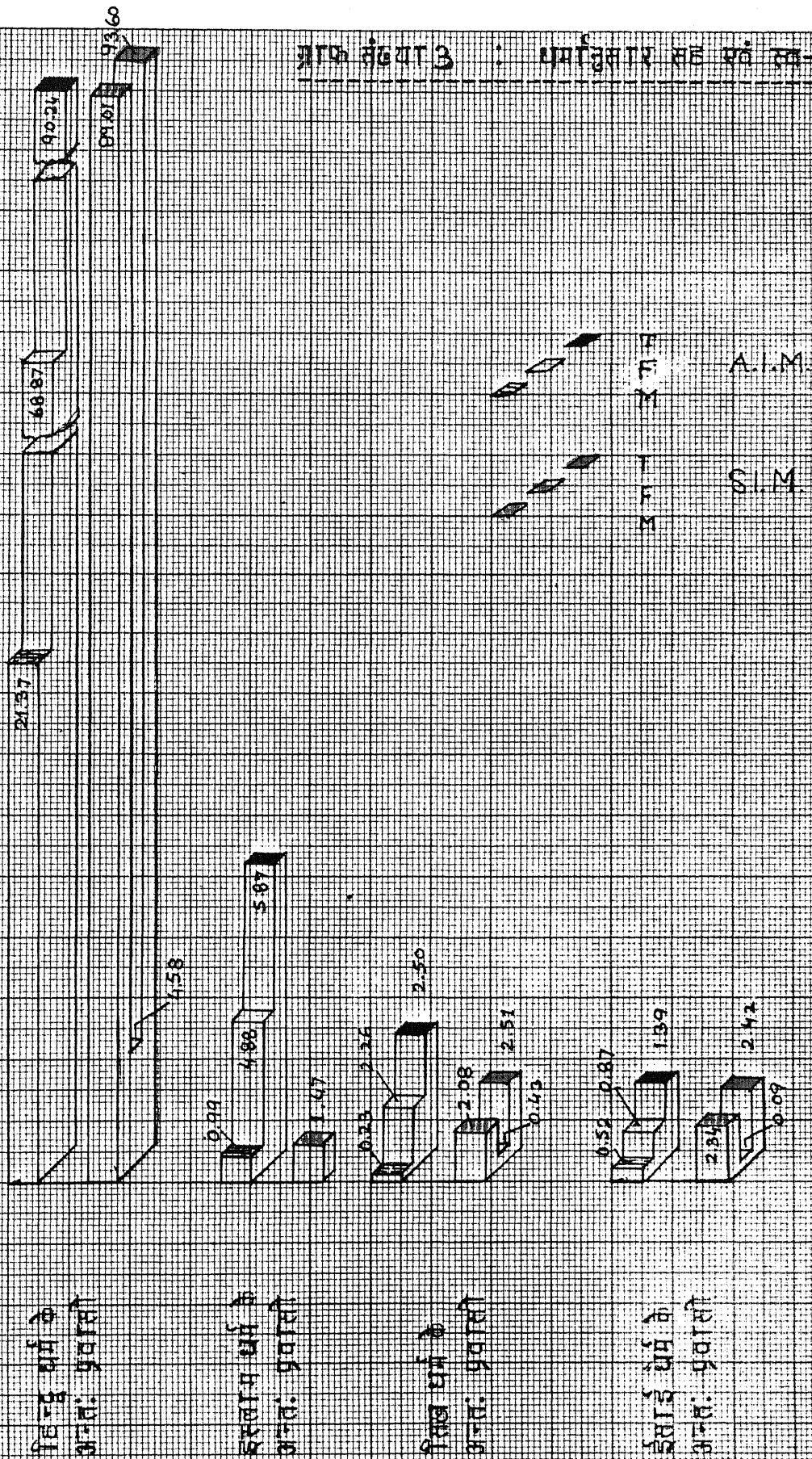
समस्त 1722 सह-अंत: प्रवासियों में 1554 (90·24%) सह-अंत: प्रवासी हिन्दू धर्मावलम्बी हैं, जिसमें 368 (21·37%) पुरूष अंत: प्रवासी एवं 1186 (68·87%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। पुरूष सह-अंत: प्रवास में वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 4 (0·23%) एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 364 (21·14%) हिन्दू धर्म के पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार 368 (31·37%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी हिन्दू धर्मानुयायी हैं। महिला सह-अंत: प्रवास में वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 624 (36·24%) एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 562 (32·64%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार 1186 महिला सह-अंत: प्रवासी हैं।

समस्त सह-अंत: प्रवासियों में 101 (5·87%) सह-अंत: प्रवासी इस्लाम धर्मावलम्बी हैं जिसमें 17 (0·99%) पुरूष एवं 84 (4·88%) महिलाऐं हैं। इस धर्म के पुरूष सह-अंत: प्रवास में वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 1 (0·06%) एवं अन्य कारकों के अन्तर्गत 16 (0·93%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं। महिला सह-अंत: प्रवास के अन्तर्गत इस धर्म के 84 (4·88%) महिला सह-अंत: प्रवासियों में 73 (4·24%)महिलाओं ने वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 11 (0·64%) महिलाओं ने अन्य कारक के अन्तर्गत अंत: प्रवास किया है।

समस्त सह-अंत: प्रवासियों में 43(2·5%) सिख धर्मावलम्बी हैं। इस धर्म के 4 (0·23%) पुरूष सह-अंत: प्रवासियों में समस्त पुरूष अन्य कारकों के अन्तर्गत आते हैं। जबकि वैवाहिक कारकों के अन्तर्गत पुरूष सह-अंत: प्रवासी शून्य हैं। इस धर्म के 39 (2·26%) महिला सह-अंत: प्रवासियों में 26 (1·51%) वैवाहिक कारकों के अन्तर्गत एवं 13 (0·75%) महिला

सह-अंत: प्रवासी अन्य कारकों के अन्तर्गत हैं।

ईसाई धर्मावलम्बी सह-अंत: प्रवासियों की संख्या 24 (1·39%) है, जिसमें 9 (0·52%) पुरूष एवं 15 (0·87%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। पुरूष सह-अंत: प्रवास में समस्त पुरूष अन्य कारकों के अन्तर्गत हैं जबकि वैवाहिक कारकों के अन्तर्गत पुरूष सह-अंत: प्रवासी शून्य हैं। समस्त 24 (1·39%) महिला सह-अंत: प्रवासियों में वैवाहिक कारकों के अन्तर्गत 5 (0·29%) एवं अन्य कारकों के अन्तर्गत 10 (0·58%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं।

सर्वाधिकता के आधार पर 90·24% हिन्दू धर्म, 5·87% इस्लाम धर्म, 2·5% सिख धर्म, एवं 1·39% ईसाई धर्म के अनुयायी सह-अंत: प्रवासी हैं। पुरूष सह-अंत: प्रवास में 0·29% वैवाहिक कारकों के अन्तर्गत एवं 22·82% अन्य कारकों के अन्तर्गत सह-अन्त: प्रवासी हैं। इस प्रकार कुल पुरूष सह-अन्त: प्रवासी 23·11% हैं। महिला सह-अंत: प्रवास में 42·28% वैवाहिक कारकों के अन्तर्गत एवं 34·61% अन्य कारकों के अन्तर्गत सह-अन्त: प्रवासी हैं। कुल 76·89% महिला सह-अंत: प्रवासी हैं।

सह-अंत: प्रवास में महिलाओं का प्रभुत्व रहा। वैवाहिक एवं अन्य कारक दोनों क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरूष सह-अंत: प्रवासियों की अपेक्षा अत्यधिक अन्त: प्रवास किया है। यद्यपि ईसाई धर्मावलम्बियों का समग्र रूप में चौथा स्थान अन्त: प्रवास के क्षेत्र में रहा लेकिन पुरूष सह-अंत: प्रवासियों में वे तृतीय स्थान पर रहे एवं सिख धर्म का चौथा स्थान रहा।

धर्मानुसार सह-अंत: प्रवासियों को विभक्त करने के अनन्तर स्व-अंत: प्रवासियों को लिया गया है, लेकिन इनको मुख्य दो वर्गों पुरूष स्व-अंत: प्रवास एवं महिला स्व-अंत: प्रवास के ही रूप में अध्ययन किया गया है।

न्यादर्श के समस्त 2878 अन्त: प्रवासियों में 1156 §40·17%§ स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 1097 §94·90%§ पुरूष एवं 59 §5·10%§ महिलायें हैं। न्यादर्श के समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों में हिन्दू धर्मावलम्बियों की संख्या 1082 §93·60%§ हैं जिसमें 1029 §89·01%§ पुरूष एवं 53 §4·58%§ महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। इस्लाम धर्म के स्व-अंत: प्रवासियों की संख्या 17 §1·47%§ है। इस क्षेत्र में समस्त अन्त: प्रवासी पुरूष वर्ग के ही हैं, महिला वर्ग के नहीं। सिख धर्म के 29 §2·51%§ स्व-अंत: प्रवासियों में 24 §2·08%§ पुरूष एवं 5 §0·43%§ महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। ईसाई धर्म के 28 §2·42%§ मतावलम्बियों में 27 पुरूष एवं मात्र 1 §0·09%§ महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं।

संक्षिप्त रूप में सर्वाधिक स्व अंत: प्रवासी - हिन्दू 93·6% , सिख 2·51%, ईसाई 2·42%, एवं इस्लाम धर्मावलम्बी 1·47% स्व-अंत: प्रवासी हैं ।

TABLE 1.1

CASTE DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS

IN-MIGRANTS CASTE	ACCOMPANIED IN MIGRATION							SELF IN MIGRATION		
	MALE			FEMALE			GRAND TOTAL	MALE	FEMALE	GRAND TOTAL
	MARR-IAGE	ACCOMPA-NIED WITH GUARDIAN (OTHER)	TOTAL	MARR-IAGE	ACCOMP-ANIED WITH GUAR-DIAN(OTHER	TOTAL				
A.HINDU RELIGION	4 0.23	364 21.14	368 21.37	624 36.24	562 32.64	1186 68.87	1554 90.24	1029 89.01	53 4.58	1082 93.60
1. Brahmin	1 0.06	201 11.67	202 11.73	209 12.14	202 11.73	411 23.87	613 35.60	411 35.55	13 1.12	424 36.68
2. Kchatriya	-	46 2.67	46 2.67	39 2.26	73 4.24	112 6.50	158 9.18	163 14.10	9 0.78	172 14.88
3. Vaishaya	-	51 2.96	51 2.96	112 6.50	69 4.0	181 10.50	232 13.47	96 8.30	8 0.69	104 9.00
4. Kayastha	-	26 1.51	26 1.51	104 6.03	133 7.72	237 13.76	263 15.27	169 14.62	19 1.64	188 16.26
5. Functional Caste	1 0.06	13 0.75	14 0.81	64 3.72	27 1.57	91 5.28	105 6.09	48 4.15	1 0.09	49 4.24
6. Schedule Caste	1 0.06	4 0.23	5 0.29	36 2.09	16 0.92	52 3.01	57 3.31	49 4.24	2 0.17	51 4.41
7. Backward Caste	4 0.06	23 1.34	24 1.39	60 3.48	42 2.44	102 5.92	126 7.32	93 8.04	1 0.09	94 8.13
8. Other	1 0.06	29 1.68	30 1.74	104 6.03	34 1.97	138 8.01	168 9.76	68 5.88	6 0.52	74 6.40
TOTAL	5 0.29	393 22.82	398 23.11	728 42.28	596 34.61	1324 76.89	1722 100.00	1097 94.90	59 5.10	1156 100.00

TABLE 1.2

CASTE DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS II

IN-MIGRANTS CASTE	ACCOMPANIED IN MIGRATION							SELF IN MIGRATION		
	MALE			FEMALE			GRAND TOTAL	MALE	FEMALE	GRAND TOTAL
	MARR-IAGE	ACCOMP-ANIED WITH GUARDIAN (OTHER)	TOTAL	MARR-IAGE	ACCOMP-ANIED WITH GUARDIAN (OTHER)	TOTAL				
1. Brahmin	01 0.06	201 12.93	202 13.0	209 13.45	202 13.0	411 26.45	613 39.45	411 37.99	13 1.20	424 39.19
2. Kshatriya	-	46 2.96	46 2.96	39 2.51	73 4.70	112 7.21	158 10.17	163 15.06	09 0.83	172 15.90
3. Vaishaya	-	51 3.28	51 3.28	112 7.21	69 4.44	181 11.65	232 14.93	96 8.87	08 0.74	104 4.61
4. Kayastha	-	26 1.67	26 1.67	104 6.69	133 8.56	237 15.25	263 16.92	169 15.62	19 1.76	188 -
5. Functional Caste	01 0.06	13 0.84	14 0.90	64 4.12	27 1.74	91 5.86	105 6.76	48 4.44	01 0.09	49 4.53
6. Schedule Caste	01 0.06	04 0.26	05 0.32	36 2.32	16 1.03	52 3.35	57 3.67	49 4.53	02 0.18	51 4.71
7. Backward Caste	01 0.06	23 1.48	24 1.54	40 3.86	42 2.70	102 6.56	126 8.11	93 17.38	01 0.09	94 8.69
TOTAL (HINDU RELIGION)	04 0.26	364 23.42	368 23.68	624 40.15	562 36.16	1186 76.32	1554 100.00	1029 -	53 -	1082 100.00

अंत: प्रवासियों का जाति-वितरण

(Caste distribution of In-migrants)

सारणी संख्या 1·1 एवं 1·2 में अंत: प्रवासियों का जाति-वितरण प्रदर्शित है। अन्त: प्रवासियों के जाति-वितरण में हिन्दू धर्म के जातियों को लिया गया है। अन्य धर्मों में जाति-विभेद के अभाव के कारण यह अध्ययन मात्र हिन्दू धर्म के जाति की ओर ही संकेत करता है।

हमारे न्यादर्श के कुल 1722 सह-अंत: प्रवासियों में 1186 सह-अंत: प्रवासी हिन्दू हैं जो कि सम्पूर्ण सह-अंत: प्रवास का 90·24% है। इसमें पुरूष 368 {21·37%} एवं महिला सह-अन्त: प्रवासी 1186 {68;87%} हैं।

हिन्दू धर्म के जातियों में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ, कर्मकारक जाति, अनुसूचित एवं पिछड़ी जाति को लिया गया है। हिन्दू धर्म के 368 पुरूष सह-अंत: प्रवासियों में ब्राह्मण पुरूष सह-अंत: प्रवासी 202 {11·73%} क्षत्रिय पुरूष सह-अंत: प्रवासी 46 {2·67%}, वैश्य पुरूष सह-अंत: प्रवासी 51 {2·96%}, कायस्थ पुरूष सह-अंत: प्रवासी 26 {1·51%}, कर्मकारक जाति के पुरूष सह-अंत: प्रवासी 14 {0·81%}, अनुसूचित जाति के 5 {0·29%} एवं पिछड़ी जाति के 24 {1·39%} सह-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार सम्पूर्ण पुरूष सह-अंत: प्रवासी 368 हैं, जो कि हिन्दू धर्म के सह-अंत: प्रवासिक आधार पर 23·68% एवं सम्पूर्ण न्यादर्श के सह-अंत: प्रवासिक आधार पर 21·37% हैं।

पुरूष सह-अंत: प्रवास को दो कारकों में भी विभाजित किया गया है। वैवाहिक कारक एवं अन्य कारक। वैवाहिक कारक के अन्तर्गत पुरूष सह-अंत: प्रवासियों में ब्राह्मण पुरूष सह-अंत: प्रवासी 01 (0·06%) अनुसूचित जाति के 0·06%, पिछड़ी जाति के 0·06%, एवं कर्मकारक जाति के सह-अंत: प्रवासी 0·06% हैं। शेष क्षत्रिय, वैश्य एवं कायस्थ जाति में वैवाहिक कारकों के अन्तर्गत पुरूष सह-अंत: प्रवासी नहीं हैं। इस प्रकार हिन्दू धर्म में इस कारक में न्यादर्श का 0·23% पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं।

अन्य कारकों के अन्तर्गत (यहां अन्य कारकों से तात्पर्य संरक्षक के साथ होने के कारण या भरण-पोषण करने वाले सदस्य के साथ होने के कारण है) हिन्दू धर्म में 364 पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं जो सम्पूर्ण न्यादर्श का 21·14% एवं हिन्दू धर्म के पुरूष अन्त: प्रवासियों का 23·42% है। इसका जातिगत विश्लेषण इस प्रकार है - ब्राह्मण पुरूष सह-अंत: प्रवासी 201 (11·67%), क्षत्रिय पुरूष सह-अंत: प्रवासी 46 (2·67%), वैश्य पुरूष सह-अंत: प्रवासी 51 (2·96%), कायस्थ पुरूष सह-अंत: प्रवासी 26 (1·51%), कर्मकारक जाति के 13 (0·75%), अनुसूचित जाति के 4 (0·23%) एवं पिछड़ी जाति के पुरूष सह-अंत: प्रवासी 23 (1·34%), हैं।

हिन्दू धर्म के महिला सह-अंत: प्रवासी 1186 हैं, जो कि सम्पूर्ण न्यादर्श के सह-अंत: प्रवासियों का 68·87% एवं सम्पूर्ण हिन्दू धर्म के सह-अंत: प्रवासियों का 76·32% हैं। इसमें जातिगत विभाजन इस प्रकार

है - ब्राह्मण महिला 411 §23·87%§, क्षत्रिय महिला 112 §6·50%§, वैश्य महिला 181 §10·51%§, अनुसूचित जाति की महिला 52 §3·01%§, कायस्थ महिला 237 §13·76%§, पिछड़ी जाति के महिला सह-अंत: प्रवासी 102 §5·92%§ एवं कर्मकारक जाति के महिला सह-अंत: प्रवासी 91 §5·28%§ है।

पुरूष सह-अंत: प्रवास की भांति महिला सह-अंत: प्रवास को भी दो वर्गों में विभक्त किया गया है - वैवाहिक कारक एवं अन्य कारक। महिला सह-अंत: प्रवास में ये दोनों कारक अति महत्वपूर्ण हैं। वैवाहिक कारक के अन्तर्गत हिन्दू धर्म के 624 महिला सह-अंत: प्रवासी हैं जो कि न्यादर्श के सम्पूर्ण सह-अंत: प्रवासियों का 36·24% एवं हिन्दू धर्म के सम्पूर्ण सह-अन्त: प्रवासियों का 40·15% है। इस कारक के अन्तर्गत जातिगत सह-अंत: प्रवास विभाजन इस प्रकार है -

ब्राह्मण महिला सह-अंत: प्रवासी 209 §12·14%§, क्षत्रिय महिला सह-अंत: प्रवासी 39 §2·26%§, वैश्य महिला सह-अंत: प्रवासी 112 §6·50%§, अनुसूचित जाति की महिला सह-अंत: प्रवासी 36§2·09%§, कायस्थ महिला सह-अंत: प्रवासी 104 §6·03%§, पिछड़ी जाति के महिला सह-अंत: प्रवासी 60 §3·48%§, एवं कर्मकारक जाति के 64§3·12%§, महिला सह-अंत: प्रवासी हैं।

अन्य कारक के अंतर्गत महिला सह-अंत: प्रवासी 562 हैं जो कि न्यादर्श के सम्पूर्ण अंत: प्रवासियों का 32·64% है एवं हिन्दू धर्म के सम्पूर्ण

सह-अंत: प्रवासियों का 36·16% है। इस कारक के अन्तर्गत महिला सह-अंत: प्रवासियों का विभाजन इस प्रकार है - ब्राह्मण महिला सह-अंत: प्रवासी 202 (11·73%), क्षत्रिय महिला सह-अंत: प्रवासी 73 (4·24%), वैश्य महिला सह-अंत: प्रवासी 69 (4%), अनुसूचित जाति की महिला सह-अंत: प्रवासी 16 (0·90%), कायस्थ महिला सह-अंत: प्रवासी 133 (7·72%), पिछड़ी जाति की महिला सह-अंत: प्रवासी 42 (2·44%), एवं कर्मकारक जाति की महिला सह-अंत: प्रवासी 27 (1·57%) हैं।

पुरूष एवं महिला सह-अंत: प्रवासियों को समग्र रूप में रखने पर हिन्दू धर्म के 1554 (90·24%) सह-अंत: प्रवासियों में ब्राह्मण सह-अंत: प्रवासी 613 (35·60%), क्षत्रिय 158 (9·18%), वैश्य 232 (13·47%), अनुसूचित जाति के सह-अंत: प्रवासी 57 (3·31%), कायस्थ 263 (15·27%), पिछड़ी जाति के 126 (7·32%), एवं कर्मकारक जाति के 105 (6·09%) सह-अंत: प्रवासी हैं।

जाति के आधार पर सह-अंत: प्रवासियों के विश्लेषण के बाद स्व-अंत: प्रवासियों को लिया गया है। न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवासी 1082 (93·60%) हैं, जिसमें पुरूष स्व-अंत: प्रवासी 1029 हैं जो न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवासियों का 89·01% एवं हिन्दू धर्म के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवासियों का 95·10% है।

हिन्दू-धर्म के जाति विभेद के आधार पर ब्राह्मण पुरूष स्व-अंत: प्रवासी 411 §35·55%§; क्षत्रिय पुरूष 163 §14·10%§, वैश्य पुरूष 96 §8·30%§, अनुसूचित जाति के पुरूष 49 §4·24%§, कायस्थ पुरूष 169 §14·62%§, पिछड़ी जाति के 93 §8·04%§ एवं कर्मकारक जाति के पुरूष स्व-अंत: प्रवासी 48 §4·15%§ है। इस प्रकार इस धर्म में कुल पुरूष स्व-अंत: प्रवासी 1029 हैं जो कि न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवास का 89·01% एवं हिन्दू धर्म के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवास का 95·10% है।

महिला स्व-अंत: प्रवास में जाति विभेद के आधार पर ब्राह्मण महिला 13 §1·12%§, क्षत्रिय महिला 9 §0·78%§, वैश्य महिला 8 §0·69%§, अनुसूचित जाति की महिला 2 §0·17%§, कायस्थ महिला 19 §1·64%§, पिछड़ी जाति की महिला 1 §0·09%§, एवं कर्मकारक जाति की महिला स्व-अंत: प्रवासी 1 §0·09%§ हैं। इस प्रकार इस धर्म में कुल महिला स्व-अंत: प्रवासी 53 है,जो कि न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवास का 4·58% एवं हिन्दू धर्म के सम्पूर्ण स्व-अंत:प्रवास का 4·90% है।

स्व-अंत: प्रवास में पुरूष एवं महिला स्व-अंत: प्रवासियों को समग्र रूप में रखने पर इस धर्म में कुल स्व-अंत: प्रवासी 1082 हैं, जो कि न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवास का 93·6% है। जाति-विभेद के आधार पर समग्र रूप से - ब्राह्मणस्व-अंत: प्रवासी 424 §36·68%§, क्षत्रिय 172 §14·88%§, वैश्य 104 §9%§, अनुसूचित जाति के 51 §4·41%§, कायस्थ 188 §16·26%§, पिछड़ी जाति 94 §8·13%§, एवं कर्मकारक जाति के 49 §4·24%§ स्व-अंत: प्रवासी हैं।

स्पष्ट है कि सह-अंतः प्रवास में एक ओर महिला वर्ग का प्रभुत्व है तो स्व-अंतः प्रवास में पुरूष वर्ग का। महिलाओं का सह-अंतः प्रवास पक्ष वैवाहिक एवं संरक्षक के साथ होने के कारण सबल है जबकि यही तथ्य पुरूषों के साथ उल्टा है। ब्राह्मण अन्तः प्रवासी महिला एवं पुरूष दोनों अंतः प्रवासों में प्रमुख है। इसके बाद कायस्थ अन्तः प्रवासी, वैश्य अन्तः प्रवासी, क्षत्रिय अंतः प्रवासी प्रमुख हैं।

सारिणी संख्या - 1.3

अंतः-प्रवासियों का आयु-वितरण

(AGE DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS)

अन्तः प्रवासियों का आयु-वर्ग (वर्षों में)	सह-अन्तः प्रवास (%)							स्व-अन्तः प्रवास (%)		
	पुरुष सह-अन्तः प्रवासी			महिला सह-अन्तः प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-अंतः प्रवासी	महिला स्व-अन्तः प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
0-4	-	14 0.81%	14 0.81%	-	11 0.64%	11 0.64%	25 1.45%	-	-	-
5-9	-	40 2.32%	40 2.32%	-	20 1.16%	20 1.16%	60 3.48%	2 0.17%	1 0.09%	3 0.26%
10-19	-	77 4.47%	77 4.47%	209 12.14%	98 5.69%	307 17.83%	384 22.30%	134 11.59%	11 0.95%	145 12.54%
20-29	2 0.12%	121 7.03%	123 7.15%	507 19.44%	108 6.27%	615 35.71%	738 42.68%	390 33.74%	21 1.82%	411 35.55%
30-39	3 0.17%	42 2.44%	45 2.61%	12 0.70%	97 5.63%	109 6.33%	154 8.94%	197 17.04%	6 0.52%	203 17.56%
40-49	-	34 1.97%	34 1.97%	-	120 6.97%	120 6.97%	154 8.94%	181 15.66%	4 0.35%	185 16.00%
50-59	-	26 1.51%	26 1.51%	-	70 4.07%	70 4.07%	96 5.57%	129 11.16%	9 0.78%	138 11.94%
60 +	-	39 2.26%	39 2.26%	-	72 4.18%	72 4.18%	111 6.45%	64 5.54%	7 0.61%	71 6.14%
योग	5 0.29%	393 22.82%	398 23.11%	728 42.28%	596 34.61%	1324 76.89%	1722 100.00%	1097 94.90%	59 5.10%	1156 100.00%

अंत: प्रवासियों का आयु-वितरण

(Age-distribution of In-migrants)

सारणी संख्या 1·3 में अंत:-प्रवासियों का आयु-वितरण प्रदर्शित है। इलाहाबाद नगर में सह-अंत: प्रवासियों की संख्या न्यादर्श के अध्ययन के अनुसार 1722 है। इसमें पुरूष सह-अंत: प्रवासी 23·11% एवं महिला सह-अंत: प्रवासी 76·89% हैं। पुरूष सह-अंत: प्रवास के वैवाहिक कारक के अन्तर्गत मात्र 5 पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं जिसमें, 20-30 आयु वर्ग में 2 (0·12%) एवं 30-40 आयु वर्ग में 3 (0·17%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं। पुरूष सह-अंत: प्रवास के अन्य कारक के अंतर्गत 0-5 आयु वर्ग में 14 (0·81%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी, 5-10 आयु वर्ग में 40 (2·32%), पुरूष सह-अंत: प्रवासी, 10-20 आयु वर्ग में 77 (4·47%) पुरूष, 20-30 आयु वर्ग में 121 (7·03%) पुरूष, 30-40 आयु वर्ग में 42 (2·44%) पुरूष, 40-50 आयु वर्ग में 34 (1·97%) पुरूष, 50-60 आयु वर्ग में 26 (1·51%), एवं 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 39 (2·26%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं। पुरूष सह-अंत: प्रवास के अन्य कारक में इस प्रकार 393 (22·82%) अन्त: प्रवासी एवं वैवाहिक कारक में 5 (0·29%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं।

समग्र रूप से वैवाहिक एवं अन्य कारक को विश्लेषित करने पर 0-5 आयु वर्ग में 14 (0·81%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी, 5-10 आयु वर्ग में 40 (2·32%) पुरूष, 10-20 आयु वर्ग में 77 (4·47%) पुरूष, 20-30 आयु

ग्राफ संख्या 4 : आयु-वर्गानुसार सह एवं स्व-अन्तः प्रवास
6.45
4.18
2.26
5.54
0.61
6.14
60 + आयु-वर्ग
5.57
4.07
0.51
11.16
0.78
11.94
50-59 आयु-वर्ग
8.94
6.97
1.97
15.66
0.36
16.1
40-49 आयु-वर्ग
8.94
6.33
2.61
17.04
0.52
17.56
30-39 आयु-वर्ग
42.86
35.71
7.15
33.74
1.82
35.55
20-29 आयु-वर्ग
22.30
17.83
4.47
11.59
0.95
12.54
10-19 आयु-वर्ग
1.16
3.48
2.32
0.17, 0.09
5-9 आयु-वर्ग
T= M+F
A.I.M.
0.44
0.81
1.45
0-4 आयु-वर्ग
F+M =T
S.I.M.
20 18 16 14 12 10 8 6 4 2 0 2 4 6 8 10 12 14 16 18 20
%

वर्ग में 123 §7·15%§ पुरूष, 30-40 आयु वर्ग में 45 §2·61%§ पुरूष, 40-50 आयु वर्ग में 34 §1·97%§ पुरूष, 50-60 आयु वर्ग में 26 §1·51%§ पुरूष, एवं 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 39 §2·26%§ पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार कुल 398 §23·11%§ पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं।

सह-अंत: प्रवास के महिला वर्ग को भी दो कारकों वैवाहिक एवं अन्य कारक में विभाजित किया गया है।

वैवाहिक कारक के अन्तर्गत मात्र तीन आयु-वर्ग में अन्त:प्रवास हुआ है। 10-20 आयु वर्ग में 209 §12·14%§ महिला सह-अंत: प्रवासी, 20-30 आयु वर्ग में 507 §29·44%§, एवं 30-40 आयु वर्ग में 12 §0·70%§ महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार इस कारक में 728 महिला सह-अंत: प्रवासी हैं जो कि न्यादर्श के सम्पूर्ण सह-अंत: प्रवास का 42·28% है।

अन्य कारक के अन्तर्गत 0-5 आयु वर्ग में 11 §0;64%§ शिशु§महिला§, सह-अंत: प्रवासी, 5-10 आयु वर्ग में 20 §1·16%§ महिलायें, 10-20 आयु वर्ग में 98 §5·69%§ महिलायें, 20-30 आयु वर्ग में 108 §6·27%§ महिलायें, 30-40 आयु वर्ग में 97 §5·63%§ महिलायें, 40-50 आयु वर्ग में 120§6·97%§ महिलायें, 50-60 आयु वर्ग में 70 §4·07%§ महिलायें, 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 72 §4·18%§ महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार इस कारक में 596 महिला सह-अंत: प्रवासी हैं जो न्यादर्श के सम्पूर्ण सह-अंत: प्रवास का 34·61% है।

समग्र रूप से स्त्री सह-अंतः प्रवास के दोनों कारकों के अन्तर्गत 0-5 आयु वर्ग में 11 §0·64%§ शिशु §महिला§ सह-अंतः प्रवासी, 5-10 आयु वर्ग में 20 §1·16%§ महिलायें, 10-20 आयु वर्ग में 307 §17·83%§, 20-30 आयु वर्ग में 615 §35·71%§, 30-40 आयु वर्ग में 109 §6·33%§, 40-50 आयु-वर्ग में 120 §6·97%§, 50-60 आयु वर्ग में 70 §4·07%§, एवं 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 72 §4·18%§ महिला सह-अंतः प्रवासी हैं। इस प्रकार 1324 महिला सह-अंतः प्रवासी हैं जो न्यादर्श के सम्पूर्ण सह-अंतः प्रवास का 76·89% हैं।

सह-अंतः प्रवास के पुरूष एवं महिला अंतः प्रवासियों को अलग-अलग स्पष्ट करने के बाद यहां दोनों को सम्मिलित रूप से भी विश्लेषित किया गया है।

0-5 आयु वर्ग में 25 §1·45%§ सह-अंतः प्रवासी, 5-10 आयु वर्ग में 60 §3·48%§, 10-20 आयु वर्ग में 384 §22·30%§, 20-30 आयु वर्ग में 738 §42·86%§, 30-40 आयु वर्ग में 154 §8·94%§, 40-50 आयु वर्ग में भी 154 §8·94%§, 50-60 आयु वर्ग में 96 §5·57%§, एवं 60 से अधिक आयु वर्ग में 111 §6·45%§ सह-अंतः प्रवासी हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर 1722 पुरूष एवं महिलायें सह-अंतः प्रवासी है।

सह-अंतः प्रवास के बाद स्व-अंतः प्रवास का विश्लेषण किया गया है।

न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवास के अन्तर्गत 1156 अंत: प्रवासी हैं जिसमें 1097 पुरूष अंत: प्रवासी एवं 59 महिला अंत: प्रवासी हैं जो न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवास का क्रमश: 94·90% एवं 5·10% है।

पुरूष स्व-अंत: प्रवास में 0-5 आयु वर्ग में शून्य अन्त: प्रवासी, 5-10 आयु-वर्ग में 2 §0·17%§, 10-20 आयु वर्ग में 134 §11·59%§, 20-30 आयु वर्ग में 390 §33·74%§, 30-40 आयु-वर्ग में 197 §17·04%§, 40-50 आयु वर्ग में 181 §15·66%§, 50-60 आयु वर्ग में 129 §11·16%§, एवं 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 64 §5·54%§ पुरूष स्व-अंत: प्रवासी हैं। कुल 1097 पुरूष स्व-अंत: प्रवासी हैं जो न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवास का 94·90% है।

महिला स्व-अंत: प्रवास में भी 0-5 आयु वर्ग में शून्य अंत:प्रवासी, 5-10 आयु वर्ग में 1 §0·09%§, 10-20 आयु वर्ग में 11 §0·95%§, 20-30 आयु वर्ग में 21 §1·82%§, 30-40 आयु वर्ग में 6 §0·52%§, 40-50 आयु वर्ग में 4 §0·35%§, 50-60 आयु वर्ग में 9 §0·78%§, एवं 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 7 §0·61%§ महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। कुल 59 महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं,जो न्यादर्श के सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवास का 5·10% है।

स्व-अंत: प्रवास को समग्ररूप में रखने पर §पुरूष एवं महिला वर्ग§ 0-5 आयु वर्ग में शून्य स्व-अंत: प्रवासी, 5-10 आयु वर्ग में 03 §0·26%§, 10-20 आयु वर्ग में 145 §12·54%§, 20-30 आयु वर्ग में 411 §35·55%§, 30-40 आयु वर्ग में 203 §17·56%§, 40-50 आयु-वर्ग में 185 §16%§, 50-60 आयु वर्ग में 138 §11·94%§, एवं 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 71

समग्र रूप से सर्वाधिक सह-अन्त: प्रवासी 20-30 आयु वर्ग के 42·86%, 10-20 आयु वर्ग के 22·30% , 30-40 आयु वर्ग के एवं 40-50 आयु वर्ग के 8·94% एवं 60 एवं अधिक आयु वर्ग के 6·45% सह-अंत: प्रवासी हैं।

स्व-अन्त: प्रवास के पुरूष वर्ग में सर्वाधिक 20-30 आयु वर्ग के 33·74%, 30-40 आयु वर्ग के 17·04%, 40-50 आयु वर्ग के 15·66%, 10-20 आयु वर्ग के 11·59% पुरूष स्व-अंत: प्रवासी हैं। महिला स्व-अंत: प्रवास में सर्वाधिक 20-30 आयु वर्ग के 1·82% महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं।

समग्र रूप से 20-30 आयु वर्ग के 35·55%, 30-40 आयु वर्ग के 16% स्व-अंत: प्रवासी हैं, सह-अंत: प्रवास में पुरूष अंत: प्रवासी 53·78% महिला अंत: प्रवासी से कम हैं, जबकि स्व-अंत: प्रवास में 89·80% अधिक है।

सारिणी संख्या - 1·4

अंत: प्रवासियों का शैक्षिक वितरण

(EDUCATION DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS)

अन्तः प्रवासियों का शैक्षिक - स्तर	सह - अन्तः प्रवास (%)							स्व - अन्तः प्रवास (%)		
	पुरुष सह-अन्तः प्रवासी			महिला सह-अन्तः प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-अन्तः प्रवासी	महिला स्व-अन्तः प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
अशिक्षित	-	35	35	102	92	194	229 13.30%	31 2.68%	6 0.52%	37 3.20%
>5 YRS. AGE	-	14 0.81%	14 0.81%	-	11 0.64%	11 0.64%	25 1.45%	-	-	-
<5 YRS. AGE	-	21 1.22%	21 1.22%	102 5.92%	81 4.70%	183 10.63%	204 11.85%	31 2.68%	6 0.52%	37 3.20%
साक्षर	1 0.06%	20 1.16%	21 1.22%	64 3.72%	55 3.19%	119 6.91%	140 8.13%	28 2.42%	3 0.26%	31 2.68%
प्राथमिक - स्तर	1 0.06%	48 2.79%	49 2.85%	103 5.98%	104 6.04%	207 12.02%	256 14.87%	47 4.07%	3 0.26%	50 4.33%
पूर्व-माध्यमिक-स्तर	1 0.06%	49 2.85%	50 2.90%	125 7.26%	89 5.17%	214 12.43%	264 15.33%	57 4.93%	8 0.69%	65 5.62%
माध्यमिक - स्तर	-	118 6.85%	118 6.85%	188 10.92%	138 8.01%	326 18.93%	444 25.78%	256 22.15%	14 1.21%	270 23.36%
स्नातक -स्तर	1 0.06%	65 3.77%	66 3.83%	95 5.52%	77 4.47%	172 9.99%	238 13.59%	283 24.48%	13 1.13%	296 25.61%
परास्नातक - स्तर	1 0.06%	39 2.26%	40 2.32%	39 2.26%	35 2.03%	74 4.30%	114 6.62%	300 25.95%	11 0.95%	311 26.90%
शोध-अनुसंधान-स्तर	-	3 0.17%	3 0.17%	-	-	-	3 0.17%	11 0.95%	-	11 0.95%
तक० डिप्लोमा - स्तर	-	10 0.58%	10 0.58%	1 0.06%	3 0.17%	4 0.23%	14 0.81%	39 3.37%	-	39 3.37%
तक० डिग्री -स्तर	-	6 0.35%	6 0.35%	11 0.64%	3 0.17%	14 0.81%	20 1.16%	45 3.89%	1 0.09%	46 4.00%
योग	5 0.29%	393 22.82%	398 23.11%	728 42.28%	596 34.61%	1324 76.80%	1722 100.00%	1097 94.90%	59 5.10%	1156 100.00

अंत: प्रवासियों का शैक्षिक वितरण

(EDUCATION DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS)

सारणी संख्या 1·4 में अंत: प्रवासियों का शैक्षिक वितरण प्रदर्शित है। शैक्षिक स्तर के अनुसार अन्त: प्रवास विश्लेषण में शैक्षिक स्तर को अशिक्षित, साक्षर, प्राथमिक स्तर, पूर्व माध्यमिक स्तर, माध्यमिक स्तर, स्नातक, परास्नातक, शोध, तकनीकि डिप्लोमा एवं तकनीकि डिग्री स्तर में वर्गीकृत किया गया है। अशिक्षितों को 5 वर्ष से कम आयु एवं 5 वर्ष से अधिक आयु के वर्ग में रखा गया है।

यहां भी सह-अंत: प्रवास एवं अन्त: प्रवास तथा सह-अंत: प्रवास को वैवाहिक एवं अन्य कारक के रूप में विभाजित किया गया है।

पुरूष सह-अंत: प्रवास के वैवाहिक कारक में कुल 5 (0·29%) अंत: प्रवासी पुरूष हैं। पुरूष सह-अंत: प्रवास के वैवाहिक कारक में 1 - 1 (0·6%) प्रवासी साक्षर, प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, स्नातक, एवं परास्नातक स्तरीय हैं। पुरूष-अंत: प्रवास के अन्य कारक में अशिक्षित 35 (2·03%), साक्षर 20 (1·16%), प्राथमिक स्तरीय 48 (2·79%), पूर्व माध्यमिक स्तरीय 49 (2·85%), माध्यमिक स्तरीय 118 (6·85%), स्नातक 65 (3·77%), परास्नातक 39 (2·26%), शोधार्थी 3 (0·17%), तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 10 (0·58%), तकनीकि डिग्री स्तरीय 6 (0·35%) पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार कुल 393 पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं जो न्यादर्श के सम्पूर्ण सह-अंत: प्रवास का 22·82% है। पुरूष
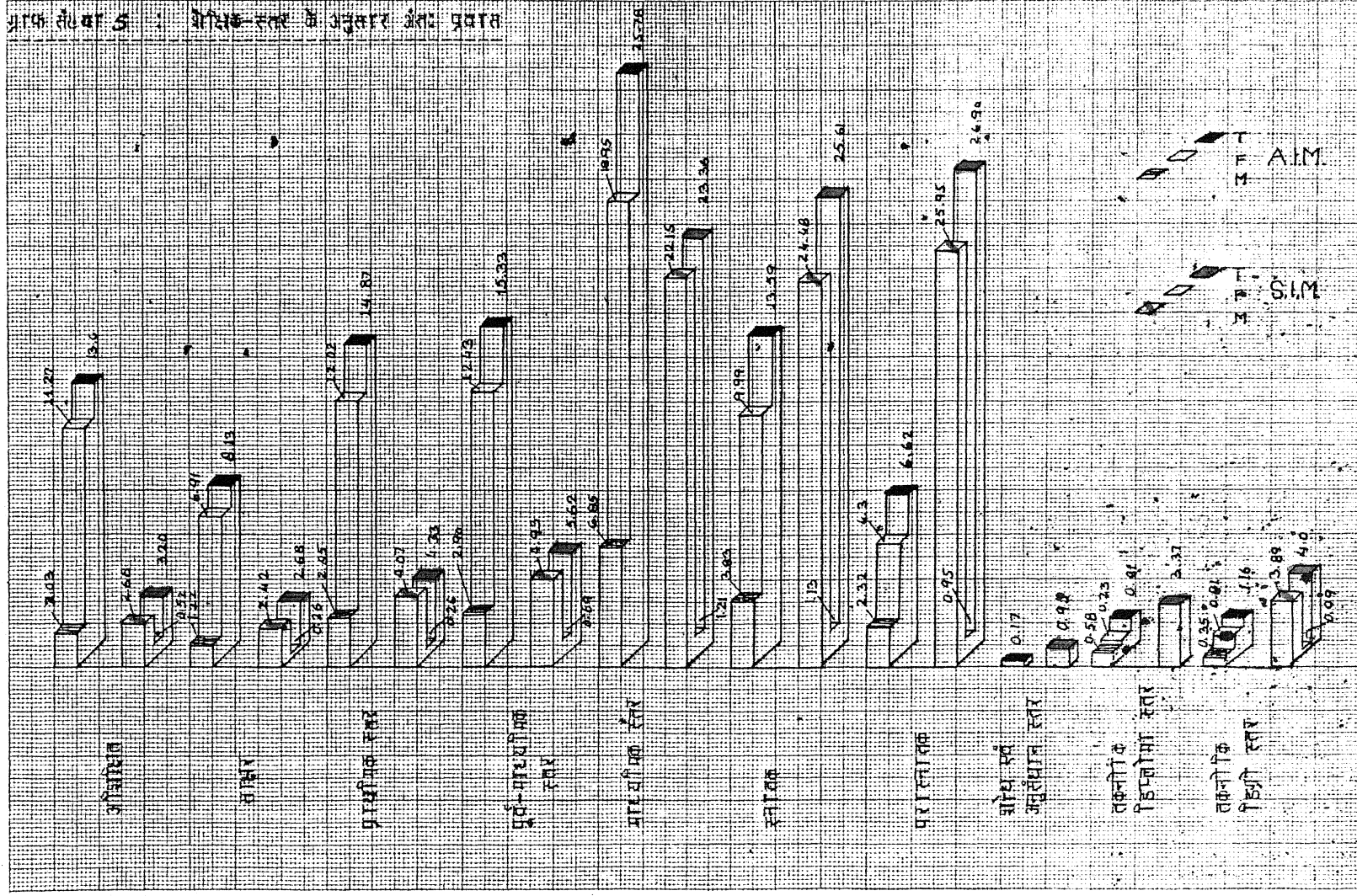
वर्ग के वैवाहिक एवं अन्य कारक में समग्र रूप से 398 §23·11%§ पुरूष सह-अंत: प्रवासी हैं।

सह-अन्त: प्रवास के महिला वर्ग को भी वैवाहिक एवं अन्य कारक में विभाजित किया गया है। वैवाहिक कारक में अशिक्षित महिलायें - 102 §5·92%§, साक्षर 64 §3·72%§, प्राथमिक 103 §5·98%§, पूर्व माध्यमिक 125 §7·26%§, माध्यमिक 188 §10·92%§, स्नातक 95 §5·52%§, परास्नातक 39 §2·26%§, शोध स्तरीय शून्य, तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 1 §0·06%§, एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 11 §0·64%§, महिला सह-अंत: प्रवासी है। कुल 728 महिला सह-अंत: प्रवासी हैं जो न्यादर्श के सम्पूर्ण सह-अंत: प्रवास का 42·28% है।

महिला सह-प्रवास के अन्य कारक के अन्तर्गत 92 अशिक्षितों में 5 वर्ष से कम आयु के शिशु सह-प्रवासी 11 §0·64%§ 5 वर्ष से अधिक आयु के अशिक्षित महिला -सह-अंत: प्रवासी 81 §4·7%§, साक्षर 55 §3·19%§, प्राथमिक स्तरीय 104 §6·04%§, पूर्व माध्यमिक स्तरीय 89 §5·17%§, माध्यमिक स्तरीय 138 §8·01%§, स्नातक 77 §4·47%§, परास्नातक 35 §2·03%§, शोध स्तरीय शून्य, तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 3 §0·17%§, एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 3 §0·17%§, महिला सह-अन्त: प्रवासी हैं।

महिला एवं पुरूष सह-अंत: प्रवासियों को विश्लेषित करने पर 229 अशिक्षितों में 5 वर्ष से कम आयु के 25 §1·45%§ सह-अंत: प्रवासी, 5 वर्ष से अधिक आयु के 204 §11·85%§, साक्षर 140 §8·13%§,

प्राथमिक 256 {14·87%}, पूर्व माध्यमिक स्तरीय 264 {15·33%}, माध्यमिक स्तरीय 444 {25·78%}, स्नातक 238 {13·59%}, परास्नातक 114 {6·62%}, शोध स्तरीय 3 {0·17%}, तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 4 {0·81%} एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 20{1·16%} सह-अंत: प्रवासी हैं, कुल 1722 सह-अंत: प्रवासी हैं।

स्व-अंत: प्रवास में अशिक्षित 37 {3·2%} अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 31 {2·68%} पुरूष एवं 6 {0·52%}, महिला-अंत: प्रवासी है। साक्षर 31 {2·68%} हैं जिसमें 28 {2·42%} पुरूष स्व-अंत: प्रवासी एवं 3 {0·26%} महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। प्राथमिक स्तरीय 150{4·33%} स्व-अंत: प्रवासी हैं जिसमें 47 {4·07%} पुरूष एवं 3 {0·26%} महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। पूर्व माध्यमिक स्तरीय 65 {5·62%} स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 57 {4·93%} पुरूष एवं 8 {0·69%} महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। माध्यमिक स्तरीय 270 {23·36%} स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 256 {22·15%} पुरूष एवं 14 {1·21%} महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। स्नातक स्तरीय 296 {25·61%} स्व-अंत: प्रवासी हैं जिसमें 243 {24·48%} पुरूष एवं 13 {1·13%} महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। परास्नातक स्तरीय 311 {26·9%} स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 300 {25·95%} पुरूष एवं 11 {0·95%} महिला स्व-अंत: प्रवासी है। शोध स्तरीय 11 {0·95%} अन्त: प्रवासी हैं, जो समस्त पुरूष हैं। तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 39 {3·37%} अन्त: प्रवासी हैं, यहाँ भी समस्त स्व-अंत: प्रवासी पुरूष ही हैं।

तकनीकि डिग्री स्तरीय 46 (4%) स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 45 (3·89%) पुरूष एवं मात्र 01 (0·09%) महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार न्यादर्श में सम्पूर्ण स्व-अंत: प्रवासी 1156 हैं, जिसमें 1097 (94·9%) पुरूष स्व-अंत: प्रवासी एवं 59 (5·1%) महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं।

सारिणी संख्या -1·5

अंत: प्रवासियों का मूल-क्षेत्र वितरण

(PLACE-OF ORIGIN-DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS)

अन्त: प्रवासियों का मूल-क्षेत्र	सह - अन्त: प्रवास (%)							स्व - अन्त: प्रवास (%)		
	पुरुष सह-अन्त: प्रवासी			महिला सह-अन्त: प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-अन्त: प्रवासी	महिला स्व-अन्त: प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
ग्रामीण - क्षेत्र	2 0.12%	148 8.59%	150 8.72%	277 16.09%	213 12.37%	490 28.46%	640 37.17%	387 33.48%	18 1.56%	405 35.03%
टाऊन-एरिया एवं नोटीफाइड एरिया	1 0.06%	136 7.90%	137 7.96%	245 14.23%	199 11.56%	444 25.78%	581 33.74%	385 33.31%	19 1.64%	404 34.95%
नगर पालिका एवं नगर महापालिका	2 0.12%	78 4.53%	80 4.65%	165 9.58%	151 8.77%	316 18.36%	396 23.00%	281 24.31%	17 1.47%	298 25.78%
मैट्रोपोलिटिन क्षेत्र	-	26 1.51%	26 1.51%	34 1.97%	30 1.74%	64 3.72%	90 5.23%	23 1.99%	-	23 1.99%
विश्व के अन्य देश (अन्तर्रा० आव्रजन)	-	5 0.29%	5 0.29%	7 0.41%	3 0.17%	10 0.58%	15 0.87%	21 1.82%	5 0.43%	26 2.25%
योग	5 0.29%	393 22.82%	398 23.11%	728 42.28%	596 34.61%	1324 76.89%	1722 100.00%	1097 94.90%	59 5.10%	1156 100.00%

अन्तः प्रवासियों का मूल-क्षेत्र वितरण

(PLACE OF ORIGIN-DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS)

सारणी संख्या 1·5 में अंतः प्रवासियों का मूल-क्षेत्र वितरण प्रदर्शित है। अन्तः प्रवासियों के मूल क्षेत्रानुसार वितरण में सह-अन्तः प्रवासियों एवं स्व-अन्तः प्रवासियों का विश्लेषण अलग-अलग किया गया है। समस्त सह-अंतः प्रवासियों के अन्तः-प्रवास-स्थल का वर्गीकरण इस प्रकार है -

1- ग्रामीण क्षेत्र से इलाहाबाद नगर में अन्तः प्रवास।

2- टाउन एरिया से इलाहाबाद नगर में अन्तः प्रवास।

3- नगर पालिका व नगर महापालिका क्षेत्रों से इलाहाबाद नगर में अन्तः प्रवास।

4- मेट्रोपोलिटन महानगरों से इलाहाबाद नगर में अन्तः प्रवास।

5- अन्तर्राष्ट्रीय प्राव्रजन।

समस्त 1722 सह-अंतः प्रवासियों में से 640 (37·17%) व्यक्तियों ने ग्रामीण क्षेत्र से इलाहाबाद नगर में सह-अंतः प्रवास किया है, जिसमें पुरूष 150 (8·72%) एवं महिलायें 490 (28·46%) हैं। समस्त पुरूषों (8·72%) में 0·12% वैवाहिक एवं 148 (8·59%) संरक्षक सह-अंतः प्रवासी हैं। समस्त महिलाओं (28·46%) में से 277 (16·09%) महिलायें वैवाहिक एवं 213 (12·37%) महिलायें संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं।
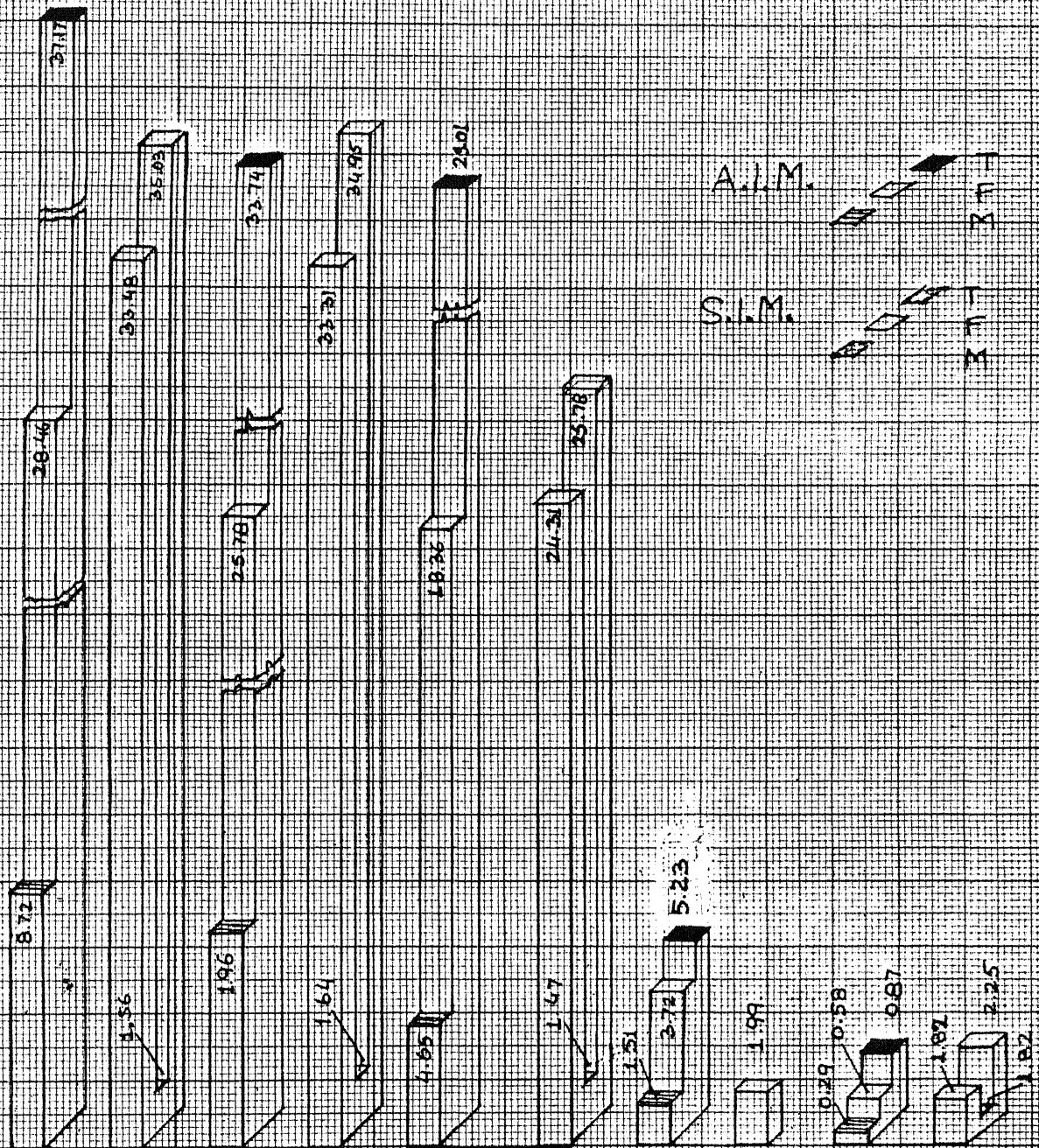
न्यादर्श के अनुसार 581 (33·74%) व्यक्तियों ने टाऊन-एरिया से इलाहाबाद नगर में सह-अंत: प्रवास किया है, जिसमें 137 (7·96%) पुरूष एवं 444 (25·78%) महिलायें हैं। पुरूषों (7·96%) में से मात्र 0·06% पुरूष वैवाहिक एवं 7·9% संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त महिलाओं (25·78%) में से 245 (14·23%) महिलायें वैवाहिक एवं 199 (11·56%) संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं।

न्यादर्श के अनुसार समस्त सह-अंत: प्रवास का 396 (23%) सह-प्रवास नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्रों से इलाहाबाद नगर में हुआ है, जिसमें 80 (4·65% पुरूष एवं 316 (18·36%) महिलायें हैं। समस्त पुरूषों (4·65%) में से 0·12% पुरूषों ने विवाह एवं 78 (4·53%) पुरूष संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त 316 (18·36%) महिलाओं में से 165 (9·58%) महिलायें वैवाहिक एवं 151 (8·77%) महिलायें संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं।

समस्त सह-अंत: प्रवासियों में से 90 (5·23%) व्यक्तियों ने मेट्रोपोलिटिन महानगरों से इलाहाबाद नगर में सह-अंत: प्रवास किया है, जिसमें 26 (1·51%) पुरूष एवं 64 (3·72%) महिलायें हैं।

समस्त पुरूष अन्य कारणों से एवं 3·72% महिलायें 1·97% वैवाहिक कारणों से एवं 1·74% महिलायें संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं। सर्वेक्षण के अनुसार समस्त सह-अंत: प्रवास का 0·87% अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन हुआ है, जिसमें 0·29% पुरूष एवं 0·58% महिलायें हैं। समस्त पुरूषों ने

अन्य कारणों से, समस्त स्त्रियों में से 0·41% ने वैवाहिक कारणों से एवं 0·17% ने संरक्षक सह-अंत: प्रवास किया है।

उपर्युक्त तथ्यों से यह स्पष्ट हुआ कि मूल क्षेत्रानुसार भी सर्वाधिक सह-अंत: प्रवासी महिलायें §76·89%§ ही हैं। सर्वाधिकता के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र से नगर में सह-अंत: प्रवासी महिलायें 28·46%, टाउनएरिया से नगर में अन्त: प्रवासी महिलायें 25·78%, नगर पालिका व नगर महापालिका क्षेत्रों से अंत: प्रवासी महिलायें §18·36%§, मेट्रोपोलिटिन महानगरों से 3·72%, एवं इलाहाबाद नगर में 0·58% महिलाओं ने अन्तर्राष्ट्रीय सह-आप्रवन किया है।

पुरूषों में भी यही प्रवृत्ति है। सर्वाधिकता के अनुसार 8·72% पुरूष अंत: प्रवासी ग्रामीण क्षेत्र से, 7·96% पुरूष टाउन एरिया से, 4·65% पुरूष नगरपालिका क्षेत्रों में, 1·51% मेट्रोपोलिटिन महानगरों से एवं 0·29% पुरूषों ने अन्तर्राष्ट्रीय सह-आप्रजन किया है। सर्वाधिक सह-अंत: प्रवासी ग्रामीण क्षेत्र के 37·17% है। इसमें महिलाओं की प्रधानता है, जिन्होंने वैवाहिक सम्बन्धों की स्थापना इलाहाबाद नगर में करके अपने वर्ग में सर्वाधिक 16·09% सह-अंत: प्रवास किया। सभी क्षेत्रों से महिलाओं ने सर्वाधिक सह-प्रवास किया है और उसका प्रमुख कारक वैवाहिक है।

हमारे न्यादर्श के अनुसार समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों में से 405 §35·03%§ ग्रामीण क्षेत्रों के हैं, जिसमें 387 §33·48%§ पुरूष एवं 18 §1·56%§ महिलायें हैं। टाउन एरिया के स्व-अंत: प्रवासी 404§34·95%§

हैं, जिसमें 385 (33·31%) पुरूष एवं 19 (1·64%) महिलायें हैं। नगरपालिका व नगर महापालिका क्षेत्रों के अन्त: प्रवासी 298 (25·78%) हैं, जिसमें 281 (24·31%) पुरूष एवं 17 (1·47%) महिलायें हैं। मेट्रोपोलिटिन महानगरों के स्व-अंत: प्रवासी 23 (1·99%) व्यक्ति हैं, जिसमें महिलायें शून्य हैं। अन्तर्राष्ट्रीय आप्रजन मात्र 26 (2·25%) हैं, जिसमें 21 (1·82%) पुरूष एवं 5 (0·43%) महिलायें हैं।

1156 स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक पुरूष 1097 (94·9%) अंत: प्रवासी हैं, जिसमें सर्वाधिक पुरूष 33·48% ग्रामीण क्षेत्रों के एवं 33·31% टाउन एरिया के हैं। महिलाओं ने मात्र 5·1% अन्त: प्रवास किया। मेट्रोपोलिटिन महानगरों से किसी भी महिला ने स्व-प्रवास नहीं किया है।

सारिणी संख्या - 1·6

अंत:-प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र-वितरण

(SPECIFIC-PLACE OF ORIGIN-DISTRIBUTION OF IN-MIGRANTS)

अन्त: प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र	सह - अन्त: प्रवास (%)							स्व - अन्त: प्रवास (%)		
	पुरुष सह-अन्त: प्रवासी			महिला सह-अन्त: प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-अन्त: प्रवासी	महिला स्व-अन्त: प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
10 किमी का क्षेत्र	-	18 1.05%	18 1.05%	32 1.86%	23 1.34%	55 3.19%	73 4.24%	33 2.85%	-	33 2.85%
इलाहाबाद जनपद	2 0.12%	86 4.99%	88 5.11%	180 10.45%	99 5.75%	279 16.20%	367 21.31%	224 19.38%	10 0.87%	234 20.24%
संलग्न जनपद	1 0.56%	115 6.68%	16 6.74%	190 11.03%	144 8.36%	334 19.40%	450 26.13%	271 23.44%	13 1.12%	284 24.57%
प्रदेश के अन्य जनपद	2 0.12%	83 4.82%	85 4.94%	186 10.80%	222 12.89%	408 23.69%	493 28.63%	359 31.06%	25 2.16%	384 33.22%
अन्य राज्य	-	86 4.99%	86 4.99%	133 7.72%	105 6.10%	238 13.82%	324 18.82%	189 16.35%	6 0.52%	195 16.87%
अंतर्राष्ट्रीय आव्रजन	-	5 0.29%	5 0.29%	7 0.41%	3 0.17%	10 0.58%	15 0.87%	21 1.82%	5 0.43%	26 2.25%
योग	5 0.29%	393 22.82%	398 23.11%	728 42.28%	596 34.61%	1324 76.89%	1722 100.00%	1097 94.90%	59 5.10%	1156 100.00%

अंत: प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र वितरण

(SPECIFIC PLACE OF ORIGIN OF IN-MIGRANTS)

सारणी संख्या 1·6 में अंत: प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र वितरण प्रदर्शित है। विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार अन्त: प्रवासियों के वितरण में सह-अंत: प्रवास एवं स्व-अन्त: प्रवास दोनों का अध्ययन अलग-अलग किया गया है। अन्त: प्रवास किस विशिष्ट क्षेत्र से हो रहा है, इसको ज्ञात करने के लिए छ: प्रवास क्षेत्रों का वर्गीकरण किया गया -

1- 10 किमी के क्षेत्र से 2- इलाहाबाद जनपद से
3- इलाहाबाद के संलग्न जनपद, 4- उत्तर-प्रदेश के अन्य जनपद
5- भारत के अन्य राज्य 6- अन्तर्राष्ट्रीय आप्रजन·

न्यादर्श के अनुसार 1722 सह-अंत: प्रवासियों में से 73 (4·24%) सह-अंत:प्रवासी 10 किमी के क्षेत्र के हैं, जिसमें 18 (1·05%) पुरूष एवं 55 (3·19%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त 1·05% पुरूष सह-अंत: प्रवासी संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं, जबकि महिलाओं में 32 (1·86%) वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी एवं 23 (1·34%) संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं।

नगर में जनपद के अन्य शेष क्षेत्र के सह-अंत: प्रवासी 367 (21·31%) हैं, जिसमें 88 (5·11%) पुरूष एवं 279 (16·20%) महिलायें हैं। समस्त 5·11% पुरूष अंत: प्रवासियों में से 0·12% पुरूषों ने वैवाहिक एवं 4·99%
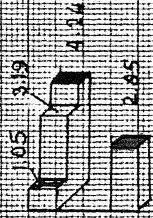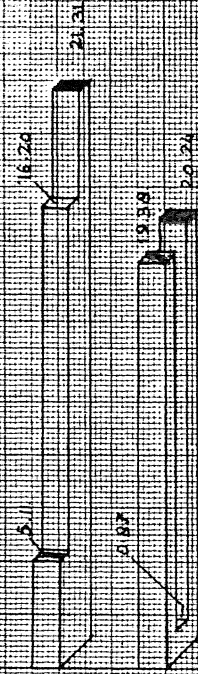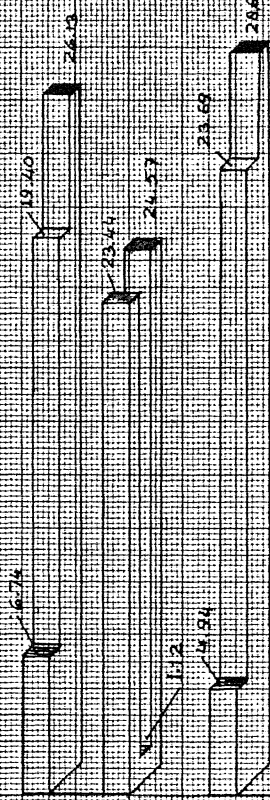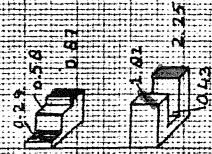
पुरूष संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं। कुल 16·2% महिला सह-अंत: प्रवासियों में से 10·45% महिलायें वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी एवं 5·75% महिलायें संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं।

सर्वेक्षण के अनुसार न्यादर्श में इलाहाबाद के संलग्न जिलों के 450 (26·13%) व्यक्तियों ने सह-अंत: प्रवास किया है, जिसमें 116 (6·74%) पुरूष एवं 334 (19·4%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त 6·74% पुरूष सह-अंत: प्रवासियों में से 0·56% वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी एवं 6·68% पुरूष संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त 19·4% महिला सह-अंत: प्रवासियों में से 11·03% महिलायें वैवाहिक कारणों से एवं 8·36% महिलायें संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं।

प्रदेश के अन्य जिलों के 493 (28·63%) सह-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 85 (4·94%) पुरूष एवं 408 (23·69%) महिलायें हैं। समस्त 4·94% पुरूषों में 0·12% पुरूष वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी एवं 83 (4·82%) पुरूष संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त 23·69% महिलाओं में से 10·8% महिलायें वैवाहिक कारणों से एवं 12·89% महिलायें संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं।

नगर में अन्य राज्यों के सह-अंत: प्रवासी 324 (18·82%) हैं, जिसमें 86 (4·99%) पुरूष एवं 238 (13·82%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त 4·99% पुरूषों ने संरक्षक के साथ अंत: प्रवास किया है। शेष 13·82% महिलाओं में से 7·72% महिलाओं ने वैवाहिक कारणों से एवं 6·1% महिलाओं ने संरक्षक के साथ सह-अंत: प्रवास किया है।

न्यादर्श के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन भी हुए हैं। 10 (0·58%) व्यक्तियों ने इलाहाबाद नगर में आव्रजन किया है, जिसमें 0·29% पुरूष संरक्षक सह-अंत: प्रवासी, एवं 10 (0·58%) महिलाओं में 0·41% वैवाहिक कारणों से एवं 0·17% संरक्षक के साथ होने के कारण अंत:प्रवास किया है। उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि इलाहाबाद नगर में सर्वाधिक 493 (28·63%) सह-अंत: प्रवासी प्रदेश के अन्य जिलों (इलाहाबाद एवं संलग्न जिलों को छोड़कर) के हैं। 26·13% इलाहाबाद के संलग्न जिलों के, 21·31% इलाहाबाद जनपद के 18·82% अन्य राज्यों के, 4·24% 10 किमी के क्षेत्र के सह-अंत: प्रवासी एवं 0·87% अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजक हैं।

विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार कुल स्व-अन्त: प्रवासी 1156 हैं, जिसमें 1097 (94·9%) पुरूष एवं 59 (5·1%) महिलायें हैं। सर्वेक्षण के अनुसार 10 किमी के क्षेत्र के नगर में स्व-अंत: प्रवासी 33 (2·85%) लोग हैं जो समस्त पुरूष अंत: प्रवासी हैं। इलाहाबाद जिले के (10 किमी के क्षेत्र को छोड़कर) सह-अंत: प्रवासी 234 (20·24%) हैं, जिसमें पुरूष 224 (19·38%) एवं 10 (0·87%) महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। इलाहाबाद संलग्न जनपदों के स्व-अंत: प्रवासी 284 (24·57%) हैं, जिसमें 271 (23·44%) पुरूष एवं 13 (1·12%) महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। उ0प्र0 के अन्य जिलों के 384 (33·22%) स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 359 (31·06%) पुरूष एवं 25 (2·16%) महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। अन्य

राज्यों के 195 (16.87%) स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 189 (16.35%) पुरूष एवं 6 (0.52%) महिलायें हैं। इलाहाबाद नगर में अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजक 26 (2.25%) हैं, जिसमें 21 (1.82%) पुरूष एवं 5 (0.43%) महिलायें हैं।

न्यादर्श में वाह्य-प्रवास

वाह्य-प्रवासियों का धर्म वितरण
(Religion-wise distribution of Out-migrants)

सारणी संख्या 1·7 वाह्य-प्रवासियों का धर्म-वितरण प्रदर्शित करता है। न्यादर्श में कुल 1049 वाह्य-प्रवासियों का अध्ययन किया गया है, जो इलाहाबाद नगर से बाहर भिन्न-भिन्न स्थानों में गये हैं। इसमें 719 सह वाह्य प्रवासी ; एवं 330 स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

719 सह-वाह्य प्रवासियों में हिन्दू धर्म के पुरुष सह-वाह्य प्रवासी 45 हैं, जिसमें 2 (0·28%) वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 43 (5·98%) अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। इस्लाम धर्म के पुरुष सह-प्रवासी 2 (0·28%) हैं, जो सभी अन्य कारक के अन्तर्गत आते हैं। सिख धर्म के अनुयायी 2 (0·28%) वाह्य प्रवासी हैं, जो अन्य कारक के अन्तर्गत आते हैं। इसाई धर्म के अनुयायी 8 (1·11%) हैं, वाह्य प्रवासी हैं, जो अन्य कारक के अन्तर्गत आते हैं। महिला सह-प्रवासियों की संख्या 662 (92·07%) है, जिसमें हिन्दू महिला सह प्रवासी 565 (78·58%) हैं, इसके अन्तर्गत वैवाहिक प्रवासी 422 (58·69%) एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 143 (19·89%) प्रवासी हैं। इस्लाम धर्म के महिला सह-प्रवासियों की संख्या 57 (7·93%) है, जिसमें 47 (6·54%) वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 10 (1·39%) अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। सिख धर्म के महिला सह-प्रवासियों की संख्या 26 (3·62%) है, जिसमें 20 (2·78%)

सारिणी संख्या - 1·7

वाह्य-प्रवासियों का धर्म-वितरण

(RELIGION-DISTRIBUTION OF OUT-MIGRANTS)

वाह्य-प्रवासियों का धर्म	सह - वाह्य - प्रवास (%)							स्व - वाह्य प्रवास (%)		
	सह-वाह्य-प्रवासी (पुरुष)			सह - वाह्य प्रवासी (महिला)			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-वाह्य-प्रवासी	महिला स्व-वाह्य-प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
हिन्दू	2 0.28%	43 5.98%	45 6.26%	422 58.69%	143 19.89%	565 78.58%	610 84.84%	262 79.39%	16 4.85%	278 84.24%
इस्लाम	-	2 0.28%	2 0.28%	47 6.54%	10 1.39%	57 7.93%	59 8.21%	31 9.39%		31 9.39%
सिख	-	2 0.28%	2 0.28%	20 2.78%	6 0.83%	26 3.62%	28 3.90%	10 3.03%	1 0.30%	11 3.33%
ईसाई	-	8 1.11%	8 1.11%	6 0.83%	8 1.11%	14 1.95%	22 3.06%	10 3.03%	-	10 3.03%
योग	2 0.28%	55 7.65%	57 7.93%	495 68.85%	167 23.23%	662 92.07%	719 100.00%	313 94.85%	17 5.15%	330 100.00%
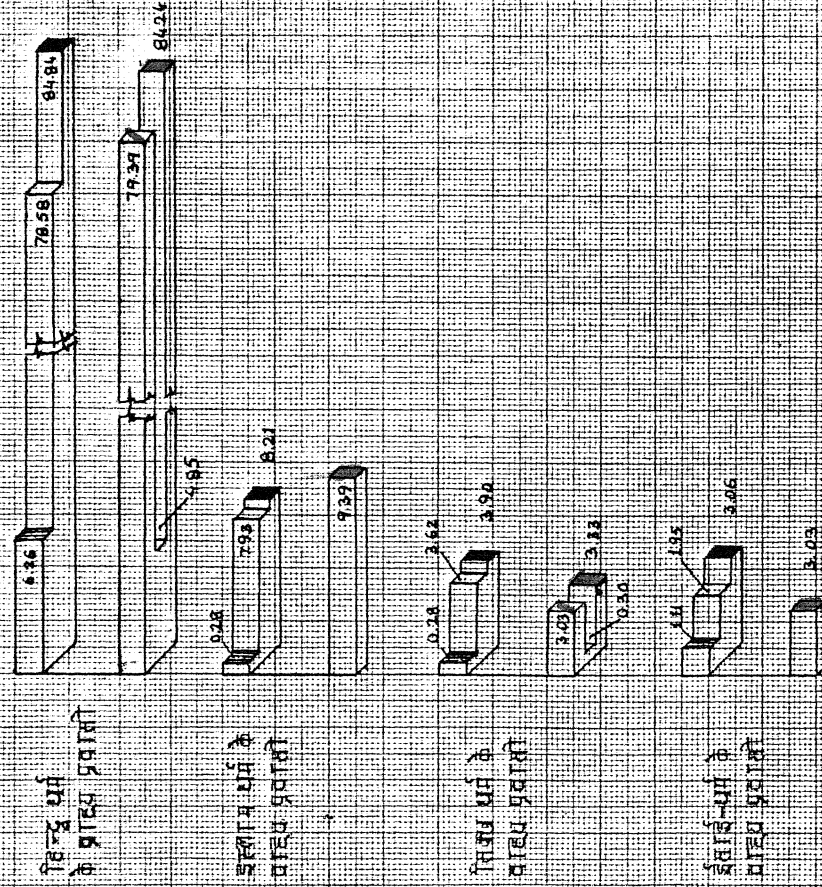
वैवाहिक सह-प्रवासी एवं 6 (0·83%) अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। इसाई धर्म के 14 (1·95%) महिला वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 6 (0·83%) वैवाहिक सह-प्रवासी एवं 8 (1·11%) अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं।

इस प्रकार कुल 719 सह-वाह्य प्रवासियों में वैवाहिक पुरूष वाह्य प्रवासी 0·28% एवं महिला वाह्य प्रवासी 68·85% हैं। अन्य कारक के अन्तर्गत पुरूष वाह्य प्रवासी 7·65% एवं महिला वाह्य प्रवासी 23·23% हैं। कुल पुरूष सह-वाह्य प्रवासी 57 (7·93%) एवं महिला सह-वाह्य प्रवासी 92·07% हैं।

धर्मानुसार स्व-वाह्य प्रवासी 330 हैं, जिसमें 313 (94·85%) पुरूष एवं 17 (5·15%) महिलायें हैं। हिन्दू धर्म के 278 (84·24%) स्व-वाह्य प्रवासी है, जिसमें 262 (79·39%) पुरूष एवं 16 (4·85%) महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं। इस्लाम धर्म में मात्र पुरूष स्व-वाह्य प्रवासी 31 (9·39%) हैं, सिख धर्म में 11 वाह्य प्रवासी हैं जिसमें 10 (3·03%) पुरूष एवं मात्र 1 (0·3%) महिला स्व-प्रवासी हैं। इसाई धर्म में मात्र पुरूष स्व-वाह्य-प्रवासी 10 (3·03%) हैं।

सर्वाधिक वाह्य प्रवास हिन्दुओं ने ही किया है। सह-प्रवास में 84·84% एवं स्व प्रवास में 84·24% हिन्दू वाह्य प्रवासी है। सह-प्रवास में सर्वाधिक हिन्दू 78·58% महिला एवं स्व-प्रवास में सर्वाधिक 79·39% पुरूष वाह्य प्रवासी हैं। इस्लाम धर्मानुयायी वाह्य प्रवासियों का दूसरा

स्थान 9·39% है। इस्लाम धर्म में सर्वाधिक 8·2% सह-वाह्य प्रवासी हैं। सह-प्रवास में तीसरा स्थान सिख धर्मावलम्बियों का 3·9% है। ईसाई धर्म का चौथा स्थान 3·06% है।

वाह्य प्रवासियों का जाति-वितरण

(Caste-distribution of out-migrants)

सारणी संख्या 1·8 एवं 1·9 में वाह्य प्रवासियों का जाति-वितरण प्रदर्शित है। जाति के अनुसार वाह्य प्रवास में मात्र हिन्दू धर्म के जातियों को ही लिया गया। विश्लेषण का प्रतिशतात्मक वितरण हिन्दू धर्म के अनुसार एवं न्यादर्श के सम्पूर्ण वाह्य प्रवासियों के अनुसार भी किया गया है।

न्यादर्श में सह-वाह्य प्रवासी हिन्दू धर्मानुयायियों की संख्या 610 है जो न्यादर्श के समस्त सह-वाह्य प्रवास का 84·84% है। शेष 15·16% अन्य धर्मों के वाह्य प्रवासी हैं। हिन्दू धर्म के सह वाह्य प्रवासियों में 45 पुरुष एवं 565 सह-वाह्य प्रवासी महिलायें हैं। हिन्दू धर्म के पुरुष सह-वाह्य प्रवासी 45 हैं जो सम्पूर्ण सह वाह्य प्रवासियों का 6·26% एवं हिन्दू धर्म के सह-वाह्य प्रवासियों का 7·38% है, जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 2 (0·28%) एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 43 (5·98%) पुरुष सह-वाह्य प्रवासी हैं। इसी धर्म के महिला सह-वाह्य

सारिणी संख्या - 1·8

वाह्य-प्रवासियों का जाति विवरण-I

(CASTE DISTRIBUTION OF OUT-MIGRANTS I)

वाह्य प्रवासियों की जाति	सह-वाह्य-प्रवास: पुरुष सह-वाह्य-प्रवासी: वैवाहिक	अन्य	योग	स्त्री-सह-वाह्य-प्रवासी: वैवाहिक	अन्य	योग	सम्पूर्ण योग	स्व-वाह्य-प्रवास: पुरुष स्व-वाह्य प्रवासी	स्त्री स्व-वाह्य प्रवासी	सम्पूर्ण योग
अ- हिन्दू धर्म -	2 0.28	43 5.96	45 6.26	422 58.69	143 19.89	565 78.58%	610 84.84	262 79.39	16 4.85	278 84.24
1- ब्राह्मण	1 0.14	204 1.95	205 2.09	204 18.64	46 6.4	180 25.03	195 27.12	95 28.79		95 28.79
2- क्षत्रिय	-	3 0.426	3 0.42	22 3.06	10 1.39	32 4.45	35 4.87	21 6.36	10 3.03	31 9.39
3- वैश्य	-	2 0.28	2 0.28	95 13.21	23 3.20	118 16.41	120 16.69	39 11.82	3 0.91	42 12.73
4- कायस्थ	-	12 1.67	12 1.67	65 9.04	47 6.54	112 15.58	124 17.25	70 21.21		70 21.21
5- कर्मकारक जाति	-	3 0.42	3 0.42	28 3.89	4 0.56	32 4.45	35 4.87	11 3.33		11 3.33
6- अनुसूचित जाति	1 0.14	3 0.42	4 0.56	14 1.95	5 0.70	19 2.69	23 3.2	5 1.52		5 1.52
7- पिछड़ी जाति	-	6 0.83	6 0.83	64 8.90	8 1.11	72 10.01	78 10.65	21 6.36	3 0.91	24 7.27
ब - अन्य धर्म	-	12 1.67	12 1.67	73 10.15	24 3.34	97 13.49	109 15.16	51 15.45	1 0.30	52 15.76
योग	2 0.28	55 7.65	57 7.93	495 68.65	167 23.23	662 92.07	719 100.00	313 94.85	17 5.15	330 10[illegible]

सारिणी संख्या - 1·9

वाह्य प्रवासियों का जाति वितरण II

(CASTE DISTRIBUTION OF OUT-MIGRANTS II)

वाह्य प्रवासियों की जाति	सह-वाह्य प्रवास						%	स्व-वाह्य प्रवास		%
	पुरुष सह-वाह्य प्रवासी			महिला सह-वाह्य प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-वाह्य प्रवासी	महिला स्व-वाह्य प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
1- ब्राह्मण	1 0.28	14 2.30	15 2.46	134 21.97	46 7.54	180 29.51	195 31.96	95 34.17	-	95 34.17
2- क्षत्रिय	-	3 0.49	3 0.49	22 3.61	10 1.64	32 5.25	35 5.74	21 7.55	10 3.60	31 11.15
3- वैश्य	-	2 0.33	2 0.33	95 15.57	23 3.77	118 19.34	120 19.67	39 14.03	3 1.08	42 15.11
4- कायस्थ	-	12 1.97	12 1.97	65 10.66	47 7.70	112 18.36	124 20.33	70 25.18	-	70 25.18
5- कर्मकारक जाति	-	3 0.49	3 0.49	28 4.59	4 0.66	32 5.25	35 5.74	11 3.96	-	11 3.96
6- अनुसूचित जाति	1 0.16	3 0.49	4 0.66	14 2.30	5 0.82	19 3.11	23 3.77	5 1.8	-	5 1.8
7- पिछड़ी जाति	-	6 0.98	6 0.98	64 10.49	8 1.31	72 11.80	78 12.79	21 7.55	3 1.08	24 8.63
योग	2 0.33	43 7.05	45 7.38	422 69.18	143 23.44	565 92.62	610 100.00	262 94.24	16 5.76	278 100.00

A. U. Sheet No. 81
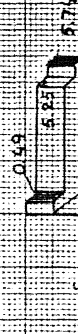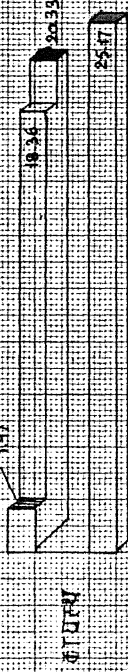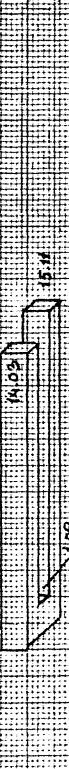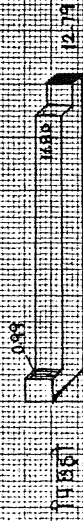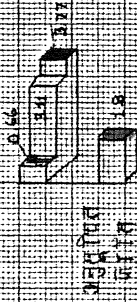
प्रवासी 565 हैं, जो सम्पूर्ण सह-वाह्य प्रवासियों का 78·58% एवं हिन्दू वाह्य सह-प्रवासी का 92·62% है। हिन्दू धर्म के विभिन्न जातियों में - ब्राह्मण पुरूष सह-वाह्य प्रवासी 15 §2·09%§ है, जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 1 §0·14%§ एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 14 §1·95%§ पुरूष सह-वाह्य प्रवासी हैं। ब्राह्मण महिला सह प्रवासी 180 §25·03%§ है, जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 134 §18·64%§ एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 46 §6·4%§ महिला सह-वाह्य प्रवासी है। क्षत्रिय पुरूष सह-वाह्य प्रवासी 3 §0·42%§ हैं, जो सभी अन्य कारक के ही अन्तर्गत हैं। क्षत्रिय महिला सह-वाह्य प्रवासी 32 §4·45%§ हैं, जिसमें 22 §3·06%§ वाह्य प्रवासी वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 10 §4·45%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। वैश्य पुरूष सह प्रवासियों की संख्या 2 §0·28%§ है, जो केवल अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। वैश्य महिला सह-प्रवासियों की संख्या 118 §16·41%§ है, जिसमें 95 §13·21%§ वैवाहिक एवं 23 §3·2%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। अनुसूचित जाति के पुरूष सह-प्रवासियों की संख्या 4 है, जिसमें 1 §0·14%§ वैवाहिक एवं 3 §0·42%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी है। अनुसूचित जाति की महिला सह प्रवासियों की संख्या 19 §2·64%§ है, जिसमें 14 §1·95%§ वैवाहिक एवं 5 §0·7%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। कायस्थ पुरूष सह-प्रवासियों की संख्या 12 §1·67%§ है, जो मात्र अन्य

कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। कायस्थ महिला सह-प्रवासियों की संख्या 112 §15·58%§ है, जिसमें 65 §9·04%§ वैवाहिक एवं 47 §6·54%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। पिछड़ी जाति के पुरूष सह-प्रवासियों की संख्या 6 §0·83%§ है, जो मात्र अन्य कारक के अन्तर्गत आते हैं। पिछड़ी जाति के महिला सह-प्रवासियों की संख्या 72 §10·01%§ है, जिसमें 64 §8·90%§ वैवाहिक एवं 8 §1·11%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। कर्मकारक जाति के पुरूष सह-प्रवासियों की संख्या 3 §0·42%§ है, जो मात्र अन्य कारक के अन्तर्गत आते हैं। कर्मकारक जाति के महिला सह-प्रवासियों की संख्या 32 §4·45%§ है, जिसमें 28 §3·89%§ वैवाहिक एवं 4 §0·56%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं।

इस प्रकार 610 §84·84%§ वाह्य सह-प्रवासियों में - ब्राह्मण सह-प्रवासी 195 §27·12%§, क्षत्रिय सह-प्रवासी 35 §4·87%§, वैश्य सह-प्रवासी 120 §16·69%§, अनुसूचित जाति सह-प्रवासी 23§3·2%§; कायस्थ सह-प्रवासी 124 §17·25%§, पिछड़ी जाति के सह-प्रवासी 78 §10·85%§, एवं कर्मकारक जाति के 35 §4·87%§ सह-वाह्य प्रवासी है।

सह-प्रवास एवं स्व-प्रवास दोनों में ब्राह्मण वाह्य प्रवासी सर्वाधिक हैं लेकिन सह-प्रवास में महिलाएं प्रमुख हैं तो स्व-प्रवास में पुरूष। दूसरा स्थान सह-प्रवास में एवं स्व-प्रवास में कायस्थों का है। तीसरा स्थान वैश्यों का है। हिन्दू धर्म के सह-प्रवास में 84·84% एवं स्व-प्रवास में

84·24% वाह्य प्रवास जहाँ हुआ है, वहीं पर अन्य तीनों धर्मों को मिलाने पर सह-प्रवास में मात्र 15·16% एवं स्व-प्रवास में 15·76% वाह्य प्रवास हुआ है।

जाति के अनुसार हिन्दू स्व-वाह्य प्रवासियों की संख्या 278 §84·24%§ हैं, जिसमें 262 §79·39%§ पुरूष स्व-वाह्य प्रवासी एवं 16 §4·49%§ महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं। हिन्दू धर्म के जातियों में - ब्राह्मण स्व-वाह्य प्रवासी 95 §28·79%§ है। महिला वाह्य प्रवास शून्य है एवं पुरूष स्व-वाह्य प्रवासी 28·79% हैं। क्षत्रिय स्व-वाह्य प्रवासी 31 §9·39%§ हैं, जिसमें 21 §6·36%§ पुरूष स्व-वाह्य प्रवासी एवं 10 §3·03%§ महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं। वैश्य स्व-वाह्य प्रवासी 42 §12·73%§ हैं, जिसमें पुरूष वाह्य प्रवासी 39 §11·82%§ एवं 3 §0·91%§ महिला वाह्य प्रवासी हैं। अनुसूचित जाति स्व-वाह्य प्रवासी 5 §1·52%§ है, जो समस्त पुरूष प्रवासी हैं। कायस्थ स्व-वाह्य प्रवासी 70 §21·21%§ है, जो समस्त पुरूष वाह्य प्रवासी है। पिछड़ी जाति के 24 §7·27%§ स्व-वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 21 §6·36%§ पुरूष एवं 3 §0·91%§ महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं। कर्मकारक जाति के 11 §3·33%§ सह-वाह्य प्रवासी हैं, जो समस्त पुरूष स्व-वाह्य प्रवासी हैं। इस प्रकार 262 §79·39%§ पुरूष एवं वाह्य प्रवासी हैं एवं 16 §4·49%§ महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

वाह्य-प्रवासियों का आयु-वितरण

(Age distribution of Out-migrants)

सारणी संख्या 2·0 में वाह्य-प्रवासियों का आयु-वितरण प्रदर्शित है। आयु-वर्ग के अनुसार वाह्य प्रवासियों के अध्ययन में आठ आयु-वर्ग समूह को लिया गया है। सह-वाह्य प्रवास के पुरूष प्रवास के अन्तर्गत 0 - 5 आयु वर्ग में 8 (1·11%) वाह्य प्रवासी हैं, जो समस्त अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। इसी आयु वर्ग के 7 (0·97%) महिला वाह्य प्रवासी है, जो समस्त अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। 5 - 10 आयु वर्ग में पुरूष वाह्य सह-प्रवासी 12 (1·67%) हैं, जो समस्त अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। महिला सह-वाह्य प्रवासी 6 (0·83%) हैं, जो समस्त अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। 10 - 20 आयु वर्ग में पुरूष वाह्य सह प्रवासी 24 (3·34%) हैं, जो समस्त अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। महिला सह-वाह्य प्रवासी 226 (31·45%) हैं, जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 186 (25·87%) एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 40 (5·56%) वाह्य प्रवासी हैं। 20-30 आयु वर्ग में पुरूष वाह्य सह-प्रवासी 11 (1·53%) है, जिसमें 2 (0·28%) वैवाहिक एवं 9 (1·25%) अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। महिला वाह्य सह-प्रवासी 383 (53·27%) है, जिसमें 289 (40·19%) वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 94 (13·07%) अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य सह-प्रवासी हैं। 30 - 40 आयु वर्ग में मात्र महिला सह-वाह्य प्रवासी 30 (4·17%) हैं, जिसमें 18 (2·5%) वैवाहिक

सारिणी संख्या - 2·0

वाह्य-प्रवासियों का आयु-वितरण

(AGE DISTRIBUTION OF OUT-MIGRANTS)

वाह्य-प्रवासियों का आयु-वर्ग (IN YRS.)	सह - वाह्य - प्रवास (%)							स्व - वाह्य - प्रवास (%)		
	पुरुष सह-वाह्य-प्रवासी			महिला सह-वाह्य-प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-वाह्य-प्रवासी	महिला स्व-वाह्य प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
0 - 4	-	8 1.11%	8 1.11%	-	7 0.97%	7 0.97%	15 2.08%	-	-	-
5 - 9	-	12 1.67%	12 1.67%	-	6 0.83%	6 0.83%	18 2.50%	-	-	-
10 - 19	-	24 3.34%	24 3.34%	186 25.87%	40 5.56%	226 31.43%	250 34.77%	60 18.18%	2 0.61%	62 18.79%
20 - 29	2 0.28%	9 1.25%	11 1.53%	289 40.19%	94 13.07%	383 53.27%	394 54.80%	182 55.15%	7 0.97%	189 57.27%
30 - 39	-	-	-	18 2.50%	12 1.67%	30 4.17%	30 4.17%	38 11.51%	-	38 11.51%
40 - 49	-	-	-	2 0.28%	6 0.83%	8 1.11%	8 1.11%	15 4.55%	2 0.61%	17 5.15%
50 - 59	-	-	-	-	1 0.14%	1 0.14%	1 0.14%	13 3.94%	1 0.30%	14 4.24%
60 +	-	2 0.28%	2 0.28%	-	1 0.14%	1 0.14%	3 0.42%	5 1.52%	5 1.52%	10 3.03%
योग	2 0.28%	55 7.65%	57 7.93%	495 68.85%	167 23.23%	662 92.07%	719 100.00%	313 94.85%	17 5.15%	330 100.00%
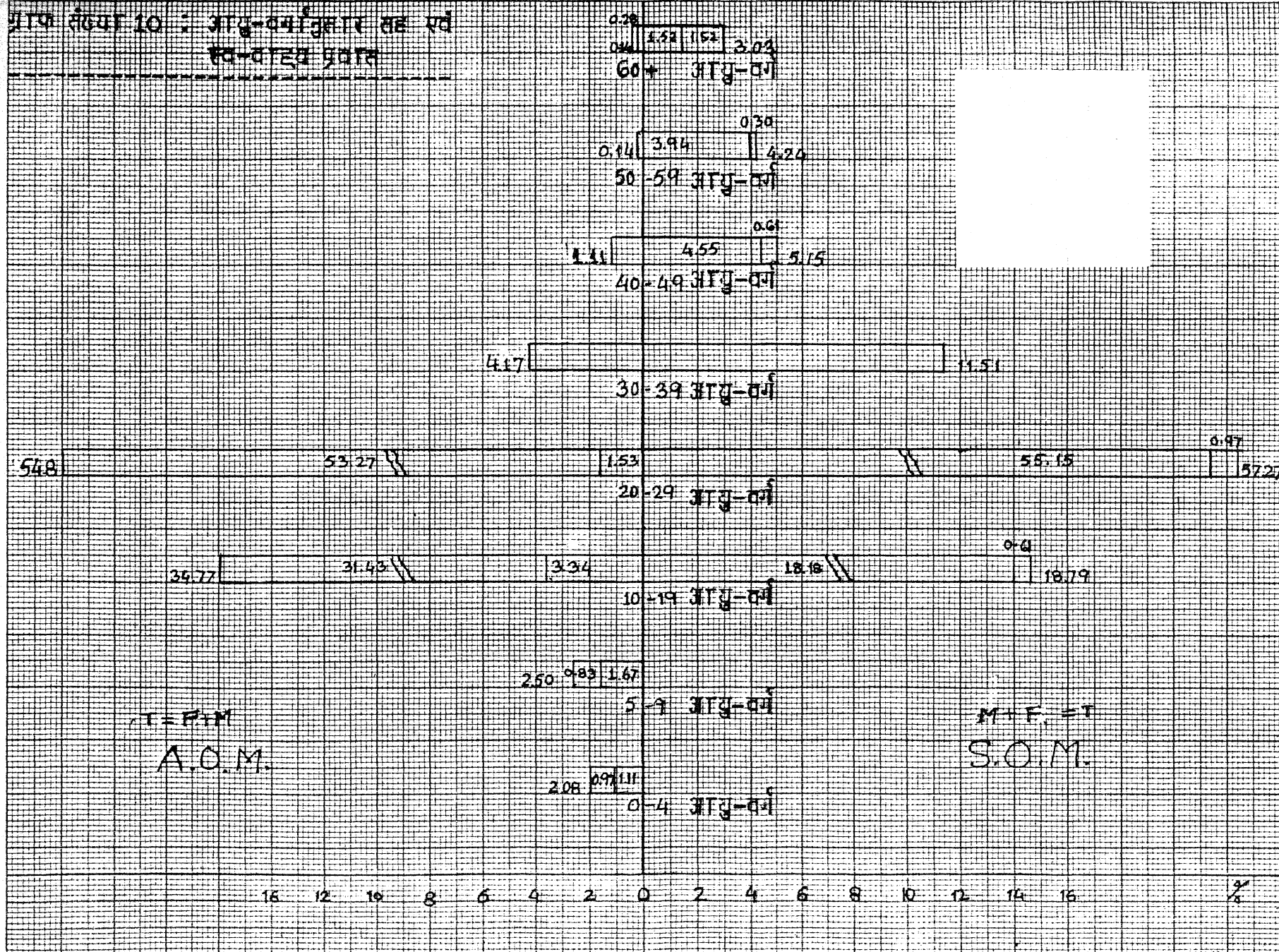
कारक के अन्तर्गत एवं 12 (1·67%) अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य सह-प्रवासी हैं। 40 - 50 आयु वर्ग में भी मात्र महिला सह-वाह्य प्रवासी 8 (1·11%) है, जिसमें 2 (0·28%) वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 6 (0·83%) अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य सह-प्रवासी हैं। 50 - 60 आयु वर्ग में भी मात्र महिला सह-वाह्य प्रवासी मात्र 1 (0·14%) है। 60 एवं अधिक आयु वर्ग में पुरूष वाह्य सह-प्रवासी 2 (0·28%) हैं, जो अन्य कारक के अन्तर्गत हैं, एवं महिला वाह्य सह-प्रवासी मात्र 1 (0·14%) है, जो अन्य कारक के अन्तर्गत हैं।

समग्र रूप से 0 - 5 आयु वर्ग में 15 (2·08%) वाह्य सह-प्रवासी, 5-10 आयु वर्ग में 18 (2·5%), 10 - 20 आयु वर्ग में 250 (34·77%), 20-30 आयु वर्ग में 394 (54·8%), 30-40 आयु वर्ग में 30 (4·17%), 40 -50 आयु वर्ग में 8 (1·11%), 50 - 60 आयु वर्ग में मात्र 1 (0·14%), एवं 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 3 (0·42%) वाह्य सह-प्रवासी हैं।

स्व-वाह्य प्रवास चूंकि एक स्वतंत्र चर है, अत: इसके अन्तर्गत 0-5 एवं 5-10 आयु वर्ग में कोई भी वाह्य प्रवास नहीं हुआ है। 10-20 आयु वर्ग के 62 (18·79%) वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 60 (18·18%) पुरूष एवं मात्र 2 (0·61%) महिला वाह्य स्व-प्रवासी हैं। 20 - 30 आयु वर्ग के 189 (57·27%) वाह्य स्व-प्रवासी हैं, जिसमें 182 (55·15%) पुरूष एवं मात्र 7 (0·97%) महिला वाह्य स्व-प्रवासी हैं। 30-40 आयु वर्ग के 38

सारिणी संख्या - 2·1

वाह्य-प्रवासियों का शैक्षिक-वितरण

(EDUCATION DISTRIBUTION OF OUT-MIGRANTS)

वाह्य-प्रवासियों का शैक्षिक-स्तर	सह - वाह्य - प्रवास (%)							स्व - वाह्य - प्रवास (%)		
	पुरुष - सह वाह्य - प्रवासी			महिला - सह वाह्य - प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष-स्व-वाह्य-प्रवासी	महिला-स्व-वाह्य-प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
अशिक्षित	-	14 1.95%	14 1.95%	33 4.59%	15 2.09%	48 6.67%	62 8.62%	6 1.82%	4 1.21%	10 3.03%
>5 YRS. AGE	-	12 1.67%	12	-	7 0.97%	7 0.97%	19	-	-	-
<5 YRS. AGE	-	2 0.28%	2	33	8 1.11%	41 5.70%	43	6	4	10
साक्षर	-	1 0.14%	1 0.14%	38 5.29%	8 1.11%	46 6.40%	47 6.54%	3 0.91%	1 0.30%	4 1.21%
प्राथमिक - स्तर	-	16 2.23%	16 2.23%	49 6.82%	13 1.81%	62 8.62%	78 10.85%	1 0.30%	-	1 0.30%
पूर्व-माध्यमिक-स्तर	-	4 0.56%	4 0.56%	82 11.40%	22 3.06%	104 14.46%	108 15.02%	29 8.79%	-	29 8.79%
माध्यमिक-स्तर	1 0.14%	9 1.25%	10 1.39%	143 19.89%	42 5.84%	185 25.73%	195 27.12%	68 20.61%	1 0.30%	69 20.91%
स्नातक - स्तर	1 0.14%	7 0.97%	8 1.11%	91 12.66%	33 4.59%	124 17.25%	132 18.36%	73 22.12%	1 0.30%	74 22.42%
परास्नातक-स्तर	-	3 0.42%	3 0.42%	49 6.82%	28 3.89%	77 10.71%	80 11.13%	60 18.18%	5 1.51%	65 19.69%
शोध-अनुसंधान-स्तर	-	-	-	1 0.14%	2 0.28%	3 0.42%	3 0.42%	25 7.58%	2 0.61%	27 8.18%
तकनीकि डिप्लोमा स्तर	-	1 0.14%	1 0.14%	-	-	-	1 0.14%	21 6.36%	-	21 6.36%
तकनीकि डिग्री - स्तर	-	-	-	9 1.25%	3 0.42%	12 1.67%	12 1.67%	27 8.18%	3 0.91%	30 9.09%
योग	2 0.28%	55 7.65%	57 7.93%	495 68.85%	167 23.23%	662 92.07%	719 100.00%	313 94.85%	17 5.15%	330 100.00%

(11·51%) वाह्य स्व-प्रवासी है, जो समस्त पुरूष हैं। 40-50 आयु वर्ग में 17 (5·15%) वाह्य स्व-प्रवासी हैं, जिसमें 15 (4·55%) पुरूष एवं 2 (0·61%) महिलायें हैं। 50-60 आयु वर्ग में 14 (4·24%) वाह्य स्व-प्रवासी हैं, जिसमें 13 (3·94%) पुरूष एवं 1 (0·3%) महिलायें हैं। 60 एवं अधिक आयु वर्ग में 10 (3·03%) वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 5 (1·52%) पुरूष एवं 5 (1·52%) महिला वाह्य स्व-प्रवासी हैं।

सर्वाधिक वाह्य प्रवासी आयु वर्ग के अनुसार 20-30 वर्ष के हैं। सह-प्रवास में इस आयु वर्ग के 54·8% है तो स्व-प्रवास में 57·27% वाह्य स्व-प्रवासी हैं। 10-20 आयु वर्ग के प्रवासियों का दूसरा स्थान है।

वाह्य प्रवासियों का शैक्षिक वितरण

(Education distribution of Out-migrants)

सारणी संख्या 2·1 में वाह्य प्रवासियों का शैक्षिक वितरण प्रदर्शित है। वाह्य प्रवासियों के विभिन्न शैक्षिक-स्तर को अशिक्षा, साक्षर, प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, माध्यमिक, स्नातक, परास्नातक, तकनीकि डिग्री, तकनीकि डिप्लोमा, एवं शोध व अनुसंधान स्तरीय वर्ग में विभाजित किया गया है।

सह-वाह्य प्रवास के अन्तर्गत अशिक्षितों में पुरूष वाह्य सह-प्रवासी (1·95%) हैं, जिसे दो सह-वर्गों में भी विभक्त किया गया है। 5 वर्ष

ग्राफ संख्या 11 : शैक्षिक-स्तर के अनुसार तर्क एवं स्व-वाक्य प्रवाह
A.O.M.
S.O.M.
T
F
M
8.62
3.03
10.85
15.02
8.79
27.12
20.91
18.36
22.42
11.13
19.69
8.18
9.09
स्नातक
परास्नातक
A. U. Sheet No. 8
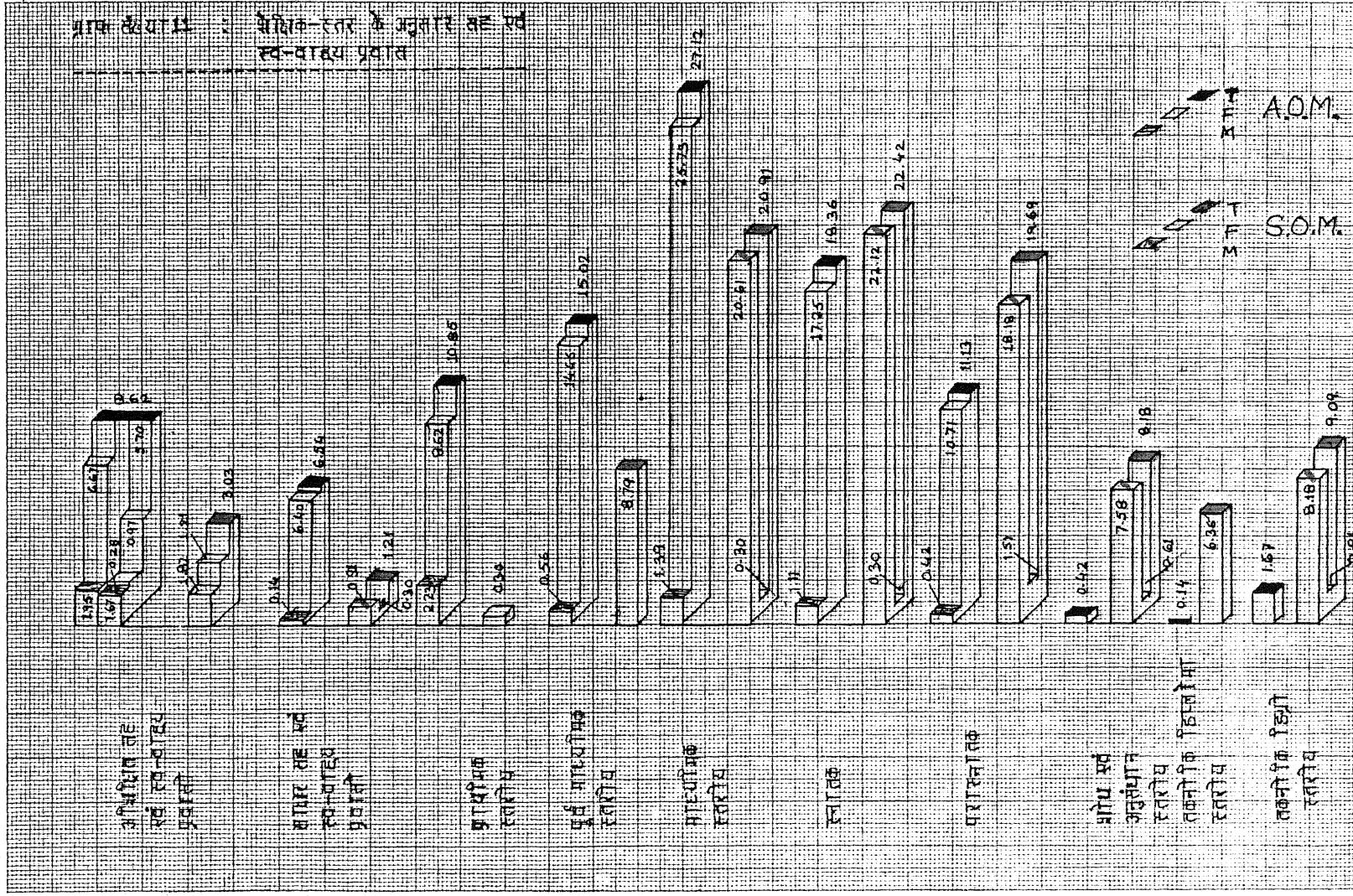
से कम के अशिक्षित एवं 5 वर्ष से अधिक के अशिक्षित। 5 वर्ष से कम उम्र के अशिक्षित 12 (1·67%) हैं, जो सम्पूर्ण अन्य प्रवास के अन्तर्गत आते हैं। 5 वर्ष से अधिक आयु के मात्र 2 (0·28%) वाह्य प्रवासी हैं, और ये भी अन्य कारक के अन्तर्गत है। महिला वर्ग में इसी अशिक्षित स्तर के 48 (6·68%) वाह्य प्रवासी हैं - जिसमें 5 वर्ष से कम आयु के 7 (0·97%) वाह्य प्रवासी एवं 5 वर्ष से अधिक आयु के 41 (5·7%) वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 33 (4·59%) एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 8 (1·11%) वाह्य प्रवासी हैं। साक्षर पुरूष सह-वाह्य प्रवासी मात्र 1 (0·14%) हैं, जो अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। महिलाओं में 46 (6·4%) सह-वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 38 (5·29%) एवं 8 (1·11%) अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी है। प्राथमिक स्तरीय वाह्य पुरूष सह-प्रवासी 16 (2·23%) है, जो अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। इसी स्तर के महिला वाह्य सह-प्रवासी 62 (8·62%) है जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 49 (6·82%) एवं 13 (1·81%) अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य महिला सह-प्रवासी हैं। पूर्व माध्यमिक स्तरीय पुरूष सह-वाह्य प्रवासी 4 (0·56%) हैं, जो समस्त अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। इसी स्तर के महिला सह-वाह्य प्रवासी 104 (14·46%) हैं, जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 82 (11·4%) एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 22 (3·06%) वाह्य प्रवासी हैं। माध्यमिक स्तरीय पुरूष वाह्य प्रवासी 10 (1·39%) हैं, जिसमें 1 (0·14%)

वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 9 §1·25%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। इसी स्तर के महिला वाह्य सह-प्रवासी 185 §25·73%§ है, जिसमें 143 §19·89%§ वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 42 §5·84%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। स्नातक स्तरीय पुरूष वाह्य सह-प्रवासी 8 §1·11%§ हैं, जिसमें वैवाहिक कारक के अन्तर्गत 1 §0·14%§ एवं अन्य कारक के अन्तर्गत 7 §0·97%§ वाह्य सह-प्रवासी हैं। इसी शैक्षिक स्तर के 129 §17·25%§ महिलाओं में से 91 §12·66%§ वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 33 §4·59%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य सह-प्रवासी है। परास्नातक पुरूष वाह्य सह-प्रवासी मात्र 3 §0·42%§ है, जो अन्य कारक के अन्तर्गत हैं, एवं परास्नातक महिला 77 §10·71%§ हैं जिसमें 49 §6·82%§ वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 28 §3·89%§ अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य-प्रवासी हैं।

शोध एवं अनुसंधानक पुरूष वाह्य स्व-प्रवासी शून्य हैं, जबकि महिला वर्ग में 3 §0·42%§ सह वाह्य-प्रवासी हैं - जिसमें 1 §0·14%§ वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 2 §0·28%§ अन्य कारक के अन्तर्गत, सह-वाह्य प्रवासी है। तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय पुरूष सह-वाह्य प्रवासी मात्र 1 §0·14%§ और वह भी अन्य कारक के अन्तर्गत हैं। महिला सह-वाह्य प्रवास शून्य है। तकनीकि डिग्री स्तरीय पुरूष वाह्य प्रवासी कोई नहीं है, जबकि महिलाओं में 12 §1·62%§ हैं। जिसमें वैवाहिक

कारक के अन्तर्गत 9 (1·25%) एवं अन्य कारक के अन्तर्गत मात्र 3 (0·42%) वाह्य प्रवासी हैं।

समग्र रूप में शिक्षा एवं सह-प्रवास अशिक्षित सह-वाह्य प्रवासी 48 (6·68%), साक्षर 46 (6·4%), प्राथमिक स्तरीय 62 (8·62%), पूर्व माध्यमिक स्तरीय 104 (14·46%), माध्यमिक स्तरीय 185 (25·73%), स्नातक 124 (17·25%) परास्नातक 77 (10·71%), शोध स्तरीय वाह्य प्रवासी 3 (0·42%) तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 1 (0·14%) एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 12 (1·67%) सह-वाह्य प्रवासी है।

शिक्षा एवं स्व-प्रवास के अनुसार अशिक्षित वाह्य प्रवासी 10 (3·05%) जिसमें पुरूष 6 (1·82%) एवं महिला वाह्य स्व-प्रवासी 4 (1·21%) हैं। साक्षर वाह्य प्रवासी 4 (1·21%) हैं, जिसमें 3 (0·91%) पुरूष एवं 1 (0·3%) महिला हैं। प्राथमिक स्तरीय स्व-प्रवासी मात्र 1 (0·3%) है, जो पुरूष वर्ग में है। पूर्व-माध्यमिक स्तरीय स्व-वाह्य प्रवासी 29 (8·79%) है, जो समस्त पुरूष स्व-वाह्य प्रवासी हैं। माध्यमिक स्तरीय स्व-वाह्य प्रवासी 69 (20·91%) है, जिसमें 68 (20·61%) पुरूष एवं मात्र 1 (0·3%) महिला स्व-प्रवासी हैं। स्नातक वाह्य प्रवासी 74 (22·42%) है, जिसमें 73 (22·12%) पुरूष एवं मात्र 1 (0·3%) महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं। परास्नातक वाह्य प्रवासी 65 (19·69%) हैं, जिसमें 60 (18·18%) पुरूष एवं 5 (1·51%) महिला स्व-वाह्य प्रवासी है। शोध व अनुसन्धानक स्व-वाह्य प्रवासी 27 (8·18%) हैं, जिसमें 25

(7·58%) पुरुष एवं 2 (0·61%) महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं। तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय वाह्य प्रवासी 21 (6·36%) है, जो सभी पुरुष हैं। तकनीकि डिग्री स्तरीय स्व-वाह्य प्रवासी 30 (9·09%) हैं, जिसमें 27 (8·18%) पुरुष एवं 3 (0·91%) महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

वाह्य प्रवासियों का प्रवास-क्षेत्र वितरण

(Place of Migration - Distribution of out-migrants)

सारणी संख्या 2·2 में वाह्य प्रवासियों का प्रवास-क्षेत्र वितरण प्रदर्शित है। समस्त सह-वाह्य प्रवासियों की संख्या न्यादर्श के सर्वेक्षणानुसार 719 हैं, जिसमें 57 (7·93%) पुरुष एवं शेष 92·07%) महिलायें हैं। समस्त 719 सह-वाह्य प्रवासियों का क्षेत्रानुसार वितरण करने पर प्रतिशत विभाजन इस प्रकार है -

इलाहाबाद नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में वाह्य सह-प्रवासी 332 (46·18%) हैं, जिसमें 22 (3·06%) पुरुष एवं 310 (43·12%) महिलायें हैं। समस्त 22 पुरुष अन्य कारकों के अन्तर्गत सह-प्रवासी हैं, जबकि समस्त 310 महिलाओं में से 232 (32·27%) वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 78 (10·85) महिलायें अन्य कारक के अन्तर्गत सह-वाह्य प्रवासी हैं।

सारिणी संख्या - 2·2

वाह्य-प्रवासियों का प्रवास-क्षेत्र-वितरण

(MIGRATION REGION-DISTRIBUTION OF OUT-MIGRANTS)

वाह्य-प्रवासियों का प्रवास-क्षेत्र	सह - वाह्य - प्रवास (%)							स्व - वाह्य - प्रवास (%)		
	पुरुष - सह - वाह्यप्रवासी			महिला सह- वाह्य प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-वाह्य प्रवासी	महिला स्व-वाह्य प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
ग्रामीण क्षेत्र	-	22 3.06%	22 3.06%	232 32.27%	78 10.85%	310 43.12%	332 46.18%	120 3636%	4 1.21%	124 37.57%
टाउन एरिया	2 0.28%	12 1.67%	14 1.95%	147 20.45%	32 4.45%	179 24.90%	193 26.84%	59 17.88%	10 3.03%	69 20.91%
नगरपालिका एवं नगरमहापालिका क्षेत्र	-	12 1.67%	12 1.67%	79 10.99%	30 4.17%	109 15.16%	121 16.83%	54 16.36%	3 0.91%	57 17.27%
मेट्रोपोलिटन क्षेत्र	-	7 0.97%	7 0.97%	32 4.45%	15 2.09%	47 6.54%	54 7.51%	52 15.76%	-	52 15.76%
विश्व के अन्य देश (अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन)	-	2 0.28%	2 0.28%	5 0.70%	12 1.67%	17 2.36%	19 2.64%	28 8.48%	-	28 8.48%
योग	2 0.28%	55 7.65%	57 7.93%	495 68.85%	167 23.23%	662 92.07%	719 100.00%	313 94.85%	17 5.15%	330 100.00%

नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवास
नगर से टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया में प्रवास
नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्रों में बाह्य-प्रवास
मेट्रो महानगरों में बाह्य प्रवास
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन
3.06
43.12
46.18
1.21
36.36
37.57
1.94
24.58
26.84
3.03
17.88
20.91
1.67
15.16
16.83
0.91
16.36
17.27
0.87
6.54
7.51
15.76
0.28
2.36
2.64
8.48
M F T
S.O.M
M F T
A.O.M
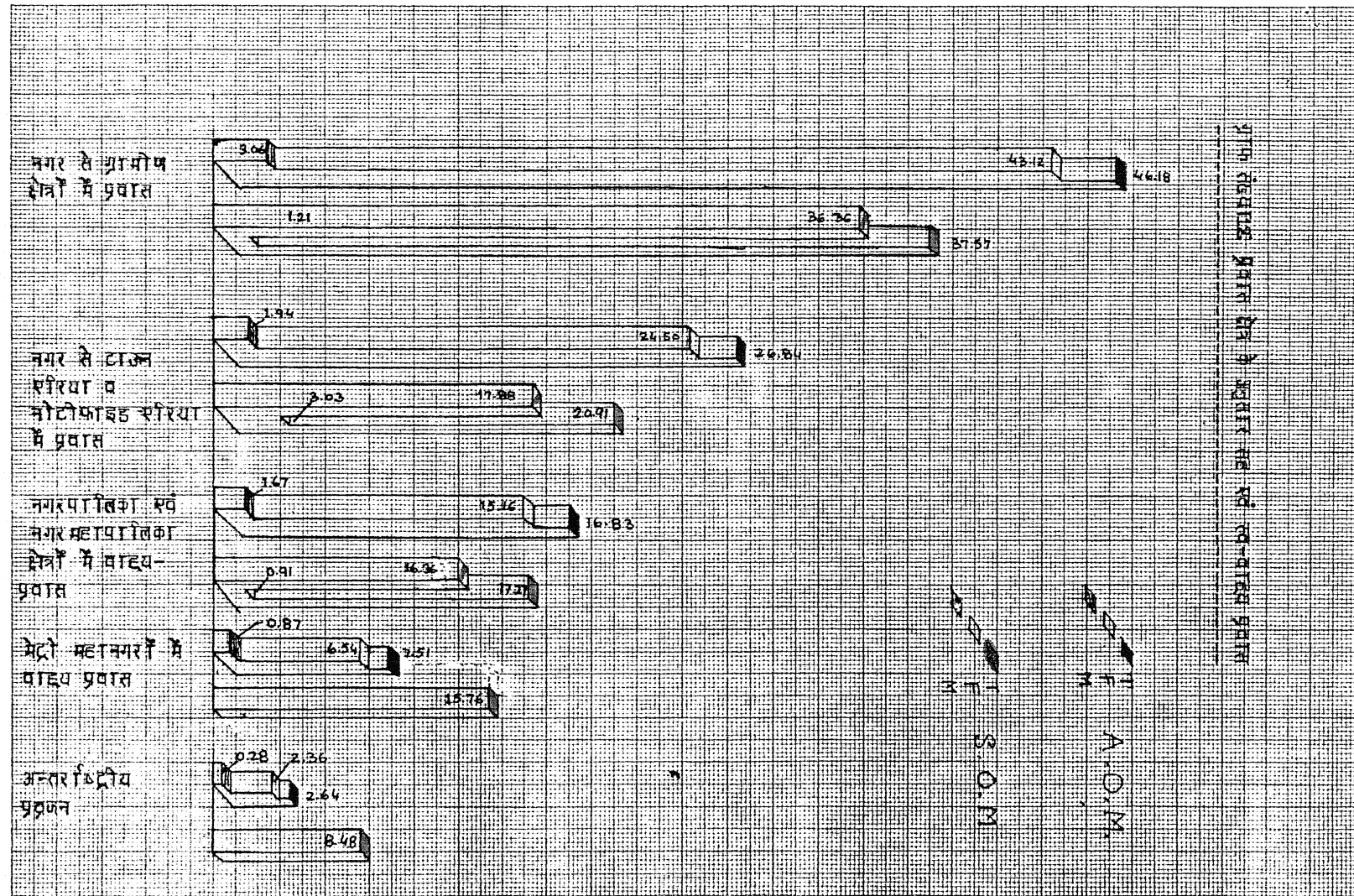
नगर से टाउन एरिया में सह-वाह्य प्रवासी 193 (26·84%) है, जिसमें 14 (1·95%) पुरूष एवं 179 (24·9%) महिलायें हैं। समस्त 14 पुरूषों में 2 (0·28%) पुरूष वैवाहिक एवं 12 (1·67%) पुरूष अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं। समस्त 179 महिलाओं में 147 (20·45%) वैवाहिक कारक एवं 32 (4·45%) अन्य कारक के अन्तर्गत सह-वाह्य प्रवासी है।

नगर पालिका व नगर महापालिका क्षेत्रों में वाह्य प्रवासी 121 (16·83%) है - जिसमें 12 (1·67%) पुरूष एवं 109 (15·16%) महिलायें हैं। समस्त पुरूष अन्य कारक के अन्तर्गत वाह्य प्रवासी हैं जबकि समस्त 109 महिलाओं में से 79 (10·99%) वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं 30 (4·17%) अन्य कारक के अन्तर्गत सह-वाह्य प्रवासी हैं।

मेट्रो महानगरों में सह-वाह्य प्रवासियों की कुल संख्या 54 (7·51%) है जिसमें 7 (0·97%) पुरूष एवं 47 (6·54%) महिलायें हैं। समस्त पुरूषों ने अन्य कारक के अन्तर्गत एवं समस्त महिलाओं में से 32 (4·45%) ने वैवाहिक कारक के अन्तर्गत, व 15 (2·09%) महिलायें अन्य कारक के अन्तर्गत सह-वाह्य प्रवासी हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजकों की कुल संख्या 19 (2·64%) है - जिसमें 2 (0·28%) पुरूष एवं 17 (2·36%) महिलायें हैं। समस्त पुरूष व अन्य कारक के अन्तर्गत सह-वाह्य प्रवासी हैं, जबकि 17 महिलाओं मेंसे 5 (0·70%) वैवाहिक कारक के अन्तर्गत एवं शेष 12 (1·67%) अन्य कारक के अन्तर्गत सह-वाह्य प्रवासी हैं।

इस प्रकार नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाधिक 46·18%, टाउन एरिया में 26·84%, नगर पालिक क्षेत्रों में 16·83%, मेट्रो महानगरों में 7·51% एवं 2·64% अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजक हैं। सर्वाधिक प्रवास महिलाओं का 92·07% है - इसमें वैवाहिक प्रवास 68·85% एवं अन्य कारकों के अन्तर्गत प्रवास 23·23% सर्वाधिक है।

सह-वाह्य प्रवास के साथ-साथलेकिन पृथक रूप से स्व-वाह्य प्रवास का भी अध्ययन किया गया है। 330 स्व-वाह्य प्रवासियों का क्षेत्रानुसार वितरण इस प्रकार है - नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में 124§37·57%§ स्व-वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 120 §36·36%§ पुरूष एवं शेष 4 §1·21%§ महिलायें हैं। नगर से टाउन एरिया में 69 §20·91%§ स्व-वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 59 §17·88%§ पुरूष एवं शेष 10 §3·03%§ महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं। नगर से नगरपालिका क्षेत्रों में 57 §17·27%§ स्व-वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 54 §16·36%§ पुरूष एवं 3 §0·91%§ महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं। नगर से मेट्रो महानगरों में 52 §15·76%§ स्व-वाह्य प्रवासी हैं, जो सभी पुरूष हैं। विश्व के अन्य देशों में इलाहाबाद नगरके स्व-वाह्य प्रवासी 28 §8·48%§ हैं, इसमें भी सभी स्व-वाह्य-प्रवासी पुरूष हैं।

स्पष्ट है किसर्वाधिक 3737 लोगों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-प्रवास किया है। टाउन एरिया में 20·91%, नगरपालिका क्षेत्रों में 17·27%, मेट्रो महानगरों में 15·76% एवं 8·48% अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजक हैं। स्व-वाह्य

प्रवास में पुरूष वर्ग प्रधान है, जबकि सह-वाह्य प्रवास में महिला वर्ग। पुरूष-वर्ग, स्व-वाह्य प्रवास में पुरूष वर्ग प्रधान है, जबकि सह-वाह्य प्रवास में महिला वर्ग। पुरूष-वर्ग, स्व-वाह्य प्रवास में 94·85% एवं सह-वाह्य प्रवास में 7·93% प्रवासी हैं, जबकि महिलायें सह-वाह्य प्रवास में 92·07% एवं स्व-वाह्य प्रवास में 5·15% प्रवासी हैं।

वाह्य प्रवासियों का विशिष्ट-प्रवास क्षेत्र-वितरण

(Specific Place of Migration - Distribution of out-migrants)

सारणी संख्या 2·3 में वाह्य प्रवासियों का विशिष्ट-प्रवास क्षेत्र-वितरण प्रदर्शित है। प्रवास क्षेत्र को विभिन्न विशिष्ट प्रवास क्षेत्रों में विभक्त किया गया है। न्यादर्श के अनुसार कुल सह-वाह्य प्रवासी 719 हैं जिसमें 57 {7·93%} पुरूष एवं 662 {92·07%} महिलायें हैं। समस्त 7·93% पुरूषों में 0·28% पुरूष वैवाहिक कारणों से एवं 7·65% संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी हैं। समस्त 92·07% महिलाओं मेंसे 68·85% वैवाहिक कारणों से एवं 23·23% संरक्षक सह-वाह्य-प्रवासी हैं।

सर्वेक्षण के अनुसार नगर से 10 किमी के परिधि के क्षेत्र में सह-वाह्य प्रवासी 34 {4·73%} हैं, जिसमें पुरूष 0·14% हैं, जिन्होंने मात्र वैवाहिक कारणों से एवं 33 महिलाओं में 4·45% वैवाहिक कारणों से एवं मात्र 0·14% अन्य कारणों से सह-वाह्य प्रवासी है।

सारिणी संख्या - 2·3

वाह्य-प्रवासियों का विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र-वितरण

(SPECIFIC MIGRATION REGION-DISTRIBUTION OF OUT-MIGRANTS)

विशिष्ट प्रवास क्षेत्र	सह - वाह्य - प्रवास (%)							स्व - वाह्य - प्रवास (%)		
	पुरुष-सह-वाह्य-प्रवासी			महिला सह-वाह्य-प्रवासी			सम्पूर्ण योग	पुरुष स्व-वाह्य प्रवासी	महिका स्व-वाह्य-प्रवासी	सम्पूर्ण योग
	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग	वैवाहिक कारक	अन्य कारक	योग				
इलाहाबाद नगर से 10 किमी का क्षेत्र	1 0.14%	-	1 0.14%	32 4.45%	1 0.14%	33 4.59%	34 4.73%	3 0.91%	-	3 0.91%
इलाहाबाद जनपद	-	2 0.28%	2 0.28%	93 12.93%	3 0.42%	96 13.35%	98 13.63%	5 1.52%	8 2.42%	13 3.94%
इलाहाबाद के संलग्न जनपद	1 0.14%	7 0.97%	8 1.11%	96 13.35%	24 3.34%	120 16.69%	128 17.80%	48 14.55%	9 2.73%	57 17.27%
प्रदेश के अन्य जनपद	-	29 4.00%	29 4.00%	137 19.05%	66 9.18%	203 28.23%	232 32.27%	114 34.55%	-	114 34.55%
भारत के अन्य राज्य	-	15 2.09%	15 2.09%	132 18.36%	61 8.48%	193 26.84%	208 28.93%	115 34.89%	-	115 34.89%
विश्व के अन्य देश (अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन)	-	2 0.28%	2 0.28%	5 0.70%	12 1.67%	17 2.36%	19 2.64%	28 8.48%	-	28 8.48%
योग	2 0.28%	55 7.65%	57 7.93%	495 68.85%	167 23.23%	662 92.07%	719 100.00%	313 94.85%	17 5.15%	330 100.00%

ग्राफ संख्या 13 : विशिष्ट प्रवास क्षेत्रानुसार सह एवं स्व-बाह्य प्रवास

A. U. Sheet No. 8a

नगर से जनपद के अन्य क्षेत्रों में सह-वाह्य प्रवासी 98 (13·63%) हैं, जिसमें 0·28% पुरूष एवं 96 (13·35%) महिलायें हैं, जिसमें समस्त पुरूष अन्य कारणों से एवं समस्त 13·55% महिलाओं में से 12·93% वैवाहिक कारण एवं 0·42% अन्य कारणों के अन्तर्गत सह-वाह्य-प्रवासी हैं।

सर्वेक्षण में यह देखा गया कि नगर से संलग्न जनपदों में सह-वाह्य प्रवासी 128 (17·8%) हैं, जिसमें 8 (1·11%) पुरूष एवं 120 (16·69%) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त 1·11% पुरूषों में 0·14% पुरूष वैवाहिक एवं 0·97% पुरूष संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी हैं। समस्त 16·69% महिलाओं में - 13·35% महिलायें वैवाहिक एवं 3·34% अन्य कारणों से सह-वाह्य प्रवासी हैं।

नगर से प्रदेश के अन्य जनपदों में सह-वाह्य-प्रवासी 32·27% हैं, जिसमें 29 (4%) पुरूष एवं 28·23% महिला सह-अंत: प्रवासी हैं। समस्त पुरूषों ने जहाँ संरक्षक के साथ वाह्य प्रवास किया है, वहीं पर समस्त महिलाओं में से 19·05% वैवाहिक कारणों से एवं 9·18% संरक्षक सह वाह्य प्रवासी हैं।

न्यादर्श के अनुसार नगर से 208 (28·93%) व्यक्तियों ने अन्य राज्यों में सह-वाह्य प्रवास किया हैं, जिसमें 15 (2·09%) पुरूष एवं 193 (26·84%) महिला सह-वाह्य प्रवासी हैं। समस्त 2·09% पुरूष अन्य कारणों से जबकि 26·84% महिलाओं में से 18·36% महिलायें वैवाहिक एवं 8·48% महिलायें अन्य कारणों से वाह्य प्रवासी हैं।

इलाहाबाद नगर से अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास भी हुए है। 19 (2·64%) व्यक्तियों में से 2 (0·28%) पुरूष एवं 17 (2·36%) महिला सह-वाह्य प्रवासी हैं, समस्त पुरूष संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी हैं, जबकि 2·36% महिलाओं में से 0·7% महिलायें वैवाहिक कारणों से एवं 1·67% महिलायें संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी हैं।

सर्वाधिकता के अनुसार 32·27% व्यक्तियों ने प्रदेश के अन्य जनपदों में, 28·93% व्यक्तियों ने अन्य राज्यों में, 17·8% व्यक्तियों ने संलग्न जनपदों में, 13·63% व्यक्तियों ने जनपद में ही, 4·73% व्यक्तियों ने 10 किमी के क्षेत्र में एवं सबसे कम 2·64% ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन किया है।

सह-वाह्य प्रवास के अनन्तर स्व-वाह्य प्रवास इस प्रकार है - समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों में से न्यादर्श के अनुसार 3 (0·91%) ने इलाहाबाद नगर से 10 किमी के क्षेत्र में प्रवास किया जो सभी स्व-वाह्य-प्रवासी पुरूष हैं। इलाहाबाद जनपद में नगर से 13 (3·94%) व्यक्तियों ने प्रवास किया है, जिसमें 5 (1·52%) पुरूष एवं 8 (2·42%) महिलायें हैं। इलाहाबाद के संलग्न जनपदों में 5 (17·27%) व्यक्तियों ने स्व-वाह्य प्रवास किया है, जिसमें 48 (14·55%) पुरूष एवं 9 (2·73%) महिलायें हैं। प्रदेश के अन्य जनपदों में 114 (34·55%) स्व-वाह्य प्रवास

हुए हैं, जो समस्त पुरूष हैं। अन्य राज्यों में 115 (34·89%) प्रवास हुए है, जो सभी पुरूष हैं। भारत के बाहर भी अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन 28 (8·48%) हुए हैं, ये भी प्रवासी पुरूष ही हैं।

सर्वाधिक वाह्य प्रवासी 34·89% अन्य राज्यों में, प्रदेश के अन्य जनपदों में 114 (34·55%) स्व-वाह्य प्रवास हुए हैं। महिलाओं ने मात्र 5·15% स्व-वाह्य प्रवास किया है, जबकि पुरूषों ने सर्वाधिक 94·85% वाह्य प्रवास किया है।

न्यादर्श में अ-प्रवासियों (मूल-निवासी) का वितरण

(Distribution of non-migrants in sample distribution)

न्यादर्श में अन्तः प्रवासियों, वाह्य-प्रवासियों के साथ यहां के प्रवास न करने वालों का भी अध्ययन सारिणी संख्या 2·4 में धर्मानुसार, सारिणी संख्या 2·5 में जाति के अनुसार एवं सारिणी संख्या 2·6 में शैक्षिक-स्तर के अनुसार किया गया है। न्यादर्श में 5101 मूल-निवासियों में 2895 (57·75%) पुरूष एवं शेष 2206 (43·25%) महिलाओं का अध्ययन किया गया है। प्रवास प्रक्रिया में असलंग्न सर्वाधिक 13·92% शिशु अ-प्रवासी हैं। अशिक्षित अ-प्रवासी 6·49% एवं साक्षर 10·03% हैं। सर्वाधिक लोगों की संख्या 20·29% है जो माध्यमिक शैक्षिक स्तरीय हैं। उच्च शैक्षिक स्तरीय लगभग 19% है। नगर में तकनीकि डिग्री, डिप्लोमा एवं शोध अनुसंधान स्तरीय लगभग 2% हैं।

मूल निवासियों में हिन्दू 83·03%, मुसलमान 10·31%, सिख 3·27% एवं ईसाई धर्म के अनुयायी मात्र 3·12% है। प्रवास में असंलग्न 83·3% हिन्दुओं में सर्वाधिक वैश्य लगभग 29%, ब्राह्मण 19·46% एवं कायस्थ 19·25% हैं। कर्मकारक जाति के नगर में 11·46% निवासी एवं सबसे कम मात्र 5·7% अनुसूचित जाति के निवासियों का अध्ययन किया गया है।

सारिणी सं० – 2·4

अ-प्रवासियों (मूल-निवासी) का धर्म-वितरण

(RELIGION-WISE DISTRIBUTION OF NON-MIGRANTS)

धर्म	पुरूष (संख्या एवं %)		महिलायें (संख्या एवं %)		योग (संख्या एवं %)	
हिन्दू	2398	47·01	1851	36·29	4249	83·30
इस्लाम	293	5·74	233	4·57	526	19·31
सिख	115	2·25	52	1·01	167	3·27
ईसाई	89	1·74	70	1·37	159	3·12
योग	2895	56·75	2206	43·25	5101	100·00

सारिणी संख्या - 2·5

अ-प्रवासियों (मूल-निवासी) का जाति-वितरण

(CASTE DISTRIBUTION OF NON-MIGRANTS)

धर्म	जाति	पुरुष (संख्या एवं %)		महिलायें (संख्या एवं %)		योग (संख्या एवं %)	
हिन्दू 4249 (83·3%)	1- ब्राह्मण	478	11·25	349	8·21	827	19·46
	2- क्षत्रिय	131	3·08	96	2·26	227	5·34
	3- वैश्य	679	15·88	546	12·85	1225	28·83
	4- कायस्थ	436	10·26	382	8·99	818	19·25
	5- कर्मकारक जाति	278	6·54	209	4·92	487	11·46
	6- अनुसूचित जाति	141	3·32	101	2·38	242	5·70
	7- पिछड़ी जाति	255	6·00	168	3·95	423	9·96
योग		2398	56·44	1851	43·56	4249	100·00
अन्य धर्म		497	58·33	355	41·67	852	100·00
महायोग		2895	56·75	2206	43·25	5101	100·00

सारिणी संख्या - 2·6

अ-प्रवासियों (मूल निवासी) का शैक्षिक-वितरण

(EDUCATION DISTRIBUTION OF NON-MIGRANTS)

शैक्षिक स्तर	पुरुष (संख्या एवं %)		महिलायें (संख्या एवं %)		योग (संख्या एवं %)	
शिशु	363	7·12	347	6·8	710	13·92
अशिक्षित	141	2·76	190	3·72	331	6·49
साक्षर	282	5·53	230	4·51	512	10·03
प्राथमिक स्तर	431	8·45	344	6·74	775	15·19
पूर्व माध्य0स्तर	382	7·49	283	5·55	665	13·03
माध्यमिक स्तर	655	12·84	380	7·45	1035	20·29
स्नातक	396	7·76	238	4·67	634	12·43
परास्नातक	180	3·53	148	2·90	328	6·43
तकनीकि डिग्री	33	0·65	40	0·78	71	1·39
तकनीकि डिप्लोमा	23	0·45	3	0·06	26	0·50
शोध व अनुसंधान-स्तर	9	0·18	3	0·06	12	0·24
योग	2895	57·75	2206	43·25	5101	100·00

अध्ययन में यह देखा गया कि, यद्यपि सर्वाधिक प्रवासी एवं मूल निवासी हिन्दू धर्मानुयायी एवं विशेषकर ब्राह्मण ही हैं, लेकिन मूल निवासियों में सर्वाधिक वैश्य एवं उसके अनन्तर ब्राह्मण एवं कायस्थ हैं। ब्राह्मण एवं कायस्थों में विशेष संख्यात्मक नहीं अंतर नहीं है। यद्यपि वैश्य सर्वाधिक हैं लेकिन उनमें प्रवास प्रवृत्ति अपेक्षाकृत कम पायी गयी है।

—x—

अध्याय - 5

उपपत्ति

(Findings)

अ- (1) स्व-अन्तः प्रवास
(2) सह-अन्तः प्रवास
(3) स्व-वाह्य प्रवास
(4) सह-वाह्य प्रवास

ब- अन्तः एवं वाह्य प्रवास के परिणाम

स्व-अन्त:-प्रवास

अंत: प्रवास कारणों के अनुसार स्व-अन्त: प्रवास

(SELF IN-MIGRATION ACCORDING TO CAUSES OF IN-MIGRATION)

सारिणी संख्या 2·7 में अन्त: प्रवास कारणों के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के 1156 स्व-अन्त: प्रवासियों में 94·9% पुरूष एवं 5·1% महिला स्व-अन्त: प्रवासी हैं। स्व-अंत: प्रवास के कारणों में शिक्षा, रोजगार, स्थानांतरण, धार्मिक कारण, भौगोलिक एवं राजनीतिक कारण मुख्य हैं। शिक्षा को दो उपवर्गों, सतत शिक्षा एवं अधिक अच्छी शिक्षा में विभाजित किया गया है। रोजगार को चार उपवर्गों में विभाजित किया गया है - प्रथम रोजगार के कारण अधिक अच्छे रोजगार के कारण, स्व - रोजगार व उद्यम के कारण एवं अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम के कारण प्रवास। न्यादर्श के अनुसार शिक्षा के लिए 39·88% अन्त: प्रवासियों ने इलाहाबाद नगर में अन्त: प्रवास किया जिसमें 37·37% पुरूष एवं 2·51% महिला स्व-अन्त: प्रवासी हैं। इस कारक को दो उपवर्गों में विश्लेषित करने पर, सतत् शिक्षा के लिए 10·64% व्यक्तियों ने अन्त: प्रवास किया। इसमें 10·03% पुरूष एवं मात्र 0·61% महिलायें है। अधिक अच्छी शिक्षा के लिए 29·31% व्यक्तियों ने अन्त: प्रवास किया , जिसमें 27·42% पुरूष एवं शेष 1·9% महिलायें है।

सारिणी संख्या - 2·7

प्रवास-कारणों के अनुसार स्व-अंत: प्रवास

(SELF-IN-MIGRATION ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION)

स्व-अंत: प्रवास का कारण	पुरुष (संख्या एवं %)	महिलायें (संख्या एवं %)	योग (संख्या एवं %)
1- शिक्षा	432 37·37	29 2·51	461 39·88
अ- सतत-शिक्षा	116 10·03	07 0·61	123 10·64
ब- अधिक अच्छी शिक्षा	317 27·42	22 1·90	339 28·31
2- रोजगार (आर्थिक)	428 37·02	3 0·26	431 37·28
अ- प्रथम-रोजगार	231 19·98	1 0·08	232 20·06
ब- अधिक अच्छे रोजगार	80 6·92	-	80 6·92
स- स्व-रोजगार एवं उद्यम	96 8·31	1 0·08	97 8·39
द- अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम	21 1·81	1 0·08	22 1·90
3- स्थानांतरण	154 13·32	8 0·69	162 14·01
4- धार्मिक	41 3·55	10 0·86	51 4·41
5- भौगोलिक	20 1·73	4 0·34	24 2·07
6- राजनीतिक	21 1·81	5 0·43	26 2·24
योग	1097 94·20	59 5·10	1156 100·00

ग्राफ संख्या 14 : स्व-अन्तः प्रवास कारणों के अनुसार अन्तः प्रवास
T
F
M
S.I.M.
सतत शिक्षा के कारण
10.03
10.64
0.61
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु
27.42
29.31
1.90
रोजगार हेतु
19.98
20.06
0.08
अधिक अच्छे रोजगार हेतु
6.92
स्व-रोजगार व उद्यम हेतु
8.31
8.39
0.08
अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु
1.81
1.90
0.08
स्थानान्तरण होने के कारण
13.32
14.01
0.69
धार्मिक कारण
3.55
4.41
0.86
भौगोलिक कारण
1.73
2.07
0.34
राजनैतिक कारण
1.81
2.24
0.43
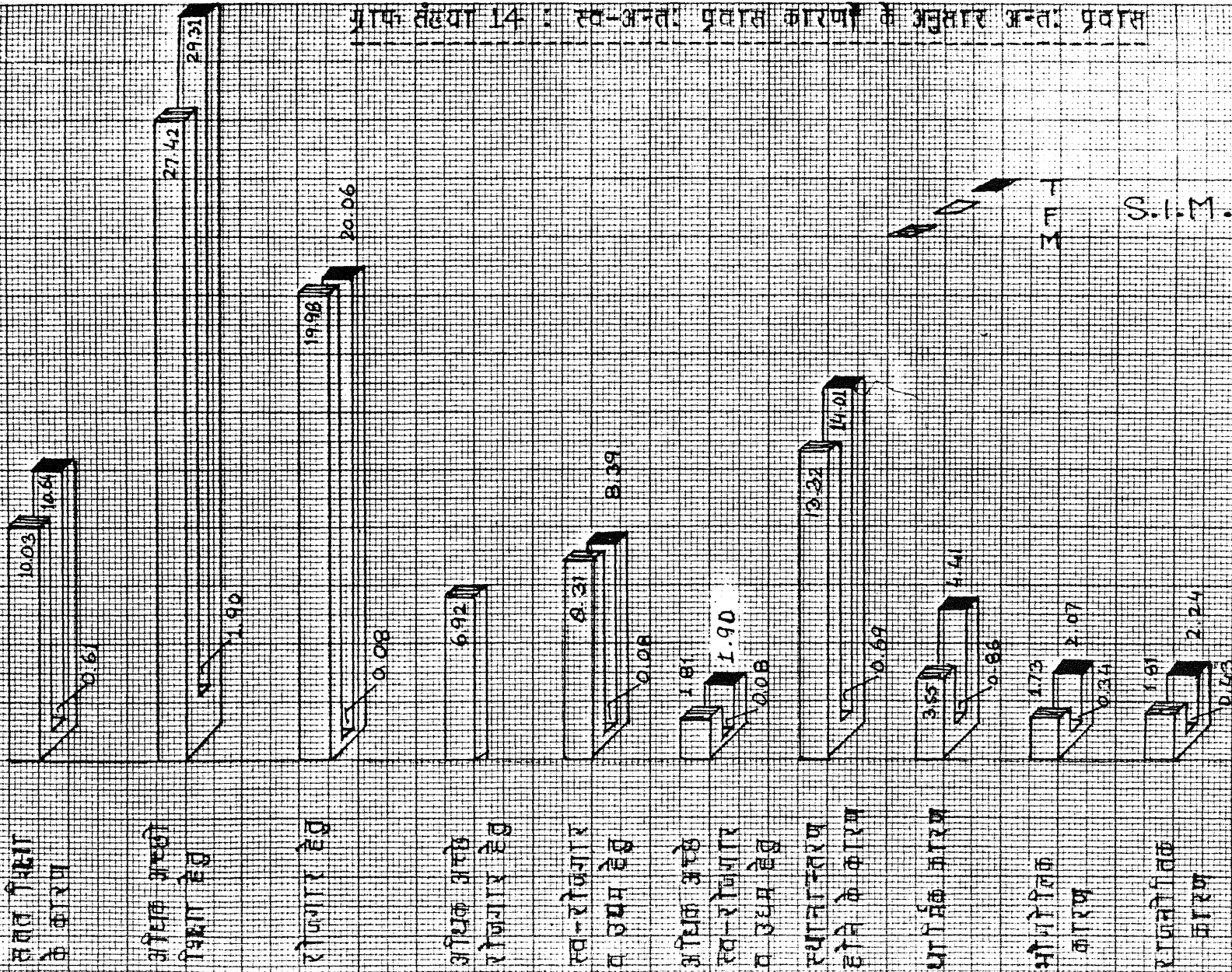
इलाहाबाद नगर प्राचीन काल से ही आध्यात्मिक एवं बौद्धिक शिक्षा का एक प्रमुख केन्द्र रहा है और उसकी ये विशेषताएं आज भी विद्यमान हैं। यह बात न्यादर्श के अनुसार भी स्पष्ट है। शिक्षा के लिए नगर में सर्वाधिक 39.88% स्व-अंत: प्रवास हुए हैं। नगर में शिक्षा एवं उच्च शिक्षा की उच्च कोटि की व्यवस्था है। सतत् शिक्षा के लिए जहाँ 10.64% व्यक्तियों ने स्व-अन्त: प्रवास किया, वहीं पर अधिक अच्छी शिक्षा के लिए 29.31% ने अन्त:प्रवास किया। यद्यपि महिलाओं का प्रतिशत दोनों में मात्र 2.51% ही है लेकिन महत्त्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त जो अतिमहत्वपूर्ण तथ्य है वह यह है कि, न्यादर्श के अनुसार समस्त स्व-अन्त: प्रवासियों में शिक्षा हेतु अन्त: प्रवासित व्यक्ति सर्वाधिक है।

मनुष्य की मौलिक आवश्यकताएं आर्थिक अवसरों से प्रत्यक्षत: जुड़ी हुई होती हैं। न्यादर्श के अनुसार नगर में रोजगार हेतु 37.28% स्व-अन्त: प्रवासी हैं, जिसमें 37.02% पुरूष एवं 0.26% महिलायें हैं। रोजगार हेतु स्व-अन्त: प्रवासियों को चार वर्गों में विभाजित किया गया है -

अ - प्रथम रोजगार के कारण

ब - अपेक्षाकृत अधिक अच्छे रोजगार के कारण

स - स्व-रोजगार व उद्यम हेतु

द - अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु

न्यादर्श के अनुसार नगर में प्रथम रोजगार के कारण 20·06% व्यक्तियों ने स्व-अन्त: प्रवास किया हैं, जिसमें 19·98% पुरूष एवं 0·08% महिलायें है। अधिक अच्छे रोजगार के कारण नगर में 6·92% व्यक्तियों ने अन्त: प्रवास किया है, जिसमें मात्र पुरूष स्व-अन्त: प्रवासी हैं। स्व-रोजगार या उद्यम हेतु 8·39% व्यक्तियों ने स्व-अन्त: प्रवास किया हैं, जिसमें 8·31% पुरूष एवं मात्र 0·08% महिलायें हैं। अधिक अच्छे स्व-रोजगार या उद्यम हेतु 1·9% ने स्व-अंत: प्रवास किया है जिसमें 1·81% पुरूष एवं मात्र 0·08% महिलायें हैं।

प्रथम रोजगार के कारण स्व-अंत: प्रवास से तात्पर्य प्राप्त आजीविका हेतु इलाहाबाद नगर में स्वयं का अन्त: प्रवास है, न कि किसी अन्य के साथ नगर में अन्त: प्रवास। अधिक अच्छे रोजगार के कारण अन्त: प्रवास से तात्पर्य है ऐसे आर्थिक अवसरों की प्राप्ति हेतु स्वयं का अन्त: प्रवास जो मूल-स्थान के प्राप्त अवसरों से निश्चित रूप से अपेक्षाकृत अधिक अच्छे हों।

स्व-अन्त: प्रवासियों के अन्त: प्रवास कारण में स्थानांतरण कारण भी प्रमुख है। बहुत सी ऐसी सेवाएं होती हैं जिसमें लोगों का स्थानांतरण भी होतारहता है। इस आधार पर नगर में मात्र स्थानांतरण के कारण न्यादर्श के अनुसार 162 {14·01%} स्व-अन्त: प्रवासी हैं, जिसमें 13·32% पुरूष एवं 0·69% महिलायें हैं। सेवा कार्य का स्थानांतरण राजकीय या निजी क्षेत्र दोनों में हो सकता है।

हिन्दुओं का तीर्थ स्थान होने के कारण इलाहाबाद नगर में धार्मिक कारणों से भी स्व-अंत: प्रवास हुए हैं। न्यादर्श के अनुसार धार्मिक कारणों से ही यहाँ 51 (4·41%) व्यक्तियों ने स्व-अंत: प्रवास किया है, जिसमें 3·55% पुरूष एवं 0·86% महिला स्व-अन्त: प्रवासी हैं।

भौगोलिक कारणों से भी नगर में अन्त: प्रवास हुए हैं। इसमें 24 (2·07%) व्यक्तियों ने स्व-अंत: प्रवास किया है, जिसमें 1·73% पुरूष एवं मात्र 4 (0·34%) महिला स्व-अन्त: प्रवासी हैं।

इलाहाबाद नगर में राजनीतिक शून्यता का अभाव है। यह नगर देश के राजनीति में एक महत्वपूर्णस्थान रखता है। फलत: यहाँ पर भी स्व-अंत: प्रवास हुए हैं। देश विभाजन के बाद यहाँ भी अन्त: प्रवास हुए। न्यादर्श के अनुसार नगर में 26 (2·24%) स्व-अंत: प्रवास हुए, जिसमें पुरूष स्व-अंत: प्रवासी 1·81% एवं 0·43% महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। इसमें अधिकांशत: अन्त: प्रवास देश विभाजन के समय हुए हैं।

उपर्युक्त समस्त स्व-अन्त: प्रवासिक कारणों को न्यादर्श के अनुसार देखने पर पूर्णरूप स्पष्ट हो जाता है। सर्वाधिकता के अनुसार इलाहाबाद नगर में स्व-अंत: प्रवासी इस प्रकार है - अपेक्षाकृत अधिक अच्छी शिक्षा के लिए 29·31%, स्व-अंत: प्रवासी, प्रथम-रोजगार के लिए 20·06%, स्थानांतरण के कारण 14·01%, सतत् शिक्षा के लिए 10·64%, स्व-रोजगार व उधम हेतु 8·39%, अपेक्षाकृत अधिक अच्छे रोजगार के लिए 6·92%, धार्मिक कारणों से 4·41%, राजनीतिक कारणों से 2·24%,

भौगोलिक कारणों से 2·07%, एवं अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु 1·9% ने स्व-अंत: प्रवास किया है। यदि प्रभावी कारकों को देखा जाय तो इसमें शिक्षा, रोजगार एवं स्थानांतरण कारक प्रमुख हैं। मात्र इन्हीं कारणों से 74·02% लोगों ने स्व-अंत: प्रवास किया है। स्व-अंत: प्रवास स्वतंत्र-चर है। फलत: इसमें पुरूष वर्ग के अन्त: प्रवास को प्रधानता होना स्वाभाविक ही है। महिला स्व-अंत: प्रवासी जहाँ मात्र 5·1% है, वहीं पुरूष 94·9% है। सर्वाधिक महिलाओं ने शिक्षा के लिए स्व-अन्त: प्रवास किया है। सतत् शिक्षा के कारण जहाँ उनका प्रतिशत0·61% है, अपेक्षाकृत अधिक अच्छी शिक्षा के लिए प्रतिशत 1·9 है।

तालिका सं0 2.8

स्व-अंतः प्रवास कारणों एवं धर्म के अनुसार स्व-अंतः प्रवासियों का वितरण (संख्या एवं प्रतिशत)

स्व-अंतः प्रवासियों का धर्म / स्व-अंतः प्रवास का कारण	हिन्दू	मुसलमान	सिख	ईसाई	योग
शिक्षा हेतु	123 11.37	-	-	-	123 10.64
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	329 30.41	4 23.53	-	6 21.43	339. 28.46
रोजगार हेतु	212 19.59	4 23.53	1 3.45	53.57	232 20.06
अधिक अच्छे रोजगार हेतु	73 6.75	2 11.76	2 6.90	3 10.71	80 6.92
स्व-रोजगार उद्यम हेतु	91 8.41	3 17.65	2 6.90	1 3.57	97 8.39
अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	18 1.66	2 11.76	2 6.90	-	22 1.90
धार्मिक कारण	48 4.44	-	-	3 10.71	51 4.41
राजनीतिक कारण	8 0.74	-	18 62.07	-	26 2.25
भौगोलिक कारण	23 2.13	-	1 3.45	-	24 2.08
स्थानांतरण होने के कारण	157 14.51	2 11.76	3 10.34	-	162 14.01
योग	1082 93.59	17 1.47	29 2.51	28 2.42	1156 100.00

धर्म एवं प्रवास कारणों के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO RELIGION AND CAUSES OF MIGRATION)

सारिणी संख्या 2·8 में धर्म एवं प्रवास कारणों के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के स्व-अन्त: प्रवास में 1156 स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 1097 पुरूष एवं 59 महिलायें हैं।

समस्त स्व-अन्त: प्रवासियों में कुल हिन्दू अंत: प्रवासियों की संख्या 1082 (93·59%) है जिसमें 1029 पुरूष एवं शेष 53 महिलायें हैं। इनका प्रवास कारणों के अनुसार वितरण करने पर सारिणी से स्पष्ट होता है कि, हिन्दुओं ने अधिक अच्छी शिक्षा हेतु सर्वाधिक एवं राजनीतिक कारणों से सबसे कम स्व-अन्त: प्रवास किया है। आर्थिक कारणों में रोजगार प्राप्ति हेतु प्रवास को भी महत्व दिया है।

इस्लाम धर्म के स्व-अन्त: प्रवासियों की संख्या 17 (1·47%) है, जिसमें सभी पुरूष ही हैं। प्रवास कारणों के अनुसार इनका वितरण करने पर सारिणी से स्पष्ट होता है कि, मुसलमानों ने समान रूप से अधिक अच्छी शिक्षा एवं रोजगार हेतु, अन्त: प्रवास के लिए इलाहाबाद नगर को अधिक महत्व दिया है और अन्य कारकों को कम या लगभग शून्य महत्व दिया है। सिख धर्म के स्व-अन्त: प्रवासियों की संख्या 29 (2·51%) है, जिसमें 24 पुरूष एवं 5 महिलायें हैं। अंत: प्रवास कारणों के अनुसार सिख स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण करने पर स्पष्ट होता है

कि, सिखों ने राजनीतिक कारणों से सर्वाधिक 62·07% स्व-अंत: प्रवास किया। शिक्षा एवं धार्मिक अंत: प्रवास को पूर्ण रूप से महत्व नहीं दिया है। ईसाई धर्म के स्व-अंत: प्रवासियों की संख्या 28 (2·42%) हैं, जिसमें 27 पुरूष एवं शेष मात्र एक महिलायें हैं। अंत: प्रवास कारणों के अनुसार इनका वितरण करने पर सारिणी से स्पष्ट होता है कि, ईसाई अंत: प्रवासियों ने रोजगार हेतु इलाहाबाद नगर में अंत: प्रवास को अपेक्षाकृत अन्य कारकों को अधिक महत्व दिया है।

इस प्रकार धर्मानुसार विभिन्न कारणों को देखने पर यह पाया गया कि, शिक्षा हेतु अंत: प्रवास में हिन्दू शत प्रतिशत हैं। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु अंत: प्रवास में हिन्दू सर्वाधिक 97·05% हैं एवं सिख अंत: प्रवासी शून्य हैं। रोजगार हेतु अंत: प्रवास में हिन्दू सर्वाधिक 91·38% हैं, एवं सबसे कम सिख 0·43% हैं। अधिक अच्छे रोजगार हेतु अंत: प्रवास में हिन्दू सर्वाधिक 91·25% हैं, स्वत: रोजगार एवं उद्यम हेतु अंत: प्रवास में हिन्दू सर्वाधिक 93·81% एवं सबसे कम ईसाई 1·03% हैं, अधिक अच्छे स्वत: रोजगार एवं उद्यम हेतु अंत: प्रवास में हिन्दू सर्वाधिक 81·82% एवं ईसाई शून्य है। धार्मिक कारणों से प्रवासियों में हिन्दू सर्वाधिक 94·12% एवं मुसलमान - सिख मात्र शून्य हैं। राजनीतिक कारणों से प्रवासियों में सिख 69·23% एवं मुसलमान एवं ईसाई शून्य हैं। भौगोलिक कारणों से प्रवासियों में हिन्दू सर्वाधिक 95·83% हैं एवं स्थानांतरित अंत: प्रवासियों में हिन्दू सर्वाधिक 96·91% हैं। मात्र राजनीतिक कारणों से प्रवासित अंत:

प्रवासियों को छोड़कर शेष सभी में हिन्दू सर्वाधिक हैं। लेकिन हिन्दुओं में सर्वाधिक अधिक अच्छी शिक्षा हेतु 97·05% अंत: प्रवासी हैं। इस्लाम धर्म के अंत: प्रवासियों में अधिक अच्छी शिक्षा एवं रोजगार हेतु अंत:प्रवासी समान रूप से (23·53%) सर्वाधिक हैं। सिखों में राजनीतिक अंत:प्रवासी 69·23% हैं एवं ईसाईयों में रोजगार हेतु अंत: प्रवासी सर्वाधिक 53·57% हैं।

स्पष्ट है कि अंत: प्रवासियों ने इलाहाबाद नगर को शैक्षिक एवं बौद्धिक केन्द्र स्थल मानकर अंत: प्रवास में वरीयता दी है। विशेषकर हिन्दुओं ने अत्यधिक महत्ता दी है।

अंत: प्रवास कारण एवं जाति के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF IN-MIGRATION AND CASTE)

न्यादर्श के समस्त 1082 हिन्दू स्व-अंत: प्रवासियों का उनके अंत: प्रवासिक कारणों एवं उनकी जातियों के अनुसार वितरण सारिणी संख्या 2·9 में प्रदर्शित है।

न्यादर्श के अनुसार 1082 हिन्दू स्व अंत: प्रवासियों (1029 पुरुष एवं 53 महिलायें) में ब्राह्मण 424 (39·19.%), क्षत्रिय 172 (15·9%), वैश्य 104 (9·61%), कायस्थ 188 (17·38%), कर्मकारक जाति 49 (4·53%) अनुसूचित जाति 51 (4·71%), एवं पिछड़ी जाति

सारिणी संख्या - 2·9

स्व-अंत: प्रवास-कारणों एवं जाति के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF SELF IN-MIGRATION AND CASTE)

स्व-अंत: प्रवास के कारण / विभिन्न जातियाँ	ब्राह्मण M + F = T(%)	क्षत्रिय M + F = T(%)	वैश्य M + F = T(%)	कायस्थ M + F = T(%)	कर्मकारक जाति के M + F = T(%)	अनुसूचित जाति के M + F = T(%)	पिछड़ी जाति के M + F = T(%)	योग M + F = T(%)
शिक्षा हेतु	61+00= 61(5.64) 14.39 49.59	19+2=21(1.94) 12.21 17.07	6+1= 7(0.65) 6.73 5.69	11+04= 15(1.39) 7.98 12.20	3+0= 3(0.28) 6.12 2.44	4+0= 4(0.37) 7.84 3.25	12+0=12(1.11) 12.77 9.76	116+07=123(11.37) - 100.00
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	116+02=118=(10.91) 27.83 35.87	79+4=83(7.67) 48.26 25.23	19+3=22(2.03) 21.15 6.69	47+10= 57(5.27) 30.32 17.33	10+1=11(1.02) 22.45 3.34	18+2=20(1.85) 39.22 6.08	18+0=18(1.66) 19.15 5.47	307+22=329(30.41) - 100.00
रोजगार हेतु	71+01= 72(6.65) 16.98 33.96	19+0=19(1.76) 11.05 8.96	12+0=12(1.11) 11.54 5.66	53+00= 53(4.90) 28.19 25.00	19+0=19(1.76) 38.78 8.96	20+0=20(1.85) 39.22 9.43	17+0=17(1.57) 18.09 8.02	211+01=212(19.59) - 100.00
अधिक अच्छे रोजगार हेतु	36+00= 36(3.33) 8.49 49.32	8+0= 8(0.74) 4.65 10.96	11+0=11(1.02) 10.58 15.07	11+00= 11(1.02) 5.83 15.07	1+0= 1(0.09) 2.04 1.37	-	6+0= 6(0.55) 6.38 8.22	73+00= 73(6.75) - 100.00
स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	24+00= 24(2.22) 5.66 26.37	5+0= 5(0.46) 2.91 5.49	22+0=22(2.03) 21.15 24.10	1+00= 1(0.09) 0.53 1.11	13+0=13(1.20) 26.53 14.29	3+0= 3(0.28) 5.88 3.30	22+1=23(2.13) 24.47 25.27	90+01= 91(8.41) - 100.00
अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	5+00= 5(0.46) 1.18 27.78	3+1= 4(0.37) 2.33 22.22	3+0= 3(0.28) 2.88 16.67	2+00= 2(0.18) 1.06 11.11	1+0= 1(0.09) 2.04 5.56	-	3+0= 3(0.28) 3.19 16.67	17+01= 18(1.66) - 100.00
धार्मिक कारण	36+06= 42(3.88) 9.91 87.50	1+1= 2(0.18) 1.16 4.17	1+1= 2(0.18) 1.92 4.17	0+01= 1(0.09) 0.53 2.08	-	-	1+0= 1(0.09) 1.06 2.08	39+09= 48(4.44) - 100.00
राजनीतिक कारण	1+00= 1(0.09) 0.23 12.50	2+0= 2(0.18) 1.16 25.00	1+0= 1(0.09) 0.96 12.50	2+00= 2(0.18) 1.06 25.00	-	-	2+0= 2(0.18) 2.13 25.00	8+00= 8(1.66) - 100.00
भौगोलिक कारण	5+03= 8(1.66) 1.89 34.78	3+1= 4(0.37) 2.33 17.39	4+0= 4(0.37) 3.85 17.39	1+00= 1(0.09) 0.53 4.35	-	-	6+0= 6(0.55) 6.38 26.09	19+4 = 23(2.13) - 100.00
स्थानान्तरण होने के कारण	56+01= 57(5.27) 13.44 36.31	24+0=24(2.22) 13.95 15.29	17+3=20(1.85) 19.23 12.74	41+04= 45(4.16) 23.94 28.66	1+0= 1(0.09) 2.04 0.64	4+0= 4(0.37) 7.84 2.55	6+0= 6(0.55) 6.38 3.82	149+8= 157(14.51) - 100.00
योग	411+13=424(39.19) 100.00	163+9=172(15.90) 100.00	96+8=104(9.61) 100.00	169+19=188(17.38) 100.00	48+1=49(4.53) 100.00	49+2=51(4.71) 100.00	93+1=94(8.69) 100.00	1029+53=1082(100%) 100.00

के 94 (8·69%) स्व-अंत: प्रवासी हैं जिन्होंने, इलाहाबाद नगर में अंत: प्रवास किया है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक ब्राह्मण एवं कायस्थ इसके अनन्तर ही क्षत्रिय, वैश्य एवं अन्य हिन्दू जातियों ने अंत: प्रवास किया है। विभिन्न अंत: प्रवासिक कारणों के अनुसार विभिन्न जातियों का वितरण करने पर सारिणी से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक ब्राह्मणों ने अधिक अच्छी शिक्षा हेतु नगर को महत्व दिया है। यदि रोजगार से सम्बन्धित कारणों को आर्थिक रूप में देखें तो भी यह शैक्षिक कारणों से कम ही है। समस्त 172 (15·9%) क्षत्रिय स्व-अंत: प्रवासियों में लगभग 60% ने शैक्षिक कारणों से एवं लगभग 21% ने विभिन्न आर्थिक कारणों से नगर में अंत: प्रवास किया है। स्थानांतरण के कारण 24 (13·95%) व्यक्तियों ने अंत: प्रवास किया है। अन्य कारण विशेष महत्वपूर्ण नहीं कहे जा सकते हैं क्योंकि उनकी संख्या एवं प्रतिशत दोनों अति न्यून हैं, जो किसी विशेष निष्कर्ष पर हमें नहीं ले जा सकते।

समस्त 104 (9·61%) वैश्य स्व-अंत: प्रवासियों में अधिक अच्छी शिक्षा एवं स्व-रोजगार व उद्यम को समान महत्व दिया है। जो दोनों में 21·15% है, लेकिन यदि शैक्षिक एवं आर्थिक गतिविधियों के अनुसार देखें तो स्पष्ट होता है कि वैश्य अन्त: प्रवासियों ने आर्थिक क्रियाकलाप हेतु अंत: प्रवास में अधिक रुचि दिखायी है अपेक्षाकृत शैक्षिक क्रियाकलापों के। कायस्थ स्व-अंत: प्रवासियों में इलाहाबाद नगर के प्रति सर्वाधिक रुचि एवं महत्व अधिक समस्त 188 (17·38%) कायस्थ स्व-अंत: प्रवासियों में 17 महिलायें भी हैं, जिसमें आधे से अधिक शिक्षा से सम्बन्धित हैं। ब्राह्मणों के बाद

अंत: प्रवास में कायस्थ दूसरे स्थान पर रहे।

इस प्रकार सारिणी के विवेचन से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक हिन्दू अंत: प्रवासी ब्राह्मण, कायस्थ तथा क्षत्रिय रहे और इन्हीं जातियों ने शिक्षा को भी (लगभग 33%) महत्व दिया है। अन्य सभी जातियों ने आर्थिक कारणों को विशेष महत्व दिया है। धार्मिक महत्व ब्राह्मणों के अलावा अन्य जातियों में कम पाया गया है, यह बात सारिणी से स्पष्ट है। स्थानांतरण होने के कारण प्रवास में सर्वाधिक अन्त: प्रवासी ब्राह्मण, कायस्थ, क्षत्रिय एवं वैश्य जाति के रहे। कर्मकारक एवं अनुसूचित जाति के अन्त: प्रवासियों ने राजनीतिक, भौगोलिक एवं धार्मिक कारणों से अंत: प्रवास नहीं किया है।

अन्त: प्रवास कारणों एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF IN-MIGRATION AND EDUCATION-LEVEL)

सारिणी संख्या 3·0 में न्यादर्श के स्व-अन्त: प्रवासियों का नगर में अन्त: प्रवास के कारणों एवं उनके शैक्षिक-स्तर के अनुसार वितरण प्रदर्शित है।

न्यादर्श के समस्त 1156 स्व-अन्त: प्रवासियों में लगभग 11% ने शिक्षा हेतु नगर में अन्त: प्रवास किया है। सतत शिक्षा प्राप्त करने के लिए उच्च शैक्षिक स्तरीय प्रवासियों ने अन्त: प्रवास किया। इसमें 90%

सारिणी-संख्या - 3·0

प्रवास कारणों एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION & EDUCATION-LEVEL)

विभिन्न शैक्षिक स्तरीय प्रवासी / स्व-अंत: प्रवास के कारण	अशिक्षित M+F = T (%)	साक्षर M+F = T (%)	प्राथमिक स्तरीय M+F = T(%)	पूर्व माध्यमिक स्तरीय M+F = T (%)	माध्यमिक स्तरीय M+F = T (%)	स्नातक M+F = T (%)	परास्नातक M+F = T (%)	शोध एवं अनुसन्धान M+F = T (%)	तकनीकि डिग्री स्तरीय M+F = T (%)	तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय M+F = T (%)	योग M+F = T (%)
शिक्षा हेतु	-	-	-	0+1=1(0.09 1.54 0.81	9+1=10(0.87) 3.70 8.13	46+3=49(4.24) 16.55 39.84	51+2=53(4.58) 17.04 43.09	-	5+0=5(0.43) 10.87 4.06	5+0=5(0.43) 12.82 4.06	116+7=123(10.64 - 100.00
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	-	-	5+1=6(0.51) 12.00 1.77	14+2=16(1.40) 24.62 4.72	57+3=60(5.19) 22.22 17.70	109+8=117(10.12) 39.53 34.51	117+7=124(10.73] 39.87 36.58	-	7+1=8(0.69) 17.39 2.36	8+0=8(0.69) 20.51 2.36	317+22=339(29.32 - 100.00
रोजगार हेतु	10+0=10(1.67) 27.03 4.31	6+0=6(0.51) 19.35 2.59	5+0=5(0.43) 10.00 2.16	11+0=11(0.95) 16.92 4.74	81+1=82(7.09) 30.37 35.34	58+0=58(5.02) 19.59 25.00	42+0=42(3.63) 13.50 18.10	6+0=6(0.51] 54.56 2.59	8+0=8(0.69) 17.39 3.45	4+0=4(0.43) 10.26 1.72	231+1=232(20.07 - 100.00
अधिक अच्छे रोजगार हेतु	1+0=1(0.09) 2.70 1.25	-	1+0=1(0.09) 2.00 1.25	-	14+0=14(1.21) 5.19 17.50	16+0=16(1.38) 5.41 20.00	30+0=30(2.60) 9.64 37.50	-	12+0=12(1.09 26.09 15.00	6+0=6(0.51) 15.38 7.50	80+0=80(6.92) - 100.00
स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	11+1=12(1.09) 32.43 12.37	4+0=4(0.34) 12.90 4.12	15+0=15(1.30) 30.00 15.46	18+0=18(1.56) 27.69 18;56	21+0=21(1.82 7.78 21.65	14+0=14(1.21) 4.73 14.43	12+0=12(1.04) 3.85 12.38	-	1+0=1(0.09) 2.17 1.03	-	96+1=97(8.39) - 100.00
अधिक अच्छे-स्व रोजगार एवं उद्यम हेतु	-	-	2+0=2(0.17) 4.00 9.09	1+0=1(0.09) 1.54 4.54	7+0=7(0.70) 2.59 31.81	8+0=8(0.69) 2.70 36.37	2+1=3(0.26) 0.96 13.63	-	1+0=1(0.09 2.17 4.54	-	121+1=22(1.90) - 100.00
धार्मिक कारणों से	4+2=6(0.51) 16.22 11.76	14+1=15(1.30) 48.39 29.41	13+2=15(1.30) 30.00 29.41	2+1=3(0.23) 4.61 5.88	6+4=10(0.87) 3.70 19.60	1+0=1(0.09) 0.34 1.96	-	-	-	1+0=1(0.09) 2.56 1.97	41+10=51(4.41) - 100.00
राजनीतिक कारणों से	2+1=3(0.26) 8.11 11.54	-	3+0=3(0.25) 6.00 11.54	4+2=6(0.51) 9.23 23.07	7+1=8(0.69) 2.96 30.77	1+0=1(0.09) 00.34 3.85	4+1=5(0.43) 1.61 19.23	-	-	-	21+5=26(2.25) - 100.00
भौगोलिक कारणों से	3+2=5(0.43) 13.51 20.83	3+2=5(0.43) 16.13 20.83	2+0=2(0.20) 4.00 8.33	3+0=3(0.25) 4.62 12.50	6+0=6(0.52) 2.22 25.00	1+0=1(0.09) 0.34 4.17	1+0=1(0.09) 0.32 4.17	-	-	1+0=1(0.09) 2.56 4.17	20+4=24(2.08) - 100.00
स्थानान्तरण होने के कारण	-	1+0=1(0.09) 3.23 0.62	1+0=1(0.09) 2.00 0.62	4+2=6(0.51) 9.23 3.71	48+4=52(4.50 19.26 32.09	29+2=31(2.68) 10.47 19.14	41+0=41(3.55) 13.18 25.31	5+0=5(0.43) 45.45 3.08	11+0=11(0.95) 23.91 6.79	14+0=14(1.21) 35.90 8.64	154+8=162(14.01 - 100.00
योग	31+6=37(3.20) 100.00	28+3=31(2.68) 100.00	47+3=50(4.33) 100.00	57+8=65(5.62) 100.00	256+14=270(23.36) 100.00	283+13=296(25.61) 100.00	300+1=31(26.90) 100.00	11+0=11(0.95) 100.00	45+1=46(3.98) 100.00	39+0=39(3.37) 100.00	1097+59=1156(100) 100.00

स्नातक से उच्च शिक्षा-स्तर से सम्बन्धित हैं। अधिक अच्छी शिक्षा प्राप्त करने हेतु नगर में उच्च शैक्षिक स्तरीय प्रवास भी हुए हैं। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु अन्त: प्रवास में सामान्य शैक्षिक स्तर के साथ उच्च शैक्षिक स्तरीय व्यक्ति अंत: प्रवासित हैं। इनका प्रतिशत सर्वाधिक लगभग 29% है। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु अंत: प्रवास के बाद रोजगार हेतु अन्त: प्रवास प्रमुख हैं। लगभग 20% अन्त: प्रवासियों ने रोजगार हेतु प्रवास किया। इसमें प्रत्येक स्तर के अन्त: प्रवासी हैं। प्रतिशत में सर्वाधिक लगभग 35% माध्यमिक स्तर के हैं एवं गुणात्मक रूप से उच्च शिक्षित सर्वाधिक स्नातक एवं परास्नातक वर्ग के हैं। अधिक अच्छे रोजगार हेतु अन्त: प्रवास में परास्नातक एवं तकनीकि स्तर के अन्त: प्रवासी, स्व-रोजगार व उद्यम में सर्वाधिक माध्यमिक एवं अन्य विभिन्न-स्तर के अंत: प्रवासी हैं, अधिक अच्छे स्व-रोजगार हेतु उच्च शिक्षित एवं तकनीकि वर्ग प्रमुख हैं।

नगर में धार्मिक अंत: प्रवास हुआ है। लगभग 4.41% प्रवासियों में लगभग 20 महिलायें एवं शेष पुरूष हैं। नगर में राजनीतिक अंत: प्रवास भी महत्वपूर्ण है। 2.25% राजनीतिक अंत: प्रवासी हैं। जिसमें पूर्व माध्यमिक एवं माध्यमिक स्तरीय सर्वाधिक हैं। भौगोलिक अन्त: प्रवासी लगभग 2% एवं स्थानान्तरण होने के कारण लगभग 14% लोगों ने नगर में अन्त: प्रवास किया।

प्रवास कारण एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर यह स्पष्ट होता है कि, धार्मिक, राजनीतिक स्थानांतरण एवं भौगोलिक प्रवास कारणों की अपेक्षा अधिक आर्थिक एवं शैक्षिक अन्त: प्रवास विशेष महत्वपूर्ण है।

अंत: प्रवास कारण एवं मूल-क्षेत्र के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF IN-MIGRATION AND PLACE OF ORIGIN)

सारिणी संख्या 3·1 में स्व-अन्त: प्रवास-कारण एवं प्रवासियों के मूल क्षेत्र के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों में 1097 (94·90%) पुरूष एवं 59 (5·10%) महिलायें हैं। नगर में ग्रामीण क्षेत्र के स्व-अंत: प्रवासी 405 (35·03%) हैं - जिसमें 387 पुरूष एवं 18 महिलायें हैं। प्रवास कारणों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के स्व-अंत: प्रवासियों के अध्ययन से सर्वेक्षण में यह पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्र के स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक 29·14% लोगों ने अधिक अच्छी शिक्षा हेतु स्व-अंत: प्रवास किया है। यदि साथ में सतत शिक्षा हेतु प्रवास को भी सम्मिलित कर दिया जाये तो, कुल स्व-अंत: प्रवासियों का प्रतिशत 43·2% है। स्पष्ट है कि शिक्षा के प्रति आकर्षण बढ़ा है। रोजगार एवं अन्य आर्थिक कारण भी महत्वपूर्ण रहे।

सारिणी संख्या - 3·1

प्रवास-कारण एवं मूल क्षेत्र के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF-IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION &PLACE OF ORIGIN)

अन्त: प्रवासियों का मूल-क्षेत्र / स्व-अन्त: प्रवास का कारण	ग्रामीण - क्षेत्र	टाऊन एरिया व नोटीफाइड क्षेत्र	नगर-पालिका व नगर महापालिका क्षेत्र	मेट्रोपोलिटन - क्षेत्र	विश्व के अन्य देश (अन्तर्रा० आव्रजन)	योग
	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)
शिक्षा हेतु	54+03= 57(4.93) 14.07 46.34	48+03= 51(4.41) 12.62 41.46	14+01= 15(1.29) 5.03 12.19	-	-	116+07= 123(10.64 - 100.00
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	111+07=118(10.21) 29.14 34.81	112+08=120(10.38) 29.70 35.39	86+07= 93(8.04) 31.21 27.40	6+0= 6(0.52) 26.09 1.77	2+0= 2(0.17) 7.69 0.59	317+22= 339(28.4[illegible] - 100.00
रोजगार हेतु	87+00= 87(7.53) 21.48 7.53	80+01= 81(7.00) 20.05 34.91	55+00= 55(4.76) 18.46 23.71	9+0= 9(0.78) 39.13 3.88	-	231+01= 232(20.06 - 100.00
अधिक अच्छे रोजगार हेतु	33+00= 33(2.85) 8.15 2.85	31+00= 31(2.68) 7.67 38.75	11+00= 11(0.95) 3.69 13.75	5+0= 5(0.43) 21.74 6.25	-	80+00= 80(6.92 - 100.00
स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	42+01= 43(3.72) 10.62 44.33	38+00= 38(3.29) 9.41 13.75	16+00= 16(1.38) 5.37 34.04	-	-	96+01= 97(8.39 - 100.00
अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	6+00= 6(0.52) 1.48 27.27	6+01= 7(0.61) 1.73 31.82	6+00= 6(0.52) 2.01 27.27	3+0= 3(0.26) 13.04 13.64	-	21+01= 22(1.90 - 100.00
धार्मिक कारण	16+03= 19(1.64) 4.69 37.25	13+02= 15(1.29) 3.71 29.41	11+05= 16(1.38) 5.37 31.37	-	1+0= 1(0.09) 3.85 1.96	41+10= 51(4.4[illegible] - 100.00
राजनीतिक कारण	2+00= 2(0.17) 0.49 7.69	2+00= 2(0.17) 0.50 7.69	-	-	17+5=22(1.90) 84.62 84.62	21+05= 26(2.25 - 100.00
भौगोलिक कारण	14+02= 16(1.38) 3.95 66.66	6+02= 8(0.69) 1.98 33.33	-	-	-	20+04= 24(2.05 - 100.00
स्थानान्तरण होने के कारण	22+02= 24(2.08) 5.43 14.81	49+02= 51(4.41) 12.62 31.48	82+04= 86(7.44) 28.86 53.09	-	1+0= 1(0.09) 3.85 0.62	154+08= 162(14.[illegible] - 100.00
योग	387+18=405(35.03) 100.00	385+19=404(34.95) 100.00	281+17=298(25.78) 100.00	23+0=23(1.99) 100.00	21+5=26(2.25) 100.00	1097+59=1156(100.[illegible] 100.00

टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के समस्त 404 (34·95%) स्व-अंत: प्रवासियों, जिसमें 385 पुरूष एवं 19 महिलायें हैं, के सर्वेक्षण से यह पाया गया कि टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के समस्त स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक 29·70% लोगों ने अधिक अच्छी शिक्षा हेतु नगर में स्व-अंत: प्रवास किया है। यदि दोनों शैक्षिक कारणों को साथ-साथ देखा जाय तो इस प्रकार के स्व-अंत: प्रवासियों का प्रतिशत 42·32% है। आर्थिक कारण भी अंत: प्रवास में महत्वपूर्ण रहे लेकिन इसका प्रतिशत शैक्षिक आकर्षण की अपेक्षा कम है। राजनीतिक स्व-अन्त: प्रवासी सबसे कम मात्र 0·50% हैं। समस्त 19 महिलाओं में सर्वाधिक प्रतिशत शिक्षा हेतु अंत: प्रवासियों का है।

नगरीय क्षेत्र के समस्त 298 (25·78%) स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक 93 (31·21%) लोगों ने अधिक अच्छी शिक्षा हेतु स्व-अंत: प्रवास किया है। दूसरा स्थान, नगर में स्थानांतरित स्व-अंत: प्रवासियों का 28·86% है। लेकिन यदि समस्त शैक्षिक पहलू को देखा जाय तो शिक्षा हेतु सर्वाधिक 36·24% आर्थिक कारणों से 29·53%, एवं स्थानांतरण होने कारण 28·86% स्व-अंत: प्रवासी हैं।

मेट्रो महानगरों के समस्त 23 (1·99%) स्व-अंत: प्रवासियों जिसमें सभी पुरूष प्रवासी हैं, प्रवास कारणों के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियोंके वितरण से स्पष्ट है कि महानगरों से प्रवास कम हुए हैं। जो हुए हैं उनके पीछे शिक्षा-आर्थिक कारण महत्वपूर्ण हैं।

इस प्रकार इन क्षेत्रों से रोजगार हेतु स्व-अंत: प्रवासी एक भी नहीं हैं। इलाहाबाद नगर में विश्व के शेष अन्य देशों के 26 (2·25%) स्व-अंत: प्रवासी हैं। जिसमें 21 पुरुष एवं शेष 5 महिलायें हैं। प्रवास-कारणों के अनुसार प्रदर्शित वितरण से स्पष्ट है कि आर्थिक कारणों से किसी भी व्यक्ति ने अंत: प्रवास नहीं किया है। सर्वाधिक 84·62% राजनीतिक स्व-अंत: प्रवासियों में 17 पुरुष एवं 5 महिलायें हैं। राजनीतिक स्व-अंत: प्रवासियों में अधिकांशत: पाकिस्तान से उत्प्रवासित हैं, जो भारत-पाक में हुए राजनीतिक उथल-पुथल के कारण भारत में आ गये थे।

इस प्रकार सर्वेक्षण के अनुसार समस्त क्षेत्रों के स्व-अंत: प्रवासियों में ग्रामीण क्षेत्र के स्व-अन्त: प्रवासी सर्वाधिक हैं जिनका प्रतिशत 35·03% है, इस वर्ग के प्रवासियों ने प्रवास प्रक्रिया में शिक्षा को सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान दिया। टाउन एरिया एवं कस्बों के स्व-अंत: प्रवासियों का सर्वाधिकता के अनुसार दूसरा स्थान 34·95% है। इस वर्ग के प्रवासियोंने भी शिक्षा को प्रवास में वरीयता दी। 25·78% नगरीय स्व-अंत: प्रवासी हैं, इन्होंने भी शिक्षा क्षेत्र को सर्वाधिक महत्व दिया है। मेट्रो महानगरों के 1·99% ही स्व-अंत: प्रवासी हैं। यदि कारणों के अनुसार विश्लेषण किया जाय तो सर्वाधिक 28·64% स्व-अंत: प्रवासियों ने नगर में अधिक अच्छी शिक्षा हेतु स्व-अंत: प्रवास किया है लेकिन इसमें टाउन एरिया के सर्वाधिक 35·39% स्व-अंत: प्रवासी हैं। रोजगार हेतु स्व-अंत: प्रवासी 20·06% हैं। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के सर्वाधिक हैं।

इस प्रकार सर्वाधिक स्व-अंत: प्रवासी टाउन एरिया के हैं।

सारिणी संख्या - 3·2

प्रवास-कारण एवं विशिष्ट-मूल क्षेत्रानुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND SPECIFIC PLACE OF ORIGIN)

अंत: प्रवास के विभिन्न कारण / विशिष्ट मूल-क्षेत्र	दस किमी. का क्षेत्र M+F=T (%)	इलाहाबाद जिले का शेष क्षेत्र M+F=T (%)	इलाहाबाद के संलग्न जिले M+F=T (%)	प्रदेश के अन्य जिलें M+F=T (%)	देश के अन्य राज्य M+F=T (%)	विश्व के अन्य देश (अन्तर्रा. आव्रजन) M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
सतत शिक्षा	6+0= 6(0.52) 18.18 4.88	63+ 2= 65(5.62) 27.78 52.85	35+ 5= 40(3.46) 14.08 32.52	11+ 0= 11(0.95) 2.86 8.94	1+0= 1(0.09) 0.51 0.81	-	116+ 7= 123(10.64) - 100.00
अधिक अच्छी शिक्षा	7+0= 7(0.61) 21.21 2.06	36+ 4= 40(3.46) 17.09 11.79	98+ 5=103(8.91) 36.27 30.38	150+12=162(14.01) 42.19 47.79	24+1= 25(2.16) 12.82 7.37	2+0= 2(0.17) 7.69 0.59	317+22= 339(29.33) - 100.00
रोजगार	8+0= 8(0.69) 24.24 3.45	51+ 0= 51(4.41) 21.79 21.98	66+ 1= 67(5.79) 23.59 28.88	67+ 0= 67(5.79) 17.45 28.88	39+0= 39(3.37) 20.00 16.81	-	231+ 1= 232(20.07) - 100.00
अधिक अच्छे रोजगार	-	17+ 0= 17(1.47) 7.26 21.25	23+ 0= 23(1.99) 8.10 28.75	22+ 0= 22(1.90) 5.73 27.50	18+0= 18(1.56) 9.23 22.50	-	80+ 0= 80(6.92) - 100.00
स्व-रोजगार एवं उद्यम	6+0= 6(0.52) 18.18 6.18	38+ 1= 39(3.37) 16.67 40.20	9+ 0= 9(0.78) 3.17 9.28	17+ 0= 17(1.47) 4.43 17.53	26+ 0=26(2.25) 13.33 26.80	-	96+ 1= 97(8.39) - 100.00
अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम	-	3+ 0= 3(0.26) 1.28 13.63	1+ 0= 1(0.09) 0.35 4.55	8+ 1= 9(0.78) 2.34 40.90	9+0= 9(0.78) 4.62 40.90	-	21+ 1= 22(1.90) - 100.00
धार्मिक	2+0= 2(0.18) 6.06 3.92	3+ 1= 4(0.35) 1.71 7.84	4+ 2= 6(0.52) 2.11 11.76	6+ 5= 11(0.95) 2.86 21.57	25+2= 27(2.34) 13.85 52.94	1+0= 1(0.09) 3.85 1.96	41+10= 51(4.41) - 100.00
राजनीतिक		3+ 0= 3(0.26) 1.28 11.54	1+ 0= 1(0.09) 0.35 3.85	-	-	17+5=22(1.90) 84.62 84.60	21+ 5= 26(2.25) - 100.00
भौगोलिक	3+0= 3(0.26) 9.09 12.50	2+ 1= 3(0.26) 1.28 12.50	3+ 0= 3(0.26) 1.06 12.50	2+ 0= 2(0.17) 0.52 8.33	10+3= 13(1.12) 6.67 54.17	-	20+ 4= 24(2.08) - 100.00
स्थानांतरण	1+0= 1(0.09) 3.03 0.62	8+ 1= 9(0.78) 3.85 5.55	31+ 0= 31(2.68) 10.92 19.13	76+ 7= 83(7.18) 21.61 51.20	37+0= 37(3.20) 18.95 22.84	1+0= 1(0.09) 3.85 0.62	154+ 8= 162(14.01) - 100.00
योग	33+0=33(2.85) 100.00	224+10=234(20.24) 100.00	271+13=284(24.57) 100.00	359+25=384(33.21) 100.00	189+6=195(16.87) 100.00	21+5=26(2.25) 100.00	1097+59=1156 100.00

अंत: प्रवास कारण एवं विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRANTION AND SPECIFIC PLACE OF ORIGIN)

न्यादर्श के समस्त 1097 पुरूष एवं 39 महिला स्व-अन्त: प्रवासियों का उनके अन्त: प्रवास कारण एवं विशिष्ट मूल क्षेत्र के अनुसार वितरण सारिणी संख्या 3·2 में प्रदर्शित है।

इलाहाबाद नगर में स्व-अन्त: प्रवासियों के विशिष्ट मूल स्थान को छ: भागों में विभाजित किया गया है। इन मूल स्थानों के अन्त: प्रवासियों की वस्तु -स्थिति इस प्रकार है - दस किमी0के क्षेत्र के 33 (2·85%), उसी जनपद के 234 (20·24%), संलग्न जनपदों के 284 (24·57%), उसी प्रदेश के 384 (33·21%), अन्य राज्यों के 195 (16·87%), विश्व के अन्य देशों के 26 (2·25%) स्व-अन्त: प्रवासी हैं। सर्वाधिक स्व-अन्त: प्रवासी उसी प्रदेश के है, जिसमें इलाहाबाद एवं उसके संलग्न जनपद सम्मिलित नहीं हैं इसके अनन्तर संलग्न जनपदों के अन्त: प्रवासी हैं।

स्व-अन्त: प्रवासियों के विशिष्ट मूल स्थान एवं उनके अंत: प्रवासिक कारणों के अनुसार अध्ययन करने पर यह स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक स्व-अन्त: प्रवासी उ0प्र0 के अन्य जिलों के, इलाहाबाद के संलग्न जनपदों के एवं इलाहाबाद जनपद के अन्य भागों (नगर एवं 16 किमी के क्षेत्र को छोड़कर) के हैं। जहां उ0प्र0 के अन्य शेष जनपदों के सर्वाधिक लगभग 42%, एवं इलाहाबाद के संलग्न जनपदों के सर्वाधिक लगभग 36% स्व-अंत: प्रवासियों ने अधिक अच्छी शिक्षा हेतु अंत: प्रवास किया है, वहीं

इलाहाबाद के अन्य शेष भागों के सर्वाधिक लगभग 22% ने रोजगार हेतु अंत: प्रवास किया है। इन अंत: प्रवासियों का अपने कारण वर्ग में प्रतिशत स्थान क्रमशः लगभग 48%, 31% एवं 22% है एवं समस्त स्व-अंत: प्रवास में प्रतिशत स्थान क्रमशः 19·01%, 8·91%, एवं 4·41% है। इन्हीं तीनों विशिष्ट क्षेत्रों के अंत: प्रवास में सर्वाधिक लोगों ने इलाहाबाद नगर को शैक्षिक महत्व दिया है। शेष दस किमी क्षेत्र एवं अन्य राज्यों के अंत: प्रवास में सर्वाधिक लोगों ने आर्थिक महत्व दिया है। फिर भी यह महत्व, शैक्षिक महत्व से बहुत कम है।

वाह्य विश्व के अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक 85% ने राजनीतिक अंत: प्रवास किया है। धार्मिक अंत: प्रवास सर्वाधिक लगभग 53% अन्य राज्यों से हुए हैं। स्थानांतरण के कारण सर्वाधिक अंत: प्रवासी लगभग 51% उत्तर प्रदेश के अन्य शेष जनपदों के हैं। समस्त स्व-अन्त: प्रवास में अधिक अच्छे रोजगार, स्वरोजगार एवं उद्यम तथा अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम के कम अनुपात से स्पष्ट है कि इलाहाबाद नगर के सम्बन्धित आर्थिक क्षेत्रों में अनुकूल तथ्व विशेष उत्तम नहीं हैं। जो भी अनुकूल तत्व हैं वह रोजगार के क्षेत्रों में तो हैं लेकिन अच्छे रोजगार या स्व-रोजगार एवं उद्यम के क्षेत्र में बहुत कम हैं।

मूल-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF-IN-MIGRANTS ACCORDING TO REGION AND RELIGION)

धर्म / मूल-क्षेत्र	हिन्दू M + F = T (%)	इस्लाम M + F = T (%)	सिख M + F = T (%)	ईसाई M + F = T (%)	योग M + F = T (%)
ग्रामीण-क्षेत्र	380+18= 398 (34.43) 37.78 98.28	5+0= 5 (0.43) 29.41 1.23	2+0= 2 (0.17) 6.90 0.49	-	387+18= 405 (35.03) - 100.00
टाऊन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया	371+19= 390 (33.73) 36.04 96.53	5+0= 5 (0.43) 29.41 1.24	4+0= 4 (0.35) 13.79 0.99	5+0= 5 (0.43) 17.86 1.24	385+19= 404 (34.94) - 100.00
नगरपालिका एवं नगर-महापालिका क्षेत्र	254+16= 270 (23.36) 24.95 90.60	4+0= 4 (0.35) 23.53 1.34	4+0= 4 (0.35) 13.79 1.34	19+1=20 (1.73) 71.43 6.71	281+17= 298 (25.78) - 100.00
मेट्रोपोलिटिन क्षेत्र	17+ 0= 17 (1.47) 1.57 73.91	2+0= 2 (0.17) 11.76 8.69	1+0= 1 (0.09) 3.45 4.35	3+0= 3 (0.26) 10.71 13.04	23+ 0= 23 (1.99) - 100.00
विश्व के अन्य देश (अन्तर्रा. आव्रजन)	7+ 0= 7 (0.61) 0.65 26.92	1+0= 1 (0.09) 5.88 3.85	13+5=18 (1.56) 62.07 69.20	-	21+ 5= 26 (2.25) - 100.00
योग	1029+53=1982 (93.50) 100.00	17+0=17 (1.47) 100.00	24+5=29 (2.51) 100.00	27+1=28 (2.42) 100.00	1097+59=1156 (100.00) 100.00

<u>मूल-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण</u>

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO PLACE OF ORIGIN AND RELIGION)

न्यादर्श के समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों का उनके धर्म एवं अंत: प्रवास के मूल क्षेत्र के अनुसार वितरण सारिणी संख्या 3·3 में प्रदर्शित है।

स्व-अंत: प्रवासियों में विभिन्न धर्मों के अंत: प्रवासियों की वस्तुस्थिति इस प्रकार है - हिन्दू 1029 पुरुष एवं 53 महिलायें। हिन्दू (93·60%), मुस्लिम स्व-अंत: प्रवासी 17 (1·47%), सिख 29 (2·51%) एवं ईसाई स्व-अंत: प्रवासी 28 (2·42%) हैं।

विभिन्न धर्मों के स्व-अन्त: प्रवासियों को उनके मूल-क्षेत्र के अनुसार अध्ययन करने पर यह स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक अंत: प्रवासी हिन्दू (·94%) हैं, इसके बाद सिख 2·51%, ईसाई 2·42% एवं मुसलमान मात्र 1·47% हैं। इस्लाम धर्म के अंत: प्रवासियों में एक भी महिला नहीं है जबकि 59 महिला अंत: प्रवासियों में 53 हिन्दू, 5 सिख एवं 1 ईसाई महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं।

ग्रामीण क्षेत्र एवं टाउन एरिया तथा नोटीफाइड क्षेत्र के लगभग समान स्व-अंत: प्रवासी हैं लेकिन समस्त हिन्दू अन्त: प्रवासियों में ग्रामीण क्षेत्र के हिन्दू (लगभग 38%), सर्वाधिक हैं। लगभग 36% हिन्दू अंत: प्रवासी टाउन एरिया एवं नोटीफाइड क्षेत्र के हैं। नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्र के लगभग 25% हैं। ग्रामीण, टाउन एरिया एवं नगरपालिका के अन्त: प्रवासियों का प्रतिशत 91% से अधिक प्रत्येक में हैं। समस्त स्व-

अंत: प्रवास में लगभग 91% कुल हिन्दू हैं और उसमें भी लगभग 92% इन्हीं तीनों क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं। इस्लाम धर्म के लगभग 82%, इस क्षेत्र से सम्बन्धित है। सिख धर्ममें सर्वाधिक इन क्षेत्रों के न होकर लगभग 62% विश्व के अन्य देशों के हैं।

स्पष्ट रूप से मुसलमानों, ईसाईयों एवं सिखों की अपेक्षा हिन्दुओं में अंत: प्रवास की प्रवृति अधिक पायी जाती है। यह निष्कर्ष सारिणी से निकलता है।साथ ही साथ विकसित, विकासशील एवं अविकसित क्षेत्रों से उत्तरोत्तर कम अंत: प्रवास की प्रवृति पायी गयी है। इलाहाबाद नगर में वाह्य विश्व के अंत: प्रवासी मेट्रो क्षेत्रों से अधिक है फिर भी मेट्रो क्षेत्रों के अंत: प्रवासी वाह्य विश्व के अंत: प्रवासियों से इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसमें अधिकतर राजनीतिक अंत: प्रवास हुए हैं जो भारत-पाक विभाजन के समय नगर में अंत: प्रवासित हुए थे। इसमें सिख धर्म के सर्वाधिक अंत: प्रवासी हैं।

मूल-क्षेत्र एवं जाति के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO PLACE OF ORIGIN AND CASTE)

प्रस्तुत सारिणी संख्या 3·4 में विभिन्न हिन्दू जातियों एवं अन्त: प्रवासियों के मूल क्षेत्र के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

तालिका संख्या-3.4

मूल क्षेत्र एवं जाति के अनुसार स्व-अन्तः प्रवासियों का विवरण

मूल क्षेत्र / विभिन्न जाति	ग्रामीण क्षेत्र से इलाहाबाद नगर	टाउन एरिया से नगर में	नगर व नगर महापालिका से	मैट्रो महानगरों से	अन्तर्रा० आव्रजन	योग % में
ब्राह्मण	153 14.14	158 14.6	104 9.61	5 0.46	4 0.36	424 39.19
क्षत्रिय	65 6.01	61 5.64	43 3.97	3 0.28	—	172 15.90
वैश्य	40 3.7	36 3.33	25 2.31	2 0.18	1 0.09	104 9.61
कायस्थ	62 5.73	65 6.0	57 5.27	2 0.18	2 0.18	188 17.38
कर्मकारक जाति	22 2.03	17 1.57	9 0.83	1 0.09	—	49 4.53
अनुसूचित जाति	19 1.76	17 1.57	13 1.20	2 0.18	—	51 4.71
पिछड़ी जाति	37 3.42	36 3.33	19 1.76	2 0.18	—	94 8.69
योग	398 36.78	390 36.04	270 24.95	17 1.57	7 0.65	1082 100.00

न्यादर्श के समस्त 1082 हिन्दू स्व-अंत: प्रवासियों में 1029 पुरूष एवं 53 महिलायें हैं। हिन्दू धर्म के विभिन्न जातियों को उनके मूल क्षेत्र के अनुसार प्रदर्शित वितरण से स्पष्ट होता है कि, ब्राह्मण स्व-अंत: प्रवासियों में ग्राम्य एवं टाउन एरिया के अंत: प्रवासी अधिक है। इस प्रकार अविकसित एवं विकासशील क्षेत्र से विकसित क्षेत्रों में प्रवास उन्मुखता स्पष्ट परिलक्षित है। विकसित एवं अत्यधिक विकसित क्षेत्रों से इलाहाबाद नगर के अन्त: प्रवास में ह्रास ही आया है। समस्त ब्राह्मणों में 73·34% स्व-अंत: प्रवासी मात्र ग्राम्य एवं टाउन एरिया तथा कस्बों के ही हैं। 15·96% क्षत्रिय स्व-अन्त: प्रवासियों में भी अविकसित एवं पिछड़े क्षेत्रों से इलाहाबाद नगर में प्रवास प्रवृत्ति अधिक दिखायी पड़ी। वैश्य जाति के स्व-अंत: प्रवासी 104 {9·61%} हैं। इस जाति में भी पिछड़े क्षेत्र से अधिक एवं विकसित क्षेत्र से अत्यधिक कम अंत: प्रवास हुए हैं। कायस्थ स्व-अंत: प्रवासी 188 {17·38%} हैं जिसमें 169 पुरूष एवं 19 महिलायें हैं। कायस्थों में भी अविकसित क्षेत्रों से अधिक प्रवासी पाये गये। साथ में यह भी महत्वपूर्ण तथ्य पाया गया कि नगरीय स्थलों के स्व-अन्त: प्रवासी भी अधिक रहे, जिनका समस्त कायस्थ स्व-अन्त: प्रवास में प्रतिशत स्थान 30·32% हैं। कर्मकारक जाति के स्व-अन्त: प्रवासी 49 {4·53%} हैं। इस जाति के अन्त: प्रवासियों में भी ग्राम्य एवं टाउन एरिया तथा नोटीफाइड एरिया के 79·79% अन्त: प्रवासी हैं। स्पष्ट है कि इलाहाबाद नगर में इन पिछड़े क्षेत्रों के अन्त: प्रवासियों की प्रमुखता है। अनुसूचित जाति के स्व-अंत:

प्रवासी 51 (4·71%) हैं। इस जाति के स्व-अंत: प्रवासियों में भी ग्राम्य एवं कस्बों तथा टाउन एरिया के स्व-अंत: प्रवासियों की बहुलता है। पिछड़ी जाति के 94 (8·69%) स्व-अंत: प्रवासी हैं जिसमें 93 पुरुष एवं मात्र 1 महिला हैं। उत्प्रवास स्थल के प्रकार के अनुसार वितरण करने पर - ग्राम्य क्षेत्र के 39·36%, कस्बों एवं टाउन एरिया के 38·30%, नगरीय क्षेत्र के 20·21%, मेट्रो महानगरों के 2·13%, एवं शेष विश्व के शून्य स्व-अंत: प्रवासी हैं जिनका समस्त स्व-अंत: प्रवास में प्रतिशत स्थान क्रमश: 3·42%, 3·33%, 1·76%, एवं 0·18%, स्व-अंत: प्रवासी हैं।

सारिणी का वृहद अवलोकन इस तथ्य पर विशेष प्रकाश डालता है कि, ग्रामीण क्षेत्रों एवं कस्बों तथा टाउन एरिया में इलाहाबाद नगर के प्रति आकर्षण अत्यधिक है। समस्त 1082 स्व-अंत: प्रवासियों में 72·82% अन्त: प्रवासी इन्हीं पिछड़े एवं अविकसित क्षेत्रों के ही हैं। नगरीय क्षेत्र के 24·95% स्व-अंत: प्रवासी हैं, जो महत्वपूर्ण है। जबकि मेट्रो महानगरों एवं शेष विश्व के स्व-अंत: प्रवासी अत्यधिक कम है।

यदि उत्प्रवास क्षेत्र के प्रकार के अनुसार विभिन्न जातियों को देखें तो स्पष्ट होता है कि सभी क्षेत्रों में ब्राह्मण स्व-अन्त: प्रवासी सर्वाधिक एवं उसके बाद कायस्थों का प्रमुख है।

तालिका संख्या- 3.5

मूल-क्षेत्र एवं आयु वर्ग के स्व-अन्तः प्रवासियों का विवरण

प्रवासियों का क्षेत्र / स्व-अन्तः प्रवासियों का आयु वर्ग	ग्रामीण क्षेत्र के स्व-अन्तः प्रवासी	टाउन शहरिया एवं कस्बों के स्व-अन्तः प्रवासी	नगरीय स्थलों के स्व अन्तः प्रवासी	मेट्रो महानगरों के स्व-अन्तः प्रवासी	शेष विश्व के स्व अन्तः प्रवासी	योग % में
0-4	—	—	—	—	—	—
5-9	3 0.26	—	—	—	—	3 0.26
10-19	52 4.49	52 4.49	39 3.37	2 0.17	—	145 12.54
20-29	128 11.07	154 13.32	116 10.03	7 0.61	6 0.52	411 35.55
30-39	70 6.06	66 5.71	51 4.41	9 0.78	7 0.61	203 17.56
40-49	56 4.84	66 5.71	57 4.93	2 0.17	4 0.35	185 16.00
50-59	66 5.71	41 3.55	25 2.16	2 0.17	4 0.35	138 11.74
60+	30 2.60	25 2.16	10 0.86	1 0.09	5 0.43	71 6.14
योग—	405 35.03	404 34.94	298 25.77	23 1.99	26 2.25	1156 100.00

मूल-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO PLACE OF ORIGIN AND AGE-GROUP)

सारिणी संख्या 3·5 में आयु-वर्गानुसार एवं अन्त: प्रवासियों के मूल-क्षेत्र के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

स्व-अंत: प्रवास एक स्वतंत्र-चर होने के कारण एक निश्चित आयु के बाद से ही व्यक्ति में प्रवास प्रवृति आती है। न्यादर्श में अन्त: प्रवासी सर्वाधिक युवा व्यक्ति हैं। ग्रामीण-क्षेत्र के स्व-अन्त: प्रवासियों की संख्या 405 (35·05%) हैं जिसमें 387 पुरूष एवं 18 महिलायें हैं। इस क्षेत्र के स्व-अन्त: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के सर्वाधिक 31·6%, एवं 5-10 आयु-वर्ग में सबसे कम 0·74% हैं। टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के स्व-अंत: प्रवासी 404 (34·94%) हैं जिसमें 385 पुरूष एवं 19 महिला स्व-अंत: प्रवासी हैं। इस क्षेत्र के सर्वाधिक अन्त: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के एवं सबसे कम 60 से अधिक आयु-वर्ग के हैं।

विकसित नगरीय स्थलों नगरपालिका व नगरमहापालिका क्षेत्रों के अन्त: प्रवासियों की संख्या 298 (25·77%) है जिसमें 281 पुरूष एवं 17 महिलायें हैं। इस क्षेत्र के सर्वाधिक स्व-अंत: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के एवं सबसे कम 60 से अधिक आयु-वर्ग के हैं।

भारत के मेट्रोपोलिटिन महानगरों के स्व-अंत: प्रवासियों की संख्या 23 है जिसमें सभी पुरूष हैं। समस्त स्व-अंत: प्रवासियों से इसका

प्रतिशत अनुपात 1·99% है। इस क्षेत्र के सर्वाधिक स्व-अंत: प्रवासी 30-39 आयु-वर्ग के हैं एवं सबसे कम 60 और अधिक,अधिक आयु वर्ग के हैं। इलाहाबाद नगर में अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजक 26 (2·25%) हैं।

इस प्रकार सभी क्षेत्रों के स्व-अंत: प्रवासियों का उनके आयु-वर्गानुसार अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि,सर्वाधिक स्व-अंत: प्रवासी 35·03% ग्रामीण क्षेत्र के एवं 34·94% टाउन एरिया के हैं। दोनों में प्रवास अंतर नगण्य सा है। इसके अनन्तर नगरीय क्षेत्र के स्व-अन्त: प्रवासियों का स्थान 25·77% है। इन तीनों क्षेत्रों के सर्वाधिक स्व-अंत: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के क्रमश: 11·07%, 13·32% एवं 10·03% हैं। स्पष्ट है कि टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के स्व-अंत: प्रवासी सर्वाधिक 13·32% हैं। अन्य दोनों क्षेत्रों मेट्रो महानगर एवं शेष विश्व के स्व-अंत: प्रवासी सर्वाधिक 30-39 आयु-वर्ग के हैं। यद्यपि अपने क्षेत्र-वर्ग में सर्वाधिक क्रमश: 39·13% एवं 26·92% हैं,लेकिन समस्त स्व-अंत: प्रवासियों में इनका प्रतिशत स्थान बहुत ही कम क्रमश: 0·78% एवं 0·61% है। अविकसित एवं विकसित हो रहे क्षेत्रों के अंत: प्रवासी अत्यधिक हैं, जबकि समानांतर या अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्र के इन दोनों क्षेत्रों की तुलना में कम अंत:प्रवासी हैं। अत्यधिक विकसित यथा महानगरों एवं विदेशों के तो और भी कम अंत: प्रवासी हैं जो स्वाभाविक भी हैं।

सारणी संख्या - 3·6

अंत: प्रवासियों के मूल क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF-IN-MIGRANTS ACCORDING TO PLACE OF ORIGIN AND EDUCATION LEVEL)

शैक्षिक-स्तर / मूल-क्षेत्र	अशिक्षित M+F = T(%)	साक्षर M+F = T(%)	प्राथमिक स्तरीय M+F = T(%)	पूर्व-माध्यमिक स्तरीय M+F = T (%)	माध्यमिक-स्तरीय M+F = T (%)	स्नातक स्तरीय M+F =T(%)	परास्नातक स्तरीय M+F = T(%)	शोध व अनुसंधानस्तरीय M+F = T(%)	तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय M+F + T(%)	तकनीकि डिग्री स्तरीय M+F =T(%)	योग M+F=T(%)
ग्रामीण-क्षेत्र	16+3=19(1.64) 51.37 4.69	18+1=19(1.64) 61.29 4.69	21+2=23(1.99) 46.00	19+3=22(1.90) 33.85	11+6=117(10.12) 43.33	99+2=101(8.74) 34.12 24.94	80+1=81(7.01) 26.05 20.00	-	16+0=16(1.38) 41.02 3.95	7+0 =7(0.61) 15.22 1.73	387+18=405(35.0 - 100.00
टाउन-एरिया एवं नोटीफाइड क्षेत्र	10+2=12(1.07) 32.43 2.97	6+1=7(0.61) 22.38 1.73	14+1=15(1.30) 30.00 3.71	23+2=25(2.16) 38.46 6.19	78+5=83(7.18) 30.74 20.54	93+4=97(8.39) 32.77 24.00	47+4=51(4.41) 48.55 37.38	-	8+0=8(0.69) 20.5 1.98	6+0=6(0.51) 13.04 1.49	385 19=404(34.95) - 100.00
नगरपालिका व नगरमहापालिका क्षेत्र	5+1=6(0.52) 16.22 2.01	4+1=5(0.43) 16.13 1.68	12+0=12(1.07) 24.00 4.03	11+3=14(1.21) 21.54 8.07	61+0=61(5.28) 22.59 20.47	84+6=90(7.79) 30.41 30.20	68+5=73(6.31) 23.47 24.50	8+0=8(0.78) 72.73 2.68	9+0=9(0.78) 23.08 3.02	19+1=20(1.78) 43.48 6.71	281+17=298(25.78 - 100.00
मेट्रोपोलिटन क्षेत्र	-	-	-	-	-	1+0=1 (0.09) 0.33 4.35	2+0=2(0.17) 0.64 8.70	3+0=3(0.26) 27.27 13.04	6+0=6(0.52) 15.38 26.09	11+0=11(.95) 23.91 47.83	23+0=23(1.99) - 100.00
विश्व के अन्य देश (अन्तर्राष्ट्रीय आप्रवास)	-	-	-	4+0=4(0.34) 6.15 15.38	6+3= 9(0.78) 3.33 34.62	6+1=7(0.61) 2.36 26.92	3+1=4(0.35) 1.29 15.38	-	-	2+0=2(0.18) 4.35 7.69	21+5=26(2.25) - 100.00
योग	31+6=37(3.20) 100.00	28+3=31(2.68) 100.00	47+3=50(4.33) 100.00	57+8=65(5.62) 100.00	256+14=270(23.36) 100.00	283+13=296(25.6) 100.00	300+11=311(26.90) 100.00	11+0=11(0.95) 100.00	39+0=39(3.98) 100.00	45+1=46(0.97) 100.00	1097+59=1156(100) 100.00

मूल-क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO PLACE OF ORIGIN AND EDUCATION-LEVEL)

न्यादर्श के समस्त स्व-अन्त: प्रवासियों का उनके मूल-क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार वितरण सारिणी संख्या 3·6 में प्रदर्शित है।

समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों को विभिन्न शैक्षिक स्तर के अनुसार प्रवास के समय उनकी शैक्षिक स्थिति इसप्रकार रही -

अशिक्षित स्व-अंत: प्रवासी §3·21%§, साक्षर 31 §2·69%§, प्राथमिक स्तरीय 50 §4·32%§, पूर्व-माध्यमिक स्तरीय 65 §5·62%§, माध्यमिक स्तरीय 276 §2·33%§, स्नातक 296 §25·69%§, परा-स्नातक 311 §26·91%§, शोध एवं अनुसंधान स्तर 11 §0·95%§, तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 39 §3·38%§, एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 46 §3·97%§ स्व-अंत: प्रवासी हैं।

अंत: प्रवासियों को उनके मूल-क्षेत्र के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के 405 §35·03%§, टाऊन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के 404 §34·95%§, नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्र के 298 §25·78%§, मेट्रो क्षेत्र के 23 §1·99%§ एवं वाह्य विश्व के 26 §2·25%§ स्व-अंत: प्रवासी हैं।

अंत: प्रवासियों के मूल-क्षेत्र एवं उनके विभिन्न शैक्षिक-स्तर के प्रदर्शित वितरण से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र, टाऊन एरिया व नोटीफाइड एरिया तथा नगरपालिका क्षेत्र के स्व-अंत: प्रवासियों के लिए

इलाहाबाद नगर प्रवास हेतु महत्वपूर्ण रहा, लेकिन इसमें भी ग्रामीण क्षेत्र एवं टाउन एरिया व नोटीफाइड क्षेत्र अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा।

सर्वेक्षण से यह तथ्य भी महत्वपूर्ण रहा कि, शिक्षा-स्तर बढ़ने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों से अंत: प्रवास में कमी आयी, लेकिन टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया तथा नगरपालिका व नगरमहापालिका क्षेत्र से उत्तरोत्तर लगभग वृद्धि ही हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक शिक्षितों के कम प्रवास का कारण उनकी सीमित संख्या भी हो सकती है।

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF-IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND RELIGION)

सारिणी संख्या 3·7 में स्व-अंत: प्रवासियों के विशिष्ट मूल क्षेत्र एवं उनके धर्म के अनुसार वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के 1156 स्व-अंत: प्रवासियों में 1097 पुरुष एवं शेष 59 महिलायें हैं।

नगर के अंत: प्रवासियों में हिन्दू धर्मानुयायी 93·60% हैं। समस्त 59 महिलाओं में 53 महिलायें इसी धर्म से सम्बन्धित हैं। इस धर्म के सर्वाधिक प्रवासियों का विशिष्ट मूलक्षेत्र प्रदेश के अन्य जिले हैं, जहाँ से लगभग 34% ने नगर में अंत: प्रवास किया। संलग्न जनपदों एवं जनपद के ही लगभग 47% अंत:प्रवासी हैं। 16% हिन्दुओं का विशिष्ट मूल-क्षेत्र अन्य राज्य रहा है।

सारिणी संख्या - 3·7

स्व-अंत: प्रवासियों के विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं धर्मानुसार अंतः-प्रवासियों का विवरण

(DISTRIBUTION OF SELF-IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND RELIGION)

धर्म / विशिष्ट मूल-क्षेत्र	हिन्दू M + F = T (%)	इस्लाम M + F = T (%)	सिख M+F = T (%)	ईसाई M + F = T (%)	योग M + F = T (%)
दस किमी का क्षेत्र	33 + 00 = 33 (2.85) 3.05 100.00	-	-	-	33 + 00 = 33 (2.85) - 100.00
इलाहाबाद जनपद के अन्य क्षेत्र	222 + 10 = 232 (20.07) 21.44 99.15	2 + 00 = 2 (0.17) 11.76 0.85	-	-	224 + 10 = 234 (20.24) - 100.00
संलग्न-जनपद	265 + 13 = 278 (24.05) 25.69 97.89	3 + 00 = 3 (0.26) 17.65 1.06	1 + 00 = 1 (0.09) 3.45 0.35	2 + 00 = 2 (0.17) 7.14 0.70	271 + 13 = 284 (24.57) - 100.00
प्रदेश के अन्य जनपद	339 + 25 = 364 (31.49) 33.64 94.79	3 + 00 = 3 (0.26) 17.65 0.78	4 + 00 = 4 (0.35) 13.78 1.04	13 + 00 = 13 (1.12) 46.43 3.39	359 + 25 = 384 (33.22) - 100.00
देश के अन्य राज्य	163 + 5 = 168 (14.53) 15.52 86.15	8 + 00 = 8 (0.72) 47.06 4.10	6 + 00 = 6 (0.52) 20.69 3.08	12 + 1 = 13 (1.12) 46.43 6.67	189 + 6 = 195 (16.87) - 100.00
विश्व के अन्य देश (अन्तर्रा. आव्रजन)	7 + 00 = 7 (0.60) 0.65 26.92	1 + 00 = 1 (0.09) 5.89 3.85	13 + 5 = 18 (1.56) 62.07 69.23	-	21 + 5 = 26 (2.25) - 100.00
योग	1029 + 53 = 1082 (93.60) 100.00	17 + 00 = 17 (1.47) 100.00	24 + 5 = 29 (2.51) 100.00	27 + 1 = 28 (2.42) 100.00	1097 + 59 = 1156 (100.00) 100.00

इस्लाम धर्म के अनुयायी 1·47% हैं। इनका विशिष्ट मूल-क्षेत्र विभिन्न स्थान रहे हैं लेकिन उनकी संख्या अत्यधिक कम होने के कारण विशेष निष्कर्ष निकालना संभव नहीं। फिर भी 17 प्रवासियों में 8 प्रवासियों का मूल-स्थान भारत के अन्य राज्य हैं।

2·51% सिख धर्मानुयायियों में 62% अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजक हैं। लगभग 21% का विशिष्ट मूल-स्थान अन्य राज्य हैं। ईसाई धर्मानुयायियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र महत्वपूर्ण रूप से प्रदेश के अन्य जनपद एवं अन्य राज्य रहा है।

सारिणी से स्पष्ट है कि, सर्वाधिक स्व-अन्त: प्रवासी हिन्दू हैं। शेष अन्य धर्मों के अन्त: प्रवासी आनुपातिक रूप से अत्यधिक कम हैं लेकिन देश की जनसंख्या के अनुसार यह स्वाभाविक भी है। प्रवासी अपने प्रवास को निम्नतम करने का प्रयास करता है, यह तथ्य सारिणी से स्पष्ट होता है। जनपद, संलग्न जनपद एवं अन्य जनपद से क्रमश: प्रवास-दर में वृद्धि ही हुई लेकिन दूरी-सीमा बढ़ने से उनके विशिष्ट-मूल-क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन हुआ, फलत: अन्य राज्यों के अंत: प्रवासी अन्य जनपद के प्रवासियों के मात्र आधे ही रह गये। अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन भी कम ही हुआ जो मूल स्थान एवं प्रवास-स्थान के मध्य अधिक दूरी को स्पष्ट करता है।

सारिणी संख्या - 3:8

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं जाति के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND CASTE)

विशिष्ट मूल क्षेत्र / विभिन्न अन्तः प्रवासी जातियाँ	ब्राह्मण M + F = T (%)	क्षत्रिय M + F = T (%)	वैश्य M + F = T (%)	कायस्थ M + F = T (%)	कर्मकारक जाति M + F = T (%)	अनुसूचित जाति M + F = T (%)	पिछड़ी जाति M + F = T (%)	योग M + F = T (%)
10 किमी० के क्षेत्र से	10 + 0 = 10 (0.92) 2.36 30.30	7 + 0 = 7 (0.65) 4.07 21.21	5 + 0 = 5 (0.46) 4.81 15.15	2 + 0 = 2 (0.18) 1.06 6.06	4 + 0 = 4 (0.37) 8.16 12.12		5 + 0 = 5 (0.46) 5.32 15.15	33 + 0 = 33 (3.05) - 100.00
इलाहाबाद जिले से	89 + 1 = 90 (8.32) 21.22 38.79	30 + 2 =32 (2.96) 18.60 13.79	26+ 2 =28 (2.59) 26.92 12.07	23+ 4 =27 (2.50) 14.36 11.64	18+ 0 =18 (1.66) 36.73 7.76	11+ 1 =12(1.11) 23.53 5.17	25+ 0 =25 (2.31) 26.59 10.78	222+10 =232(21.44) - 100.00
इलाहाबाद के संलग्न जिलों से	103+ 3 =106 (9.80) 25.00 38.13	54 + 2 =56 (5.18) 32.56 20.14	23 +2 =25 (2.31) 24.04 8.99	47+ 5 =52 (4.87) 27.66 18.71	6 + 0 = 6 (0.55) 12.24 2.16	8 + 0 = 8(0.74) 15.69 2.88	24+ 1 =25 (2.31) 26.59 8.99	265+13 =278(25.69) - 100.00
उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों से	130+ 8 =138(12.75) 32.55 37.91	53 + 4 =57 (5.27) 33.14 15.66	25 +3 =28 (2.59) 26.92 7.69	77+ 8 =85 (7.86) 45.21 23.35	16+ 1 =17 (1.57) 34.69 4.67	20+ 1 =21(1.94) 41.18 5.77	18+ 0 =18 (1.66) 19.15 4.95	339+25 =364(33.65) - 100.00
भारत के अन्य राज्यों से	75 + 1 = 76 (7.02) 17.92 45.24	19 + 1 =20 (1.85) 11.63 11.90	16 +1 =17 (1.57) 10.35 10.12	18+ 2 =20 (1.85) 10.64 11.90	4 + 0 = 4 (0.37) 8.16 2.38	10+ 0 =10(0.92) 19.61 5.95	21+ 0 =21 (1.94) 22.34 12.50	163+ 5 =168(15.53) - 100.00
विश्व के अन्य देशों से (अन्तर्रा० प्रवास)	4 + 0 = 4 (0.37) 0.94 57.14	-	1 +1 = 1 (0.09) 0.96 14.29	2 + 0 = 2 (0.18) 1.06 28.57	-	-	-	7 + 0 = 7 (0.65) - 100.00
योग	411+13 =424(39.18) 100.00	163+ 9=172(15.90) 100.00	96 +8=104 (9.61) 100.00	169+19=188(17.38) 100.00	48+ 1 =49 (4.53) 100.00	49+ 2 =51(4.71) 100.00	93+ 1 =94 (8.69) 100.00	1029+53=1082(100.0) 100.00

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं जाति के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND CASTE)

सारिणी संख्या 3·8 में नगर के स्व-अंत: प्रवासियों की जाति एवं विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार वितरण प्रदर्शित है। समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों में 1082 हिन्दू धर्मानुयायी अंत: प्रवासी हैं। जिसमें 1029 पुरूष एवं शेष 53 महिलायें हैं।

सारिणी से स्पष्ट है कि समस्त हिन्दू स्व-अंत: प्रवासियों में ब्राह्मण सर्वाधिक 39·18% हैं। सर्वाधिक लगभग 33% ब्राह्मण प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र प्रदेश के अन्य जनपद हैं। प्रदेश के अन्य जनपदों के अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक लगभग 38% ब्राह्मण हैं। समस्त हिन्दू प्रवासियों में भी ये सर्वाधिक 12·75% हैं। संलग्न जनपद एवं इलाहाबाद जनपद के भी ब्राह्मण अंत: प्रवासी महत्वपूर्ण हैं। अन्तर्राष्ट्रीय 7 आव्रजकों में भी 4 आव्रजक ब्राह्मण हैं।

कायस्थ दूसरी महत्वपूर्ण जाति के हैं, जिसके अंत: प्रवासी ब्राह्मणों के बाद ही दूसरे (लेकिन आधे से भी कम) स्थान पर हैं। इस जाति के सर्वाधिक अंत: प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र प्रदेश के अन्य जनपद प्रमुख रूप से हैं। अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजकों में भी कायस्थ हैं।

15·9% क्षत्रिय जाति के सर्वाधिक स्व-अंत: प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र प्रदेश के अन्य जनपद एवं संलग्न जनपद दोनों प्रमुख रूप से हैं। वैश्य जाति के 9·61 स्व-अंत: प्रवासियों में वैश्यों का विशिष्ट

मूल-क्षेत्र सर्वाधिक रूप से इलाहाबाद जनपद, अन्य जनपद एवं संलग्न जनपद तीनों प्रमुख हैं। कर्मकारक, अनुसूचित एवं पिछड़ी जाति के स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक पिछड़ी जाति के अंत:प्रवासी हैं। पिछड़ी जाति के लगभग 9% प्रवासियों में सर्वाधिक लोगों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र इलाहाबाद एवं संलग्न जनपद हैं। अन्य राज्यों से भी इस जाति के लोगों में प्रवास की गतिविधियां पायी गई हैं। कर्मकारक एवं अनुसूचित जाति के अंत: प्रवासियों में अधिकांश अंत: प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र इलाहाबाद एवं प्रदेश के अन्य जनपद रहा है। इनके अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन का औचित्य नहीं फिर भी अस्वीकार नहीं किया जा सकता है।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू आव्रजन भारत के संलग्न देश से ही संभव है। लगभग सभी जातियों ने अपने प्रवास गतिविधियों को निम्नतम करने की कोशिश की है। किसी जाति ने कुछ कम प्रयास किया है, किसी ने अधिक। कर्मकारक जाति के अंत: प्रवासियों ने प्रवास गतिविधि को सर्वाधिक निम्नतम किया है। 4·53% कर्मकारक जाति के अंत: प्रवासियों में मात्र 0·37% अन्य राज्यों से नगर में प्रवासित हैं। प्रवास गतिविधियों में ब्राह्मणों में सबसे कम तथा कायस्थों, क्षत्रियों एवं वैश्यों में कम निम्नतम करने का तथ्य पाया गया है।

तालिका संख्या – 3.9

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के स्व-अतःप्रवासियों का विवरण

प्रवास क्षेत्र / आयु वर्ग	10 कि0मी0 की परिधि से नगर में स्व-प्रवास	इलाहाबाद जिले के शेष क्षेत्र से नगर में स्व-प्रवास	इलाहाबाद के संलग्न जिलों से स्व-अन्तः प्रवास	उ0प्र0 के शेष जिलों से स्व-अन्तः प्रवास	भारत के अन्य प्रदेशों से इला. नगर में स्व-अन्तः प्रवास	विश्व के शेष देशों से इला. नगर में प्रवास	योग
0-4	-	-	-	-	-	-	-
5-9	-	1 0.09	1 0.09	1 0.09	-	-	3 0.26
10-19	-	28 2.42	44 3.81	44 3.81	29 2.51	- -	145 12.54
20-29	11 0.95	81 7.01	109 9.43	149 12.89	55 4.76	6 0.52	411 35.55
30-39	4 0.35	46 3.98	40 3.46	65 5.62	41 3.55	7 0.61	203 17.56
40-49	6 0.52	43 3.72	38 3.29	62 5.36	32 2.77	4 0.35	185 16.00
50-59	9 0.78	22 1.97	44 3.81	41 3.55	18 1.56	4 0.35	138 11.94
60-	3 0.26	13 1.12	8 0.69	22 1.90	20 1.73	5 0.43	71 6.14
	33 2.85	234 20.24	284 24.57	384 33.22	195 16.87	26 2.25	1156

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND AGE-GROUP)

सारिणी संख्या 3·9 में नगर के स्व-अंत: प्रवासियों के विशिष्ट-मूल-क्षेत्र एवं उनके प्रवास के समय आयु-वर्ग के अनुसार वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों में 1097 पुरुष एवं 59 महिलायें हैं।

समस्त स्व-अंत: प्रवासियों में दस किसी क्षेत्र के अंत: प्रवासी मात्र 2·85% हैं। यद्यपि 20-29 आयु-वर्ग के इस वर्ग के सर्वाधिक अंत: प्रवासी हैं लेकिन अन्य आयु-वर्ग को तुलना में अधिक अन्तर न होने के कारण विशेष निष्कर्ष संभव नहीं है।

इलाहाबाद जनपद के 20·24% अंत:प्रवासियों में युवा अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं। 60 से अधिक आयु के भी लोगों ने अंत: प्रवास किया है। संलग्न जनपदों से 24·57% ने नगर में स्व-अंत: प्रवास किया है। इस विशिष्ट मूल-क्षेत्र के सर्वाधिक अंत: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के हैं। प्रदेश के अन्य जनपदों के सर्वाधिक अंत: प्रवासी भी 20-29 आयु-वर्ग के हैं। इस विशिष्ट मूल-क्षेत्र के 30-39, 40-49 एवं 10-19 आयु-वर्ग के अंत: प्रवासी महत्वपूर्ण हैं। अन्य जनपदों के स्व -अंत: प्रवासी समस्त न्यादर्श में सर्वाधिक हैं और इसमें 20-29 आयु-वर्ग के सर्वाधिक अंत: प्रवासी हैं।

अन्य राज्यों के 16·87% अंत: प्रवासियों में भी 20-29 आयु-वर्ग के सर्वाधिक अंत: प्रवासी हैं। अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजकों में भी युवा वर्ग के अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं। यद्यपि इनकी संख्या कम है लेकिन प्रवास स्थल एवं विशिष्ट मूल-क्षेत्र के मध्य अधिक दूरी महत्ता को स्पष्ट करता है।

इस प्रकार सर्वाधिक स्व-अंत: प्रवासी युवा-वर्ग से ही सम्बन्धित हैं। उसमें भी 20-29 आयु-वर्ग विशेष महत्वपूर्ण है। इस आयु-वर्ग के अंत: प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र प्रदेश के अन्य जनपद हैं। कम आयु एवं अधिक आयु के लोगों में प्रवास की प्रवृत्ति कम होती है।

यह तथ्य सर्वेक्षण में पाया गया कि प्रवासी प्राय: अपने प्रवास स्थल को मूल-स्थान से निम्नतम करने का प्रयास करते हैं।

<u>विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण</u> (DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN) AND EDUCATION-LEVEL)

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं विभिन्न शैक्षिक स्तरों के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण सारिणी संख्या 4·0 में प्रदर्शित है। सारिणी में प्रदर्शित समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों का उनके शैक्षिक-स्तर के अनुसार : अशिक्षित 37 (3·2%), साक्षर 31 (2·68%), प्राथमिक स्तरीय 50 (4·33%), पूर्व-माध्यमिक स्तरीय 65 (5·62%),

सारिणी संख्या - 4.0

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार स्व-अन्तः प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN & EDUCATION-LEVEL)

विभिन्न शैक्षिक स्तर के स्व अन्तः प्रवासी / विशिष्ट मूल क्षेत्र	अशिक्षित M+F=T (%)	साक्षर M+F=T (%)	प्राथमिक-स्तरीय	पूर्व-माध्यमिक-स्तरीय	माध्यमिक-स्तरीय	स्नातक स्तरीय	परास्नातक स्तरीय	शोध-अनुसंधान स्तरीय	तक. डिप्लोमा स्तरीय	तक. डिग्री स्तरीय	योग M+F = T (%)
दस किमी. का क्षेत्र	5+0=5 (0.43) 13.51 15.15	2+0=2 (0.17) 6.45 6.06	2+0=2 (0.17) 4.00 6.06	2+0=2 (0.17) 3.09 6.06	11+0=11 (0.95) 4.07 33.33	9+0=9 (0.78) 3.04 27.27	2+0=2 (0.17) 0.64 6.06	-	-	-	33+00= 33 (2.85) - 100.00
इलाहाबाद-जनपद	6+2=8 (0.69) 21.62 3.42	6+1=7 (0.61) 22.58 2.99	12+1=13 (1.12) 26.00 5.55	14+2=16 (1.38) 24.62 6.84	54+2=56 (4.84) 20.74 6.84	58+1=59 (5.10) 19.93 25.20	57+0=57 (4.93) 18.33 24.36	-	5+0=5 (0.43) 12.82 2.14	11+1=12 (1.04) 26.09 5.12	224+10=234 (20.20) - 100.00
संलग्न-जनपद	8+1=9 (0.78) 24.32 3.17	2+1=3 (0.26) 9.68 1.06	6+1=7 (0.60) 14.00 2.46	10+2=12 (1.04) 18.46 4.22	72+4=76 (6.57) 28.15 26.76	68+1=69 (5.96) 23.31 43.46	82+3=85 (7.35) 27.33 29.93	2+0=2 (0.17) 18.18 0.70	14+0=14 (1.21) 35.89 4.93	7+0=7 (0.61) 15.22 2.46	271+13=284 (24.56) - 100.00
प्रदेश के-अन्य जनपद	6+1=7 (0.60 18.91 1.82	5+1=6 (0.51) 19.35 1.56	7+1=8 (0.69) 16.00 2.08	13+1=14 (1.21) 21.54 3.65	69+5=74 (6.40) 27.40 19.27	106+11=117 (10.12) 39.53 30.47	117+5=122 (10.55) 39.23 31.77	3+0=3 (0.26) 27.27 0.78	18+0=18 (1.55) 46.15 4.68	15+0=15 (1.29) 32.61 3.91	359+25=384 (33.22) - 100.00
भारत के-अन्य राज्य	6+2=8 (0.69) 21.62 6.51	13+0=13 (1.12) 41.94 6.66	16+0=16 (1.38) 32.00 8.21	12+0=12 (1.03) 18.46 6.15	47+2=49 (4.24) 18.15 25.13	42+0=42 (3.63) 14.19 21.53	39+2=41 (3.55) 13.18 21.02	6+0=6 (0.52) 54.54 3.08	2+0=2 (0.17) 5.13 1.03	10+0=10 (0.87) 21.74 5.13	189+ 6=195 (16.86) - 100.00
विश्व के-अन्य देश (अन्तर्रा. आव्रजन)	-	-	4+0=4 (0.35) 8.00 15.38	6+3=9 (0.78) 13.85 34.60	6+1=7 (0.61) 2.59 26.92	-	3+1= 4 (0.35) 1.29 15.38	-	-	2+0=2 (0.17) 4.35 7.69	21+05=26 (2.25) - 100.00
योग	31+6=37 (3.20) 100.00	28+3=31 (2.68) 100.00	47+3=50 (4.33) 100.00	57+8=65 (5.62) 100.00	256+14=270 (23.36) 100.00	283+13=296 (25.61) 100.00	300+11=311 (26.90) 100.00	11+0=11 (0.95) 100.00	39+0=39 (3.37) 100.00	45+1=46 (3.98) 100.00	1097+59=1156 (100%) 100.00

माध्यमिक स्तरीय 270 (23·36%), स्नातक 296 (25·61%), परास्नातक 311 (26·9%) शोध एवं अनुसंधान-स्तरीय 11 (0·95%) तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 39 (3·37%) एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 46 (3·98%) स्व-अन्त: प्रवासी हैं। स्पष्ट है सर्वाधिक स्व-अन्त: प्रवासी 311 (26·9%) हैं जो सर्वाधिक शिक्षित परास्नातक स्तर के हैं।

विभिन्न शैक्षिक स्तरीय स्व-अन्त: प्रवासियों का उनके विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार वितरण करने पर स्पष्ट होता है कि समस्त अशिक्षित 37 अन्त: प्रवासियों में सर्वाधिक 9 (24·32%) संलग्न जनपदों के हैं। वस्तुत: अशिक्षितों में किसी विशिष्ट मूल-क्षेत्र से अन्त: प्रवास की कोई विशिष्ट प्रवृत्ति नहीं पायी गयी। ठीक यही तथ्य साक्षर, प्राथमिक स्तरीय एवं पूर्व-माध्यमिक स्तरीय स्व-अन्त: प्रवासियों में पाया गया। हाँ, यह बात अवश्य रही कि प्राथमिक एवं पूर्व-माध्यमिक स्तरीय अन्त: प्रवासियों ने वाह्य-विश्व से भी अन्त: प्रवास किया है जिनका वाह्य-विश्व के अन्त: प्रवास में अनुपात क्रमश: लगभग 15% एवं 35% है।

समस्त 270 माध्यमिक स्तरीय स्व-अन्त: प्रवासियों में लगभग 56% इलाहाबाद के संलग्न जनपदों एवं प्रदेश के अन्य जनपदों के हैं, जिनमें इनका अनुपात लगभग समान है। 49 (18·15%) माध्यमिक

स्तरीय अन्त: प्रवासी अन्य राज्यों के हैं जो इस विशिष्ट मूल-क्षेत्र से प्रवासित, अन्त: प्रवासियों में सर्वाधिक लगभग 25% हैं।

296 स्नातक स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक117 (39·53%) प्रदेश के अन्य जिलों के हैं। स्नातक अंत: प्रवासियों में जनपद क्षेत्र के 19·53% एवं 23·31% हैं जो अपने अपने क्षेत्र से प्रवासित लोगों में सर्वाधिक क्रमश: 25·2% एवं 43·46% हैं।

सर्वाधिक शिक्षित एवं सर्वाधिक 311 परास्नातक अंत:प्रवासियों में दस किमी क्षेत्र एवं बाह्य विश्व को छोड़कर अन्य विशिष्ट क्षेत्रों के अंत: प्रवासी 13% से अधिक ही हैं जिसमें प्रदेश के अन्य जनपदों (इलाहाबाद एवं संलग्न जनपदों को छोड़कर) के सर्वाधिक 122 (39·23%) हैं जिनका समस्त स्व-अंत: प्रवास में अनुपात 10·55% हैं।

शोध व अनुसंधान स्तर के 11 अंत: प्रवासियों में 6 अन्य राज्यों के हैं, तकनीकि डिप्लोमा एवं डिग्री स्तरीय 39 एवं 46 स्व-अंत:प्रवासियों में सर्वाधिक क्रमश: 18 एवं 15 हैं जिनका शैक्षिक स्तर के अनुसार अनुपात तो अधिक लेकिन विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार अनुपात कम ही है।

स्व-अन्त: प्रवासियों को विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं उनके शैक्षिक-स्तर के अनुसार वितरण करने पर यह तथ्य स्पष्ट हुआ कि सर्वाधिक लोग प्रदेश के अन्य जिलों के हैं, अधिक शिक्षित अंत: प्रवासियों ने प्रदेश के अन्य जनपदों से सम्बन्धित हैं जबकि कम या अन्य शैक्षिक स्तर के अंत: प्रवासी अन्य विशिष्ट मूल से सम्बन्धित हैं। सर्वाधिक स्नातक 30·47%, परास्नातक 39·23%, तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 46·15%, एवं तकनीकि डिग्री

स्तरीय 32·61% स्व-अन्त: प्रवासी हैं जिनका समस्त स्व-अंत: प्रवास में अनुपात क्रमश: 10·12%, 10·55%, 1·55% एवं 1·29% है।

दस किमी क्षेत्र एवं वाह्य विश्व के क्रमश: मात्र 2·85% एवं 2·25% स्व-अंत: प्रवासी हैं, अंत: इनके शैक्षिक स्तर के वितरण से किसी मुख्य निष्कर्ष को नहीं निकाला जा सकता है, हाँ, यह अवश्य है कि मूल-क्षेत्र छोटा होने पर कम ही लोग अन्त: प्रवासित हुए हैं।

मूल-क्षेत्र एवं विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO PLACE OF ORIGIN AND SPECIFIC PLACE OF ORIGIN)

सारिणी संख्या 4·1 में नगर के स्व-अंत: प्रवासियों का उनके मूल-क्षेत्र एवं विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार वितरण प्रदर्शित है।

न्यादर्श के 11·56 स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक अंत:प्रवासी ग्रामीण क्षेत्र तथा टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया के हैं। ग्रामीण क्षेत्र के 35% अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक अंत: प्रवासी प्रदेश के अन्य जनपद के 27·41%, संलग्न जनपदों के 25%, इलाहाबाद जनपद के लगभग 24%, एवं अन्य राज्यों के लगभग 19% अंत: प्रवासी हैं।

मूल-क्षेत्र टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया के अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक लोगों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र इलाहाबाद जनपद एवं प्रदेश के अन्य जनपद (संलग्न जनपदों को छोड़कर) है। समस्त स्व-अंत प्रवासियों

सारणी संख्या - 4.1

मूल क्षेत्र एवं विशिष्ट मूल-क्षेत्र स्थानान्तरण प्रवासियों का वितरण

विशिष्ट क्षेत्र / मूल क्षेत्र	10 किमी. क्षेत्र में	इला. जनपद से	संलग्न जनपदों से	अन्य जनपदों	अन्य राज्यों से	अन्तर रा0 आप्रवजन	योग
(1) ग्रामीण क्षेत्र से	18 1.56	99 8.56	101 8.74	111 9.6	76 6.57	-	405 35.03
(2) नौटी फार्म शरिया से	15 1.30	135 11.68	76 6.57	124 10.73	54 4.67	-	404 34.95
(3) नगर पालिका एवं न0अ0पा0 क्षेत्र में	-	-	107 9.26	149 12.89	42 3.63	-	298 25.78
(4) मेट्रो महानगरों से	-	-	-	-	23 2.00	-	23 1.99
(5) अन्तर रा0 आप्रवजन	-	-	-	-	-	26 2.25	26 2.25
योग	33 2.85	234 20.24	284 24.57	284 33.22	195 16.87	26 2.25	1156 100.00

में 11·68% इलाहाबाद जनपद एवं 10·73% प्रदेश के अन्य जनपद के विशिष्ट मूल-क्षेत्र से सम्बन्धित हैं। 25·78% स्व-अन्त: प्रवासी नगर पालिका एवं नगर महापालिका मूल-क्षेत्र के हैं, जिसमें सर्वाधिक अंत: प्रवासी प्रदेश के अन्य जनपद एवं संलग्न जनपदों के विशिष्ट मूल-क्षेत्र के हैं। मेट्रो महानगरों के अंत: प्रवासी भारत के अन्य राज्यों के 2% एवं अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजक 2·25% हैं।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक स्व-अंत: प्रवासियों का मूल क्षेत्र ग्रामीण एवं टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया है। इन मूल-क्षेत्रों में सर्वाधिक स्व-अन्त: प्रवासी विशिष्ट मूल-क्षेत्र प्रदेश के अन्य जनपद एवं इलाहाबाद के संलग्न जनपद महत्वपूर्ण हैं। इनके सर्वाधिक होने का कारण इनकी सीमाओं का विस्तृत होना भी संभव है। यद्यपि अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजकों का प्रतिशत अपेक्षा कम है लेकिन महत्वपूर्ण है। एक सीमा तक अन्त: प्रवासियों ने प्रवास स्थल की दूरी को ध्यान नहीं दिया लेकिन प्रवास स्थल अधिक दूर होने पर प्रवास गतिविधियों को निम्नतम करने का प्रयास किया है।

शैक्षिक स्तर एवं धर्म के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO EDUCATION-LEVEL AND RELIGION)

सारिणी संख्या 4·2 में शैक्षिक-स्तर एवं धर्म के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के 1156 स्व-अंत:

सारिणी संख्या 4:2

धर्म एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO RELIGION & EDUCATION-LEVEL)

शैक्षिक-स्तर \ स्व-अंत: प्रवासियों का धर्म	हिन्दू	इस्लाम	सिख	ईसाई	योग
	M+F = T (%)	M+F = T (%)	M+F = T (%)	M+F = T (%)	M+F = T (%)
अशिक्षित	27+ 5= 32 (2.77) 2.96 86.49	2+0= 2 (0.18) 11.76 5.41	2+1= 3 (0.26) 10.34 8.11	-	31+ 6= 37 (3.20) - 100.00
साक्षर	27+ 3= 30 (2.60) 2.77 96.77	1+0= 1 (0.09) 5.88 3.23	-	-	28+ 3= 31 (2.68) - 100.00
प्राथमिक-स्तर	43+ 3= 46 (3.98) 4.25 92.00	2+0= 2 (0.18) 11.76 4.00	2+0= 2 (0.18) 6.90 4.00	-	47+ 3= 50 (4.33) - 100.00
पूर्व-माध्यमिक-स्तर	52+ 7= 59 (5.10) 5.45 90.77	3+0= 3 (0.26) 17.65 4.62	2+1= 3 (0.26) 10.34 4.62	-	57+ 8= 65 (5.62) - 100.00
माध्यमिक - स्तर	233+11= 244 (21.11) 22.55 90.37	3+0= 3 (0.26) 17.65 1.11	6+2= 8 (0.69) 27.59 2.96	14+1=15 (1.30) 53.37 5.56	256+14= 270 (23.36) - 100.00
स्नातक - स्तर	272+13= 285 (24.65) 26.34 96.28	2+0= 2 (0.18) 11.76 0.38	5+0= 5 (0.43) 17.24 1.69	4+0= 4 (0.35) 14.29 1.35	283+13= 296 (25.61) - 100.00
परास्नातक-स्तर	286+10= 296 (25.61) 27.36 95.18	1+0= 1 (0.09) 5.88 0.32	4+1= 5 (0.43) 17.24 1.61	9+0= 9 (0.78) 32.14 2.89	300+11= 311 (26.90) - 100.00
शोध व अनुसंधान-स्तर	11+ 0= 11 (0.95) 1.02 100.00	-	-	-	11+ 0= 11 (0.95) - 100.00
तकनीकि डिग्री-स्तर	42+ 1= 43 (3.72) 3.97 93.48	1+0= 1 (0.09) 5.88 2.17	2+0= 2 (0.18) 6.90 4.35	-	45+ 1= 46 (4.00) - 100.00
तकनीकि डिप्लोमा-स्तर	36+ 0= 36 (3.11) 3.33 92.31	2+0= 2 (0.18) 11.76 5.13	1+0= 1 (0.09) 3.45 2.56	-	39+ 0= 39 (3.37) - 100.00
योग	1029+53= 1082 (93.60) 100.00	17+0=17 (1.47) 100.00	24+5=29 (2.51) 100.00	27+1=28 (2.42) 100.00	1097+59=1156 (100%) 100.00

प्रवासियों में 93·6% हिन्दू, 1·47% इस्लाम, 2·51% सिख एवं 2·42% ईसाई धर्मानुयायी हैं। विभिन्न धर्मों के अनुयायियों में सर्वाधिक अन्तः प्रवासियों की संख्या 311 (26·9%) परास्नातक स्तरीय हैं, जिसमें लगभग 95% हिन्दू एवं 2·89% ईसाई हैं। स्नातक स्तरीय स्व-अंतः प्रवासी 25·61% एवं माध्यमिक स्तरीय 23·36% स्व-अंतः प्रवासी हैं। तकनीकि स्तरीय विभिन्न अंतः प्रवासियों में शोध - अनुसंधान स्तरीय 0·95%, तकनीकि डिग्री स्तरीय 4% एवं तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 3·37% स्व-अंतः प्रवासी हैं।

विभिन्न धर्मों के अशिक्षित लोगों (3·2%) ने नगर में अंतः प्रवास किया है। समस्त अशिक्षितों में लगभग 86% स्व-अंतः प्रवासी हिन्दू धर्मानुयायी हैं। जबकि ईसाईयों में अशिक्षित अंतः प्रवासी शून्य हैं। हिन्दू धर्मके कम शिक्षित स्तरीय लोगों में प्रवास प्रवृत्ति कम, अधिक शिक्षितों में अधिक प्रवास प्रवृत्ति पायी गई है। मुसलमानों में यद्यपि ठीक विपरीत प्रवृत्ति है लेकिन उनकी संख्या अत्यधिक कम होने के कारण यह आवश्यक नहीं है। सिख धर्मों के समान्य शिक्षित एवं अधिक शिक्षित दोनों लोगों में प्रवास-प्रवृत्ति पायी गई है। ईसाई धर्म के अधिक शिक्षितों में प्रवास प्रवृत्ति पायी गयी है। स्पष्ट है कि अधिक शिक्षितों एवं तकनीकि स्तरीय लोगों में अधिक प्रवास प्रवृत्ति एवं कम शिक्षितों में कम प्रवास प्रवृत्ति पायी गई है।

सारणी संख्या – 4.3

शैक्षिक स्तर एवं जाति के अनुसार स्वतन्त्रता सेनानियों का वितरण

हिन्दू स्वयंसेवियों की जाति / शैक्षिक स्तर	ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	कायस्थ	कर्मकारक जाति	अनुसूचित जाति	पिछड़ी जाति	योग
(1) अशिक्षित	5 0.46	4 0.37	3 0.28	1 0.09	4 0.37	3 0.28	12 1.11	32 2.96
(2) साक्षर	17 1.57	1 0.09	3 0.28	-	1 0.09	-	8 0.74	30 2.77
(3) प्राथमिक स्तर	20 1.85	2 0.18	4 0.37	4 0.37	3 0.28	3 0.28	10 0.92	46 4.25
(4) पूर्वमाध्यमिक स्तर	11 1.02	8 0.74	8 0.74	5 0.46	11 1.02	8 0.74	8 0.74	59 5.45
(5) माध्यमिक स्तर	82 7.58	42 3.88	26 2.40	51 4.71	12 1.11	13 1.20	18 1.66	244 22.55
(6) स्नातक	121 11.18	52 4.81	26 2.40	41 3.79	10 0.92	10 0.92	25 2.31	285 26.34
(7) परास्नातक	127 11.74	47 4.34	19 1.76	76 7.02	5 0.46	11 1.02	11 1.02	296 27.36
(8) शोध एवं अनुसंधान	5 0.46	2 0.18	-	1 0.09	-	3 0.28	-	11 1.02
(9) तक नीकि डिग्री	21 1.94	5 0.46	10 0.92	4 0.37	2 0.18	-	1 0.09	43 3.97
(10) तक नीकि डिप्लोमा	15 1.39	9 0.83	5 0.46	6 0.55	-	-	1 0.09	36 3.33
योग	424 39.19	172 15.90	104 9.61	188 17.38	49 4.53	51 4.71	94 8.69	1082 100.00

शैक्षिक-स्तर एवं जाति के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO EDUCATION-LEVEL AND CASTE)

सारिणी संख्या 4·3 में शैक्षिक-स्तर एवं जाति के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त स्व-अंत: प्रवासियों में लगभग 94% हिन्दू धर्मानुयायी हैं, जिनको उनकी जाति एवं प्रवास के समय के शैक्षिक स्तर के अनुसार विश्लेषण करने परस्पष्ट होता है कि सर्वाधिक ब्राह्मण अंत: प्रवासी हैं। कायस्थ जाति एवं क्षत्रिय जाति के भी अंत: प्रवासी प्रमुख हैं।

समस्त 39·19% ब्राह्मण अंत:प्रवासियों में सर्वाधिक 127 अंत: प्रवासी परास्नातक शैक्षिक-स्तर के हैं। सर्वोच्च शिक्षित भी इसी वर्ग के हैं। समस्त ब्राह्मण अंत: प्रवासियों में परास्नातक सर्वाधिक एवं समस्त परास्नातक अंत: प्रवासियों में ब्राह्मण सर्वाधिक हैं। कायस्थों में भी यही प्रवृत्ति दिखायी पड़ी लेकिन उनका समस्त परास्नातकों के स्थान पर समस्त कायस्थ अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक प्रतिशत स्थान है। इस जाति के तकनीकि एवं शोध-अनुसंधान कार्य के अंत: प्रवासी कम हैं जबकि ब्राह्मणों में इनके अंत: प्रवास की प्रवृति अधिक है। क्षत्रियों में सर्वाधिक अंत: प्रवासी स्नातक हैं, यद्यपि इनका प्रतिशत ब्राह्मण के स्नातक अंत: प्रवासियों के आधे से भी कम है लेकिन महत्वपूर्ण है। वैश्यों में माध्यमिक एवं स्नातक स्तरीय अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं। तकनीकि वर्ग के लोगों ने भी नगर में अंत: प्रवास किया है।

कर्मकारक, अनुसूचित एवं पिछड़ी जाति के लोगों में अधिक

शिक्षित व्यक्तियों में अंत: प्रवास प्रवृत्ति पायी गयी है जबकि अशिक्षितों, साक्षरों एवं तकनीकि डिग्री, डिप्लोमा स्तरीय अंत: प्रवासियों ने नगर में अंत: प्रवास कम किया है। मात्र ब्राह्मण अशिक्षित, साक्षर को छोड़कर शेष अन्य जातियों में कम प्रवास की प्रवृत्ति है। इसका कारण नगर में या वाह्य स्थानों में उनकी संख्या का अधिक होना भी हो सकता है।

शैक्षिक-स्तर एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO EDUCATION-LEVEL AND AGE-GROUP)

प्रस्तुत सारिणी संख्या 4·4में प्रवासियों की आयु एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार स्व-अन्त: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

समस्त स्व-अंत: प्रवासियों की कुल संख्या 1156 है जिसमें 1097 पुरूष एवं शेष 59 महिलायें हैं। यद्यपि शैक्षिक स्तर एवं आयु संगठन का सम्बन्ध धनात्मक होता है, लेकिन यह पूर्णरूपेण सत्य नहीं है। न्यादर्श में 0·26% ऐसे स्व-अंत: प्रवासी हैं, जिनका आयु-वर्ग 5-9 है। 12·54% स्व-अंत: प्रवासियों का आयु-वर्ग 10-19 है। इसमें माध्यमिक स्तर के अंत: प्रवासी सर्वाधिक 45·52% हैं।

20-29 आयु-वर्ग में 411 (35·55%) स्व-अंत: प्रवासी हैं। जिसमें 390 पुरूष एवं 21 महिलायें हैं। इसमें सर्वाधिक अंत: प्रवासी 147

तालिका संख्या - 4.4

शैक्षिक-स्तर एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-अन्तः प्रवासियों का वितरण

प्रवासआयु वर्ग / शैक्षिक स्तर	0-4 आयु वर्ग	5-9	10-19	20-29	30-39	40-49	50-59	60	योग
1) अशिक्षित	-	-	3 0.26	4 0.35	2 0.18	9 0.78	12 1.04	7 0.61	37 3.20
2) साक्षर	-	1 0.09	1 0.09	8 0.69	4 0.35	5 0.43	4 0.35	8 0.69	31 2.68
3) प्राथमिक स्तर	-	2 0.18	9 0.78	10 0.87	10 0.87	2 0.18	9 0.78	8 0.69	50 4.33
4) पूर्वमाध्यमिक स्तर	-	-	19 1.64	5 0.43	7 0.61	11 0.95	8 0.69	15 1.30	65 5.62
5) माध्यमिक स्तर	-	-	66 5.71	73 6.31	39 3.37	42 3.63	32 2.77	18 1.56	270 23.36
6) स्नातक	-	-	47 4.07	124 10.73	42 3.63	43 3.72	35 3.03	5 0.43	296 25.61
7) परा स्नातक	-	-	-	147 12.72	75 6.49	53 4.58	26 2.25	10 0.87	311 26.90
शोध एवं अनुसंधान	-	-	-	9 0.78	-	2 0.18	-	-	11 0.95
डिग्री	-	-	-	18 1.56	16 1.38	6 0.52	6 0.52	-	46 4.00
	-	-	-	13 1.12	8 0.69	12 1.04	6 0.52	-	39 3.37
	-	3 0.26	145 12.54	411 35.55	203 17.56	185 16.00	138 11.94	71 6.14	1156 100.00

(35·77%) परास्नातक हैं, जिनका समस्त स्व-अंत: प्रवास में प्रतिशत 12·72% है। इस आयु-वर्ग में महिलायें भी सर्वाधिक हैं। लेकिन शैक्षिक-स्तर के अनुसार स्नातक महिलायें सर्वाधिक हैं। इस वर्ग में अशिक्षित मात्र 0·97% ही हैं।

30-39 आयु वर्ग के 203 (17·56%) स्व-अंत: प्रवासियों में 197 पुरूष एवं 6 महिलायें हैं। इस आयु-वर्ग में भी परास्नातक स्व-अंत: प्रवासी सर्वाधिक 36·95% हैं। जिनका इसमें भी अशिक्षित अंत: प्रवासी सबसे कम 0·99% ही हैं।

40-49 आयु-वर्ग के 185 (16%) स्व-अंत: प्रवासियों में 181 पुरूष एवं शेष 4 महिलायें हैं। इस आयु-वर्ग में भी परास्नातक स्व-अंत: प्रवासी सर्वाधिक 28·65% हैं। इस आयु-वर्ग में प्राथमिक स्तरीय स्व-अंत: प्रवासी सबसे कम 1·08% हैं। वर्ग में माध्यमिक स्तरीय स्व-अंत: प्रवासी 22·70% एवं स्नातक स्व-अंत: प्रवासी 23·24% है। 50-59 आयु- वर्ग में 138 (11·94%) स्व-अंत: प्रवासियों में 129 पुरूष एवं शेष 9 महिलायें हैं। इस आयु-वर्ग में स्नातक एवं माध्यमिक स्तरीय प्रवासी सर्वाधिक हैं। स्नातक 25·36% एवं माध्यमिक स्तरीय 23·19% हैं जो समस्त स्व-अंत: प्रवास का क्रमश: 3·03% एवं 2·77% है। न्यादर्श के सर्वेक्षण के अनुसार इस आयु-वर्ग में शोध,- अनुसन्धान स्तरीय एक भी स्व-अंत: प्रवासी नहीं है। मात्र साक्षर स्व-अंत: प्रवासी सबसे कम 2·90% हैं। 60 एवं अधिक आयु के स्व-अंत: प्रवासियों की संख्या 71 (6·14%) है, जिसमें 64 पुरूष एवं शेष 7 महिलायें हैं। इस आयु-वर्ग में माध्यमिक स्तरीय स्व-अंत: प्रवासी सर्वाधिक

25·35% हैं। न्यादर्श के सर्वेक्षण के अनुसार शोध-अनुसंधान, तकनीकि डिग्री एवं डिप्लोमा स्तरीय एक भी स्व-अंत: प्रवासी नहीं है। स्नातकों का प्रतिशत इस आयु-वर्ग में सबसे कम मात्र 1·04% है।

शिक्षा के अनुसार यदि यहाँ देखा जाय तो सर्वाधिक - अशिक्षित 50-59 आयु-वर्ग में सर्वाधिक साक्षर 20-29 एवं 60 से अधिक आयु वर्ग में, सर्वाधिक प्राथमिक स्तरीय अंत: प्रवासी 20-29 एवं 30-39 आयु वर्ग में सर्वाधिक पूर्व माध्यमिक स्तरीय स्व-अंत: प्रवासी 10·19 आयु-वर्ग में सर्वाधिक माध्यमिक स्तरीय 20-29 आयु-वर्ग, सर्वाधिक स्नातक, परास्नातक, शोध एवं अनुसंधान, तकनीकि डिग्री एवं डिप्लोमाधारी 20-29 आयु-वर्ग के हैं।

आयु-वर्ग एवं धर्मानुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO AGE-GROUP AND RELIGION)

सारिणी संख्या 4·5 में नगर के अन्त: प्रवासियों का उनके विभिन्न आयु-वर्ग एवं धर्म के अनुसार वितरण प्रदर्शित है। समस्त 1156 स्व-अंत: प्रवासियों में 59 महिलायें एवं शेष 1097 पुरूष हैं।

न्यादर्श के समस्त स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक अंत: प्रवासी हिन्दू धर्मानुयायी हैं जिनका प्रतिशत लगभग94% है। हिन्दुओं में सर्वाधिक अंत: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के लगभग 36%, 30-39 आयु-वर्ग के 18%,

सारिणी संख्या - 4.5

आयु-वर्ग एवं धर्मानुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO AGE-GROUP AND RELIGION)

अन्त:प्रवासियों का धर्म / आयु-वर्ग (वर्षों में)	हिन्दू M+F=T (%)	इस्लाम M+F=T (%)	सिख M+F=T (%)	ईसाई M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
0 - 4	-	-	-	-	-
5 - 9	2+ 1= 3(0.26) 0.28 100.00	-	-	-	2+ 1= 3(0.26) - 100.00
10 - 19	133+11= 144(12.46) 13.31 99.31	-	1+0= 1(0.09) 3.45 0.69	-	134+11= 145(12.54) - 100.00
20 - 29	366+19= 385(33.30) 35.58 93.67	5+0 =5(0.43) 29.41 1.22	0+2= 2(0.17) 6.89 0.49	19+0=19(1.64) 67.86 4.62	390+21= 411(35.55) - 100.00
30 - 39	189+ 6= 195(16.87) 18.02 96.06	3+0= 3(0.26) 17.65 1.48	2+0= 2(0.17) 6.89 0.99	3+0= 3(0.26) 10.71 1.48	197+ 6= 203(17.56) - 100.00
40 - 49	167+ 4= 171(14.79) 15.80 92.43	5+0= 5(0.43) 29.41 2.70	6+0= 6(0.52) 20.69 3.24	3+0= 3(0.26) 10.71 1.62	181+ 4= 185(16.00) - 100.00
50 - 59	118+ 8= 126(10.89) 11.05 91.30	2+0= 2(0.17) 11.76 1.45	7+0= 7(0.61) 24.14 5.07	2+1= 3(0.26) 10.71 2.17	129+ 9= 138(11.94) - 100.00
60 - +	54+ 4= 58(5.02) 5.36 81.69	2+0= 2(0.17) 11.76 2.82	8+3=11(0.95) 37.93 15.49	-	64+ 7= 71(6.14) - 100.00
TOTAL	1029+53=1082(93.59) 100.00	17+0=17(1.47) 100.00	24+5=29(2.51) 100.00	27+1=28(2.42) 100.00	1097+59=1156(100.00) 100.00

एवं 40-49 आयु-वर्ग के 16% है। 10-19 आयु-वर्ग के 13 एवं 60 से अधिक आयु के लगभग 5% अंत: प्रवासी हैं। स्पष्ट है कि सर्वाधिक अंत: प्रवासी 20-29, 30-39 एवं 40-49 आयु-वर्ग के हैं जिसमें 20-29 सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। इस आयु-वर्ग के समस्त अंत: प्रवासियों में लगभग 94% हिन्दू अंत: प्रवासी हैं।

इस्लाम धर्म के अंत: प्रवासियों में भी हिन्दुओं की भांति ... प्रवासिक आयु-प्रवृति पायी गयी है लेकिन उनकी संख्या अत्यधिक कम होने से किसी विशेष निष्कर्ष की संभावना नहीं हैं।

समस्त स्व-अंत: प्रवास में 2.51% सिख धर्मानुयायी हैं। इस धर्म के अंत: प्रवासियों में यह तथ्य पाया गया कि अधिक आयु के साथ प्रवास प्रवृति बढ़ी है। 20-29 आयु-वर्ग के 2 (6.89%), 40-49 आयु-वर्ग के 6 (20.69%) एवं 60 से अधिक आयु के लगभग 38% अंत: प्रवासी हैं। यद्यपि यह प्रवृत्ति अन्य धर्म के अंत: प्रवासियों में नहीं पाया गया, मात्र सिख धर्म के अंत: प्रवासियों में ही पाया गया, लेकिन इनकी संख्या को देखकर प्रवास प्रवृत्ति को उचित माना जाय, ठीक नहीं है।

ईसाई धर्मानुयायी अंत: प्रवासियों का प्रतिशत 2.42% हैं जिसमें सर्वाधिक अंत: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के हैं। अधिक आयु या कम आयु में स्व-प्रवास प्रवृति कम होती है, यह सारिणी से स्पष्ट होता है। निश्चित रूप से युवा-वर्ग ही प्रवास गतिविधियों में सक्रिय होता है यह उसके जोखिम एवं साहस प्रवृत्ति का द्योतक है। सारिणी में भी स्पष्ट है

कि युवाओं में प्रवास प्रवृति सर्वाधिक होती है। यह प्रवृति सर्वाधिक हिन्दुओं में पायी गई है जो नगर एवं देश की जनसंख्या में हिन्दुओं की अधिकता होने के कारण स्वभावत: उचित ही कही जा सकती है।

आयु-वर्ग एवं जाति के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO AGE-GROUP AND CASTE)

सारिणी संख्या 4·6 में आयु-वर्ग एवं जाति के अनुसार नगर के स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। समस्त हिन्दू धर्म के स्व-अंत: प्रवासियों (94%) में ब्राह्मण 39·19%, क्षत्रिय 15·9%, वैश्य 9·61%, कायस्थ 17·38%, कर्मकारक जाति 4·53%, अनुसूचित जाति 4·71%, एवं पिछड़ी जाति के 8·69% स्व-अंत: प्रवासी हैं। सर्वाधिक ब्राह्मण-कायस्थ एवं सबसे कम अंत: प्रवासी कर्मकारक जाति के हैं।

ब्राह्मण अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक अंत: प्रवासी 20-29 आयु के 40·8% एवं 30-39 आयु के 14·39% अंत: प्रवासी हैं। निम्न आयु एवं अधिक आयु वर्ग के ब्राह्मणों में अपेक्षाकृत कम प्रवास-प्रवृति पायी गयी है। लगभग 16% क्षत्रिय स्व-अंत: प्रवासियों में 20-29 आयु-वर्ग में लगभग 37%, 30-39 आयु-वर्ग में 15%, 40-49 आयु-वर्ग में भी 15% अंत: प्रवासी हैं। 60 से अधिक आयु के मात्र 6·39% अंत: प्रवासी हैं। वैश्य जाति के 9·61% स्व-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक अंत: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के लगभग 24%, 40-49 आयु-वर्ग के 22% एवं 30-39 आयु-वर्ग के लगभग 20% अंत: प्रवासी है। 60 से अधिक आयु-वर्ग में

आयु-वर्ग एवं जाति के अनुसार स्व-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF IN-MIGRANTS ACCORDING TO AGE-GROUP AND CASTE)

अन्त: प्रवासियों का आयु-वर्ग (IN YRS.) / विभिन्न जाति के स्व-अन्त: प्रवासी	ब्राह्मण M + F = T (%)	क्षत्रिय M + F = T (%)	वैश्य M + F = T (%)	कायस्थ M + F = T (%)	कर्मकारक जाति M + F = T (%)	अनुसूचित जाति M + F = T (%)	पिछड़ी जाति M + F = T (%)	योग M + F = T (%)
0 - 4	-	-	-	-	-	-	-	-
5 - 9	-	1+0= 1(0.09) 0.58 33.33	-	-	0+1= 1(0.09) 2.04 33.33	-	1+0= 1(0.09) 1.06 33.33	2+1= 3(0.28) - 100.00
10 - 19	42+ 3= 48(4.44) 10.61 61.54	24+2= 26(2.40) 15.12 33.33	13+1= 14(1.29) 13.46 17.95	20+4= 24(2.22) 12.76 30.77	13+0=13(1.20) 26.53 16.67	3+1= 4(0.37) 7.84 5.13	18+0=18(1.66) 19.15 23.08	133+11= 144(13.58) - 100.00
20 - 29	168+ 5=173(15.99) 40.80 44.94	61+2= 63(5.82) 36.63 16.36	22+3= 25(2.31) 24.04 6.49	55+9= 64(5.91) 34.04 16.62	8+0= 8(0.74) 16.33 16.60	21+0=21(1.94) 41.18 5.45	31+0=31(2.87) 32.98 8.05	366+19= 385(35.58) - 100.00
30 - 39	97+ 1= 98(9.06) 23.11 50.26	24+1= 25(2.31) 14.53 12.82	18+3= 21(1.94) 20.19 10.77	34+1= 35(3.23) 18.62 17.95	8+0= 8(0.74) 16.33 4.10	1+0= 1(0.09) 1.96 0.51	7+0= 7(0.65) 7.45 3.59	189+6= 195(18.02) - 100.00
40 - 49	61+ 0= 61(5.64) 14.39 35.67	24+2= 26(2.40) 15.12 15.20	22+1= 23(2.13) 22.12 13.45	24+1= 25(2.31) 13.29 14.62	6+0= 6(0.55) 12.24 3.51	16+0=16(1.48) 31.37 9.36	14+0=14(1.29) 14.89 8.19	167+4= 171(15.80) - 100.00
50 - 59	34+ 2= 36(3.33) 8.49 28.57	18+2= 20(1.85) 11.62 15.87	14+0= 14(1.29) 13.46 11.11	30+2= 32(2.96) 17.02 25.40	7+0= 7(0.65) 14.29 5.56	4+1= 5(0.46) 9.80 3.97	11+1=12(1.11) 12.77 9.52	118+8= 126(11.65) - 100.00
60 +	9+ 2= 11(1.02) 2.59 18.97	11+0= 11(1.02) 6.39 18.97	7+0= 7(0.65) 6.73 12.07	6+2= 8(0.74) 4.26 13.79	6+0= 6(0.55) 12.24 10.34	4+0= 4(0.37) 7.84 6.90	11+0=11(1.02) 11.70 18.97	54+4= 58(5.36) - 100.00
योग	411+13=424(39.19) 100.00	163+9=172(15.90) 100.00	96+8=104(9.61) 100.00	169+19=188(17.38) 100.00	48+1=49(4.53) 100.00	49+2=51(4.71) 100.00	93+1=94(8.69) 100.00	1029+53=1082(100%) 100.00

लगभग 7% अंत: प्रवासी हैं। कायस्थ अंत: प्रवासी 17·38% हैं, जो ब्राह्मण अंत: प्रवासियों के बाद दूसरे स्थान पर है। 20-29 आयु वर्ग में लगभग 34%, 30-39 आयु-वर्ग में 19% 40-49 आयु-वर्ग में 13% एवं 50-59 आयु-वर्ग में लगभग 17% अंत:प्रवासी हैं। लगभग 13% अंत: प्रवासी 10-19 आयु-वर्ग के भी हैं। मात्र 4·53% कर्मकारक जाति के अंत: प्रवासी हैं। इस जाति के अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक 10-19 आयु-वर्ग के लगभग 27% हैं। 20-29 एवं 30-39 आयु-वर्ग महत्वपूर्ण है लेकिन संख्या में प्रवासियों की न्यूनता विशेष निष्कर्ष नहीं स्पष्ट करती हैं। अनुसूचित जाति के 4·71% अंत: प्रवासियों में 20-29 एवं 40-49 आयु-वर्ग के अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं। पिछड़ी जाति के लगभग 9% अंत: प्रवासियों में 20-29 आयु-वर्ग के अंत: प्रवासी महत्वपूर्ण है।

प्रदर्शित तालिका से स्पष्ट है कि सर्वाधिक अंत: प्रवासी ब्राह्मण ही हैं और उसमें भी 20-29 आयु-वर्ग के सर्वाधिक 40·8% अंत: प्रवासी है। कर्मकारक जाति को छोड़कर सर्वाधिक अंत: प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के ही हैं। महिलाओं में भी ब्राह्मण जाति एवं 20-29 आयु-वर्ग ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं।

स्व-वाह्य-प्रवास

प्रवास कारणों के अनुसार स्व-वाह्य प्रवास

(SELF OUT-MIGRATION ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION)

सारिणी संख्या 4·7 में इलाहाबाद नगर के अन्त: प्रवास कारणों को प्रदर्शित किया गया है।

नगर के 330 स्व-वाह्य प्रवासियों में 94·85% पुरूष एवं 5·15% महिलायें हैं जिन्होंने इलाहाबाद नगर के वाह्य विभिन्न स्थानों को अपने शैक्षिक, आर्थिक, उद्यम, धार्मिक एवं राजनीतिक प्रवास गतिविधियों का केन्द्र बनाया है। लगभग 79% ने आर्थिक कारणों से एवं 7% में अधिक अच्छी शिक्षा हेतु नगरसे वाह्य प्रवासकिया है। नगर से वाह्य प्रवास में आर्थिक कारण अधिक महत्वपूर्ण हैं। आर्थिक कारणों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि प्रथम रोजगार प्राप्त करने हेतु लगभग 40% लोगों ने नगर से प्रवास किया, जिसमें 2% महिलायें भी हैं। प्रवासियों ने अधिक अच्छे रोजगार प्राप्त करने के लिए भी प्रवास किया है, जिनका प्रतिशत लगभग 25% है। इसमें 1% महिलायें हैं। नगर के वाह्य स्थानों में लगभग 11% लोगों ने स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवास किया है अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु लगभग 4% ने वाह्य प्रवास किया है। इन दोनों कारणों से महिलाओं में वाह्य प्रवास का अभाव पाया गया है। मात्र पुरूषों ने ही प्रवास किया है।

स्थानान्तरण होने के कारण भी प्रवास गतिविधियां बढ़ती हैं। लगभग 11% प्रवासियों में 1% महिलायें भी है, जिन्होंने अपने सेवा क्षेत्र के स्थानांतरण के कारण इलाहाबाद नगर से वाह्य प्रवास किया।

सारिणी संख्या - 4·7

प्रवास-कारणों के अनुसार स्व-वाह्य-प्रवास

(SELF-OUT-MIGRATION ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION)

स्व-वाह्य प्रवास का कारण	पुरुष (संख्या एवं %)	महिलायें (संख्या एवं %)	योग (संख्या एवं %)
1- शिक्षा	19 5·76	6 1·82	25 7·58
अ- सतत-शिक्षा	-	-	-
ब- अधिक अच्छी शिक्षा	19 5·76	6 1·82	25 7·58
2- रोजगार (आर्थिक)	253 76·67	8 2·43	261 79·10
अ- प्रथम-रोजगार	126 38·18	5 1·52	131 39·70
ब- अधिक अच्छे-रोजगार	78 23·64	3 0·91	81 24·55
स- स्व-रोजगार व उद्यम	36 10·91	-	36 10·91
द- अधिक अच्छे-स्व-रोजगार व उद्यम	13 3·94	-	13 3·94
3- स्थानान्तरण	33 10·00	2 0·61	35 10·61
4- धार्मिक	3 0·91	1 0·30	4 1·21
5- भौगोलिक	3 0·91	-	3 0·91
6- राजनीतिक	2 0·61	-	2 0·61
योग	313 94·85	17 5·15	330 100·00

SELF-OUT MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION
GRAPH NO. 15
S.O.M
F
M
शिक्षा हेतु
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु
5.76
1.82
7.58
रोजगार हेतु
38.18
1.52
39.70
अधिक अच्छी रोजगार हेतु
23.64
0.9
24.55
स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु
10.91
अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु
3.94
धार्मिक कारण
0.91
0.30
1.21
राजनीतिक
0.61
भौगोलिक
0.91
स्थानांतरण
10
0.61
10.61
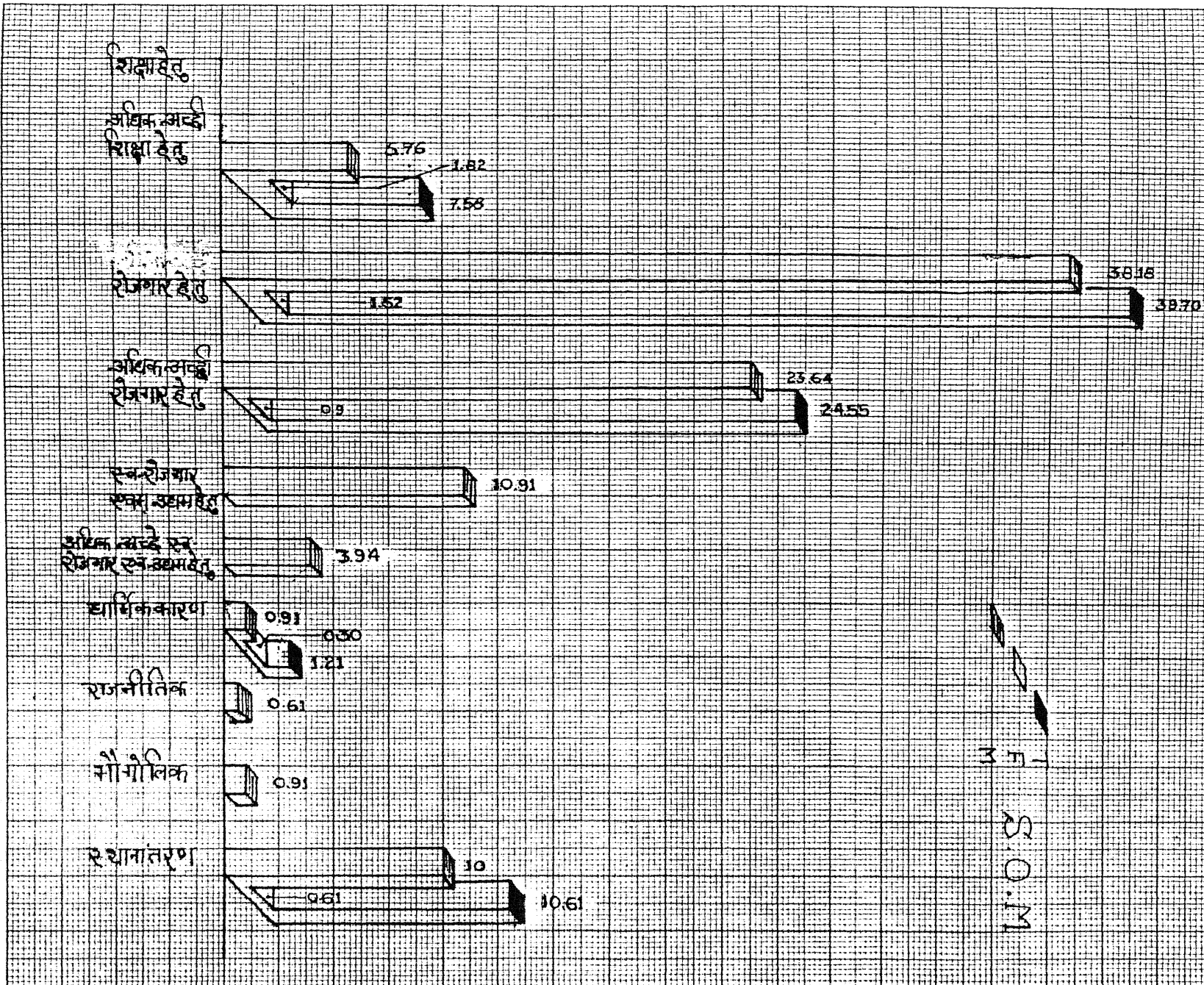
इलाहाबाद नगर धार्मिक-स्थान होते हुए भी यहाँ से धार्मिक प्रवास हुए हैं। 1·21% वाह्य प्रवासियों में 0·91% पुरूष एवं शेष महिलायें हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के प्रति कूल होने के कारण नगर से 0·91% भौगोलिक एवं 0·61% राजनीतिक वाह्य प्रवास हुए हैं, जिसमें सभी पुरूष हैं।

सारिणी से स्पष्ट है कि वाह्य प्रवास का मूल कारण आर्थिक एवं शैक्षिक है। आर्थिक कारणों में रोजगार महत्वपूर्ण है, तो शैक्षिक कारणों में अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवास। पुरूषों ने यद्यपि सर्वाधिक प्रवास किया है लेकिन महिलाओं ने भी विभिन्न कारणों से प्रवास किया है, जिसमें अधिक अच्छी शिक्षा एवं प्रथम रोजगार की प्राप्ति मुख्य कारण है।

सारिणी संख्या - 4.8

"प्रवास कारण एवं धर्मानुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND RELIGION)

वाह्य प्रवास के कारण/विभिन्न धर्म	हिन्दू धर्म M+F=T (%)	इस्लाम धर्म M+F=T (%)	सिक्ख धर्म M+F=T (%)	ईसाई धर्म M+F=T (%)	योग M+F =T (%)
शिक्षा हेतु	-	-	-	-	-
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	16+ 6= 22(6.67) 7.91 88.00	-	-	3+0= 3(0.91) 30.00 12.00	19+ 6= 25(7.58) - 100.00
रोजगार हेतु	103+ 4=107(32.42) 38.49 81.68	14+0=14(4.24) 45.16 10.69	4+1= 5(1.52) 45.45 3.82	5+0= 5(1.52) 50.00 3.82	126+ 5=131(39.70) - 100.00
अधिक अच्छे रोजगार हेतु	71+ 3= 74(22.42) 26.62 91.36	1+0= 1(0.30) 3.23 1.23	5+0= 5(1.52) 45.45 6.17	1+0= 1(0.30) 10.00 1.23	78+ 3= 81(24.55) - 100.00
स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	24+ 0= 24(7.27) 8.63 66.67	12+0=12(3.64) 38.71 33.33	-	-	36+ 0= 36(10.91) - 100.00
अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	11+0= 11 (3.33) 3.96 84.62	1+0= 1(0.30) 3.23 7.69	1+0= 1(0.30) 9.09 7.69	-	13+ 0= 13(3.94) - 100.00
राजनीतिक कारण	1+ 0= 1(0.30) 0.36 50.00	1+0= 1(0.30) 3.23 50.00	-	-	2+ 0= 2(0.61) - 100.00
धार्मिक कारण	3+ 1= 4(1.21) 1.44 100.00	-	-	-	3+ 1= 4(1.21) - 100.00
भौगोलिक कारण	2+ 0= 2(0.61) 0.72 66.67	1+0= 1(0.30) 3.23 33.33	-	-	3+ 0= 3(0.91) - 100.00
स्थानान्तरण होने के कारण	31+ 2= 33(10.00) 11.87 94.29	1+0= 1(0.30) 3.23 2.86	-	1+0= 1(0.30) 10.00 2.86	33+ 2= 35(10.61) - 100.00
योग	262+16=278(84.24) 100.00	31+0=31(9.39) 100.00	10+1=11(3.33) 100.00	10+0=10(3.04) 100.00	313+17=330(100.00) 100.00

प्रवास-कारण एवं धर्म के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND RELIGION)

सारिणी संख्या 4·8 में वाह्य प्रवास कारण एवं धर्मानुसार स्व-वाह्य-प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। समस्त 330 (313 पुरूष एवं 17 महिलायें) स्व-वाह्य-प्रवासियों में हिन्दू 278 (84·24%), मुसलमान 31 (9·39%), सिख 11 (3·33%), एवं ईसाई धर्म के 10 (3·04%) वाह्य प्रवासी हैं। समस्त 17 महिलाओं में 16 हिन्दू एवं शेष मात्र एक सिख महिला वाह्य प्रवासी हैं।

विभिन्न धर्म के स्व-वाह्य प्रवासियों को उनके वाह्य प्रवास के कारणों के अनुसार विभाजित करने पर यह पाया गया कि समस्त 278 हिन्दू प्रवासियों में नगर से सर्वाधिक 107 (38·49%) ने रोजगार हेतु 74 (26·62%) ने अधिक अच्छे रोजगार हेतु, 24 (8·63%) ने स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु वाह्य-प्रवास किया है। स्थानांतरण होने के कारण 33 (11·87%), अधिक अच्छी शिक्षा हेतु 22 (7·91%), धार्मिक, भौगोलिक एवं राजनीतिक कारणों से क्रमशः 1·44%, 0·72% एवं 0·36% ने वाह्य प्रवास किया है। शिक्षा हेतु किसी ने भी वाह्य प्रवास नहीं किया है। समस्त स्व-वाह्य प्रवासियों में लगभग 65% ने आर्थिक कारणों से प्रवास किया है।

इस्लाम धर्म के 31 प्रवासियों में शैक्षिक एवं धार्मिक कारणों से किसी ने भी प्रवास नहीं किया है। मुसलमानों ने सर्वाधिक प्रवास रोजगार

हेतु 14 (45·16%), एवं स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु 12 (38·71%) ने प्रवास किया है। अन्य सभी कारणों में प्रत्येक में 1 - 1 (3·23%) वाह्य प्रवास किया है। इस्लाम धर्म का लगभग 90% वाह्य प्रवास आर्थिक कारणों से ही हुआ है।

सिख धर्म के समस्त 11 (10 पुरुष एवं 1 महिला) वाह्य प्रवासियों में सभी ने आर्थिक कारणों से ही प्रवास किया है, जिसमें रोजगार हेतु 5 (45·45%), अधिक अच्छे रोजगार हेतु 5 (45·45%) एवं शेष 0·09% ने अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु वाह्य प्रवास किया है।

ईसाई धर्म के समस्त 10 वाह्य प्रवासियों में भी सर्वाधिक लोगों ने आर्थिक कारणों से ही प्रवास किया है। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु 3 (30%), रोजगार हेतु 5 (50%), अधिक अच्छे रोजगार हेतु मात्र 1 (10%), एवं स्थानान्तरण होने के कारण मात्र 1 (10%) व्यक्ति ने वाह्य प्रवास किया है। अन्य किसी भी कारणों से ईसाई वाह्य प्रवास नहीं हुए हैं।

प्रवास कारण एवं धर्मानुसार सारिणी से स्पष्ट है कि इलाहाबाद नगर से सर्वाधिक प्रवासी हिन्दू ही हैं। शिक्षा हेतु किसी ने भी प्रवास नहीं किया है। जो भी प्रवास हुए हैं उसमें अच्छी शिक्षा हेतु हुए हैं और उसमें भी हिन्दू सर्वाधिक एवं शेष ईसाई हैं। रोजगार के कारण सर्वाधिक वाह्य प्रवास हुए हैं और इसमें भी हिन्दू लगभग 82% हैं। अधिक अच्छे रोजगार हेतु प्रवासियों में सर्वाधिक हिन्दू लगभग 91% हैं। इस्लाम धर्म एवं सिख

धर्म के वाह्य प्रवासियों में अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवास के प्रति शून्य जागरूकता स्पष्ट हुई है। वाह्य प्रवास में धार्मिक, भौगोलिक एवं राजनीतिक कारणों से प्रवास कम ही हुए हैं।

प्रवास-कारण एवं जाति के अनुसार -स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND CASTE)

सारिणी संख्या 4·9 में वाह्य प्रवास-कारण एवं जाति के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। सारिणी से स्पष्ट है कि समस्त 278 हिन्दू स्व-वाह्य प्रवासियों में ब्राह्मण 95 (34·17%), क्षत्रिय 31 (11·15%), वैश्य 42 (15·11%), कायस्थ 70 (25·18%), कर्मकारक जाति 11 (3·96%), अनुसूचित जाति 5 (1·8%) एवं पिछड़ी जाति के 24 (8·63%) स्व-वाह्य प्रवासी हैं। सर्वाधिक पुरूष वाह्य प्रवासी ब्राह्मण एवं कायस्थ तथा सर्वाधिक महिलायें क्षत्रिय जाति की हैं।

विभिन्न जातियों को उनके वाह्य प्रवास-कारणों के अनुसार विभाजित करने पर यह स्पष्ट हुआ कि समस्त स्व-वाह्य प्रवास में ब्राह्मण सर्वाधिक 95 हैं जिन्होंने सर्वाधिक प्रवास रोजगार हेतु एवं अधिक अच्छे रोजगार हेतु समान रूप से लगभग 33·33% किया है।

सर्वेक्षण से यह पाया गया कि ब्राह्मण वाह्य प्रवास में आर्थिक तत्व विशेष महत्वपूर्ण हैं। लगभग 80% ब्राह्मणों ने आर्थिक कारणों से प्रवास किया है।

"प्रवास-कारण एवं जाति के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND CASTE)

सारिणी संख्या - 4.9

वाह्य प्रवास का कारण/विभिन्न जाति	ब्राह्मण M+F=T (%)	क्षत्रिय M+F=T (%)	वैश्य M+F=T (%)	कायस्थ M+F=T (%)	कर्मकारक जाति M+F=T (%)	अनुसूचित जाति M+F=T (%)	पिछड़ी जाति M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
शिक्षा हेतु	-	-	-	-	-	-	-	-
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	6+0= 6(2.16) 6.32 27.27	3+ 4= 7(2.52) 22.58 31.82	4+1= 5(1.80) 11.90 22.73	2+0= 2(0.72) 2.86 9.09	-	-	1+1= 2(0.72) 8.33 9.09	16+ 6= 22(7.91) - 100.00
रोजगार हेतु	31+0=31(11.15) 32.63 28.97	8+4= 12(4.32) 38.71 11.21	18+0=18(6.47) 42.86 16.82	24+0=24(8.63) 34.29 22.43	9+0= 9(3.24) 81.82 8.41	2+0=2(0.72) 40.00 1.87	11+0=11(3.96) 45.83 10.28	103+ 4=107(38.49) - 100.00
अधिक अच्छे रोजगार हेतु	31+0=31(11.15) 32.63 41.89	4+0= 4(1.44) 12.90 5.41	7+1= 8(2.89) 19.05 10.81	26+0=26(9.35) 37.14 24.30	-	-	3+2= 5(1.80) 20.83 6.76	71+ 3= 74(26.62) - 100.00
स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	11+0=11(3.96) 11.58 45.83	1+0= 1(0.36) 3.23 4.17	2+0= 2(0.72) 4.76 8.33	6+0= 6(2.16) 8.57 25.00	1+0= 1(0.36) 9.09 4.17	1+0=1(0.36) 20.00 4.17	2+0= 2(0.72) 8.33 8.33	24+ 0= 24(8.63) - 100.00
अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	4+0= 4(1.44) 4.21 36.36	4+0= 4(1.44) 12.90 36.36	2+0= 2(0.72) 4.76 18.18	1+0= 1(0.36) 1.43 9.09	-	-	-	11+ 0= 11(3.96) - 100.00
राजनीतिककारण	1+0= 1(0.36) 1.05 100.00	-	--	-	-	-	-	1+ 0= 1(0.36) - 100.00
धार्मिक कारण	1+0= 1(0.36) 1.05 25.00	0+1= 1(0.36) 3.23 25.00	1+0= 1(0.36) 2.38 25.00	-	-	-	1+0= 1(0.36) 4.17 25.00	3+ 1= 4(1.44) - 100.00
भौगोलिक कारण	-	-	2+0= 2(0.72) 4.76 100.00	-	-	-	-	2+ 0= 2(0.72) - 100.00
स्थानान्तरण होने के कारण	10+0=10(3.60) 10.53 30.30	1+1= 2(0.72) 6.45 6.06	3+1= 4(1.44) 9.52 12.12	11+0=11(3.46) 15.71 33.33	1+0= 1(0.36) 9.09 3.03	2+0=2(0.72) 40.00 6.06	3+0= 3(1.08) 12.50 9.09	31+ 2= 33(11.87) - 100.00
योग	95+0=95(34.17) 100.00	21+10=31(11.15) 100.00	39+3=42(15.11) 100.00	70+0=70(25.18) 100.00	11+0=11(3.96) 100.00	5+0=5(1.80) 100.00	21+3=24(8.63) 100.00	262+16=278(100.00) 100.00

समस्त 31 क्षत्रियों में 21 पुरुष एवं शेष 10 महिलायें हैं। शिक्षा, राजनीतिक एवं धार्मिक कारणों से शून्य प्रवास हुए हैं। क्षत्रियों में सर्वाधिक प्रवास रोजगार हेतु 12 (38·71%), अधिक अच्छी शिक्षा हेतु 7 (22·58%), अधिक अच्छे रोजगार हेतु 4 (12·9%), अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु 4 (12·9%), व्यक्तियों ने किया है। क्षत्रियों में भी लगभग 65% ने आर्थिक कारणों को महत्ता प्रदान की है। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवासी भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवास करने वालों में सर्वाधिक क्षत्रिय 31·82% हैं। महिलाओं ने अधिक अच्छी शिक्षा एवं रोजगार को समान महत्ता प्रदान की है।

समस्त 42 वैश्य जाति के स्व-वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक 18 (42·86%) व्यक्तियों ने रोजगार हेतु, अधिक अच्छे रोजगार हेतु 8 (19·05%), व्यक्तियों ने वाह्य प्रवास किया है। भौगोलिक कारणों से प्रवास करने वाले सभी व्यक्ति वैश्य जाति के हैं। शिक्षा हेतु राजनीतिक वाह्य प्रवासी शून्य हैं। स्पष्ट है कि इस जाति के सर्वाधिक लोगों ने आर्थिक कारणों को महत्व दिया हैं।

समस्त 70 कायस्थ प्रवासियों में अधिक अच्छी शिक्षा तथा अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम को लोगों ने सबसे कम महत्व दिया है। शिक्षा, राजनीतिक, धार्मिक, एवं भौगोलिक कारणों से किसी ने भी प्रवास नहीं किया है। कायस्थों में एक भी महिला वाह्य प्रवासी नहीं हैं।

इनमें सभी पुरूष हैं और इन्होंने रोजगार एवं अधिक अच्छे रोजगार के प्रवासिक कारण को सर्वाधिक महत्व दिया है।

कर्मकारक जाति के समस्त 11 स्व-वाह्य-प्रवासियों में रोजगार कारक सर्वाधिक महत्वपूर्ण रहा लेकिन रोजगार हेतु वाह्य-प्रवासियों में इस जाति का अनुपात मात्र 8.41% है।

अनुसूचित जाति के मात्र 5 प्रवासियों में आर्थिक कारणों से वाह्य प्रवास महत्वपूर्ण है लेकिन इनकी संख्या अत्यधिक कम होने से किसी विशेष निष्कर्ष की संभावनाएं नहीं हैं। पिछड़ी जाति के समस्त 24 (21 पुरूष एवं शेष 3 महिलायें) स्व-वाह्य प्रवासियों में लोगों ने आर्थिक कारणों को सर्वाधिक महत्व दिया है।

विभिन्न जातियों को उनके प्रवासिक कारणों के साथ अध्ययन करने पर यह देखा गया कि सर्वाधिक वाह्य प्रवासी ब्राह्मण एवं कायस्थ जाति के हैं। दोनों जातियों में लगभग समान रूप से रोजगार एवं अधिक अच्छे रोजगार के कारण प्रवास किया है। लगभग ब्राह्मणों में इन दोनों कारणों से लगभग 65% ने वाह्य प्रवास किया, वहीं पर कायस्थों ने आनुपातिक रूप में अधिक लगभग 71% ने प्रवास किया है। लगभग प्रत्येक जाति के प्रवास में आर्थिक कारण महत्वपूर्ण रहे। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवासियों में क्षत्रिय सर्वाधिक रहे। इसको छोड़कर अन्य विभिन्न कारणों से प्रवास करने वालों में ब्राह्मण ही सर्वाधिक रहे। स्थानान्तरण कारक में

मात्र कायस्थ अग्रणी रहे। समस्त 16 महिला वाह्य प्रवासियों में 10 क्षत्रिय जाति की हैं और इसमें भी सर्वाधिक महिलाओं ने अधिक अच्छी शिक्षा एवं रोजगार हेतु समान रूप से प्रवास किया।

प्रवास-कारण एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण
(DISTRI. OF S.O.MIG. ACCORD. TO CAUSES OF MIG. AND AGE-GROUP)

सारिणी संख्या 5·0 में स्व-वाह्य प्रवास कारण एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के सर्वेक्षण के अनुसार समस्त स्व-वाह्य प्रवासियों में विभिन्न आयु-वर्ग के 330 प्रवासी हैं। जिसमें 0-9 आयु-वर्ग के शून्य, 10-19 आयु-वर्ग के 62 {18·79%}, 20-29 आयु-वर्ग के 189 {57·20%}, 30-39 आयु-वर्ग के 38 {11·52%}, 40-49 आयु-वर्ग के 17 {5·15%}, 50-59 आयु-वर्ग के 14 {4·24%}, एवं 60 से अधिक आयु के 10 {3·03%} स्व-वाह्य-प्रवासी हैं। सर्वेक्षण में यह पाया गया कि सर्वाधिक स्व-वाह्य प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के एवं सबसे कम 60 से अधिक आयु-वर्ग के हैं।

सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि 0-9 आयु-वर्ग में शून्य, 10-19 आयु-वर्ग में लगभग 19% एवं 20-29 आयु-वर्ग में 57% तथा 60 से अधिक आयु-वर्ग में में मात्र 3% स्व-वाह्य प्रवासी हैं। नवयुवकों में प्रवास की प्रवृत्ति सर्वाधिक है। आयु-वृद्धि के साथ प्रवास प्रवृत्ति में ह्रास होता गया है। 10-19 एवं 20-29 आयु वर्ग के प्रवासियों में रोजगार हेतु प्रवास की प्रवृत्ति,30-39

"प्रवास-कारण एवं आयु वर्गानुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND AGE-GROUP)

सारिणी संख्या - 5·0

वाह्य प्रवास कारण/ विभिन्न आयु वर्ग के स्व-वाह्य प्रवासियों	0-9 आयु वर्ग M+F=T (%)	10-19 आयु वर्ग M+F=T (%)	20-29 आयु वर्ग M+F=T (%)	30-39 आयु वर्ग M+F=T (%)	40-49 आयु वर्ग M+F=T (%)	50-59 आयु वर्ग M+F=T (%)	60 + आयु वर्ग M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
शिक्षा हेतु	-	-	-	-	-	-	-	-
अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	-	10+1=11(3.03) 16.13 44.00	8+5= 13(3.94) 6.88 52.00	1+0= 1(0.30) 2.63 4.00	-	-	-	19+ 6= 25(7.58) - 100.00
रोजगार हेतु	-	35+1=36(10.91) 58.06 27.48	82+2= 84(25.45) 44.44 64.12	9+0= 9(2.73) 23.68 6.87	-	-	0+2= 2(0.61) 20.00 1.57	126+ 5=131(39.10) - 100.00
अधिक अच्छी रोजगार हेतु	-	1+0= 1(0.30) 1.61 1.23	53+0= 53(16.06) 28.04 65.43	13+0=13(3.94) 34.21 16.05	6+0= 6(1.82) 35.29 7.41	5+1= 6(1.82) 42.86 7.41	0+2= 2(0.61) 20.00 2.47	78+ 3= 81(24.55) - 100.00
स्व-रोजगार व उद्यम हेतु	-	7+0= 7(2.12) 11.29 19.44	24+0= 24(7.27) 12.70 66.67	3+0= 3(0.91) 7.89 8.33	1+0= 1(0.30) 5.88 2.78	1+0= 1(0.30) 7.14 2.78	-	36+ 0= 36(10.91) - 100.00
अधिक अच्छे स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु	-	2+0= 2(0.61) 3.23 15.38	7+0= 7(2.12) 3.70 53.85	3+0= 3(0.91) 7.89 23.08	1+0= 1(0.30) 5.88 7.69	-	-	13+ 0= 13(3.94) - 100.00
राजनीतिक कारणों से	-	1+0= 1(0.30) 1.61 50.00	-	-	-	-	1+0= 1(0.30) 10.00 50.00	2+ 0= 2(0.61) - 100.00
धार्मिक कारणों से	-	-	-	-	-	-	3+1= 4(1.21) 40.00 100.00	3+ 1= 4(1.21) - 100.00
भौगोलिक कारणों से	-	2+0= 2(0.61) 3.23 66.67	-	-	-	-	1+0= 1(0.30) 10.00 33.33	3+ 0= 3(0.91) - 100.00
स्थानान्तरण होने के कारण	-	2+0= 2(0.61) 3.23 5.70	8+0= 8(2.42) 4.23 22.86	9+0= 9(2.73) 23.68 25.71	7+2= 9(2.73) 52.94 25.71	7+0= 7(2.12) 50.00 20.00	-	33+ 2= 35(10.61) - 100.00
योग	-	60+2=62(18.79) 100.00	182+7= 189(57.20) 100.00	38+0=38(11.52) 100.00	15+2=17(5.15) 100.00	13+1=14(4.24) 100.00	5+5=10(3.03) 100.00	313+17=330(100.00) 100.00

आयु-वर्ग में अधिक अच्छे रोजगार हेतु प्रवास प्रवृत्ति, 40-49 एवं 50-59 आयु-वर्ग में स्थानांतरण के कारण प्रवास प्रवृत्ति एवं 60 से अधिक आयु के प्रवासियों में धार्मिक कारणों से प्रवास की प्रवृत्ति सर्वाधिक रही। वस्तुतः आर्थिक कारणों के अनुसार ही लगभग 80% प्रवासियों ने इलाहाबाद नगर से प्रवास किया है शेष 20% में अन्य सभी प्रवासी हैं।

विभिन्न कारणों से प्रवास करने वाले लोगों में 20-29 आयु-वर्ग के सर्वाधिक प्रवासी हैं, राजनीतिक, धार्मिक एवं भौगोलिक कारणों से प्रवासित वाह्य प्रवासियों का प्रतिशत अनुपात अत्यधिक कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं प्राप्त कर सकते। फिर भी जितने धार्मिक प्रवासी हैं उसमें सभी 60 से अधिक आयु के प्रवासी हैं। भौगोलिक एवं राजनीतिक प्रवास में आयु कहाँ तक उत्तरदायी है, यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह तत्कालीन परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

प्रवास-कारण एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF S.O.M. ACCORD. TO CAUSES OF MIG AND EDU. LEVEL)

न्यादर्श के समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों को वाह्य प्रवास कारण एवं प्रवासियों के शैक्षिक स्तर के अनुसार, वितरण, सारिणी संख्या 5.1 में प्रदर्शित है।

सारणी संख्या – 5.1

प्रवास–कारण एवं शैक्षित–स्तर के अनुसार स्व–वाह्य प्रवासियों का वितरण

विभिन्न शैक्षिक / वाह्य प्रवास कारण	अशिक्षित	साक्षर	प्राथमिक स्तरीय	पूर्वमाध्यमिक स्त0	माध्य0 स्त0	स्नातक	परा स्ना0	शोध एवं अनु0 स्त0	तक0डिप्लोमा तक स्तरीय	डिग्री स्तरीय	योग
शिक्षा हेतु	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अधिकअच्छी शिक्षा हेतु	–	–	–	2	4	7	8	4	–	–	25
				0.61	1.21	2.12	2.42	1.21			7.58
रोजगार हेतु	5	2	–	9	38	36	22	2	12	5	131
	1.51	0.61		2.72	11.51	10.90	6.67	0.61	3.63	1.51	9.39
अधिक अच्छे रोजगार हेतु	–	–	–	3	6	11	20	17	4	20	81
				0.91	1.81	3.34	6.06	5.15	1.21	6.06	24.59
रोजगार हेतु	3	1	1	10	9	8	3	–	1	–	36
	0.91	0.30	0.30	3.03	2.72	2.42	0.91		0.31		10.91
अधिक अच्छे स्व रोजगार हेतु	–	–	–	1	4	2	5	–	1	–	13
				0.30	1.21	0.60	1.51		0.30		3.93

विभिन्न शैक्षिक वाह्य प्रवास कारण	अशिक्षित	साक्षर	प्राथमिक स्तरीय	पूर्वमाध्यमिक स्त0	माध्य0 स्त0	स्नातक	परा स्ना0	शोध एवं अनु0स्त0	तक0डिप– लोमा स्त0	तक डिग्री स्त0	योग
धार्मिक कारणों से	2 0.60	–	–	–	1 0.30	1 0.30	–	–	–	–	4 1.21
राजनीतिक कारणों से	–	–	–	–	1 0.30	–	–	1 0.30	–	–	2 0.60
भौगोलिक कारणों से	–	–	–	2 0.60	–	–	–	1 0.30	–	–	3 0.90
स्थानांतरण होने के कारण	–	1 0.90	–	2 0.60	6 1.81	9 2.72	7 2.12	2 0.60	3 0.90	5 1.51	35 10.60
योग	10 3.03	4 1.21	1 0.30	29 8.79	69 20.90	74 22.40	65 19.69	27 8.18	21 6.37	30 9.09	330

सारिणी में इस तथ्य को स्पष्ट रूप से देखने का प्रयास किया गया है कि वाह्य प्रवास निर्धारण में शिक्षा का महत्व कहाँ तक हो सकता है। विभिन्न शैक्षिक स्तरीय 313 पुरुष एवं शेष 17महिला स्व-वाह्य प्रवासियों को प्रवास कारणों एवं उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार वस्तु-स्थिति सारिणी के अनुसार इस प्रकार है -

समस्त 10 अशिक्षितों में 50% ने रोजगार हेतु, 30% ने स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु एवं 20% में धार्मिक कारणों से वाह्य प्रवास किया है। ठीक यही स्थिति साक्षर एवं प्राथमिक स्तरीय वाह्य प्रवासियों में हैं। 4 साक्षर प्रवासियों में 50% के रोजगार हेतु, 25% ने स्व-रोजगार हेतु एवं 25% ने स्थानांतरण के कारण वाह्य प्रवास किया है। प्राथमिक स्तरीय मात्र 1 वाह्य प्रवासी हैं, जिसने स्व-रोजगार हेतु प्रवास किया है।

पूर्व माध्यमिक स्तरीय 29 वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 2 (6·89%) ने अधिक अच्छी शिक्षा हेतु, 9 (31·03%) ने रोजगार हेतु, 3 (10·39%) ने अधिक अच्छे रोजगार हेतु, 10 (34·48%) ने स्व-रोजगार हेतु, मात्र 1 (3·44%) ने अधिक अच्छे स्व-रोजगार हेतु 2 (6·89%) ने भौगोलिक एवं 6·89%) ने स्थानांतरण के कारण वाह्य प्रवास किया है।

माध्यमिक स्तरीय 69 स्व-वाह्य प्रवासियों में अधिक अच्छी शिक्षा हेतु 4 (5·79%), रोजगार हेतु 38 (35·07%),अधिक अच्छे रोजगार हेतु 6 (8·69%), स्व-रोजगार हेतु 9 (13·04%), अधिक अच्छे स्व-रोजगार

हेतु 9 (13·04%), अधिक अच्छे स्व-रोजगार हेतु 4 (5·77%), धार्मिक राजनीतिक एवं स्थानांतरण के कारण क्रमशः 1·44%, 1·44% एवं 8·69% ने स्व-वाह्य प्रवास किया है। स्पष्ट है कि वाह्य प्रवास में इलाहाबाद नगर के प्रवासियों के लिए आर्थिक कारण अधिक महत्वपूर्ण लगे। इसमें भी रोजगार के कारण सर्वाधिक 35·07% ने वाह्य प्रवास किया।

सारिणी से स्पष्ट है कि समस्त 74 स्नातक वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक48·64% ने रोजगार हेतु वाह्य प्रवास किया है। लगभग 77% ने आर्थिक कारणों से एवं शेष लोगों ने अन्य कारणों से वाह्य प्रवास किया है।

परास्नातक 65 वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक 22 (33·84%) ने रोजगार के कारण एवं 20 (30·77%) ने अधिक अच्छे रोजगार के कारण स्व-वाह्य प्रवास किया है। इस स्तर के लोगों में धार्मिक राजनीतिक एवं भौगोलिक प्रवासिक कारण अस्तित्वहीन रहे।

तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 21 स्व-वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक आर्थिक कारण (85%) ही महत्वपूर्ण रहे। इसमें भी रोजगार हेतु वाह्य-प्रवासी 57·14% रहे। स्थानांतरण के कारण लगभग 15% ने वाह्यप्रवास किया।

विभिन्न स्व-वाह्य प्रवास कारणों के अनुसार विभाजित करने पर यह तथ्य स्पष्ट होता है कि, वाह्य प्रवास में आर्थिक कारण सर्वाधिक महत्वपूर्ण रहे। शिक्षा हेतु किसी ने भी इलाहाबाद नगर से वाह्य प्रवास नहीं किया, लेकिन अच्छी शिक्षा हेतु मात्र 7·58% ने प्रवास किया।

इसमें उच्च शिक्षा के लिए सर्वाधिक लोगों ने प्रवास किया। सभी स्तर के बाह्य प्रवासियों ने रोजगार हेतु बाह्य प्रवास किया है, लेकिन इसमें माध्यमिक स्नातक एवं परास्नातक स्तरीय बाह्य प्रवासी प्रमुख एवं सर्वाधिक हैं। समस्त स्व-बाह्य प्रवास में लगभग 29% लोगों ने रोजगार हेतु प्रवास किया है, जो सर्वाधिक है। वस्तुत: विभिन्न कारणों से प्रवास करने वालों में इन तीनों शैक्षिक स्तर के बाह्य प्रवासी प्रमुख हैं। तकनीकि शैक्षिक स्तरीय बाह्य प्रवासियों ने रोजगार के कारण कम वरन् अधिक अच्छे रोजगार के कारण अधिक बाह्य प्रवास किया है।

प्रवास कारण एवं प्रवास क्षेत्र के अनुसार स्व-बाह्य प्रवासियों का वितरण
(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSE OF MIG. & MIG.REG.)सारिणी संख्या 5·2 में इलाहाबाद नगर के स्व-बाह्य प्रवासियों का प्रवास-कारण एवं उनके प्रवास-क्षेत्र के अनुसार वितरण प्रदर्शित है।

नगर के स्व-बाह्य प्रवासियों में लगभग 38% ने ग्रामीण क्षेत्र में प्रवास किया है, शेष 62% बाह्य प्रवासियों में मात्र 8% अंतर्राष्ट्रीय प्रव्रजक एवं 54% प्रवासियों ने विभिन्न नगरीय क्षेत्रों - टाउन एरिया, नगर पालिका, एवं मेट्रो नगरों में प्रवास किया है।

नगर के ग्रामीण क्षेत्र में प्रवासित स्व-बाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक लगभग 60% ने रोजगार हेतु, 19% ने अधिक अच्छे रोजगार हेतु, स्व-रोजगार व उद्यम हेतु लगभग 10% ने एवं स्थानांतरण होने के कारण

TABLE 5.2

DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND MIGRATION-REGION

MIGRATION REGION / CAUSES OF SELF OUT MIGRATION	IN RURAL AREA	IN TOWN AREA	IN MUNICIPAL AREA	IN METROPOLITAN AREA	INTERNATIONAL MIGRATION	TOTAL
Education	-	-	-	-	-	-
Better Education	-	-	14 (4.24 24.56 56.00	9 (2.73) 17.31 36.00	2 (0.61) 7.14 8.00	25(7.58) - 100.00
Employment	74 (22.42) 59.68 56.49	30 (9.09) 43.48 22.90	8 (2.42) 14.04 6.11	6 (1.82) 11.54 4.58	13 (3.94) 46.43 9.92	131(39.7) - 100.00
Better Employment	23 (6.97) 18.55 28.40	24 (7.27) 34.78 29.63	9 (2.73) 15.79 11.11	15 (4.55) 28.85 18.52	10 (3.03) 35.71 12.35	81(24.55) - 100.00
Self Employment and Business	12 (3.64) 9.68 33.33	3 (0.91) 4.35 8.33	8 (2.42) 14.04 22.22	12 (3.64) 23.08 33.33	1 (0.30) 3.57 2.78	36(10.91) - 100.00
Better Self Employment and Business	-	1 (0.30) 1.45 7.69	5 (1.52) 8.77 38.46	6 (1.82) 11.54 46.15	1 (0.30) 3.57 7.69	13(3.94) - 100.00
Political	-	-	1 (0.30) 1.75 50.00	-	1 (0.30) 3.57 50.00	2(0.61) - 100.00
Religion	-	2 (0.61) 2.89 50.00	1 (0.30) 1.75 25.00	1 (0.30) 1.92 25.00	-	4(1.21) - 100.00
Geographical	2 (0.61) 1.61 66.67	1 (0.30) 1.45 33.33	-	-	-	3(0.91) - 100.00
Transfer	13 (3.94 10.48 37.14	8 (2.42) 11.59 22.86	11 (3.33) 19.30 31.43	3 (0.9) 5.77 8.57	-	35(10.61) - 100.00
TOTAL	124(37.57) 100.00	69 (20.91) 100.00	57 (17.27) 100.00	52 (15.76) 100.00	28 (8.48) 100.00	330(100.00) 100.00

लगभग 10% ने प्रवास किया है। भौगोलिक कारणों से भी लगभग ग्रामीण क्षेत्र में वाह्य प्रवास किया है। अन्य किसी भी कारण से नहीं हुआ है। शिक्षा हेतु प्रवास शून्य है। नगर के टाउन एरिया प्रवासित स्व-वाह्य प्रवासियों ने आर्थिक कारणों को ही अधिक महत्व दिया है। धार्मिक कारणों से भी लगभग 2% ने वाह्य प्रवास किया

नगरपालिका क्षेत्र में प्रवासित स्व-वाह्य प्रवासियों ने आर्थिक कारणों के साथ अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवास को महत्व दिया है। क्षेत्रों में राजनीतिक, धार्मिक एवं अधिक अच्छे रोजगार, अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवास किया है। मेट्रो क्षेत्रों में प्रवास का कारण अधिक अच्छे रोजगार, स्व-रोजगार व उद्यम तथा अधिक अच्छी शिक्षा प्राप्ति महत्वपूर्ण कारण रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन में अधिक अच्छी शिक्षा एवं रोजगार प्राप्ति महत्वपूर्ण मूल कारण रहे। स्व-रोजगार व उद्यम हेतु अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन को विशेष महत्व नहीं मिला।

सारिणी से स्पष्ट है कि नगर से सतत शिक्षा हेतु लोगों ने प्रवास नहीं किया है। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवास में नगरपालिका, मेट्रो एवं विश्व के अन्य देशों को ही लोगों ने महत्व दिया है। रोजगार हेतु प्रवासियों में यद्यपि 56% ने ग्रामीण क्षेत्रों को महत्व दिया है, लेकिन यह तथ्य हमारे देश के विशाल ग्रामीण क्षेत्रों के अनुसार विशिष्ट नहीं कहा जा सकता। 44% लोगों ने विभिन्न नगर क्षेत्रों में प्रवास किया है। देश के सीमित क्षेत्र में नगरीय सभ्यता विकसित होने के कारण 44% लोगों का प्रवास

महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। स्पष्ट है कि लोग इलाहाबाद नगर से अन्य समान नगरों एवं अधिक विकसित नगरों - क्षेत्रों में प्रवास कर रहे हैं, जिसका मूल कारण आर्थिक एवं शिक्षा है। राजनीतिक एवं धार्मिक प्रवास भी महत्वपूर्ण कहे जा सकते हैं।

प्रवास-कारण एवं विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र के स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND SPECIFIC MIGRATION REGION)

सारिणी संख्या 5·3 में वाह्य-प्रवास कारण एवं विशिष्ट-वाह्य प्रवास-क्षेत्र के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। नगर से दस किमी के क्षेत्र में 3 (0·91%), इलाहाबाद जिले में ही 13 (3·94%), संलग्न जिलों में 57 (17·27%), प्रदेश के अन्य जिलों में 114 (34·55%), अन्य राज्यों में 115 (34·89%) एवं विश्व के अन्य देशों में 28 (8·48%) व्यक्तियों ने प्रवास किया है। समस्त 17 महिला वाह्य प्रवासियों ने जनपद एवं संलग्न जनपदों को लगभग समान महत्व दिया है।

विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में प्रवासित व्यक्तियों को उनके प्रवास कारणों के अनुसार देखने पर स्पष्ट है कि प्रत्येक विशिष्ट क्षेत्र में प्रवासित व्यक्तियों ने रोजगार हेतु सर्वाधिक प्रवास किया है। ऐसे प्रवासियों का प्रतिशत लगभग 40% है। रोजगार के बाद इन समस्त विशिष्ट क्षेत्रों के प्रवासियों ने अधिक अच्छे रोजगार हेतु प्रवास को महत्ता दी है। इनका

सारणी संख्या – 5.3

प्रवास–कारण एवं विशिष्ट मूल क्षेत्र के स्व–वाह्य प्रवासियो का वितरण

प्रवास क्षेत्र / प्रवास कारण	दस किमी0 के क्षेत्र	शेष इला0 जिले में	संलग्न जिलो	उ0प्र0 के शेष अन्य	भारत के अन्य राज्यो	विश्व के शेष अन्य	योग
§1§ शिक्षा हेतु	–	–	–	–	–	–	–
§2§ अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	–	–	5 1.52	8 2.42	10 3.03	2 0.61	25 7.58
§3§ रोजगार हेतु	2 0.61	3 0.91	16 4.85	53 16.06	54 16.36	3 0.91	131 39.7
§4§अधिकअच्छे रोजगार हेतु	–	–	7 2.12	29 8.79	37 11.21	8 2.42	81 24.55
§5§ स्व रोजगार एवं उधम हेतु	–	1 0.30	9 2.73	10 3.03	15 4.55	1 0.30	36 10.91
§6§अधिक अच्छे एवं रोजगार एवं उधम हेतु	–	–	1 0.30	3 0.91	7 2.12	2 0.61	13 3.94

प्रवास क्षेत्र / प्रवास कारण	दस किमी0 के क्षेत्र	शेष इला0 जिले में	संलग्न जिलों	उ0प्र0 के शेष अन्य	भारत के अन्य राज्यों	विश्व के शेष अन्य	योग
(7) धार्मिक कारणों में	–	–	2 0.61	1 0.30	1 0.30	–	4 1.21
(8) राजनीतिक कारणों से	–	–	–	–	1 0.30	1 0.30	2 0.61
(9) भौगोलिक कारणों से	–	1 0.30	–	1 0.30	1 0.30	–	3 0.91
(10) स्थानान्तरण होने के कारण	–	2 0.61	7 2.12	19 5.76	7 2.12	–	35 10.61
योग	2 0.61	7 2.12	47 14.24	124 37.58	133 40.30	17 5.15	330

अनुपात लगभग 25% है, लेकिन संलग्न जिलों के प्रवासियों ने अधिक अच्छे रोजगार के स्थान पर स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु प्रवास को अधिक महत्ता प्रदान किया है। समस्त स्व-वाह्य प्रवास में अन्य राज्यों एवं प्रदेश के अन्य जनपदों के प्रवासियों का प्रतिशत सर्वाधिक लगभग 35-35% है। इन क्षेत्रों के प्रवासियों ने रोजगार, अधिक अच्छे रोजगार एवं स्व-रोजगार व उद्यम हेतु सर्वाधिक प्रवास किया है। अन्य राज्यों के प्रवासियों ने जहाँ इन तीन प्रमुख कारणों से लगभग 77% प्रवास किया वहीं पर प्रदेश के अन्य जनपदों के प्रवासियों ने लगभग 76% प्रवास किया है।

समस्त स्व-वाह्य प्रवास के लगभग 52% प्रवासी इन्हीं दोनों विशिष्ट क्षेत्र एवं इन्हीं तीनों प्रमुख प्रवास कारणों से सम्बन्धित हैं।

अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवासियों में संलग्न जनपदों के प्रवासी, रोजगार हेतु प्रवासियों में प्रदेश के अन्य जनपदों, के प्रवासी, अधिक अच्छे रोजगार हेतु प्रवासियों में प्रदेश के अन्य जनपद एवं अन्य राज्य समान रूप से, रोजगारएवं उद्यम हेतु प्रवासियों में अन्य राज्यों के प्रवासी, अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवासियों में अन्य राज्यों के प्रवासी, भौगोलिक प्रवास में इलाहाबाद जनपद के प्रवासी, स्थानांतरित प्रवासियों में प्रदेश के अन्य जनपदों के प्रवासी सर्वाधिक रहे। राजनीतिक एवं धार्मिक प्रवास में किसी विशिष्ट क्षेत्र विशेष का स्थान आनुपातिक प्रतिनिधित्व कम होने के कारण महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता। लेकिन यह तथ्य स्पष्ट रूप से पाया गया कि, इलाहाबाद नगर के वाह्य प्रवासियों में रोजगार एवं अच्छे रोजगार हेतु वाह्य प्रवास का आकर्षण सर्वाधिक विद्यमान रहा है।

तालिका संख्या - 54

"प्रवास क्षेत्र एवं धर्मानुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO REGION OF MIGRATION & RELIGION)

प्रवास क्षेत्र/ विभिन्न धर्म	हिन्दू धर्म M+F=T (%)	इस्लाम धर्म M+F=T (%)	सिक्ख धर्म M+F=T (%)	ईसाई धर्म M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में	117+ 4=121 (36.67) 43.53 97.58	3+0= 3(0.91) 9.67 2.42	-	-	120+ 4=124(37.58) - 100.00
टाउन एरिया नोटीफाइड एरिया में।	57+10= 67 (20.30) 24.10 97.10	2+0= 2(0.62) 6.45 2.90	-	-	59+10= 69(20.91) - 100.00
नगरपालिका एवं नगरमहापालिका क्षेत्र में	26+ 2= 28(8.48) 10.07 49.12	14+0=14 (4.24) 45.16 24.56	6+1= 7(2.12) 63.63 12.28	8+0= 8(2.42) 80.00 1.75	54+ 3= 57(17.27) - 100.00
मेट्रोपोलिटिन क्षेत्रों में	43+ 0= 43(13.03) 15.46 82.69	5+0= 5(1.52) 16.13 9.62	2+0= 2(0.62) 18.18 3.85	2+0= 2(0.62) 20.00 3.85	52+ 0= 52(15.76) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन	10+ 0= 10(5.76) 6.83 67.86	7+0= 7(2.12) 22.58 25.00	2+0= 2(0.61) 18.18 7.14	-	28+ 0= 28(8.48) - 100.00
योग	262+16=278(84.24) 100.00	31+0=31(9.39) 100.00	10+1=11(3.33) 100.00	10+0=10(3.03) 100.00	313+17=330(100.00) 100.00

प्रवास-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार स्व-बाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF OUT_MIGRANTS ACCORDING TO MIGRATION REGION AND RELIGION)

सारिणी संख्या 5·4 में प्रवास-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार स्व-बाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त 330 स्व-बाह्य प्रवासियों में 313 पुरूष एवं शेष 17 महिलायें हैं, इन प्रवासियों का उनके धर्म के अनुसार विभाजित करने पर सर्वेक्षण में यह पाया गया कि सर्वाधिक 278 (84·24%) हिन्दू, 31 (9·39%) मुसलमान, 11 (3·33%) सिख, एवं 10 (3·03%) ईसाई स्व-बाह्य प्रवासी हैं। समस्त 17 महिलाओं में से 16 महिला प्रवासी हिन्दू हैं।

प्रवास क्षेत्र एवं धर्मानुसार प्रवासियों के वितरण सारिणी से यह बात स्पष्ट परिलक्षित होती है कि, मात्र हिन्दू धर्म को छोड़कर अन्य सभी धर्मों के सर्वाधिक प्रवासियों ने नगर पालिका व नगरमहापालिका क्षेत्रों में प्रवास किया, है, जिनका कुल प्रतिशत अनुपात 8·47% है। हिन्दुओं में सर्वाधिक लोगों ने ग्रामीण क्षेत्र में प्रवास किया है, जिनका प्रतिशत अनुपात 36·67% है। ग्रामीण क्षेत्र में मात्र सिख धर्म के 3 (0·91%) प्रवासियों ने प्रवास किया, शेष किसी भी अन्य धर्म के प्रवासियों ने प्रवास नहीं किया है। नगरपालिका क्षेत्र में हिन्दू 8·48% प्रवासित हैं। लेकिन इस क्षेत्र के समस्त प्रवासियों में हिन्दू प्रवासी सर्वाधिक 49·12% हैं, जबकि मुसलमान, सिख एवं ईसाई क्रमशः लगभग 25%, 13% एवं 2% हैं।

वस्तुत: सभी क्षेत्रों के प्रवासियों में हिन्दू प्रवासी सर्वाधिक हैं यथा - ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 98%, टाउन क्षेत्र में 97%, नगरपालिका क्षेत्र में 59% मेट्रो क्षेत्र में 83% एवं अन्य देशों में 68% प्रवासी हैं।

हिन्दू धर्म के प्रवासियों को छोड़कर मात्र इस्लाम, सिख एवं ईसाई प्रवासियों ने नगर क्षेत्र एवं टाउन क्षेत्र में अधिक प्रवास किया है। हिन्दू धर्म के 26% प्रवासी हैं तो अन्य धर्मों के 60% से अधिक प्रवासी हैं जो महत्वपूर्ण है।

प्रवास क्षेत्र एवं जाति के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO MIGRATION REGION AND CASTE)

प्रवास क्षेत्र एवं जाति के अनुसार सारिणी संख्या 5·5 में स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त 278 हिन्दू स्व-वाह्य प्रवासियों को उनके जातियों के अनुसार विवेचना करने पर सर्वेक्षण में यह पाया गया कि सर्वाधिक स्व-वाह्य प्रवासी ब्राह्मण 34·18%, कायस्थ 25·18%, वैश्य 15·11%, क्षत्रिय 11·16%, पिछड़ी जाति के 8·64%, कर्मकारक जाति के 3·96% एवं अनुसूचित जाति के 1·8% हिन्दू-स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

सारिणी संख्या - 5·5

"प्रवास - क्षेत्र एवं हिन्दू - जाति के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO REGION AND CASTE)

वाह्य प्रवास क्षेत्र/ विभिन्न हिन्दू जाति	ब्राह्मण M+F=T (%)	क्षत्रिय M+F=T (%)	वैश्य M+F=T (%)	कायस्थ M+F=T (%)	कर्मकारक जाति M+F=T (%)	अनुसूचित जाति M+F=T (%)	पिछड़ी जाति M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में	48+0=48(17.27) 50.52 39.67	13+ 4=17(6.11) 54.84 6.11	15+0=15(5.40) 35.71 12.80	18+0=18(6.48) 25.71 14.88	7+0= 7(2.51) 63.63 5.79	3+0=3(1.08) 60.00 2.48	13+0=13(4.68) 54.16 10.75	117+ 4=121(43.52) - 100.00
नगर से टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया में	22+0=22(7.91) 23.15 32.84	6+ 4=10(3.40) 32.25 14.92	12+3=15(5.40) 35.71 22.39	13+0=13(4.68) 18.57 19.41	-	-	4+3= 7(2.71) 29.17 10.44	57+10= 67(24.10) - 100.00
नगर पालिका एवं नगरमहापालिका क्षेत्रों में	5+0= 5(1.80) 18.94 17.86	1+ 2= 3(1.08) 9.68 10.71	3+0= 3(1.08) 7.14 10.71	7+0= 7(2.51) 10.00 25.00	4+0= 4(1.44) 36.37 14.29	2+0=2(0.72) 40.00 7.14	4+0= 4(1.44) 16.67 14.29	26+ 2= 28(10.08) - 100.00
मैट्रोपोलिटिन क्षेत्रों में	18+0=18(6.48) 18.94 41.86	1+ 0= 1(0.36) 3.22 2.32	6+0= 6(2.15) 14.29 13.96	18+0=18(6.48) 25.71 41.86	-	-	-	43+ 0= 43(15.47) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन	2+0= 2(0.72) 2.10 10.52	-	3+0= 3(1.08) 7.14 15.79	14+0=14(5.04) 20.00 73.69	-	-	-	19+ 0= 19(6.84) -
योग	95+0=95(34.18) 100.00	21+10=31(11.16) 100.00	39+3=42(15.11) 100.00	70+0=70(25.18) 100.00	11+0=11(3.96) 100.00	5+0=5(1.80) 100.00	21+3=24(8.64) 100.00	262+16=278(100.00) 100.00

सभी जाति के स्व-वाह्य प्रवासियों ने ग्रामीण क्षेत्र में सर्वाधिक (43·52%) प्रवास किया है लेकिन इसमें सर्वाधिक ब्राह्मण एवं कायस्थ (क्रमशः लगभग 40% एवं 15%) रहे। टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया में सर्वाधिक ब्राह्मण एवं वैश्य जाति के लोगों ने प्रवास किया है। लेकिन नगरपालिका व नगर महापालिका क्षेत्र, मेट्रो क्षेत्र, एवं विश्व के अन्य देशों में सर्वाधिक कायस्थ ही रहे। जहाँ ब्राह्मणों में 26·32% ने इन क्षेत्रों में प्रवास किया वहीं पर कायस्थों में 55·77% ने प्रवास किया। इस प्रकार सारिणी से यह तथ्य निकलता है कि कायस्थों में अन्य जाति और विशेषकर ब्राह्मणों की तुलना में वाह्य प्रवास में दूरी और क्षेत्र विशेष बाधक नहीं रहें। यह तथ्य इस जाति के आन्तरिक स्थिति को स्पष्ट करता है। वैश्य जाति को छोड़कर अन्य जातियाँ विशेषकर क्षत्रिय, कर्मकारक जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति में भी यह पाया गया कि दूरस्थ क्षेत्रों में इन जातियों का वाह्य प्रवास शिथिल या लगभग शून्य ही रहा।

प्रवास क्षेत्र एवं आयु-वर्गानुसार इलाहाबाद नगर के स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO MIGRATION REGION AND AGE-GROUP)

सारिणी संख्या 5·6 में प्रवास क्षेत्र एवं आयुवर्गानुसार इलाहाबाद नगर के स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों में 313 पुरुष एवं शेष 17 महिला स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

सारणी संख्या - 5.6

"प्रवास क्षेत्र एवं आयु-वर्गानुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO REGION AND AGE-GROUP)

वाह्य प्रवास क्षेत्र/विभिन्न आयु वर्ग	0-9 आयु वर्ग	10-19 आयु वर्ग M+F=T (%)	20-29 आयु वर्ग M+F=T (%)	30-39 आयु वर्ग M+F=T (%)	40-49 आयु वर्ग M+F=T (%)	50-59 आयु वर्ग M+F=T (%)	60 + आयु वर्ग M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में	-	18+0=18(5.45) 29.03 14.51	85+2= 87(26.37) 46.03 70.16	7+0= 7(2.12) 18.42 5.64	4+0= 4(1.21) 23.52 3.22	3+0= 3(0.91) 21.42 2.41	3+2=5(1.51) 50.00 4.03	120+ 4=124(37.58) - 100.00
टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया में	-	16+1=17(5.15) 27.41 24.63	35+3= 38(11.51) 20.10 55.07	3+0= 3(0.91) 7.81 4.34	2+2= 4(1.21) 23.52 5.71	1+1= 2(0.61) 14.29 2.81	2+3=5(1.51) 50.00 7.24	59+10= 69(20.91) - 100.00
नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्रों में	-	21+1=22(6.67) 35.49 39.45	28+2= 30(9.09) 15.88 81.08	2+0= 2(0.61) 5.27 5.41	1+0= 1(0.31) 5.89 2.71	2+0= 2(0.61) 14.29 5.41	-	54+ 3= 57(11.21) - 100.00
मेट्रोपोलिटिन क्षेत्रों में	-	5+0= 5(1.51) 8.07 9.61	27+0= 27(8.19) 14.29 51.92	13+0=13(3.93) 34.21 25.00	-	7+0= 7(2.12) 50.00 13.47	-	52+ 0= 52(15.75) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन	-	-	7+0= 7(2.12) 3.71 25.00	13+0=13(3.93) 34.21 46.42	8+0= 8(2.42) 47.05 28.58	-	-	28+ 0= 28(8.49) - 100.00
योग	-	60+2=62(18.79) 100.00	182+7=189(57.28) 100.00	38+0=38(11.51) 100.00	15+2=17(5.15) 100.00	13+1=14(4.24) 100.00	5+5=10(3.03) 100.00	313+17=330(100.00) 100.00

विभिन्न आयु-वर्गानुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का प्रतिशत इस प्रकार है, 0 - 9 आयु-वर्ग के शून्य वाह्य प्रवासी, 10 - 19 आयु-वर्ग के 62 (18·79%), 20 - 29 आयु-वर्ग के 189 (57·28%), 30 - 39 आयु-वर्ग के 38 (11·51%), 40 - 49 आयु-वर्ग के 17 (5·15%), 50 - 59 आयु-वर्ग के 14 (4·24%) एवं 60 से अधिक आयु के मात्र 10 (3·03%) स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक स्व-वाह्य प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के 57·28% एवं सबसे कम वाह्य प्रवासी 60 एवं अधिक आयु-वर्ग के हैं।

इस प्रकार सर्वेक्षण में पाया गया कि नवयुवकों में प्रवास प्रवृत्ति सर्वाधिक है। सर्वेक्षण से यह भी तथ्य प्रकाश में आया कि आयु वृद्धि के साथ-साथ प्रवास प्रवृत्ति घटती जाती है, 10-19 आयु-वर्ग के सर्वाधिक प्रवासियों ने नगरपालिका क्षेत्र में, 20-29 आयु-वर्ग के सर्वाधिक प्रवासियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में, 30-39 आयु-वर्ग में एवं 40-49 आयु-वर्ग के सर्वाधिक प्रवासियों ने विश्व के अन्य देशों में 50-59 आयु-वर्ग के सर्वाधिक प्रवासियों ने मेट्रो क्षेत्र में एवं 60 से अधिक आयु के प्रवासियों ने समान रूप से ग्रामीण एवं टाउन क्षेत्र में प्रवास किया है।

आयु-वर्ग के अनुसार विभिन्न प्रवास क्षेत्र के प्रवासियों का वितरण करने पर सर्वेक्षण में यह पाया गया कि सभी क्षेत्रों में 20-29 आयु-वर्ग के ही सर्वाधिक प्रवासियों ने प्रवास किया है। मात्र विश्व के अन्य

देशों में 30-39 आयु-वर्ग के प्रवासी सर्वाधिक हैं। सर्वेक्षण के अनुसार इस क्षेत्र में 50 के ऊपर के एक भी प्रवासी नहीं है।

यहाँ स्पष्ट है कि नगर से ग्रामीण प्रवास सर्वाधिक हैं। इसका कारण यह है कि भारत में अन्य तीन क्षेत्रों के अलावा शेष क्षेत्र ग्रामीण हैं जो सर्वाधिक हैं। लेकिन टाउन, पालिका एवं मेट्रो क्षेत्र को सम्मिलित रूप से रखने पर यह स्पष्ट होता है कि नगर से ग्रामीण प्रवास अपेक्षाकृत अधिक न होकर कम ही हैं, जो नगर से अन्य क्षेत्रों में सर्वाधिक प्रवास को प्रदर्शित करता है।

विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND EDUCATION-LEVEL)

विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण सारिणी संख्या 5·7 में प्रदर्शित है। विभिन्न क्षेत्रों में प्रवासित व्यक्तियों एवं उनके विभिन्न शैक्षिक-स्तर के अनुसार वितरण करने पर समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों का शैक्षिक स्तर इस प्रकार है -

अशिक्षित 3·03%, साक्षर 1·21%, प्राथमिक स्तरीय 0·30%, पूर्वमाध्यमिक स्तरीय 8·79%, माध्यमिक स्तरीय 20·91%, स्नातक 22·42% परास्नातक 19·70%, शोध एवं अनुसंधान स्तरीय 8·18%, तकनीकि

सारिणी संख्या - 5·7

"क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO REGION OF MIGRATION AND EDUCATION LEVEL)

प्रवास क्षेत्र/शै० स्तर	अशिक्षित वाह्य प्रवासी M+F=T (%)	साक्षर M+F=T (%)	प्राथमिक स्तरीय M+F=T (%)	पूर्व माध्यमिक स्तरीय M+F=T (%)	माध्यमिक स्तरीय M+F=T (%)	स्नातक M+F=T	परास्नातक M+F=T (%)	शोध एवं अनुसंधान स्तरीय M+F=T (%)	तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय M+F=T (%)	तकनीकि डिग्री स्तरीय M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
ब्ला० नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में	4+2= 6(1.82) 60.00 4.84	-	-	-	24+0=24(7.27) 34.78 19.35	37+0=37(11.21) 50.00 29.84	30+2=32(9.70) 49.23 25.81	-	12+0=12(3.64) 57.14 9.68	13+0=13(3.94) 43.33 10.48	120+ 4=124(37.58) - 100.00
टाउन-नोटीफाइड में	2+2= 4(1.21) 40.00 5.80	1+1=2(0.61) 50.00 2.90	1+0=1(0.30) 100.00 1.45	16+0=16(4.85) 55.17 23.19	17+0=17(5.15) 24.64 24.64	12+1=13(3.94) 17.57 18.84	6+3= 9(2.73) 13.85 13.04	1+1= 2(0.61) 7.41 2.90	1+0= 1(0.30) 4.76 1.45	2+2= 4(1.21) 13.33 5.80	59+10= 69(20.70) - 100.00
ग्रा.जिला क्षेत्रों में	-	2+0=2(0.61) 50.00 3.51	-	11+0=11(3.33) 37.93 19.30	13+1=14(4.24) 20.29 24.56	14+0=14(4.24) 18.92 24.56	2+0= 2(0.61) 3.07 3.51	7+1= 8(2.42) 29.63 14.04	2+0= 2(0.61) 9.52 3.51	3+1= 4(1.21) 13.33 7.02	54+ 3= 57(16.36) - 100.00
मेट्रो० क्षेत्रों में	-	-	-	2+0= 2(0.61) 6.90 3.85	11+0=11(3.33) 15.94 21.15	5+0= 5(1.51) 6.76 9.62	16+0=16(4.85) 24.62 30.77	6+0= 6(1.82) 22.22 11.54	5+0= 5(1.51) 23.81 9.62	7+0= 7(2.12) 23.33 13.46	52+ 0= 52(15.76) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन	-	-	-	-	3+0= 3(0.91) 4.35 10.71	5+0= 5(1.51) 6.76 17.86	6+0= 6(1.82) 9.23 21.42	11+0=11(3.33) 4.74 34.28	1+0= 1(0.30) 4.76 3.57	2+0= 2(0.61) 6.66 7.14	28+0 = 28(8.48) - 100.00
योग	6+4=10(3.03) 100.00	3+1=4(1.21) 100.00	1+0=1(0.30) 100.00	29+0=29(8.79) 100.00	68+1=69(20.91) 100.00	73+1=74(22.42) 100.00	60+5=65(19.70) 100.00	25+2=27(8.18) 100.00	21+0=21(6.36) 100.00	27+3=30(9.09) 100.00	313+17=330(100%) 100.00

डिप्लोमा स्तरीय 6·36%, एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 9·09%, स्व-वाह्य प्रवासी है। सर्वाधिक 74 (22·42%) स्व-वाह्य प्रवासियों का शैक्षिक-स्तर स्नातक स्तर है।

सारिणी के तथ्यों से यह पाया गया कि अशिक्षित एवं कम शिक्षितों में नगरपालिका, मेट्रो या वाह्य विश्व में प्रवास के स्थान पर ग्रामीण एवं टाउन एरिया में प्रवास की प्रवृति अधिक दिखायी पड़ती है लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं है कि अधिक शिक्षितों में इन क्षेत्रों में प्रवास कम हुए हैं। इस रूप में तो सर्वाधिक प्रवास इन्हीं क्षेत्रों में हुए है। सारिणी से स्पष्ट है कि लगभग 38% ग्रामीण क्षेत्र एवं लगभग 21% टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया में प्रवासित हैं जो सर्वाधिक भी है। सर्वाधिक होने के उपरोन्त भी नगरपालिका, मेट्रो एवं वाह्य विश्व के देशों में भी प्रवास की प्रवृति बढ़ी ही है।

ग्रामीण क्षेत्र में साक्षर, प्राथमिक स्तरीय, पूर्व माध्यमिक स्तरीय एवं शोध व अनुसंधान स्तरीय एक भी प्रवासी प्रवासित नहीं हैं फिर भी जिस शैक्षिक स्तर के प्रवासियों ने प्रवास किया है, सभी अपने शैक्षिक स्तर के वर्ग में सर्वाधिक है। समस्त स्व-वाह्य प्रवास में 11·21% स्नातक एवं 9·70% परास्नातक ग्रामीण क्षेत्र में ही प्रवासित हैं जो अपने शैक्षिक स्तर के वर्ग, अपने क्षेत्र के वर्ग, तुलनात्मक रूप से उच्च शैक्षिक स्तर के साथसाथ समस्त स्व-वाह्य प्रवास में सर्वाधिक हैं। जो नगर से ग्रामीण प्रवास को द्योतित करते हैं।

"विशिष्ट क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार वाह्य-प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC REGION-MIGRATION AND RELIGION

सारिणी संख्या - 5.8

विशिष्ट क्षेत्र/ विभिन्न धर्म	हिन्दू धर्म M+F=T (%)	इस्लाम धर्म M+F=T (%)	सिक्ख धर्म M+F=T (%)	ईसाई धर्म M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर से 10 कि0मी0 क्षेत्र में वाह्य प्रवास	3+ 0= 3(0.91) 1.08 100.00	-	-	-	3+ 0= 3(0.91) - 100.00
उसी जिले में	5+ 8= 13(3.93) 4.68 100.00	-	-	-	5+ 8= 13(3.91) - 100.00
संलग्न जिलों में	44+ 8= 52(15.75) 18.71 91.22	1+0= 1(0.31) 3.22 1.75	1+1= 2(0.61) 18.19 3.51	2+0= 2(0.61) 20.00 3.51	48+ 9= 57(17.28) - 100.00
उसी प्रदेश में	99+ 0= 99(30.00) 35.61 0.87	7+0= 7(2.12) 22.59 6.14	4+0= 4(1.21) 36.37 3.51	4+0= 4(1.21) 40.00 3.51	114+ 0=114(34.54) - 100.00
अन्य राज्यों में	92+ 0= 92(27.88) 33.09 80.00	16+0=16(4.84) 51.61 13.91	3+0= 3(0.91) 27.78 2.61	4+0= 4(1.21) 40.00 3.48	115+ 0=115(34.84) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन	19+ 0= 19(5.75) 6.83 67.85	7+0= 7(2.12) 22.59 25.00	2+0= 2(0.61) 18.19 7.14	-	28+ 0= 28(8.49) - 100.00
योग	262+16=278(84.24) 100.00	31+0=31(9.31) 100.00	10+1=11(3.33) 10.00	10+0=10(3.31) 100.00	313+17=330(100.00) 100.00

विशिष्ट-प्रवास-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार स्व-वाह्य-प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND RELIGION)

सारिणी संख्या 5.8 में विशिष्ट-प्रवास क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

समस्त 330 (313 पुरूष एवं 17 महिलायें) स्व-वाह्य प्रवासियों में हिन्दू धर्म के 84.24%, इस्लाम धर्म के 9.31%, सिख धर्म के 3.33% एवं ईसाई धर्म के 3.31% स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

सर्वाधिक स्व-वाह्य प्रवासियों में हिन्दू सर्वाधिक हैं और विशिष्ट क्षेत्रानुसार सर्वाधिक लोग लगभग समान रूप से प्रदेश के अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों में प्रवासित हैं।

सारिणी से यह तथ्य स्पष्ट होता है कि हिन्दुओं में प्रदेश के अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों में प्रवास प्रवृत्ति अधिक है; लेकिन अन्य जनपदों में इनकी प्रवास प्रवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक है। इस्लाम धर्म के प्रवासियों ने अन्य राज्यों को, सिख धर्म के प्रवासियों ने प्रदेश के अन्य जनपदों को एवं ईसाई धर्म के प्रवासियों ने प्रदेश के अन्य जनपदों एवं अन्य राज्यों को समान महत्व दिया है। विश्व के अन्य देशों में प्रवासित लोगों में सर्वाधिक हिन्दू एवं इस्लाम धर्म के प्रवासी हैं। दस किमी एवं इलाहाबाद जनपद में प्रवासित लोगों में शत प्रतिशत हिन्दू हैं और किसी भी धर्म के लोगों ने इन क्षेत्रों में प्रवास नहीं किया है।

"विशिष्ट-क्षेत्र एवं हिन्दू-जाति के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC REGION OF MIGRATION AND CASTE)

सारिणी संख्या - 5·9

वाह्य प्रवास के विशिष्ट क्षेत्र/ विभिन्न हिन्दू जाति	ब्राह्मण M+F=T (%)	क्षत्रिय M+F=T (%)	वैश्य M+F=T (%)	कायस्थ M+F=T (%)	कर्मकारक जाति M+F=T (%)	अनुसूचित जाति M+F=T (%)	पिछड़ी जाति M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर से 10 कि. मी. क्षेत्र में वाह्य प्रवास	1+0= 1(0.36) 1.05 33.33	1+ 0= 1(0.36) 3.23 33.33	1+0= 1(0.36) 2.38 33.33	-	-	-	-	3+ 0= 3(1.08) - 100.00
नगर से उसी जिले में वाह्य प्रवास	3+0= 3(1.08) 3.16 23.08	0+ 3= 3(1.08) 9.68 23.08	1+2= 3(1.08) 7.14 23.08	1+0= 1(0.36) 1.43 7.69	-	-	0+3= 3(1.08) 12.50 23.08	5+ 8= 13(4.68) - 100.00
नगर से संलग्न जिलों में वाह्य प्रवास	23+0=23(8.27) 24.21 44.23	3+ 7=10(3.60) 32.26 19.23	8+1= 9(3.24) 21.43 17.31	5+0= 5(1.80) 7.14 9.62	2+0= 2(0.72) 18.18 1.92	-	3+0= 3(1.08) 12.50 5.77	44+ 8= 52(18.71) - 100.00
नगर से उसी प्रदेश में वाह्य प्रवास	58+0=58(13.67) 40.00 38.38	5+ 0= 5(1.80) 16.13 5.05	14+0=14(5.04) 33.33 14.14	30+0=30(10.79) 42.86 30.30	2+0= 2(0.72) 18.18 2.02	2+0=2(0.72) 40.00 2.02	8+0= 8(2.88) 33.33 8.08	99+ 0= 99(35.61) - 100.00
नगर से अन्य राज्यों में वाह्य प्रवास	28+0=28(10.07) 29.47 30.43	12+0= 12(4.32) 38.71 13.04	12+0=12(4.32) 28.57 13.04	20+0=20(7.19) 28.57 21.74	7+0= 7(2.52) 63.64 7.61	3+0=3(1.08) 60.00 3.26	10+0=10(3.60) 41.67 10.87	92+ 0= 92(33.09) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन	2+0= 2(0.72) 2.11 10.53	-	3+0= 3(1.08) 7.14 15.79	14+0=14(5.04) 20.00 73.68	-	-	-	19+ 0= 19(6.83) - 100.00
योग	95+0=95(34.17) 100.00	21+10=31(11.15) 100.00	39+3=42(15.11) 100.00	70+0=70(25.18) 100.00	11+0=11(3.96) 100.00	5+0=5(1.80) 100.00	21+3=24(8.63) 100.00	262+16=278(100.00) 100.00

विशिष्ट-प्रवास क्षेत्र एवं जाति के अनुसार स्व-वाह्य-प्रवासियों का वितरण
(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND CASTE)

सारिणी संख्या 5·9 में विशिष्ट-प्रवास-क्षेत्र एवं जाति के अनुसार स्व-वाह्य-प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के सर्वेक्षण के अनुसार समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों में 278 हिन्दू हैं जिसमें 262 पुरुष एवं शेष 16 महिलायें हैं। समस्त हिन्दू प्रवासियों को उनके जातियों के अनुसार विभाजित करने पर यह तथ्य पाया गया कि, ब्राह्मण 95 (34·17%), क्षत्रिय 31 (11·15%), वैश्य 42 (15·11%), कायस्थ 70 (25·18%), कर्मकारक जाति 11 (3·96%), अनुसूचित जाति 5 (1·8%), एवं पिछड़ी जाति के 24 (8·63%) स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

स्पष्ट है कि ब्राह्मण, वैश्य, एवं कायस्थ जाति के वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक लोगों ने प्रदेश के अन्य जनपदों में प्रवास किया है, इनका समस्त स्व-वाह्य-प्रवास में प्रतिशत अनुपात लगभग 30% है। जबकि क्षत्रिय, कर्मकारक जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के सर्वाधिक लोगों ने अन्य राज्यों में प्रवास किया है। जिनका समस्त स्व-वाह्य प्रवास में प्रतिशत अनुपात मात्र 12% है। इस जाति के सर्वाधिक प्रवासियों ने प्रवास की अधिक दूरी तय की है जबकि ब्राह्मण, कायस्थ, एवं वैश्य जाति के सर्वाधिक प्रवासी प्रदेश के अन्य जिलों में ही सीमित रहे। लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं कि अन्य जातियों की अपेक्षा ये जाति अधिक दूरी में प्रवास स्वीकार नहीं करती। सारिणी से स्पष्ट है कि इन्हीं ब्राह्मण, वैश्य एवं कायस्थ जाति के लगभग 23% प्रवासियों ने अन्य राज्यों में प्रवास

किया है जो लगभग दुगुना अनुपात है। इस किमी के क्षेत्र, इलाहाबाद जनपद के क्षेत्र में स्पष्ट रूप से नहीं लेकिन संलग्न जनपदों, प्रदेश के अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों के प्रवासियों में सर्वाधिक ब्राह्मण हैं जिनका समस्त स्व-वाह्य प्रवास में अनुपात लगभग 32% है। इसी क्षेत्र के प्रवासियों में कायस्थ प्रवासी लगभग 20% हैं। विश्व के अन्य देशों में प्रवासित लगभग 32% है। इसी क्षेत्र के प्रवासियों में कायस्थ प्रवासी लगभग 20% हैं। विश्व के अन्य देशों में प्रवासित व्यक्तियों में सर्वाधिक 14 (74%) वाह्य प्रवासी कायस्थ जाति के हैं इसके बाद वैश्य एवं ब्राह्मण हैं। महिलाओं में अधिकांशतः लोगों ने इलाहाबादजिले एवं संलग्न जिलों में प्रवास किया है जो उनकी सीमित प्रवास क्षेत्र के विचारों को स्पष्ट करता है।

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND AGE-GROUP)

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण सारिणी संख्या 6·0 में प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों में 313 पुरूष एवं शेष 17 महिलायें हैं। जिनका आयु-संगठन इस प्रकार है - 0-4 एवं 5-9 आयु वर्ग के शून्य, 10-19 आयु-वर्ग के 62 (18·8%), 20-29 आयु-वर्ग के 187 (57·3%), 30-39 आयु-वर्ग के 38 (11·51%), 40-49 आयु-वर्ग के 17 (5·15%), 50-59

विशिष्ट-प्रवास-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

विशिष्ट वाह्य प्रवास क्षेत्र/आयुवर्ग	0-9 आयु वर्ग M+F=T (%)	10-19 आयु वर्ग M+F=T (%)	20-29 आयु वर्ग M+F=T (%)	30-39 आयु वर्ग M+F=T (%)	40-49 आयु वर्ग M+F=T (%)	50-59 आयु वर्ग M+F=T (%)	60 + आयु वर्ग M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर से 10 कि०मी० क्षेत्र में वाह्य प्रवास		-	1+0= 1(0.31) 0.53 33.33	2+0= 2(0.61) 6.26 66.67	-	-	-	3+ 0= 3(0.91) - 100.00
इलाहाबाद जिले में ही वाह्य प्रवास		1+2= 3(0.91) 4.84 23.07,	3+4= 7(2.12) 3.70 53.84	1+0= 1(0.31) 2.63 7.69	0+2= 2(0.61) 11.76 15.38	-	-	5+ 8= 13(3.93) - 100.00
संलग्न जिलों में वाह्य प्रवास		28+0=28(8.50) 45.16 49.12	10+3= 13(3.93) 6.88 22.81	6+0= 6(1.81) 15.79 10.53	1+0= 1(0.31) 5.88 1.75	0+1= 1(0.31) 7.14 1.75	3+5=8(2.42) 80.00 14.04	48+ 9= 57(17.30) - 100.00
प्रदेश में ही वाह्य प्रवास		19+0=19(5.75) 30.65 16.66	73+0= 73(22.12) 38.62 64.04	11+0=11(3.33) 28.95 9.65	3+0= 3(0.91) 17.65 2.63	7+0= 7(2.12) 50.00 6.14	1+0=1(0.31) 10.00 0.88	114+ 0=114(34.54) -
अन्य राज्यों में वाह्य प्रवास		12+0=12(3.63) 19.35 10.43	88+0= 88(26.70) 46.56 76.52	5+0= 5(1.51) 13.16 4.35	3+0= 3(0.91) 17.65 2.61	6+0= 6(1.81) 42.86 5.21	1+0=1(0.31) 10.00 0.87	115+ 0=115(34.90) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन		-	7+0= 7(2.12) 3.70 25.00	13+0=13(3.10) 34.21 46.43	8+0= 8(2.42) 47.06 28.57	-	-	28+ 0= 28(8.50) -
योग		60+2=62(18.80) 100.00	182+7=189(57.30) 100.00	38+0=38(11.51) 100.00	15+2=17(5.15) 100.00	13+1=14(4.24) 100.00	5+5=10(3.10) 100.00	313+17=330(100.00 100.00

आयु-वर्ग के 14 (9·29%), 60 एवं अधिक आयु के 10(3·1%) स्व-वाह्य प्रवासी हैं। सारिणी से स्पष्ट है कि 20-29 आयु-वर्ग के वाह्य प्रवासी सर्वाधिक हैं।

विभिन्न आयु-वर्ग के स्व-वाह्य प्रवासियों को उनके विशिष्ट प्रवास क्षेत्र के अनुसार देखने पर यह बात स्पष्ट होती है कि कम आयु के लोगों में वाह्य प्रवास की प्रवृत्ति शून्य होती है, फलत: किसी भी विशिष्ट क्षेत्र में किसी ने वाह्य-प्रवास नहीं किया है। आयु के बढ़ने के साथ प्रवास प्रवृति अवश्य बढ़ती है।

स्व-वाह्य प्रवासियों के आयु-संगठन से यह तथ्य स्पष्ट होता है कि आयु के प्रथम चरण में न्यून प्रवास प्रवृति, द्वितीय चरण में अति तीव्र प्रवास प्रवृति एवं तृतीय चरण में तीव्र रूप से प्रवास की ह्रास-प्रवृति दृष्टिगोचर होती है। यह द्वितीय चरणनवयुवकों एवं नवयुवतियों का होता है। इनमें समाज एवं देश के प्रति बढ़ती जिम्मेदारी, जागरूकता, एवं जीवन में कुछ कर दिखाने की असीम इच्छा, अदम्य उत्साह एवं साहस होता है। सारिणी से यह बात स्पष्ट है कि स्व-वाह्य प्रवास के सभी पुरूषों एवं महिलाओं में इस आयु-वर्ग के सर्वाधिक महिलाओं एवं पुरूषों ने वाह्य-प्रवास किया। प्रवास क्षेत्र के प्रत्येक विस्तार को स्वीकार किया चाहे प्रदेश के जनपदों की बात हो, अन्य राज्यों की अथवा विश्व के अन्य देशों की, हर जगह प्रवास प्रवृति सर्वाधिक दिखायी पड़ी।

तालिका संख्या - 6·1

"विशिष्ट प्रवास एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC REGION OF MIGRATION & EDUCATION-LEVEL)

विशिष्ट क्षेत्र/शैक्षिक स्तर	अशिक्षित वाह्य-प्रवासी M+F=T (%)	साक्षर M+F=T (%)	प्राथमिक स्तरीय M+F=T (%)	पूर्वमाध्यमिक स्तरीय M+F=T (%)	माध्यमिक स्तरीय M+F=T (%)	स्नातक M+F=T (%)	परास्नातक M+F=T (%)	शोध एवं अनुसंधान स्तरीय M+F=T (%)	तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय M+F=T (%)	तकनीकि डिग्री स्तरीय M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
10 कि.मी. के क्षेत्र में वाह्य प्रवास	1+0= 1(0.30) 10.00 33.33	2+0=2(0.60) 50.00 66.67	-	-	-	-	-	-	-	-	3+0= 3(0.91) - 100.00
झला० जिले में	1+2= 3(0.90) 30.00 23.67	1+1=2(0.60) 50.00 15.38	1+0=1(0.30) 100.00 7.69	-	1+1= 2(0.61) 2.90 15.38	-	1+2= 3(0.91) 4.62 23.07	0+2= 2(0.61) 7.41 15.39	-	-	5+8= 13(3.94) - 100.00
संलग्न जिलों में	4+2= 6(1.82) 60.00 10.53	-	-	16+0=16(4.85) 55.17 28.07	12+0=12(3.64) 17.39 21.05	13+1=14(4.24) 18.92 24.56	2+3= 5(1.61) 7.69 8.77	-	-	1+3= 4(1.21) 13.33 7.01	48+9= 57(16.3[illegible]) - 100.00
प्रदेश के अन्य जिलों में	-	-	-	8+0= 8(2.42) 27.59 7.02	38+0=38(11.52) 55.07 33.33	28+0=28(8.48) 37.84 24.56	21+0=21(6.36) 32.31 18.42	8+0= 8(2.42) 29.65 7.02	7+0= 7(2.12) 23.33 6.14	4+0= 4(1.21) 13.33 3.51	114+0=114(34.55) - 100.00
अन्य राज्यों में	-	-	-	5+0= 5(1.51) 17.24 4.35	14+0=14(4.24) 20.29 12.17	27+0=27(8.18) 35.49 23.48	30+0=30(9.09) 46.15 26.09	6+0= 6(1.82) 22.22 5.22	13+0=13(3.94) 61.90 11.30	20+0=20(6.06) 66.67 17.39	115+0=115(34.94) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन	-	-	-	-	3+0= 3(0.91) 4.35 10.70	5+0= 5(1.51) 6.76 17.86	6+0= 6(1.82) 9.23 21.45	11+0=11(3.33) 40.74 39.28	1+0= 1(0.30) 4.76 3.57	2+0= 2(0.61) 6.67 7.14	28+0= 28([illegible]) - 100.00
योग	6+4=10(3.03) 100.00	3+1=4(1.21) 100.00	1+0=1(0.30) 100.00	29+0=29(8.79) 100.00	68+1=69(20.90) 100.00	73+1=74(22.42) 100.00	60+5=65(19.70) 100.00	25+2=27(8.18) 100.00	21+0=21(6.36) 100.00	27+3=30(9.09) 100.00	31[illegible]+1[illegible]=330(100) 100.00

विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं प्रवासियों के शैक्षिक स्तर के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND EDUCATION-LEVEL)

सारिणी संख्या 6·1 में विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं प्रवासियों के शैक्षिक स्तर के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों का शैक्षिक-स्तर इस प्रकार है - अशिक्षित 3·03%, साक्षर 1·21%, प्राथमिक स्तरीय 0·30%, पूर्व माध्यमिक स्तरीय 8·79%, माध्यमिक स्तरीय 20·90%, स्नातक 22·42%, परास्नातक 19·70%, शोध व अनुसंधान स्तरीय 8·18%, तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 6·36% एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 9·09% स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

विशिष्ट प्रवास क्षेत्र एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार सारिणी से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक स्व-वाह्य प्रवासी स्नातक स्तर माध्यमिक स्तर एवं परास्नातक स्तर के हैं। सर्वाधिक शिक्षित शोध व अनुसंधान स्तरीय वाह्य प्रवासी भी महत्वपूर्ण हैं। इन सभी स्तर के वाह्य प्रवासियों में माध्यमिक स्तर के 38 (11·52%), प्रदेश के अन्य जनपदों में, परास्नातक स्तर के 30 (9·09%), अन्य राज्यों में एवं 28(8·48%), प्रदेश के अन्य जनपदों में प्रवासित हैं। समस्त वाह्य-प्रवासियों में सर्वाधिक 34·84% देश के अन्य राज्यों में प्रवासित व्यक्ति हैं। प्रदेश के अन्य जनपदों में प्रवासित व्यक्ति लगभग बराबर 34·55% प्रवासित हैं।

सर्वेक्षण से यह तथ्य स्पष्ट होता है कि अशिक्षित साक्षर एवं प्राथमिक स्तरीय वाह्य प्रवासियों में सन्निकट क्षेत्रों में प्रवास गतिविधि सर्वाधिक रही लेकिन सामान्य शैक्षिक स्तरीय एवं उच्च शैक्षिक स्तरीय वाह्य प्रवासियों में दूरस्थ क्षेत्रों में प्रवास गतिविधि सर्वाधिक रही। फलतः अन्य राज्यों एवं प्रदेश के अन्य जनपदों में सर्वाधिक प्रवास गतिविधियाँ दिखाई पड़ी। विश्व के अन्य देशों में उच्च शैक्षिक स्तरीय व्यक्तियों ने वाह्य प्रवास अधिक किया। समस्त 17 महिला वाह्य प्रवास से यह तथ्य स्पष्ट होता है कि महिलाओं में सर्वाधिक प्रवास गतिविधियाँ सन्निकट क्षेत्रों में अधिक हुआ करती हैं। सारिणी से स्पष्ट है कि दस किमी क्षेत्र में अशिक्षितों एवं साक्षरों ने तथा जनपद के अन्य भागों में मात्र अशिक्षितों, साक्षरों एवं प्राथमिक स्तर के लोगों ने ही प्रवास किया है।

प्रवास-क्षेत्र एवं विशिष्ट-प्रवास-क्षेत्र के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO MIGRATION REGION AND SPECIFIC MIGRATION REGION)

सारिणी संख्या 6·2 में प्रवास-क्षेत्र एवं विशिष्ट-प्रवास-क्षेत्र के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों में विभिन्न सामान्य क्षेत्रों के वाह्य प्रवासियों की संख्या एवं प्रतिशत इस प्रकार है -

सारिणी संख्या- 6.2

"क्षेत्र एवं विशिष्ट क्षेत्रों के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO REGION AND SPECIFIC REGION)

विशिष्ट प्रवास क्षेत्र / प्रवास क्षेत्र	इलाहाबाद नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में वाह्य प्रवास M+F=T (%)	टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया में वाह्य प्रवास M+F=T (%)	नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्रों में वाह्य प्रवास M+F=T (%)	मेट्रोपोलिटिन क्षेत्रों में वाह्य प्रवास M+F=T (%)	अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर से 10 कि0मी0 क्षेत्र में वाह्य प्रवास	2+0= 2(0.61) 1.61 66.67	1+ 0= 1(0.31) 1.45 33.33	-	-	-	3+ 0= 3(0.91) - 100.00
उसी जिले में	2+2= 4(1.21) 3.22 30.77	3+ 6= 9(2.72) 13.04 69.23	-	-	-	5+ 8= 13(3.93) - 100.00
संलग्न जिलों में	18+2= 20(6.06) 16.12 35.08	19+ 4=23(6.97) 33.34 40.35	11+3=14(4.24) 24.56 24.57	-	-	48+ 9= 57(17.28) - 100.00
उसी राज्य में	58+0= 58(17.58) 46.78 50.88	34+ 0=34(10.31) 49.28 29.82	22+0=22(6.67) 38.51 19.21	-	-	114+ 0=114(34.54) - 100.00
अन्य राज्यों में	40+0= 40(12.12) 32.25 34.79	2+ 0= 2(0.61) 2.81 1.73	21+0=21(6.37) 36.84 18.27	52+0=52(15.75) 100.00 54.21	-	115+ 0=115(34.84) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन	-	-	-	-	28+0=28(8.49) 100.00 100.00	28+ 0= 28(8.49) - 100.00
योग	120+4=124(37.58) 100.00	59+10=69(20.91) 100.00	54+3=57(17.28) 100.00	52+0=52(15.75) 100.00	28+0=28(8.49) 100.00	313+17=330(100.0) 100.00

इलाहाबाद नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में 37·58%, टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया में 20·91%, नगरपालिका व नगर महापालिका क्षेत्रों में 17·28%, मेट्रो महानगरों में 15·75% एवं विश्व के अन्य देशों में 8·49% लोगों ने वाह्य प्रवास किया है।

इन क्षेत्रों के विशिष्ट क्षेत्र में वाह्य प्रवासियों की वस्तु स्थिति इस प्रकार रही - इलाहाबाद नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवासित समस्त 124 वाह्य प्रवासियों में से - 10 किमी के क्षेत्र में 2 (1·61%), इलाहाबाद जिनपद में 4 (3·22%), संलग्न जनपदों में 20 (16·12%), उसी राज्य में 58 (46·78%), अन्य जनपदों में 40 (32·25%), एवं वाह्य विश्व में शून्य लोगों ने प्रवास किया है। लगभग 47% ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वाधिक लगभग 47% ने उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों (इलाहाबाद एवं उसके संलग्न जनपदों को छोड़कर) में प्रवास किया है। निम्नतम प्रवास ग्रामीण क्षेत्रों के दस किमी क्षेत्र में हुआ है।

शैक्षिक स्तर एवं धर्मानुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण .

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO EDUCATION-LEVEL AND RELIGION)

सारिणी संख्या 6·3 में शैक्षिक स्तर एवं धर्मानुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। सारिणी से स्पष्ट है कि समस्त 330

सारिणी संख्या - 6·3

"शैक्षिक स्तर एवं धर्म के अनुसार स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO EDUCATION-LEVEL AND RELIGION)

शैक्षिक स्तर/विभिन्न धर्म	हिन्दू धर्म M+F=T (%)	इस्लाम धर्म M+F=T (%)	सिक्ख धर्म M+F=T (%)	ईसाई धर्म M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
अशिक्षित	4+ 4= 8(2.42) 2.88 80.00	2+0= 2(0.61) 6.45 20.00	-	-	6+ 4= 10(3.03) - 100.00
साक्षर	2+ 1= 3(0.91) 1.08 75.00	1+0= 1(0.31) 3.22 25.00	-	-	3+ 1= 4(1.21) - 100.00
प्राथमिक स्तर	1+ 0= 1(0.31) 0.36 100.00	-	-	-	1+ 0= 1(0.31) - 100.00
पूर्वमाध्यमिक स्तर	22+ 0= 22(6.67) 7.91 75.87	4+0= 4(1.21) 12.91 13.71	3+0= 3(0.91) 27.28 10.34	-	29+ 0= 29(8.79) - 100.00
माध्यमिक स्तर	41+ 1= 42(12.72) 15.11 60.87	17+0=17(5.15) 54.84 24.63	4+0= 4(1.21) 36.37 5.71	6+0= 6(1.81) 60.00 8.61	68+ 1= 69(20.91) - 100.00
स्नातक	64+ 0= 64(19.31) 23.02 86.49	4+0= 4(1.21) 12.91 5.41	2+1= 3(0.91) 27.78 4.05	3+0= 3(0.91) 30.00 4.05	73+ 1= 74(22.42) - 100.00
परास्नातक	58+ 5= 63(19.09) 22.66 96.92	1+0= 1(0.31) 3.22 1.53	-	1+0= 1(0.31) 10.00 1.53	60+ 5= 65(19.61) - 100.00
शोध एवं अनुसंधान स्तर	25+ 2= 27(8.19) 9.71 100.00	-	-	-	25+ 2= 27(8.19) - 100.00
तकनीकि डिप्लोमा स्तर	19+ 0= 19(5.75) 6.83 90.48	1+0= 1(0.31) 3.22 4.77	1+0= 1(0.31) 9.09 4.77	-	21+ 0= 21(6.37) - 100.00
तकनीकि डिग्री स्तर	26+ 3= 29(8.79) 10.43 96.67	1+0= 1(0.31) 3.22 3.34	-	-	27+ 3= 30(9.09) -
योग	262+16=278(84.24) 100.00	31+0=31(9.31) 100.00	10+1=11(3.34) 100.00	10+0=10(3.03) 100.00	313+17=330(100.00) 100.00

वाह्य प्रवासियों में 278 (84·24%), हिन्दू, 31 (9·31%) मुसलमान, 11 (3·34%) सिख एवं 10 (3·03%), ईसाई स्व-वाह्य प्रवासी है। समस्त 330 प्रवासियों में 17 महिलायें हैं जिसमें 16 हिन्दू एवं शेष मात्र 1 सिख धर्म के वाह्य प्रवासी हैं।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक प्रवासी हिन्दू हैं। इस धर्म के सर्वाधिक प्रवासी 23·02% स्नातक हैं। सर्वाधिक शिक्षित शोध एवं अनुसंधान स्तरीय 9·71% हैं। समस्त स्व-वाह्य प्रवासियों का लगभग 4% प्राथमिक स्तर तक के हिन्दू हैं। 80% अन्य उच्च शैक्षिक स्तर के हिन्दू हैं। शेष 16% में अन्य तीनों धर्मों के प्रवासी हैं। स्नातक एवं परास्नातक लगभग समान अनुपात में हैं। प्रवास करने वाले अशिक्षितों में हिन्दू 80%, साक्षरों में 15%, प्राथमिक स्तर में शत-प्रतिशत, पूर्व माध्यमिक स्तर में 76%, माध्यमिक स्तर में 61%, स्नातकों में 87%, परास्नातकों में 97%, शोध अनुसंधान स्तर में शत-प्रतिशत, तकनीकि डिप्लोमा एवं डिग्री में क्रमशः 91 एवं 97% हिन्दू प्रवासी हैं।

हिन्दू धर्म के अतिरिक्त अन्य धर्मों की अपेक्षा इस्लाम धर्म के लोगों में प्रवास प्रवृत्ति अधिक दिखायी पड़ी जो लगभग हर शैक्षिक स्तर के हैं। सिख एवं ईसाई धर्म के निम्न एवं तकनीकि शैक्षिक स्तर के लोगों में प्रवास प्रवृत्ति लगभग शून्य एवं माध्यमिक व स्नातक स्तर में अपेक्षाकृत अधिक दिखायी पड़ी।

सारिणी संख्या - 6.4

"शैक्षिक-स्तर एवं जाति के अनुसार स्व-बाह्य प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF SELF-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO EDUCATION-LEVEL AND CASTE)

शैक्षिक स्तर/ विभिन्न जाति	ब्राह्मण M+F=T (%)	क्षत्रिय M+F=T (%)	वैश्य M+F=T (%)	कायस्थ M+F=T (%)	कर्मकारक जाति M+F=T (%)	अनुसूचित जाति M+F=T (%)	पिछड़ी जाति M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
अशिक्षित	-	1+3= 4(1.43) 12.91 50.00	-	-	1+0= 1(0.35) 9.09 12.50	-	2+1= 3(1.07) 12.50 37.50	4+ 4= 8(2.88) - 100.00
साक्षर	-	1+0= 1(0.35) 3.22 33.34	-	-	-	1+0=1(0.35) 20.00 33.34	0+1= 1(0.35) 4.17 33.34	2+ 1= 3(1.07) - 100.00
प्राथमिक स्तर	-	-	-	-	1+0= 1(0.35) 9.09 100.00	-	-	1+ 0= 1(0.35) - 100.00
पूर्व माध्यमिक स्तर	5+0= 5(1.71) 5.27 22.72	2+0= 2(0.71) 6.45 9.09	2+0= 2(0.71) 4.77 9.09	-	6+0= 6(2.15) 54.55 27.28	2+0=2(0.71) 40.00 9.09	5+0= 5(1.71) 20.83 22.72	22+ 0= 22(7.91) - 100.00
माध्यमिक स्तर	15+0=15(5.31) 15.79 35.71	4+0= 4(1.43) 12.91 9.52	3+0= 3(1.07) 7.14 7.14	11+0=11(3.95) 15.71 26.11	2+0= 2(0.71) 18.19 4.77	2+0=2(0.71) 40.00 4.77	4+1= 5(1.71) 20.83 11.91	41+ 1= 42(15.10) - 100.00
स्नातक	28+0=28(10.07) 29.48 43.75	7+0= 7(2.51) 22.59 10.93	5+0= 5(1.71) 11.91 7.81	17+0=17(6.11) 24.29 26.57	1+0= 1(0.35) 9.09 1.57	-	6+0= 6(2.15) 25.00 9.37	64+ 0= 64(23.02) - 100.00
परास्नातक	27+0=27(9.71) 28.42 42.85	4+3= 7(2.51) 22.59 11.12	9+2=11(3.95) 26.11 17.47	14+0=14(5.03) 20.00 22.23	-	-	4+0= 4(1.43) 16.67 6.35	58+ 5= 63(22.67) - 100.00
शोध एवं अनुसंधान स्तर	7+0= 7(2.51) 7.37 25.92	1+2= 3(1.07) 9.68 11.12	8+0= 8(2.88) 19.04 29.63	9+0= 9(3.23) 12.85 33.34	-	-	-	25+ 2= 27(9.71) - 100.00
तकनीकि डिप-लोमा स्तर	5+0= 5(1.71) 5.27 26.31	-	7+0= 7(2.51) 16.67 36.84	7+0= 7(2.51) 10.00 36.84	-	-	-	19+ 0= 19(6.83) - 100.00
तकनीकि डिग्री स्तर	8+0= 8(2.88) 8.42 27.59	1+2= 3(1.07) 9.68 10.34	5+1= 6(2.15) 14.29 20.69	12+0=12(4.31) 17.14 41.38	-	-	-	26+ 3= 29(10.43) - 100.00
योग	95+0=95(34.17) 100.00	21+10=31(11.15) 100.00	39+3=42(15.10) 100.00	70+0=70(25.17) 100.00	11+0=11(3.95) 100.00	5+0=5(1.71) 100.00	21+3=24(8.63) 100.00	262+16=278(100.00) 100.00

शैक्षिक-स्तर एवं जाति के अनुसार इलाहाबाद नगर के स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF SELF OUT-MIGRANTS ACCORDING TO EDUCATION-LEVEL AND CASTE)

सारिणी संख्या 6·4 में शैक्षिक स्तर एवं जाति के अनुसार इलाहाबाद नगर के स्व-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

न्यादर्श के समस्त 330 स्व-वाह्य प्रवासियों में 278 हिन्दू (262 पुरुष एवं शेष 16 महिला प्रवासी) हैं जिनका उनके जातियों के अनुसार वितरण करने पर यह पाया गया कि ब्राह्मण 95 (34·17%), क्षत्रिय 31 (11·15%), वैश्य 42 (15·10%), कायस्थ 70 (25·17%), कर्मकारक जाति 11 (3·95%), अनुसूचित जाति 5 (1·71%) एवं पिछड़ी जाति के 24 (8·63%) स्व-वाह्य प्रवासी हैं।

सर्वेक्षण में यह पाया गया कि ब्राह्मण, वैश्य एवं कायस्थ जाति के वाह्य प्रवासियों में निम्नतम शैक्षिक स्तर पूर्व माध्यमिक है। क्षत्रियों में निम्न शैक्षिक स्तर के भी व्यक्ति हैं। लेकिन कर्मकारक, अनुसूचित एवं पिछड़ी जाति के प्रवासियों में उच्चतम शैक्षिक स्तर परास्नातक है लेकिन इसमें मात्र पिछड़ी जाति के ही परास्नातक हैं।

विभिन्न शैक्षिक स्तरीय प्रवासियों का उनके जाति के अनुसार देखने पर यह पाया गया कि अशिक्षितों में सर्वाधिक 4 (50%) क्षत्रिय प्रवासी हैं। साक्षर प्रवासियों में क्षत्रिय, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जाति के प्रवासी हैं। प्राथमिक स्तर के प्रवासियों में मात्र 1 लेकिन

शत प्रतिशत प्रवासी कर्मकारक जाति के, पूर्व माध्यमिक स्तरीय प्रवासियों में 6 (54.55%), कर्मकारक जाति के, माध्यमिक, स्नातक एवं परास्नातक प्रवासियों में सर्वाधिक ब्राह्मण प्रवासी हैं। शोध अनुसंधान स्तरीय, तकनीकि डिप्लोमा एवं डिग्री स्तर के सर्वाधिक प्रवासी कायस्थ जाति के हैं।

इस प्रकार विभिन्न जातियों के प्रवास निर्धारण में शिक्षा विशिष्ट भूमिका प्रदर्शित करती है।

सह-अंत:-प्रवास

सह-अंत:-प्रवास के विभिन्न कारणों के अनुसार सह-अंत:-प्रवास

(ACCOMPANIED IN-MIGRATION ACCORDING TO CAUSES OF ACCOMPANIED IN-MIGRATION)

सारिणी संख्या 6·5 में सह-प्रवास के कारणों के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। प्रवास में कारण स्वयमेव निहित होते हैं। इसदृष्टिकोण के अन्तर्गत कारणों के अनुसार अन्त: प्रवास अध्ययन में सह-अंत: प्रवास को पृथक रूप से स्पष्ट किया गया है। यद्यपि सह-अन्त: प्रवास स्वमेव एक कारण है, लेकिन यह दो आश्रित चरों से युक्त है। एक है - संरक्षक के साथ सह-अन्त: प्रवास एवं दूसरा है - वैवाहिक सह-अन्त: प्रवास। न्यादर्श के अनुसार इलाहाबाद नगर में संरक्षक-सह-अन्त: प्रवासी 989 हैं, जो समस्त सह-अंत: प्रवासियों (1722) का 57·43% है। इसमें पुरूष-सह-अन्त:-प्रवासी 393 (22·82%), एवं महिला सह-अन्त: प्रवासी 596 (34·61%) है।

इसकारक को तीन उपकारकों में भी विभाजित किया गया है। पिता के साथ अन्त:प्रवास, भाई के साथ अन्त: प्रवास एवं अन्य के साथ अन्त:प्रवास। पुरूष वर्ग में पिता सह-अन्त: प्रवासी 6·04%, भाई-सह 4·3%, एवं अन्य-सह 12·49% अन्त: प्रवासी हैं। महिला वर्ग में पिता सह अन्त: प्रवासी 10·22%, भाई-सह 0·52%, एवं

सारिणी संख्या - 6·5

प्रवास कारणों के अनुसार सह-अंत: प्रवास

(ACCOMPANIED-IN-MIGRATION ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION)

सह-अंत:प्रवास का कारण	पुरूष (संख्या एवं %)	महिलायें (संख्या एवं %)	योग (संख्या एवं %)
1- संरक्षक सह-अंत: प्रवास	393 22·82	596 34·61	989 57·43
अ- पितासह	104 6·04	176 10·22	280 16·26
ब- भ्रात-सह	74 4·30	9 0·52	83 4·82
स- अन्य-सह	215 12·49	411 23·86	626 36·35
2- वैवाहिक अंत:-प्रवास	5 0·29	728 42·27	733 42·57
योग	398 23·11	1324 76·89	1722 100·00

1- संरक्षक-सह-अंतः प्रवास
22.82
34.61
57.43
अ- पिता-सह-अंतः प्रवास
6.04
10.22
16.26
ब- भाई-सह
4.30
4.82
0.52
स- अन्य-सह
12.49
23.86
36.35
2- वैवाहिक-सह अंतः प्रवास
0.20
42.27
42.57
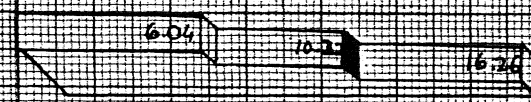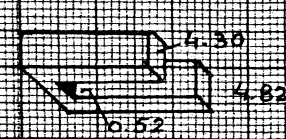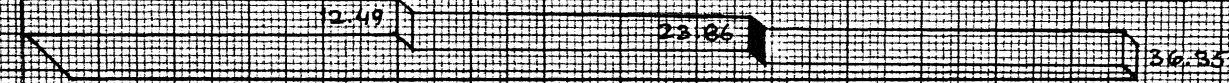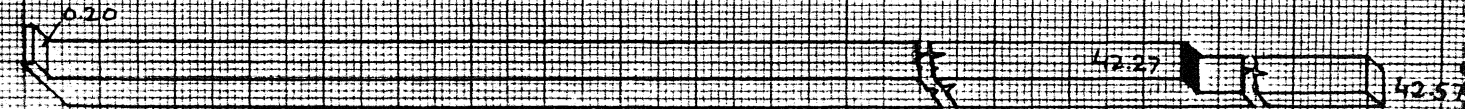
अन्य-सह-अंत: प्रवासी 23·86% है। पुरुषों एवं महिलाओं को एक साथ देखने पर पिता के साथ के अन्त: प्रवासी 16·26%, भाई के साथ 4·82% एवं अन्य सह 36·35% अन्त: प्रवासी है।

संरक्षक के साथ के अन्त: प्रवासियों में महिलायें प्रमुख हैं। कुल सह-अन्त: प्रवासियों का 34·61% महिलायें ही हैं, जो पुरुष सह-अंत: प्रवासियों से 11·79% अधिक हैं। पुरुष सह-अंत: प्रवासियों में पुत्र, भाई, पिता आदिआते हैं जबकि महिला अन्त: प्रवासियों में पुत्री, बहन, माँ, आदि के साथ पत्नी भी आती हैं और यही कारण है कि महिला सह-अन्त: प्रवासी सर्वाधिक हैं। यह बात हम उपकारकों को लेकर देखें तो अधिक स्पष्ट होती है। पिता के साथ 10·22%, भाई के साथ 0·52% महिलाओं ने अन्त: प्रवास किया जबकि अन्य लोगों के साथ 23·86% ने अन्त: प्रवास किया है और इस वर्ग में पति के साथ अन्त: प्रवास का कारण निहित है, जो कि अन्य दो उपकारकों से 13·09% अधिक हैं। दोनों वर्गों को समग्र रूप से देखने पर स्पष्ट है कि अन्य सह-अन्त: प्रवासी, पिता एवं भाई सह-अन्त: प्रवासियों से 15·27% अधिक हैं।

वैवाहिक कारण अपने आप में अति महत्वपूर्ण है क्योंकि संस्कृति का विनिमय भी इसी आधार पर होता है। यह कारक स्वतंत्र रूप न होकर आश्रित पर है क्योंकि लड़कियाँ विवाह के बाद अपने पितृगृह से

पतिगृह ले जायी जाती है। यद्यपि यह बात पुरूषों के लिए भी कही जा सकती है, लेकिन हमारे समाज में विवाह के अनन्तर वर के गृह वधू जाती है, न कि वधू के गृह वर। फिर भी न्यादर्श में यह बात देखने को आयी कि 0·29% पुरूष स्वयं ही वधू के गृह बस गये, इसके पीछे कारण कुछ भी हो सकता है। 42·57% वैवाहिक-सह-अन्त: प्रवासियों में मात्र 0·29% पुरूष एवं शेष 42·27% (728) महिला सह-अंत: प्रवासी हैं।

"धर्म एवं प्रवास कारणों के अनुसार
सह-अन्त: प्रवासियों का वितरण"

DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED-IN-MIGRANTS ACCORDING TO RELIGION & CAUSES OF MIGRATION

सारिणी संख्या - 6·6

धर्म/कारण	संरक्षक के अन्त: प्रवास के कारण सह प्रवास	वैवाहिक कारणों से सह प्रवास	योग
	M+F=T (%)	(M+F=T (%)	M+F=T (%)
हिन्दू	364+562=926(93.63) 53.77 59.59	4+624=628(85·68) 36.47 40.41	368+1186=1554(90.24) - 100.00
इस्लाम	16+ 11= 27(2.73) 1.57 26.73	1+ 73= 74(10.09) 4.29 73.27	17+ 84= 101(5.87) - 100.00
सिक्ख	4+ 13= 17(1.72) 0.99 39.53	0+ 26= 26(3.55) 1.51 60.47	4+ 39= 43(2.49) - 100.00
ईसाई	9+ 10= 19(1.92) 1.10 79.17	0+ 5= 5(0.68) 0.29 20.83	9+ 15= 24(1.39) - 100.00
योग	393+596=989(57.43) 100.00	5+728=733(42.57) 100.00	398+1324=1722(100%) 100.00

अंत: प्रवास कारण एवं धर्म के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied In-migrants According to Causes of In-migration and Religion)

सारिणी संख्या 6·6 में अंत: प्रवास कारण एवं धर्म के अनुसार सह-अंत प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के सह-अंत: प्रवास में 1722 सह-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें 398 पुरूष एवं शेष 1324 महिलायें हैं।

समस्त सह-अंत: प्रवासियों में हिन्दू अंत: प्रवासी 1554 (90·24%) हैं, जिसमें 368 पुरूष एवं 1186 महिलायें हैं। इसमें संरक्षक सह-अंत: प्रवासी (59·59%) एवं वैवाहिक अंत: प्रवासी 628 (40·41%) हैं। स्पष्ट है कि हिन्दू अंत: प्रवासियों में संरक्षक के साथ सह-अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं। इसमें महिलायें अपेक्षकृत अधिक हैं, लेकिन लैंगिक अंत: प्रवास के अनुसार संरक्षक सह-प्रवास की अपेक्षा वैवाहिक प्रवास में महिलायें अधिक हैं। समस्त सह-अंत: प्रवास में मुसलमान 5·87% हैं। मुसलमानों में संरक्षक सह-प्रवास की अपेक्षा वैवाहिक अंत: प्रवास अपेक्षाकृत अधिक हैं। इसमें महिलायें अधिक हैं, जो स्वाभाविक हैं। संरक्षक सह-प्रवास में पुरूष वर्ग अधिक है। सिख सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक सह-प्रवासियों की अपेक्षा वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं। लैंगिक अन्त: प्रवास के अनुसार भी दोनों में महिलायें ही अधिक हैं।

ईसाई सह-अंत: प्रवासियों में वैवाहिक की अपेक्षा संरक्षक सह-प्रवासी सर्वाधिक हैं। लैंगिक अन्त: प्रवास के अनुसार दोनों वर्गों में महिलायें ही अधिक हैं।

इस प्रकार सारिणी में यह पाया गया कि हिन्दू सह-अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं, जो संरक्षक के साथ सह-प्रवास एवं वैवाहिक अंत: प्रवास दोनों में अधिक हैं। मुसलमान एवं सिखों में वैवाहिक तथा ईसाइयों में संरक्षक सह-प्रवासी सर्वाधिक हैं।

अंत:प्रवास कारण एवं जाति के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied In-Migrants According to Causes of In-migration and Caste)

सारिणी संख्या 6·7 में प्रवास कारण एवं हिन्दू जाति के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 1554 सह-अंत: प्रवासी हैं - जिसमें 368 पुरुष एवं 1186 महिलायें हैं।

समस्त सह-अंत: प्रवास में ब्राह्मण 613 {39·45%} हैं। सह-प्रवास कारणों के अनुसार विभक्त करने पर संरक्षक के अंत: प्रवास के कारण सह-अंत: प्रवासियों की संख्या 65·74% एवं वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी 34·26% है। जो समस्त सह अंत: प्रवास का क्रमश: 25·93% एवं 13·51% है। 158{10·17%} क्षत्रिय सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक सह-अंत: प्रवासी 119 तथा वैवाहिक अंत: प्रवासी 39 {24·65%} हैं। 232 {14·93%} वैश्य सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक सह-अंत: प्रवासी 120 एवं वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी 112 हैं। 263 {16·92%} कायस्थ सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक-सह 159 एवं वैवाहिक-

सारिणी संख्या 6·7

सह-अंत: प्रवास - कारण एवं जाति के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF ACCOMPANIED IN MIGRATION AND CASTE)

अंत: प्रवासियों की जाति / सह अन्त: प्रवास का कारण	ब्राह्मण M + F = T (%)	क्षत्रिय M + F = T (%)	वैश्य M + F = T (%)	कायस्थ M + F = T (%)	कर्मकारक जाति M + F = T (%)	अनुसूचित जाति M + F = T (%)	पिछड़ी जाति M + F = T (%)	योग M + F = T (%)
संरक्षक-सह अन्त: प्रवास	201+202=403(25.93) 65.74 43.52	46+ 73=119(7.65) 75.32 12.85	51+ 69=120(7.72) 51.72 12.96	26+133=159(10.23) 60.46 17.17	13+27= 40(2.57) 38.10 4.32	4+16=20(1.29) 35.09 2.16	23+ 42= 65(4.18) 51.39 7.02	364+562= 926(59.59) - 100.00
वैवाहिक अन्त: प्रवास	1+209=210(13.51) 34.26 33.44	0+ 39= 39(2.51) 24.68 6.21	0+112=112(7.21) 48.28 17.83	0+104=104(6.69) 39.54 16.56	1+64= 65(4.18) 61.90 10.35	1+36=37(2.38) 64.91 5.89	1+ 60= 61(3.93) 48.41 9.71	4+624=628 (40.41) 40.41 100.00
योग	202+411=613(39.45) 100.00	46+112=158(10.17) 100.00	51+181=232(14.93) 100.00	26+231=253(16.92) 100.00	14+91=105(6.76) 100.00	5+52=57(3.67) 100.00	24+102=126(8.11) 100.00	368+1186=1554 (100.00)

सह-अंत: प्रवासी 39·54% हैं। कर्मकारक जाति के 105 (6·76%) सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक-सह 40 एवं वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी 65 हैं। अनुसूचित जाति के 57 (3·67%) सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक सह-अंत: प्रवासी 20 एवं वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी 37 (64·91%) हैं। पिछड़ी जाति के 126 (8·11%) सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक-सह 65 (51·39%) एवं वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी 61 (48·41%) है।

इस प्रकार यदि समस्त हिन्दू जातियों को देखें तो स्पष्ट होता है कि, मात्र कर्मकारक जाति को छोड़कर सभी जातियों में संरक्षक सह-अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं। कर्मकारक जाति में वैवाहिक अन्त: सह-प्रवासी सर्वाधिक 61·90% है।

प्रवास कारणों के अनुसार देखने पर समस्त संरक्षक सह प्रवासियों में ब्राह्मण सर्वाधिक 43·52% हैं। इसके बाद कायस्थ 17·17%, वैश्य 12·96% एवं क्षत्रिय 12·85% हैं। वैवाहिक सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक ब्राह्मण 33·44% वैश्य 17·83% क्षत्रिय 16·56% हैं।

इलाहाबाद नगर में सर्वेक्षण के अनुसार यह पाया गया कि दोनों प्रकार के सह-प्रवासों में ब्राह्मण सर्वाधिक हैं। लेकिन संरक्षक सह-प्रवास में ब्राह्मण अपेक्षाकृत अधिक हैं। कायस्थ, वैश्य एवं क्षत्रिय सह प्रवासी भी अपेक्षाकृत अधिक हैं। इसका कारण नगर में इन जातियों की अधिकता भी हो सकती है।

सारिणी संख्या - 6.8

"आयु वर्ग एवं प्रवास कारणों के अनुसार सह-अन्तः प्रवासियों का वितरण"

DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED IN MIGRANTS ACCORDING TO AGE-GROUP AND CAUSES OF MIGRATION

प्रवास कारण/ विभिन्न आयु वर्ग	0-4 आयु वर्ग M+F=T (%)	5-9 आयु वर्ग M+F=T (%)	10-19 आयु वर्ग M+F=T (%)	20-29 आयु वर्ग M+F=T (%)	30-39 आयु वर्ग M+F=T (%)	40-49 आयु वर्ग M+F=T (%)	50-59 आयु वर्ग M+F=T (%)	60 + आयु वर्ग M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
संरक्षक के अन्तः प्रवास के कारण सह-प्रवास	14+11=25(1.45) 100.00 2.53	40+20=60(3.49) 100.00 6.07	77+78=175(10.16) 45.57 17.59	121+108=229(13.30) 31.03 23.15	42+97=139(8.07) 90.26 14.05	34+120=154(8.94) 100.00 15.57	26+70=96(5.57) 100.00 9.71	39+72=111(6.45) 100.00 11.22	393+596=989(57.43) - 100.00
वैवाहिक सह-प्रवास	-	-	0+209=209(12.14) 54.43 28.51	2+507=509(29.55) 68.97 69.44	3+12=15(0.87) 9.74 2.05	-			5+728=733(42.57) -
योग	14+11=25(1.45) 100.00	40+20=60(3.48) 100.00	77+307=384(22.29) 100.00	123+615=738(42.86) 100.00	45+109=154(8.94) 100.00	34+120=154(8.94) 100.00	26+70=96(5.57) 100.00	39+72=111(6.45) 100.00	398+1324=1722(100.00) 100.00

अंतः प्रवास कारण एवं आयु-वर्ग के अनुसार सह-अंतः प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied In-migrants According to Causes of In-migration and Age Group)

सारिणी संख्या 6·8 में आयु-वर्ग एवं सह-प्रवास कारणों के अनुसार सह-अंतः प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। समस्त 398 पुरुष एवं 1324 महिलाओं में - 989 (57·43%) संरक्षक सह-प्रवासी हैं, जिसमें 393 पुरुष एवं 596 महिलायें हैं तथा 733 (42·57%) वैवाहिक सह-प्रवासी हैं।

सह-अंतः प्रवास के विभिन्न आयु-वर्गों में 0-4 एवं 5-9 आयु-वर्ग में 25 एवं 60 (क्रमशः 1·45% एवं 3·48%) संरक्षक-सह-प्रवासी हैं। 10-19 आयु-वर्ग में 384 (22·29%), 20-29 आयु-वर्ग में 738 (42·86%), 30-39 आयु-वर्ग में 154 (8·94%), 40-49 आयु-वर्ग में भी 154 (8·94%), 50-59 आयु-वर्ग में 96 (5·57%), तथा 60 एवं अधिक आयु-वर्ग में 111 (6·45%) सह-अंतः प्रवासी हैं। सर्वाधिक सह-अंतः प्रवासी 20-29 आयु वर्ग के लगभग 43% हैं इसके बाद 10-19 आयु-वर्ग के लगभग 22% हैं। सह-प्रवास के दोनों कारणों के अनुसार 0-4 एवं 5-9 आयु-वर्ग के शत-प्रतिशत सह-अंतः प्रवासी नगर में संरक्षक सह-प्रवासी हैं। 10-19 आयु-वर्ग के 384 सह-अंतः प्रवासियों में सर्वाधिक वैवाहिक सह-प्रवासी लगभग 54% हैं। 20-29 आयु-वर्ग के 738 सह-अंतः प्रवासियों में लगभग 31 एवं 69% का अंतः प्रवास कारण क्रमशः संरक्षक एवं वैवाहिक है। 30-39 आयु-वर्ग के 154 में सर्वाधिक लगभग 90% एवं 10% क्रमशः संरक्षक एवं वैवाहिक सह-अंतः प्रवासी हैं। आयु-वर्गों के सभी सह-अंतः प्रवासी शत-प्रतिशत संरक्षक सह-अंतः प्रवासी हैं।

इस प्रकार 20-29 एवं 10-19 आयु-वर्ग के वैवाहिक सह-अंत: प्रवासियों को छोड़कर अन्य सभी आयु-वर्गों में संरक्षक सह अंत: प्रवासियों की संख्या अत्यधिक है। जहाँ 10-19 एवं 20-29 आयु वर्गों में संरक्षक सह-अंत: प्रवासी लगभग 23% हैं, वहीं पर वैवाहिक इसी आयु वर्ग के लगभग 42% हैं। यद्यपि संरक्षक सह-प्रवासी, वैवाहिक सह-प्रवासियों से लगभग 13% अधिक है, लेकिन महिला सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक सह-अंत: प्रवासियों की अपेक्षा वैवाहिक सह-प्रवासी अधिक हैं। उसके पीछे मुख्य कारण मात्र विवाह ही है।

अंत: प्रवास कारण एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied In-migrants According to Causes of In-migration and Educational Level)

सारिणी संख्या 6·9 में सह-अंत: प्रवास के कारण एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। समस्त 1722 सह-अंत: प्रवासियों में शून्य शैक्षिक स्तरीय (शिशु) सह-अंत: प्रवासी 25 (1·45%), अशिक्षित सह-अंत: प्रवासी 204 (11·85%) साक्षर 140 (8·13%), प्राथमिक स्तरीय 256 (14·87%), पूर्व माध्यमिक स्तरीय 264 (15·33%), माध्यमिक स्तरीय 444 (25·78%), स्नातक 238 (13·59%), परास्नातक 114 (6·62%), शोध एवं अनुसंधान स्तरीय 3 (0·13%), तकनीकि डिग्री स्तरीय 20 (1·16%) एवं तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 14 (0·81%) सह-अंत: प्रवासी हैं।

सारिणी संख्या- 6·9

सह-अंत: प्रवास कारण एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF ACCOMPANIED IN-MIGRATION & EDUCATION LEVEL)

शैक्षिक-स्तर / सह-अन्त: प्रवास का कारण	अशिक्षित > 5 YRS. AGE	अशिक्षित < 5 YRS. AGE	साक्षर	प्राथमिक-स्तर	पूर्व-माध्यमिक-स्तर	माध्यमिक-स्तर	स्नातक-स्तर	परास्नातक-स्तर	शोध-अनुसंधान स्तर	तक. डिग्री स्तर	तक. डिप्लोमा स्तर	योग
	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)	M+F=T (%)
संरक्षक सह-अन्त: प्रवास	14+11=25 (1.45) 100.00 2.52	21+81=102 (5.92) 50.00 10.31	20+55=75 (4.35) 53.56 7.59	48+104=152 (8.82) 59.38 15.37	49+89=138 (8.01) 52.28 13.96	118+138=256 (14.89) 57.66 25.89	65+77=142 (8.24) 59.67 14.36	39+35=74 (4.3) 64.91 7.49	3+0=3 (.18) 100.00 0.31	6+3=9 (0.52) 45.00 0.91	10+3=13 (.75) 92.86 1.31	393+596=989 (57.43) - 100.00
वैवाहिक अन्त: प्रवास	-	0+102=102 (5.92) 50.00 13.91	1+64=65 (3.78) 46.43 8.87	1+103=104 (6.03) 40.62 14.19	1+125=126 (7.31) 47.72 17.18	0+188=188 (10.91) 42.34 25.64	1+95=96 (5.58) 40.33 13.09	1+39=40 (2.32) 35.08 5.45	-	0+11=11 (0.63) 55.00 1.51	0+1=1 (.05) 7.14 0.13	5+728=733 (42.57) - 100.00
योग	14+11=25 (1.45) 100.00	21+183=204 (11.85) 100.00	21+119=140 (8.13) 100.00	49+207=256 (14.87) 100.00	50+214=264 (15.33) 100.00	118+326=444 (25.78) 100.00	66+172=238 (13.59) 100.00	40+74=114 (6.62) 100.00	3+0=3 (.13) 100.00	6+14=20 (1.16) 100.00	10+4=14 (0.81) 100.00	398+1324=1722 (100.00) 100.00

संरक्षक सह-अंत: प्रवासियों की कुल संख्या 989 (57·43%) है। यदि संरक्षक सह-प्रवासियों को विभिन्न शैक्षिक स्तर पर देखें तो स्पष्ट होता है कि, सर्वाधिक लगभग 50% सह-प्रवासी पूर्व-माध्यमिक स्तरीय हैं। लगभग 40% सह-अंत: प्रवासी माध्यमिक एवं स्नातक स्तर के हैं, अति उच्च शैक्षिक स्तर के सह-अंत: प्रवासियों का प्रतिशत मात्र लगभग 10% ही है जो निम्न अवश्य कहा जा सकता है।

इस प्रकार सारिणी से यह तथ्य स्पष्ट होता है कि सामान्य शैक्षिक स्तर पर अत्यधिक, उच्च शैक्षिक स्तर पर उससे कम एवं अति उच्च शैक्षिक स्तर पर अत्यधिक कम सह-अंत: प्रवास होता है, जैसे-जैसे शैक्षिक स्तर में वृद्धि होती है, उत्तरोत्तर संरक्षक के साथ सह-प्रवास में ह्रास होता जाता है।

वैवाहिक सह-अंत: प्रवासी 733 (42·5%) हैं। इसमें भी संरक्षक सह-अंत% प्रवासियों की भाँति लगभग 40% वैवाहिक सह-प्रवासी माध्यमिक एवं स्नातक स्तर के हैं। मात्र 7% सह-प्रवासी ही अति उच्च एवं तकनीकि स्तर के हैं, शेष लगभग 53% वैवाहिक सह-प्रवासी पूर्व माध्यमिक स्तरीय हैं। वैवाहिक सह-अंत: प्रवासियों का उनके शैक्षिक-स्तर से विशेष सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह तो उनके तात्कालिक वैवाहिक सह-अंत: प्रवास के समय शैक्षिक-स्तर का परिचायक है, न कि अंत: प्रवास के आवश्यक प्रवासिक तत्वों के कारण। यही बात संरक्षक सह प्रवासियों पर भी लागू होती है, क्योंकि संरक्षक सह-प्रवासी संरक्षक के अंत: प्रवास के कारण सह-

प्रवास करते हैं। स्पष्ट रूप से प्रवासिक तत्व किसी स्थान-क्षेत्र या सह-अंत:-प्रवासी में नहीं वरन् जिसके साथ अंत: प्रवास कर रहा है, उसमें अन्तर्निहित है।

अन्त:-प्रवास कारण एवं मूल-क्षेत्र के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied In-migrants According to Causes of In-migration and Place of Origin)

सह-अंत: प्रवास के कारणों एवं अंत: प्रवासियों के मूल-क्षेत्र के अनुसार सारिणी 7·0 में सह-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

नगर के समस्त 1722 सह-अंत: प्रवासियों में ग्रामीण क्षेत्र के 640 (37·16%), टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के 581 (33·73%), नगर पालिका एवं नगरमहापालिका क्षेत्र के 396 (22·99%), एवं मेट्रोपोलिटिन नगरों के 90 (5·22%) सह-अंत: प्रवासी हैं। मात्र 15 (0·87%) ।

समस्त सह-अंत: प्रवासियों में 989 (51·43%) ने संरक्षक के अंत: प्रवास के कारण सह-अंत: प्रवास किया है जबकि 733 (42·57) लोगों के वैवाहिक कारणों से सह-अंत: प्रवास किया है।

सह-अंत: प्रवास कारणों के अनुसार वितरण करने पर ग्रामीण क्षेत्र के 640 सह-अंत: प्रवासियों में 361 (56·41%) ने संरक्षक के प्रवास के कारण सह-प्रवास एवं शेष 279 (43·59%) ने वैवाहिक कारणों से सह-प्रवास किया है। टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के 581 सह-अंत: प्रवासियों में

सारिणी संख्या - 7·0

"मूल -क्षेत्र एवं सह-प्रवास-कारणों के अनुसार सह-अन्त: प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED IN-MIGRANTS ACCORDING TO PLACE OF ORIGIN AND CAUSES OF MIGRATION)

अन्त: प्रवास के कारण/अन्त: प्रवासियों का मूल क्षेत्र	इलाहाबाद नगर में ग्रामीण क्षेत्रों से M+F=T (%)	टाउन एरिया नोटीफाइड एरिया से M+F=T (%)	नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्रों से M+F=T (%)	मेट्रोपोलिटिन क्षेत्रों से M+F=T (%)	अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
संरक्षक के अन्त:प्रवास के कारण सह-प्रवास	148+213=361(20.96) 56.41 36.50	136+199=335(19.45) 57.66 33.87	79+151=229(13.30) 57.93 23.15	26+30=56(3.25) 62.22 5.66	5+ 3= 8(0.46) 53.33 0.81	393+ 596= 989(57.43) - 100.00
वैवाहिक सह प्रवास	2+277=279(16.20) 43.59 38.06	1+245=246(14.29) 42.34 33.56	2+165=167(9.69) 42.17 22.78	0+34=34(1.97) 37.77 4.64	0+ 7= 7(0.41) 46.67 0.95	5+ 728= 733(42.57) - 100.00
योग	150+490=640(37.16) 100.00	137+444=581(33.73) 100.00	80+316=396(22.99) 100.00	26+64=90(5.22) 100.00	5+10=15(0.87) 100.00	398+1324=1722(100.00) 100.00

335 §57·66%§ ने संरक्षक सह-प्रवास किया है एवं 246 §42·34%§ ने वैवाहिक कारणों से सह-प्रवास किया है। नगर पालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्र के 396 अंत: प्रवासियों में 229 §57·83%§ ने संरक्षक सह प्रवास किया है एवं 167 §42·17%§ ने वैवाहिक कारणों से सह-अंत: प्रवास किया है। मेट्रोपोलिटिन महानगरों के 90 अंत: प्रवासियों में 56 §62·22%§ ने संरक्षक सह-प्रवास किया है एवं शेष 34 §37·77%§ ने वैवाहिक कारणों से सह-अंत: प्रवास किया है। अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजकों में 8 §53·33%§ संरक्षक सह-अंत: प्रवास किया है एवं शेष 7 §46·67%§ ने वैवाहिक कारणों से अंत: प्रवास किया है।

संरक्षक के प्रवास के कारण सह-अंत: प्रवास एवं वैवाहिक कारणों से सह-अंत: प्रवास का अनुपात ग्रामीण क्षेत्र, टाऊन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया तथा नगरपालिका क्षेत्र में लगभग समान §57%§ है जबकि मेट्रो क्षेत्र से नगर मेंसह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक सह-अंत: प्रवासियों का प्रतिशत लगभग 62% है, जबकि विवाह के कारण सह-अंत: प्रवास करने वालों का प्रतिशत लगभग 38% है। इस प्रकार मेट्रो क्षेत्र से सह-अंत: प्रवासियों में संरक्षक के सह-प्रवास करने का कारण अधिक प्रभावी मालूम होता है।

संरक्षक एवं वैवाहिक सह-अंत: प्रवासियों दोनों में महिलायें सर्वाधिक हैं, लेकिन संरक्षक सह-अंत: प्रवासियों में पुरूष एवं महिलाओं में अनुपात लगभग 1:1·5 एवं वैवाहिक सह-प्रवासियों में लगभग 1 : 145 हैं, जो स्वाभाविक कहा जा सकता है।

सारिणी संख्या - 7·1

सह-अंत: प्रवास - कारण एवं विशिष्ट मूल क्षेत्रानुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED-IN-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF ACCOMPANIED IN-MIGRATION AND SPECIFIC PLACE OF ORIGIN)

विशिष्ट मूल-क्षेत्र / सह-अन्त: प्रवास का कारण	दस किमी का क्षेत्र M + F = T (%)	इलाहाबाद जनपद का शेष अन्य क्षेत्र M + F = T (%)	संलग्न - जनपद M + F = T (%)	प्रदेश के अन्य जनपद M + F = T (%)	देश के अन्य राज्य M + F = T (%)	विश्व के अन्य देश (अन्तर्रा. आव्रजन) M + F = T (%)	योग M + F = T (%)
संरक्षक - सह अन्त: प्रवास	18+23=41 (2.38) 56.16 4.15	86+ 99=185 (10.74) 50.41 18.71	115+144=259 (15.04) 57.56 26.19	83+222=305 (17.71) 61.87 30.80	86+105=191 (11.09) 58.95 19.30	5+ 3= 8 (0.46) 53.33 0.81	393+596=989 (57.43) - 100.00
वैवाहिक अन्त: प्रवास	0+32=32 (1.86) 43.84 4.37	2+180=182 (10.57) 49.59 24.83	1+190=191 (11.09) 42.44 26.06	2+186=188 (10.92) 38.13 25.65	0+133=133 (7.72) 41.05 18.15	0+ 7= 7 (0.41) 46.67 0.95	5+728=733 (42.51) - 100.00
योग	18+55=73 (4.24) 100.00	88+279=367 (21.31) 100.00	116+334=450 (26.73) 100.00	85+408=493 (28.63) 100.00	86+238=324 (18.81) 100.00	5+10=15 (0.87) 100.00	398+1324=1722 (100.00) 100.00

अन्त: प्रवास कारण एवं विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण (Distribution of Accompanied in-migrants According to Causes of In-migration and Specific place of origin)

सह-अंत: प्रवास कारणों एवं अन्त: प्रवासियों के विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार सारिणी संख्या 7·1 में सह-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

नगर के समस्त 1722 सह-अंत: प्रवासियों में 10 किमी क्षेत्र के 73 (4·24%), उसी जिले के 367 (21·31%), संलग्न जिलों के 450 (26·13%), प्रदेशके ही अन्य जिलों के 493 (28·63%), अन्य राज्यों के 324 (18·81%) सह-अंत: प्रवासी हैं। अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजक 15 (0·87%) हैं।

समस्त सह-अंत: प्रवासियों में (57·43%) संरक्षक सह-अंत: प्रवासी हैं, जिनमें 39·74% पुरूष एवं शेष महिलायें हैं, जबकि वैवाहिक कारणों से 42·57% सह-अंत: प्रवासी हैं।

समस्त संरक्षक सह-प्रवासियों में विश्व के अन्य देशों के सह-अंत: प्रवासियों को छोड़कर सबसे कम 10 किमी क्षेत्र के 4·15% हैं। जैसे-जैसे क्षेत्र की सीमाओं की प्रकृति में परिवर्तन हुआ, सह-अंत: प्रवासियों कि संख्या भी बढ़ती गयी। लेकिन भारत के शेष अन्य राज्यों के सह-अंत: प्रवासियों की प्रवास प्रवृत्ति कुछ घट अवश्य गयी।

यद्यपि क्षेत्र की विशिष्टता में परिवर्तन के साथ प्रवासियों की संख्या भी बढ़ी है और तथ्य वैवाहिक सह-अंत: प्रवासियों की अपेक्षा संरक्षक सह-अंत:

प्रवासियों के साथ कुछ अधिक स्पष्ट होता है,लेकिन किसी विशेष निष्कर्ष पर हमें ले जायेगी ऐसा कहना विशेष संगत नहीं है।

संरक्षक सह-अंत: प्रवासियों एवं वैवाहिक सह-अंत: प्रवासियों दोनों में महिलायें अधिक हैं लेकिन संरक्षक सह-अंत: प्रवासियों में महिलायें अधिक हैं, ... संरक्षक सह-अंत: प्रवासियों में महिलायें पुरूषों से लगभग डेढ़ गुनी हैं। वैवाहिक में महिलायें तो लगभग शत-प्रतिशत हैं,जो स्वाभाविक भी है। इसका कारण निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि वैवाहिक सह-प्रवास में महिलायें ही पति के गृह सह-प्रवास करेंगी न कि पति (यद्यपि समस्त 733 वैवाहिक सह-अंत: प्रवासियों में 5 पुरूष भी हैं) जबकि संरक्षक सह-प्रवासियों में - पुरूष स्व-प्रवासियों के साथ स्त्रियाँ भी सह प्रवास करती हैं इसलिए सामूहिक लैंगिक विभेद के अनुसार महिलाओं की संख्या बढ़ना स्वाभाविक ही है।

<u>मूल-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण</u>

(Distribution of Accompanied In-migrants according to place of Origin and Religion)

प्रवासियों के मूल-क्षेत्र एवं उनके धर्म के अनुसार सारिणी संख्या 7.2 में सह-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

सारिणी संख्या - 7·2

'सह-अन्त: प्रवासियों के मूल-क्षेत्र एवं उनके धर्म के अनुसार सह-अन्त: प्रवासियों का वितरण"

Distribution of Accompanied-in- migrants according to religion and place of origin

मूल क्षेत्र/विभिन्न धर्म	हिन्दू धर्म M+F=T (%)	इस्लाम धर्म M+F=T (%)	सिक्ख धर्म M+F=T (%)	ईसाई धर्म M+F= T (%)	योग M+F= T (%)
इलाहाबाद नगर में ग्रामीण क्षेत्रों से	143+458= 601(34.91) 38.67 93.91	7+32= 39(2.27) 38.61 6.09	-	-	150+ 490= 640(37.17) - 100.00
टाउन एरिया एवं नौटीफाइड एरिया से	134+415= 549(31.89) 35.33 94.49	3+21= 24(1.31) 23.76 4.13	0+ 8= 8(0.47) 18.60 1.38	-	137+ 444= 581(33.74) - 100.00
नगरपालिका एवं नगरमहापालिका क्षेत्रों से	70+270= 340(19.75) 21.88 85.86	3+19= 22(1.28) 21.78 5.56	1+16=17(0.99) 39.53 4.29	6+11=17(0.99) 70.83 4.29	80+ 316= 396(22.99) - 100.00
मेट्रोपोलिटिन क्षेत्रों से	20+ 42= 62(3.61) 3.99 68.89	2+ 5= 7(0.41) 6.93 7.78	1+13=14(0.81) 32.56 15.56	3+ 4= 7(0.41) 28.17 7.78	26+ 64= 90(5.23) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन	1+ 1+ 2(0.11) 0.13 13.33	2+ 7= 9(0.52) 8.91 60.00	2+ 2= 4(0.24) 9.30 26.67	-	5+ 10= 15(0.87) - 100.00
योग	368+1186=1554(90.24) 100.00	17+84=101(5.87) 100.00	4+39=43(2.50) 100.00	9+15=24(1.39) 100.00	398+1324=1722(100.00) 100.00

न्यादर्श के सह-अंत: प्रवास मेंसमस्त 1722 अंत: प्रवासियों को उनके धर्मानुसार वितरण करने पर उनकी स्थिति इस प्रकार हैं - हिन्दू - 1554 (90·24%), मुसलमान - 101 (5·87%), सिख - 43 (2·50%), एवं ईसाई - 24 (1·39%)। इस प्रकार सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक हिन्दू हैं।

प्रवासियों का उनके मूल क्षेत्र के अनुसार वितरण करने पर उनकी स्थिति इस प्रकार हैं - ग्रामीण क्षेत्र के - 640 (37·17%), टाउन,एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के - 581 (33·74%), नगरपालिका क्षेत्र के 396 (22·99%), मेट्रो महानगरों के 90 (5·23%), एवं अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजक 15 (0·87%) हैं। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्र के सर्वाधिक लगभग 37% एवं टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के 34% ने इलाहाबाद नगर में सह-अंत: प्रवास किया है।

सर्वाधिक 601 (38·67%) हिन्दुओं ने विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से नगर में सह-अंत: प्रवास किया है, इसमें महिलायें, पुरूषों से तीन गुणा अधिक हैं। इसके अनन्तर टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया से 549 (35·33%) लोगों ने सह-अंत: प्रवास किया है।

हिन्दू-सह-अंत: प्रवासी हर क्षेत्र से सर्वाधिक नगर में प्रवासित हुए हैं। हिन्दुओं में ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वाधिक रहे। यद्यपि टाऊन एरिया एवं नोटीफाइड क्षेत्रों के सह-अंत: प्रवासी अपेक्षाकृत कम हैं, लेकिन निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। न्यादर्श के सह-अंत:प्रवास में जहां ग्रामीण क्षेत्र के हिन्दू लगभग 35% हैं, वहीं टाउन एरिया आदि क्षेत्रों के 32% हैं। मुसलमानों में

भी सर्वाधिक ग्रामीण क्षेत्र के रहे। लेकिन इनका प्रतिशत समस्त सह-अंत: प्रवास में मात्र 2·27% है। फिर भी महत्वपूर्ण तथ्य कहा जा सकता है। मुसलमानों में एक तथ्य और दिखायी पड़ा वह है - अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन में सर्वाधिक लगभग 60% मुसलमानों का होना। सिखों एवं ईसाईयों ने नगरपालिका आदि क्षेत्र से सर्वाधिक सह-अंत: प्रवास किया। यद्यपि इनका प्रतिशत दोनों में 0·99% ही रहा लेकिन न्यादर्श में इनका स्थान देखकर महत्ता कम नहीं कही जा सकती।

<u>मूल-क्षेत्र एवं जाति के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण</u>

(Distribution of Accompanied In-migrants according to Place of origin and Caste)

सारिणी संख्या 7·3 में न्यादर्श के समस्त हिन्दू सह-अंत:प्रवासियों का उनके जाति एवं मूल-क्षेत्र के अनुसार वितरण प्रदर्शित है ।

विभिन्न हिन्दू जातियों का सह-अन्त: प्रवास में स्थिति इस प्रकार हैं - ब्राह्मण - 613 (39·45%), क्षत्रिय - 158 (10·17%), वैश्य - 232 (14·92%), कायस्थ - 263 (16·92%), कर्मकारक जाति 105 (6·75%), अनुसूचित जाति 57 (3·67), एवं पिछड़ी जाति के - 126 (8·11%) सह-अंत: प्रवासी हैं। इस प्रकार सर्वाधिक ब्राह्मण एवं उसके बाद कायस्थ-सह-अन्त: प्रवासी हैं।

सारिणी संख्या -73

अन्तः प्रवासियों के मूल-क्षेत्र एवं उनके जाति के अनुसार सह-अन्तः प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED IN-MIGRANTS ACCORDING TO CASTE AND THEIR PLACE OF ORIGIN)

मूल क्षेत्र/ विभिन्न जाति	ब्राह्मण M+F=T (%)	क्षत्रिय M+F=T (%)	वैश्य M+F=T (%)	कायस्थ M+F=T (%)	कर्मकारक जाति M+F=T (%)	अनुसूचित जाति M+F=T (%)	पिछड़ी जाति M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर में ग्रामीण क्षेत्रों में	56+121=177 (11.39) 28.87 29.45	24+ 41= 65(4.19) 41.13 10.81	33+ 74=107(6.89) 46.12 17.80	8+ 81= 89(5.72) 33.84 14.81	7+60= 67 (4.31) 63.81 11.15	2+33=35 (2.25) 61.40 5.82	13+ 48= 61 (3.92) 48.41 10.15	143+ 458= 601 (38.68) - 100.00
टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया से	106+192=298 (19.18) 48.61 54.28	12+ 29= 41(2.63) 25.94 7.47	6+ 58= 64(4.11) 27.59 11.66	3+ 79= 82(5.28) 31.18 14.94	2+17= 19 (1.22) 18.09 3.46	0+ 9= 9 (0.58) 15.79 1.64	5+ 31= 36 (2.31) 28.57 6.56	134+ 415= 549 (35.32) - 100.00
नगरपालिका नगरमहापालिका क्षेत्रों से	33+ 80=113(7.28) 18.43 33.23	7+ 31= 38(2.44) 24.05 11.18	9+ 45= 54(3.48) 23.28 15.88	11+ 73= 84(5.41) 31.94 24.70	4+13= 17 (1.09) 16.19 5.00	2+ 7= 9 (0.58) 15.79 2.65	4+ 21= 25 (1.61) 19.84 7.35	70+ 270= 340 (21.88) - 100.00
मैट्रोपोलिटिन क्षेत्रों से	6+ 18= 24(1.54) 3.92 38.71	3+ 11= 14(0.91) 8.87 22.58	3+ 4= 7(0.45) 3.02 11.29	4+ 3= 7(0.45) 2.66 11.29	1+ 1= 2 (0.12) 1.90 3.22	1+ 3= 4 (0.25) 7.02 6.45	2+ 2= 4 (0.25) 3.17 6.45	20+ 42= 62(3.99) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन	1+ 0= 1(0.06) 0.16 50.00	-	-	0+ 1= 1(0.06) 0.38 50.00	-	-	-	1+ 1= 2(0.12) -
योग	202+411=613 (39.45) 100.00	46+112=158 (10.17) 100.00	51+181=232 (14.92) 100.00	26+237=263 (16.92) 100.00	14+91=105 (6.75) 100.00	5+52=57 (3.67) 100.00	24+102=126 (8.11) 100.00	368+1186=1554 (100%) 100.00

हिन्दू सह-अंत: प्रवासियों को उनके मूल-क्षेत्र के अनुसार विभक्त करने पर - ग्रामीण क्षेत्रों के - 601 (38·68%), टाउन एरिया एवं नोटीफाइडएरिया के 549 (35·32%), नगरपालिका क्षेत्रों के - 340 (21·88%), मेट्रो महानगरों के 62 (3·99%), एवं अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू आव्रजक मात्र - 2 (0·12%) है। इस प्रकार सर्वाधिक ग्रामीण क्षेत्र के एवं इसके बाद टाउन एरिया तथा नोटीफाइड एरिया के सह-अंत: प्रवासी है।

विभिन्न जातियों को देखने पर यह पाया गया कि मात्र ब्राह्मण को छोड़कर शेष सभी सह-अंत: प्रवासियों ने ग्रामीण क्षेत्र से सह-अंत: प्रवास सर्वाधिक किया है। यदि ग्रामीण क्षेत्र एवं टाउन एरिया को देखा जाय तो ब्राह्मण लगभग 41% एवं कायस्थ लगभग 15% सह-अंत: प्रवासी हैं। लगभग 56% ब्राह्मणों एवं कायस्थों ने दोनों क्षेत्रों से सह-अंत: प्रवास किया है।

स्पष्ट है कि सर्वाधिक ब्राह्मणों ने टाउन एरिया एवं नोटीफाइड क्षेत्रों से एवं अन्य सभी जातियों के सह-अंत: प्रवासियों ने सर्वाधिक ग्रामीण क्षेत्रों से सह-अंत: प्रवास किया है।

मूल-क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied in-migrants to place of origin and Education-level.

अन्त: प्रवासियों के मूल-क्षेत्र एवं विभिन्न शैक्षिक स्तर के अनुसार 1722 सह-अंत: प्रवासियों का वितरण सारिणी संख्या 7·4 में प्रदर्शित है, जिसमें 398 पुरुष एवं शेष 1324 महिलायें हैं।

सारिणी संख्या- 3.4

"अन्त: प्रवासियों के मूल क्षेत्र एवं शैक्षिक स्तर के अनुसार: सह-अन्त: प्रवासियों का वितरण"

DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED-IN-MIGRANTS ACCORDING TO PLACE OF ORIGIN AND EDUCATION LEVEL

मूल क्षेत्र/ शैक्षिक स्तर	शिशु M+F=T (%)	अशिक्षित M+F=T (%)	साक्षर M+F=T (%)	प्राथमिक स्तरीय M+F=T (%)	पूर्वमाध्यमिक स्तरीय M+F=T (%)	माध्यमिक स्तरीय M+F=T (%)	स्नातक M+F=T (%)	परास्नातक M+F=T (%)	शोध एवं क्र0 स्तरीय M+F=T (%)	तकनीकि डिप्लोमा M+F=T	तकनीकि डिग्री M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
ग्रामीण क्षेत्रों से	7+5=12(.70) 48.00 1.88	10+103=113(6.56) 55.39 17.66	12+39=51(2.96) 36.43 7.97	26+66=92(5.34) 35.94 14.38	22+70=92(5.34) 34.85 14.38	34+74=108(6.27) 24.32 16.88	20+87=107(6.21) 44.96 16.72	14+42=56(3.25) 49.12 8.75	-	3+1=4(.23) 16.67 0.63	2+3=5(.29) 25.00 3.91	150+490=640(37.17) - 100.00
टाउन-नोटीफाइड एरिया से	3+2=5(.29) 20.00 0.86	4+51=55(3.19) 26.96 9.47	3+25=28(1.63) 20.00 4.82	12+84=96(5.57) 37.50 16.52	14+60=74(4.30) 28.03 12.74	59+168=227(13.18) 51.13 39.07	24+39=63(3.66) 26.47 10.84	15+14=29(1.68) 25.44 4.99	-	2+0=2(.12) 9.33 0.34	1+1=2(.12) 10.00 1.72	137+444=581(33.74) - 100.00
पालिका क्षेत्रों से	3+4=7(.41) 28.00 1.77	7+26=33(1.92) 16.18 8.33	5+48=53(3.08) 37.86 13.38	9+45=54(3.14) 21.09 13.64	11+68=79(4.59) 29.92 19.95	14+72=86(4.99) 19.37 21.72	11+28=39(2.26) 16.39 9.85	9+12=21(1.22) 18.42 5.30	3+0=3(.17) 100 0.76	5+3=8(.46) 33.33 2.02	3+10=13(.75) 65.00 3.28	80+316=396(23.00) - 100.00
मेट्रोपोलिटिन क्षेत्रों से	1+0=1(.06) 4.00 1.11	0+3=3(0.17) 1.47 3.33	1+7=8(0.46) 5.71 8.89	2+9=11(0.64) 4.30 12.22	3+13=16(0.93) 6.06 17.78	8+9=17(0.99) 3.83 18.89	9+17=26(1.51) 10.92 28.89	2+6=8(0.46) 7.02 9.99	-	-	-	26+64=90(5.23) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन	-	-	-	0+3=3(0.17) 1.17 20.00	0+3=3(0.17) 1.14 20.00	3+3=6(0.34) 1.35 40.00	2+1=3(0.17) 1.26 20.00	-	-	-	-	5+10=15(0.87) - 100.00
योग	14+11=25(1.45) 100.00	21+183=204(11.85) 100.00	21+119=140(8.13) 100.00	49+207=256(14.87) 100.00	50+214=264(15.33) 100.00	118+326=444(25.79) 100.00	66+172=238(13.92) 100.00	40+74=114(6.62) 100.00	3+0=3(.17) 100.00	10+14=24(1.39) 100.00	6+14=20(1.16) 100.00	[illegible]+1324=1722(100%) 100.00

न्यादर्श में विभिन्न शैक्षिक स्तर के अनुसार सर्वाधिक सह-अंत: प्रवासी माध्यमिक स्तर के 444 (लगभग 26%), पूर्व माध्यमिक स्तर के 264 (लगभग 15·33%), 256 (15%) प्राथमिक स्तर के एवं 238 (14%) स्नातक सह-अंत: प्रवासी हैं। उच्च एवं तकनीकि शैक्षिक स्तर के लगभग 10% सह-अंत: प्रवासी हैं।

अंत: प्रवासियों के विभिन्न मूल-क्षेत्र के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के 640 (37·17%), टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के 581 (37·74%), नगरपालिका क्षेत्र के 396 (23%), मेट्रो महानगरों के 90 (5·23%) एवं शेष विश्व के मात्र 15 (0·87%) सह-अंत: प्रवासी है। ग्रामीण क्षेत्र एवं टाउन एरिया तथा नोटीफाइड एरिया के सह-अन्त: प्रवासी सर्वाधिक हैं।

विभिन्न शैक्षिक स्तर के सह-अंत: प्रवासियों को उनके मूल-क्षेत्र के अनुसार देखने पर कुछ विशिष्ट तथ्य स्पष्ट हुए यथा - अशिक्षित, पूर्व माध्यमिक, स्नातक एवं परास्नातक सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक लगभग 58% ग्रामीण मूल-क्षेत्र के सह-अंत: प्रवासी हैं। टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया के सर्वाधिक सह-अंत: प्रवासी लगभग 56% प्राथमिक स्तरीय एवं माध्यमिक स्तरीय हैं। साक्षरों, शोध-अनुसंधान, तकनीकि डिप्लोमा तथा डिग्री स्तरीय सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक लगभग 19% नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्र के हैं।

इस प्रकार इलाहाबाद नगर में ग्रामीण मूल-क्षेत्र के लोग सर्वाधिक, उसके बाद टाउन एरिया - नोटीफाइड एरिया तथा नगर पालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्र के सह-अंत: प्रवासी हैं। शेष विश्व एवं मेट्रो महानगरों के अमहत्वपूर्ण सह-अंत: प्रवासी हैं। एक विशिष्ट शैक्षिक स्तर की सीमा तक क्षेत्र महत्वपूर्ण है उसके बाद नहीं ।

विशिष्ट-मूल-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied in-migrants according to specific place of origin and Religion)

सारिणी संख्या 7·5 में विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं धर्मानुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त 1722 सह-अंत: प्रवासियों में 398 पुरूष एवं शेष 1324 महिलायें हैं। जिसमें विभिन्न धर्मानुसार सह-अंत: प्रवासी इस प्रकार हैं - हिन्दू 1554 (90·24%), मुसलमान 101 (5·87%), सिख 43 (2·5%), एवं ईसाई सह-अंत: प्रवासी 24 (1·39%) हैं।

सह-अंत: प्रवासियों को उनके विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि इलाहाबाद नगर में 10 किमी क्षेत्र के सह-अंत: प्रवासी 73 (4·24%), उसी जनपद के 367 (21·31%), संलग्न जनपदों के 450 (26·13%), उसी प्रदेश के 493 (28·63%), अन्य राज्यों के 324 (18·82%), एवं विश्व के अन्य देशों के 15 (0·87%) सह-अंत: प्रवासी हैं।

सारिणी संख्या - 7·5

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं धर्मानुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND RELIGION

अन्त: प्रवास के विशिष्ट क्षेत्र / विभिन्न धर्मों के सह-अन्त: प्रवासी	हिन्दू-धर्म M + F = T (%)	इस्लाम-धर्म M + F = T (%)	सिख-धर्म M + F = T (%)	ईसाई - धर्म M + F = T (%)	योग M + F = T (%)
इलाहाबाद नगर में 10 किमी. क्षेत्र से	12+ 39= 51(2.96) 3.28 69.86	6+16= 22(1.27) 21.78 30.14	-	-	18+ 55= 73(4.24) - 100.00
इलाहाबाद जिले से नगर में	81+ 223= 304(17.65) 19.56 82.83	7+56= 63(3.65) 62.38 17.17	-	-	88+ 279= 367(21.31) - 100.00
संलग्न जिलों से	113+ 322= 435(25.26) 27.99 96.67	-	1+ 7= 8(0.46) 18.60 1.78	2+ 5= 7(0.40) 29.17 1.55	116+ 334= 450(26.13) - 100.00
उ.प्र. के अन्य जिलों से	82+ 390= 472(27.41) 30.37 95.75	-	0+14=14(0.81) 32.56 2.83	3+ 4= 7(0.40) 29.17 1.41	85+ 408= 493(28.63) - 100.00
देश के अन्य राज्यों से	79+ 211= 290(16.84) 18.66 89.50	2+ 5= 7(0.41) 6.93 2.16	1+16=17(0.99) 39.53 5.25	4+ 6=10(0.58) 41.67 3.09	86+ 238= 324(18.82) - 100.00
विश्व के अन्य देशों से आव्रजन	1+ 1= 2(0.11) 0.13 13.33	2+ 7= 9(0.52) 8.91 60.00	2+ 2= 4(0.23) 9.30 26.67	-	5+ 10= 15(0.87) - 100.00
योग	368+1186=1554(90.24) 100.00	17+84=101(5.87) 100.00	4+39=43(2.50) 100.00	9+15=24(1.39) 100.00	398+1324=1722(100%) 100.00

इस प्रकार धर्मानुसार सर्वाधिक सह-अंत: प्रवासी 90·24% हिन्दू एवं इसके बाद 5·87% मुसलमान सह-अंत: प्रवासी हैं। विशिष्ट मूल क्षेत्रानुसार सर्वाधिक 28·63% अन्य राज्यों के सह-अंत: प्रवासी एवं इसके बाद 26·13% एवं 21·31% क्रमशः संलग्न जिलों एवं इलाहाबाद जनपद के शेष अन्य भागों के हैं।

विभिन्न धर्मों को उनके विशिष्ट मूल-क्षेत्रानुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि हिन्दू धर्म के 1554 सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक लगभग 30% प्रदेश के अन्य जिलों के एवं उसके बाद लगभग 25% संलग्न जनपदों के सह अंत: प्रवासी हैं। सर्वाधिक अन्य विश्व के अन्य देशों के हैं।

इस्लाम धर्म के समस्त 101 सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक 62·38% इलाहाबाद जनपद के शेष अन्य भागों के हैं। संलग्न जनपदों एवं प्रदेश के अन्य जिलों के शून्य सह-अंत: प्रवासी हैं।

सिख धर्म के 43 सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक लगभग 40% देशों के अन्य राज्यों के हैं। इस धर्म में 10 किमी के क्षेत्र एवं इलाहाबाद जनपद के शेष अन्य भाग के सह-अंत: प्रवासी शून्य हैं।

ईसाई धर्म के 24 सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक लगभग 42% अन्य राज्यों के सह-अंत: प्रवासी हैं। इस धर्म में 10 किमी क्षेत्र, संलग्न जिले एवं शेष विश्व के सह-अंत: प्रवासी एक भी नहीं हैं।

इस प्रकार हिन्दुओं ने प्रदेश के अन्य जिलों से मुसलमानों ने इलाहाबाद जनपद के शेष अन्य भागों से, सिखों ने प्रदेश के अन्य राज्यों से सर्वाधिक सह-अंत: प्रवास किया है।

स्पष्ट है कि हिन्दू सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक हिन्दू अंत: प्रवासी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों (इलाहाबाद को छोड़कर) से इलाहाबाद नगर में अंत: प्रवासित हैं। इलाहाबाद के संलग्न जनपदों के अंत: प्रवासी भी इसके अनन्तर महत्वपूर्ण हैं।

विशिष्ट-मूल-क्षेत्र एवं जाति के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied In-migrants According to specific place of origin and Caste)

न्यादर्श में समस्त हिन्दू सह-अंत: प्रवासियों की संख्या 1554 हैं, जिसमें 368 पुरूष एवं शेष 1886 महिलायें हैं। विभिन्न जातियों, एवं उनके विशिष्ट मूल क्षेत्र के अनुसार सारिणी संख्या 7·6 में प्रतिशत वितरण प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक सह-अंत: प्रवासी ब्राह्मण 613 (39·44%), कायस्थ 263 (16·92%), वैश्य 232 (14·92%), क्षत्रिय 158 (10·17%), पिछड़ी जाति 126 (8·11%), कर्मकारक जाति 105 (6·75%), एवं अनुसूचित जाति के 57 (3·67%) सह-अंत: प्रवासी हैं।

इन जातियों के विशिष्ट मूलक्षेत्र के सर्वाधिक सह-अंत: प्रवासी इस प्रकार हैं - उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के 472 (30·38%), संलग्न जनपदों के 435 (27·99%), जनपद के ही 304 (19·57%), अन्य राज्यों के 290 (18·67%), 51 (3·29%) दस किमी क्षेत्र के सह-अंत: प्रवासी हैं एवं सबसे कम मात्र 2 (0·12%) अंतराष्ट्रीय आगन्तुक हैं।

सारिणी संख्या- 7·6

"अन्त: प्रवासियों के विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं विभिन्न जातियों के अनुसार सह-अन्त: प्रवासियों का वितरण"

DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED-IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND CASTE.

विशिष्ट मूल क्षेत्र / विभिन्न जाति	ब्राह्मण M+F=T (%)	क्षत्रिय M+F=T (%)	वैश्य M+F=T (%)	कायस्थ M+F=T (%)	कर्मकारक जाति M+F=T (%)	अनुसूचित जाति M+F=T (%)	पिछड़ी जाति M+F=T (%)	योग M+F=T (%)
इलाहाबाद नगर में 10कि0मी0क्षेत्र से	4+ 17= 21(1.36) 3.42 41.18	3+ 7= 10(0.65) 6.32 19.51	2+ 2= 4(0.26) 1.72 7.84	1+ 0= 1(0.06) 0.39 1.96	1+ 6= 7(0.46) 6.67 13.72	0+ 3= 3(0.19) 5.27 5.89	1+ 4= 5(0.32) 4.91 9.91	12+ 39= 51(3.29) - 100.00
उसी जिले से	31+ 81=112(7.21) 18.28 36.84	17+ 29= 46(2.97) 29.11 15.13	8+ 19= 27(1.73) 11.63 8.89	8+ 54= 62(3.99) 23.58 20.39	4+21=25(1.61) 28.81 8.22	2+11=13(0.83) 22.81 4.28	11+ 8= 19(1.22) 19.62 6.25	91+ 223= 304(19.57) - 100.00
संलग्न जिलों से	39+104=143(9.21) 16.97 32.88	21+ 41= 62(3.99) 39.24 14.25	28+ 32= 60(3.87) 25.87 13.79	11+ 61= 72(4.63) 27.38 16.55	6+38=44(2.83) 41.91 10.11	2+ 8=10(0.64) 17.54 2.29	6+ 38= 44(2.83) 43.13 10.11	113+ 322= 435(27.99) - 100.00
उसी प्रदेश से	62+136=198(12.74) 32.31 41.94	3+ 23= 26(1.68) 16.45 5.51	8+ 89= 97(6.24) 41.81 20.55	3+ 73= 76(4.89) 28.89 16.11	2+14=16(1.02) 15.23 3.39	1+22=23(1.49) 40.35 4.88	3+ 33= 36(2.31) 35.29 7.62	82+ 390= 472(3.39) - 100.00
अन्य राज्यों से	65+ 73=138(8.89) 22.51 47.59	2+ 12= 14(0.91) 8.97 4.82	5+ 39= 44(2.83) 18.97 15.17	3+ 48= 51(3.29) 19.39 17.59	1+12=13(0.83) 12.39 4.49	0+ 8= 8(0.51) 14.03 2.75	3+ 19= 22(1.41) 21.57 7.59	79+ 211= 290(18.67) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन	1+ 0= 1(0.06) 0.17		-	0+ 1= 1=(0.06)	-	-	-	1+ 1= 2(0.12) -
योग	202+411=[illegible]3(39.44) 100.00	46+112=158(10.17) 100.00	51+131=232(14.92) 100.00	26+237=263(16.92) 100.00	14+91=105(6.75) 100.00	5+52=57(3.67) 100.00	24+102=126(8.11) 100.00	[illegible]+1136=1554(100.00) 100.00

न्यादर्श के हिन्दू सह-अंत: प्रवासियों में ब्राह्मण सर्वाधिक 613 हैं। इस जाति में सर्वाधिक ब्राह्मण उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों के 198 (लगभग 32%) एवं सबसे कम शेष विश्व के मात्र 1 (0.06%) सह-अंत: प्रवासी हैं।

सारिणी से स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश के कुल जनपदों से (इलाहाबाद एवं संलग्न जनपदों को छोड़कर) सर्वाधिक लोगों ने सह-अंत: प्रवास इलाहाबाद नगर में किया है। इसमें सर्वाधिक ब्राह्मण, वैश्य, कायस्थ एवं अनुसूचित जाति के सह-अंत: प्रवासी हैं जो न्यादर्श के लगभग 25% अंत: प्रवासी है। न्यादर्श के लगभग 10% सह-अंत: प्रवासियों का विशिष्ट मूल-क्षेत्र संलग्न जनपद हैं, जिसमें क्षत्रिय, कर्मकारक जाति एवं पिछड़ी जाति केसह-अंत: प्रवासी हैं।

सर्वाधिक प्रदेशीय एवं संलग्न जनपदों के सह-अंत: प्रवासी हैं, जिसमें सर्वाधिक ब्राह्मण, कायस्थ, वैश्य एवं अनुसूचित जाति के सह-अंत: प्रवासी हैं।

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied in-Migrants According to specific Place of Origin and Age Group)

अंत: प्रवासियों के विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं उनके विभिन्न आयु-वर्गों के अनुसार सह-अंत: प्रवासियों का वितरण सारिणी संख्या 7.7 में प्रदर्शित हैं।

सारिणी संख्या - 7·7

"विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं आयु वर्ग के अनुसार सह-अन्तः प्रवासियों का वितरण"

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND AGE-GROUP)

विशिष्ट प्रवास क्षेत्र/ आयु वर्ग	0-4 आयु वर्ग M+F=T(%)	5-9 आयु वर्ग M+F=T(%)	10-19 आयु वर्ग M+F=T(%)	20-29 आयु वर्ग M+F=T(%)	30-39 आयु वर्ग M+F=T(%)	40-49 आयु वर्ग M+F=T(%)	50-59 आयु वर्ग M+F=T(%)	60 + आयु वर्ग M+F=T(%)	योग M+F=T(%)
इलाहाबाद नगर में 10 कि०मी०क्षेत्र से	2+ 1= 3(0.18) 12.00 4.10	2+ 5= 7(0.41) 11.67 9.59	4+13= 17(0.99) 4.43 23.29	3+ 11= 14(0.82) 1.89 19.18	1+ 8= 9(0.53) 5.84 12.32	2+ 3= 5(0.29) 3.25 6.84	1+ 8= 9(0.53) 9.39 12.32	3+ 6= 9(0.53) 8.11 12.32	18+ 55= 73(4.24) - 100.00
उसी जिले से	3+ 2= 5(0.29) 20.00 1.37	13+ 4=17(0.99) 28.34 4.63	8+98=106(6.16) 27.61 28.89	28+ 97=125(7.26) 16.93 34.05	13+ 23= 36(2.09) 23.38 9.80	7+ 19= 26(1.51) 16.88 7.08	5+21=26(1.51) 27.08 7.09	11+15=26(1.51) 23.42 7.08	88+ 279= 367(21.32) - 100.00
संलग्न जिलों से	4+ 5= 9(0.53) 36.00 2.00	17+ 2=19(1.11) 31.67 4.22	21+68= 89(5.17) 23.18 19.78	37+167=204(11.85) 27.64 45.33	8+ 18= 26(1.51) 16.88 5.78	6+ 42= 48(2.79) 31.17 10.67	9+13=22(1.28) 22.91 4.89	14+19=33(1.91) 29.73 7.33	116+334= 450(26.13) - 100.00
उसी प्रदेश से	2+ 1= 3(0.18) 12.00 0.61	5+ 6=11(0.64) 18.34 2.23	27+84=111(6.45) 28.91 22.51	23+238=261(15.16) 35.37 52.94	14+ 29= 43(2.49) 27.92 8.72	4+ 14= 18(1.05) 11.69 3.65	6+16=22(1.28) 22.91 4.47	4+20=24(1.59) 21.62 4.87	85+ 408= 493(23.69) - 100.00
अन्य राज्यों से	3+ 2= 5(0.29) 20.00 1.54	3+ 3= 6(0.35) 10.00 1.85	17+44= 61(3.55) 15.89 18.82	29+ 96=125(7.26) 1693 38.99	7+ 27= 34(1.78) 22.07 10.49	15+ 42= 57(3.31) 37.01 17.59	5+12=17(0.99) 17.70 5.24	7+12=19(1.10) 17.12 5.87	86+ 238= 324(18.81) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय आव्रजन	-	-	-	3+ 6= 9(0.52) 1.21 60.00	2+ 4= 6(0.34) 3.90 40.00	-	-	-	5+ 10= 15(0.88) - 100.00
योग	14+11=25(1.45) 100.00	40+20=60(3.49) 100.00	77+307=384(22.29) 100.00	123+615=738(42.85) 100.00	45+109=154(8.94) 100.00	34+120=154(8.94) 100.00	26+70=96(5.58) 100.00	39+72=111(6.44) 100.00	398+1324=1722(100.00) 100.00

सारिणी से स्पष्ट होता है कि न्यादर्श के समस्त 1722 सह-अंतः प्रवासियों में 0-4 आयु-वर्ग के 25 (1·45%), 5-9 आयु-वर्ग के 60 (3·49%), 10-19 आयु-वर्ग के 384 (22·29%), 20-29 आयु-वर्ग के 738 (42·85%), 30-39 आयु-वर्ग के 154 (8·94%), 40-49 आयु-वर्ग के 154 (8·94%), 50-59 आयु-वर्ग के 96 (5·58%), एवं 60 से अधिक आयु-वर्ग के 111 (6·44%) सह-अंतः प्रवासी हैं। इस प्रकार विभिन्न आयु-वर्ग में सर्वाधिक 20-29 आयु-वर्ग के एवं इसके बाद 10-19 आयु-वर्ग के सह-अंतः प्रवासी हैं।

प्रवासियों के विशिष्ट मूल क्षेत्रानुसार सर्वाधिक उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों के 493 (26·69%), संलग्न जनपदों के 450 (26·13%), उसी जनपद (इलाहाबाद) के ही 367 (21·32%), एवं अन्य राज्यों के 324 (18·81%) सह-अंतः प्रवासी हैं। सबसे कम 10 किमी क्षेत्र के 73 (4·24%) एवं शेष विश्व के मात्र 15 (0·88%) अंतः प्रवासी है।

न्यादर्श के सह-अंतः प्रवास में यह पाया गया कि 10-19, 20-29 एवं 30 - 39 आयु-वर्गों में सर्वाधिक उसी प्रदेश के सह-अंतः प्रवासी सर्वाधिक हैं। जिसमें इलाहाबाद एवं संलग्न जनपद सम्मिलित नहीं हैं। वस्तुतः इसी मूलक्षेत्र के सर्वाधिक सह-अंतः प्रवासी हैं। 0-4, 5-9 एवं 60 से अधिक आयु के सह-अंतः प्रवासियों में सर्वाधिक संलग्न जनपदों से अंतः प्रवासित हैं, लेकिन 40-49 एवं 50-59 आयु वर्ग में सर्वाधिक सह-अंतः

प्रवासी क्रमशः अन्य राज्यों तथा इलाहाबाद जनपद से (10 किमी क्षेत्र को छोड़कर) अंतः प्रवासित हैं। यदि विशिष्ट मूलक्षेत्र एवं आयु वर्ग के अनुसार देखा जाय तो सर्वाधिक 10-19, 20-29, 30-39 एवं 40-49 आयु-वर्गों के सह-अंतः प्रवासी जनपद, संलग्न जनपद, प्रदेश तथा अन्य राज्यों से ही सम्बन्धित हैं, जहाँ से 1370 (लगभग 80%) लोग सह-अंतः प्रवासित हुए हैं।

इन चारों विभिन्न मूल क्षेत्रों में 10-19 एवं 20-29 आयु-वर्ग के सह-अंतः प्रवासी सर्वाधिक हैं, जिनकी संख्या न्यादर्श के सम्पूर्ण सह-अंतः प्रवास में 1082 (लगभग 63%) है। यदि इन दोनों विशिष्ट आयु-वर्ग को ही देखें तो इसमें प्रदेश के ही सह-अंतः प्रवासी सर्वाधिक 372 (लगभग 22%) हैं।

सह-अंतः प्रवास के विशिष्ट मूल क्षेत्रों में इस प्रकार प्रदेशीय प्रवास महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। इनसे प्राप्त निष्कर्ष विशेष महत्वपूर्ण नहीं हो सकते, क्योंकि अंतः प्रवास यहाँ आश्रित पर हैं। फिर भी जनांकिकीय दृष्टिकोण से कम महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता।

विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार सह-अंतः प्रवासियों का वितरण

(Distribution of Accompanied In-migrants according to specific Place of Origin and Education Level)

न्यादर्श के समस्त 1722 सह-अंतः प्रवासियों का उनके विशिष्ट-मूल-क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार वितरण सारिणी संख्या 7·8 में प्रदर्शित है।

सारिणी संख्या - 7·8

*अन्त: प्रवासियों के विशिष्ट मूल-क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार सह-अन्त: प्रवासियों का विवरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED-IN-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC PLACE OF ORIGIN AND EDUCATION LEVEL)

विशिष्ट क्षेत्र/ शैक्षिक स्तर	शिशु M+F=T (%)	अशिक्षित सह - अन्त: प्रवासी M+F=T (%)	साक्षर M+F=T (%)	प्राथमिक स्तरीय M+F=T (%)	पूर्व माध्यमिक स्तरीय M+F=T (%)	माध्यमिक स्तरीय M+F=T (%)	स्नातक M+F=T (%)	परास्नातक M+F=T (%)	शोध एवं अनुसंधान स्तरीय M+F=T (%)	तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय M+F=T (%)	तकनीकि डिग्री स्तरीय M+F=(T) (%)	योग M+F=T (%)
10 कि.मी. क्षेत्र से इलाहाबाद नगर में	2+3=5(.29) 20.00 27.40	3+ 7=10(0.58) 4.90 13.70	2+11=13(.75) 9.29 17.81	3+18=21(1.22) 8.20 28.77	2+ 6= 8(0.46) 3.03 10.96	3+ 6= 9(0.52) 2.03 12.33	2+ 4= 6(0.35) 2.52 8.22	-	-	1+0=1(.06) 7.14 1.37	-	18+ 55= 73(4.24) - 100.00
उसी जिले से	3+1=4(.23) 16.00 1.09	4+38=42(2.44) 20.59 11.44	3+23=26(1.51) 18.57 7.08	8+49=57(3.31) 22.57 15.53	21+55=76(4.41) 28.79 20.71	22+63=85(4.94) 19.14 23.16	17+32=49(2.85) 20.59 13.35	4+12=16(.93) 14,04 4.36	-	3+2=5(.29) 35.71 1.36	3+4=7(.41) 35.00 1.91	88+279=367(21.31) - 100.00
संलग्न जिलों से	5+4=9(.52) 36.00 2.00	9+50=59(3.43) 28.92 13.11	7+29=36(2.09) 25.71 8.00	13+55=68(3.95) 26.56 15.11	18+52=70(4.07) 26.52 15.56	28+87=115(6.68) 25.90 25.56	19+17=36(2.09) 15.13 8.00	13+31=44(2.56) 38.60 9.78	1+0=1(.06) 33.30 0.22	2+1=3(.17) 21.43 0.67	1+8=9(.52) 45.00 2.00	116+334=450(26.13) - 100.00
उसी प्रदेश से	2+2=4(.23) 16.00 0.81	4+57=61(3.54) 29.90 12.37	6+39=45(2.61) 32.14 9.13	18+48=66(3.83) 25.78 13.39	3+65=68(3.95) 25.76 13.79	34+103=137(7.96) 30.86 27.79	3+70=73(4.24) 30.67 14.81	10+21=31(1.80) 27.19 6.29	1+0=1(.06) 33.30 0.20	3+1=4(.23) 28.57 0.81	1+2=3(.17) 15.00 0.61	85+408=493(28.63) - 100.00
अन्य राज्यों से	2+1=3(.17) 12.00 0.93	1+31=32(1.86) 15.69 9.88	3+17=20(1.16) 14.29 6.17	7+34=41(2.56) 17.19 13.58	6+33=39(2.26) 14.77 12.04	28+64=92(5.34) 20.72 28.40	23+48=71(4.12) 29.83 21.91	13+10=23(1.34) 20.18 7.10	1+0=1(.06) 33.30 0.31	1+0=1(.06) 7.14 0.31	1+0=1(.06) 5.00 0.31	86+238=324(18.82) - 100.00
अन्तर्राष्ट्रीय अर्जन	-	-	-	0+ 3= 3(0.17) 1.17 20.00	0+3= 3(0.17) 1.14 20.00	3+ 3= 6(0.34) 1.35 40.00	2+ 1= 3(0.17) 1.26 20.00	-	-	-	-	5+ 10= 15(0.87) - 100.00
योग	14+11=25(1.45) 100.00	21+183=204(11.85) 100.00	21+119=140(8.13) 100.00	49+207=256(14.87) 100.00	50+214=264(15.33) 100.00	118+326=444(25.78) 100.00	66+172=238(13.82) 100.00	40+74=114(6.62) 100.00	3+0=3(.17) 100.00	10+4=14(.81) 100.00	6+14=20(1.16) 100.00	398+1324=1722(100.00) 100.00

समस्त 1722 सह-अंत: प्रवास में शिशु 25 §1·45%§ हैं। अशिक्षित 204 §11·85%§, साक्षर 140 §8·13%§, प्राथमिक स्तरीय 256 §14·87%§, पूर्व माध्यमिक स्तरीय 264 §15·33%§, माध्यमिक स्तरीय 444 §25·78%§, स्नातक 238 §13·82%§, परास्नातक 114 §6·62%§, शोध एवं अनुसंधान स्तरीय 3 §0·17%§, तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 14 §0·81%§, एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय 20 §1·16%§ सह-अंत: प्रवासी हैं। इसमें सर्वाधिक माध्यमिक स्तरीय हैं।

अन्त: प्रवासियों के विशिष्ट मूल-क्षेत्र के अनुसार 10 किमी क्षेत्र के 73 §4·24%§, उसी जनपद §इलाहाबाद§ के 367 §21·31%§, संलग्न जनपदों के 450 §26·13%§, उसी प्रदेश के §उ0प्र0§ 493 §28·63%§, अन्य राज्यों के §18·82%§, एवं शेष विश्व के मात्र 15 §0·87%§ सह-अंत: प्रवासी हैं। इसमें सर्वाधिक उ0प्र0 के अन्य जनपदों के सह-अंत: प्रवासी हैं।

सारिणी से स्पष्ट है कि अशिक्षितों, साक्षरों, माध्यमिक स्तरीय, एवं स्नातकों में सर्वाधिक 18·35% सह-अंत: प्रवासियों का मूल क्षेत्र उत्तर प्रदेश के अन्य जिले §इलाहाबाद एवं संलग्न जनपदों को छोड़कर§ हैं, जिसमें माध्यमिक स्तरीय के सर्वाधिक हैं।

प्राथमिक स्तरीय, परास्नातक एवं तकनीकि डिग्री स्तरीय सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक 121 §7·03%§ संलग्न जनपदों के हैं। मात्र पूर्व माध्यमिक एवं तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय सह-अंत: प्रवासियों में सर्वाधिक इलाहाबाद जनपद के हैं। दस किमी के क्षेत्र को छोड़कर शेष अन्य सभी क्षेत्रों

में माध्यमिक स्तरीय सह-अंत: प्रवासी सर्वाधिक हैं लेकिन यदि पूर्व माध्यमिक एवं माध्यमिक स्तरीय सह-अंत: प्रवासियों को समस्त न्यादर्श के सह-अंत: प्रवास में देखा जाय तो सर्वाधिक 205 (11·91%) उत्तर-प्रदेश के अन्य जनपदों से, 185 (10·85%) संलग्न जिलों से, 161 (9·35%) इलाहाबाद जनपद में एवं 131 (7·60%) ने अन्य राज्यों से इलाहाबाद नगर में सह-अंत: प्रवास किया है।

सामान्य शिक्षा एवं उच्च तथा तकनीकि स्तर के शिक्षित व्यक्ति की अपेक्षा सह-अंत: प्रवास में माध्यमिक वर्ग के शिक्षित सह-प्रवास में संलग्न रहे।

इलाहाबाद नगर में अत्यधिक दूर स्थित अन्य राज्यों से लोगों ने इलाहाबाद नगर में अपेक्षाकृत कम सह-प्रवास किया है। इस प्रकार सह-प्रवास में भी दूरी महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व है।

सह-वाह्य-प्रवास

सह-वाह्य-प्रवास के विभिन्न कारणों के अनुसार सह-वाह्य-प्रवास

(ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO ACAUSES OF OUT-MIGRATION)

सारिणी संख्या 7·9 मेंसह-वाह्य-प्रवास कारणों के अनुसार नगर के सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 719 सह-वाह्य प्रवासियों का अध्ययन किया गया है। इसमें 7·93% पुरूष एवं 92·07% महिला सह-वाह्य प्रवासी हैं। सह-वाह्य-प्रवास में सह-प्रवास के मात्र दो कारणों - संरक्षक के साथ वाह्य प्रवास एवं वैवाहिक प्रवास का विश्लेषण किया गया है।

न्यादर्श के अनुसार संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी 222 {30·88%} है, जिसमें 7·65% पुरूष एवं 23·24% महिला सह-वाह्य प्रवासी हैं। इस कारक को तीन वर्गों में विभक्त किया गया है -

1- संरक्षक पिता के साथ वाह्य प्रवास।

2- संरक्षक भाई के साथ वाह्य प्रवास।

3- अन्य के साथ वाह्य प्रवास।

संरक्षक-पिता-सह वाह्य-प्रवास में9·6% सह-वाह्य प्रवासी है जिसमें 2·23% पुरूष एवं 7·37% महिलायें है। संरक्षक भाई के साथ वाह्य प्रवास में 1·67% सह-वाह्य प्रवासी है, जिसमें 0·97% पुरूष एवं 0·7% महिलायें हैं। अन्य सह-वाह्य प्रवासी 19·61% है, जिसमें 4·45% पुरूष एवं 15·16% महिलायें है।

सारिणी संख्या - 7·9

प्रवास कारणों के अनुसार सह-वाह्य प्रवास

(ACCOMPANIED-OUT-MIGRATION ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION)

सह-वाह्य प्रवास का कारण	पुरूष (संख्या एवं %)	महिलायें (संख्या एवं %)	योग (संख्या एवं %)
1- संरक्षक सह-वाह्य प्रवास	55 7·65	167 23·24	222 30·88
अ- पिता-सह	16 2·23	53 59 7·37 9×5	69 9·60
ब- भ्रात-सह	7 0·97	5 0·70	12 1·67
स- अन्य-सह	32 4·45	109 15·16	141 19·61
2- वैवाहिक वाह्य प्रवास	02 0·28	495 68·85	497 69·12
योग	57 7·93	662 92·07	719 100·00

ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS
ACCORDING TO CAUSES
OF MIGRATION
GRAPH NO. 17
30.88
23.24
7.65
9.60
7.37
2.23
0.97
0.70
1.67
19.61
15.16
4.45
69.12
68.84
0.28
T
F
M
A.O.M.
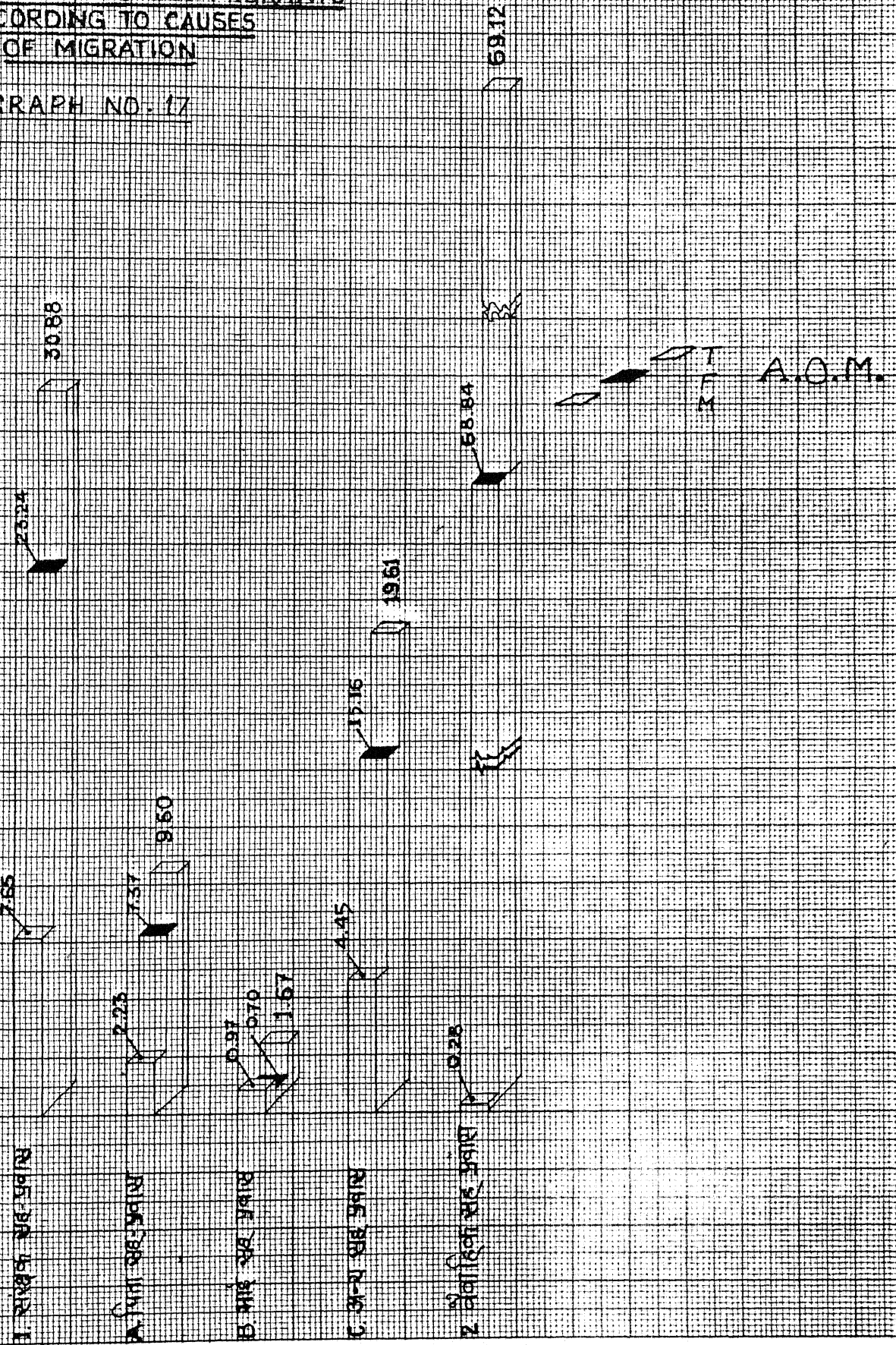
न्यादर्श के अनुसार इलाहाबाद नगर से वैवाहिक वाह्य-प्रवास 69·12% हुए हैं, जिसमें 0·28% पुरूष एवं 68·85% महिला सह-वाह्य प्रवासी हैं, वैवाहिक-प्रवास के अन्तर्गत महिलायें अपने पति के घर जाती हैं लेकिन 0·28% {2} ऐसे भी वाह्य प्रवासी हैं, जो अपनी पत्नियों के यहां ही प्रवासित हो गये हैं।

सारिणी संख्या - 8·0

धर्म एवं प्रवास-कारणों के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO RELIGION AND CAUSES OF MIGRATION)

सह-वाह्य प्रवास का कारण / प्रवासियों का धर्म	संरक्षक सह-वाह्य-प्रवास			वैवाहिक सह-वाह्य-प्रवास			योग
	पुरुष	महिलायें	योग (%)	पुरुष	महिलायें	योग (%)	M + F = T (%)
हिन्दू	43	143	186 (25.86) 83.80 30.49	2	422	424 (58.97) 85.31 69.51	45+565=610 (84.84) - 100.00
इस्लाम	2	10	12 (1.70) 5.40 20.34	-	47	47 (6.53) 9.45 79.67	2+ 57= 59 (8.20) - 100.00
सिख	2	6	8 (1.11) 3.60 28.51	-	20	20 (2.80) 4.02 71.43	2+ 26= 28 (3.90) - 100.00
ईसाई	8	8	16 (2.22) 7.20 72.73	-	6	6 (0.83) 1.20 27.27	8+ 14= 22 (3.05) - 100.00
योग	55 (7.64)	167 (23.24)	222 (30.88) 100.00	2 (0.28)	495 (68.85)	497 (69.12) 100.00	57+662=719 (100.00) 100.00

धर्म एवं वाह्य-प्रवास कारणों के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(Distribution of accompanied Out-migrants according to Religion and Causes of out-migration)

प्रस्तुत सारिणी संख्या 8·0 में धर्म एवं वाह्य-प्रवास कारणों के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित हैं। समस्त 719 सह-वाह्य प्रवासियों में 57 पुरूष एवं शेष 719 महिलायें हैं।

समस्त 610 (84·14%) हिन्दुओं में 45 पुरूष एवं शेष 565 महिलायें हैं। इसमें संरक्षक सह-प्रवासी 186 (30·49%) है, जिसमें 43 पुरूष एवं 143 महिलायें तथा वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी 422 (69·51%) है। जिनका समस्त सह-वाह्य प्रवास में क्रमशः 25·86% एवं 58·97% स्थान है। स्पष्ट है कि हिन्दू सह-वाह्य प्रवासियों में महिलाओं की बाहुल्यता अत्यधिक है।

समस्त 59 (8·20%) मुसलमानों में 2 पुरूष एवं शेष 57 महिलायें हैं। इसमें संरक्षक के साथ वाह्य प्रवासी 12 तथा वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी 47 हैं। इनका समस्त सह-वाह्य प्रवास में स्थान क्रमशः 1·70% एवं 6·53% हैं।

समस्त 28 (3·90%) सिख सह-वाह्य-प्रवासियों में 2 पुरूष एवं शेष 26 महिलायें हैं जिसमें संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी 8 तथा वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी 20 हैं। सह-वाह्य-प्रवास में क्रमशः 1·11% एवं 2·80% स्थान है।

समस्त 22 (3·05%) ईसाई सह-वाह्य प्रवासियों में 8 पुरुष एवं 14 महिलायें हैं, जिसमें संरक्षक सह 16 तथा वैवाहिक सह-प्रवासी 6 हैं।

इस प्रकार सह-वाह्य प्रवास के दोनों कारणों को देखने पर स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक सह-वाह्य-प्रवासी वैवाहिक वर्ग में 69·12% एवं शेष दूसरा स्थान संरक्षक सह-प्रवास वर्ग में 30·88% है।

लैंगिक सह वाह्य प्रवास के अनुसार भी महिलायें ही सर्वाधिक हैं। संरक्षक सह-वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक 83·80% हिन्दू धर्म के एवं सबसे कम सिख धर्म के 3·60% हैं। वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासियों में भी सर्वाधिक हिन्दू 85·31% हैं, लेकिन सबसे कम ईसाई 1·20% है।

प्रवास-कारण एवं जाति के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(Distribution of accompanied Out-migrants to causes of migration and Caste)

सारिणी संख्या 8·1 में सह-वाह्य प्रवास कारण एवं हिन्दू धर्म के विभिन्न जातियों के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। हिन्दू धर्म के 610 (जिसमें 45 पुरुष एवं 565 महिलायें हैं) सह-वाह्य प्रवासियों के जातियों का उनके प्रवास कारण के अनुसार वितरण इस प्रकार है :

सारिणी संख्या - 8·1

जाति एवं प्रवास-कारणों के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CASTE AND CAUSES OF MIGRATION)

सह-वाह्य प्रवास का कारण / जाति	संरक्षक सह वाह्य-प्रवास M + F = T (%)	वैवाहिक वाह्य-प्रवास M + F = T (%)	योग M + F = T (%)
ब्राह्मण	14+ 46= 60 (9.83) 32.25 30.77	1+134=135 (22.13) 31.83 69.23	15+180=195 (31.96) - 100.00
क्षत्रिय	3+ 10= 13 (2.13) 6.98 37.14	0+ 22= 22 (3.60) 5.18 62.86	3+ 32= 35 (5.73) - 100.00
वैश्य	2+23= 25 (4.09) 13.44 20.83	0+ 95= 95 (15.60) 22.40 79.17	2+118=120 (19.70) 19.70 100.00
कायस्थ	12+ 47= 59 (9.70) 31.72 47.58	0+ 65= 65 (10.65) 15.33 52.42	12+112=124 (20.32) - 100.00
कर्मकारक जाति	3+ 4= 7 (1.14) 3.80 20.00	0+ 28= 28 (4.60) 6.60 80.00	3+ 32= 35 (5.73) - 100.00
अनुसूचित जाति	3+ 5= 8 (1.31) 4.30 34.78	1+ 14= 15 (2.45) 3.53 65.22	4+ 19= 23 (3.80) - 100.00
पिछड़ी जाति	6+ 8= 14 (2.30) 7.52 17.95	0+ 64= 64 (10.50) 15.09 82.05	6+ 72= 78 (12.80) - 100.00
योग	43+143=186 (30.49) 100.00	2+422=424 (69.51) 100.00	45+565=610 (100.00) 100.00

समस्त 195 §31·96%§ ब्राह्मण सह-वाह्य प्रवासियों में संरक्षक सह 60 §30·77%§, तथा वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी 135 §69·23%§ है, जिनका समस्त हिन्दू सह-वाह्य प्रवास में प्रतिशत स्थान क्रमशः 9·83% एवं 22·13% है। 35 §5·73%§ क्षत्रिय सह-वाह्य प्रवासियों में संरक्षक के साथ वाह्य प्रवासी 13 तथा वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी 22 हैं। जिनका समस्त हिन्दू सह-वाह्य प्रवास में प्रतिशत स्थान क्रमशः 2·13% एवं 3·60% है।

समस्त 120 §19·70%§ वैश्य सह-वाह्य प्रवासियों में संरक्षक सह 25 §20·83%§ तथा वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी 95 §79·17%§ हैं, जिनका समस्त सह-वाह्य प्रवास में क्रमशः 4·09% एवं 15·60% स्थान है।

124 §20·32%§ कायस्थ सह-वाह्य प्रवासियों में संरक्षक सह 59 §47·58%§ तथा वैवाहिक सह-वाह्य-प्रवासी 65 §52·42%§ हैं। कर्मकारक जाति के35 §5·73%§ सह-वाह्य प्रवासियों में संरक्षक सह तथा वैवाहिक सह वाह्य प्रवासी 28 हैं। अनुसूचित जाति के 23 §3·80%§ सह-वाह्य प्रवासियों में संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी 8 तथा वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी 15 हैं। पिछड़ी जाति के 78 §12·80%§ सह-वाह्य प्रवासियों में 14 §17·95%§ संरक्षक सह तथा वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी 82·05% हैं।

इस प्रकार हिन्दू धर्म के विभिन्न जातियों में वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी सर्वाधिक 69·51% एवं शेष दूसरा स्थान संरक्षक सह-वाह्य प्रवासियों का 30·49% है। दोनों में महिलायें सर्वाधिक हैं। वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासी में 2 पुरूष भी हैं जो उल्लेखनीय हैं। दोनों प्रवास [illegible] में

ब्राह्मण सर्वाधिक हैं। इसके अलावा कायस्थ एवं वैश्य जाति के सह-वाह्य प्रवासियों का प्रमुख स्थान है। अनुसूचित जाति के लोगों में सह-प्रवास की प्रवृत्ति अत्यधिक कम है।

प्रवास-कारण एवं आयु-वर्ग के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(Distribution of accompanied Out-migrants according to Causes of migration and Age-Group)

आयु-संरचना प्रवास गतिविधियों में अधिक महत्वपूर्ण होती है। सारिणी संख्या 8·2 में इसी विषय को लेकर सह-वाह्य प्रवास कारण एवं आयु-वर्गानुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण किया गया है।

न्यादर्श में 719 {57 पुरूष एवं 662 महिलायें} सह-वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें विभिन्न आयु संरचना के 222 {30·88%} संरक्षक के सह-प्रवासी हैं तथा 497 {69·12%} वैवाहिक सह-प्रवासी हैं। संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी तो विभिन्न आयु-वर्ग के हैं, लेकिन वैवाहिक सह-प्रवासी 10 वर्ष आयु से लेकर 50 वर्ष आयु तक के 69·12% सह-प्रवासी हैं।

0-4 आयु-वर्ग के 15 {2·08%} सह-प्रवासियों में सभी संरक्षक सह प्रवासी हैं, 5-9 आयु-वर्ग के 18 {2·5%} सह-प्रवासियों में भी सभी संरक्षक सह-प्रवासी हैं। 10-19 आयु-वर्ग के 250 {34·77} सह-प्रवासियों में 64 {25·6%} संरक्षक सह प्रवासी एवं 186 {74·4%} वैवाहिक सह-प्रवासी हैं। 20-29 आयु-वर्ग के 394 {54·8%} सह-प्रवासियों में 103

सारिणी संख्या - 8·2

आयु-वर्ग एवं प्रवास-कारणों के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO AGE-GROUP AND CAUSE OF MIGRATION))

प्रवासियों का आयु-वर्ग / सह-वाह्य-प्रवास का कारण	0-4 आयु-वर्ग M+F=T (%)	5-9 आयु-वर्ग M+f=T (%)	10-19 आयु-वर्ग M+f=T (%)	20-29 आयु-वर्ग M+f=T (%)	30-39 आयु-वर्ग M+f=T (%)	40-49 आयु-वर्ग M+F=T (%)	50-59 आयु-वर्ग M+F=T (%)	60 + M+f=T (%)	योग M+f = T (%)
संरक्षक सह-वाह्य-प्रवास	8+7=15(2.08) 100.00 6.75	12+6=18(2.5) 100.00 8.11	24+ 40= 64(8.9) 25.60 28.82	9+ 94=103(14.32) 26.14 46.40	0+12=12(1.67) 40.00 5.41	0+6=6(0.83) 75.00 2.71	0+1=1(0.14) 100.00 0.45	2+1=3(0.42) 100.00 1.35	55+167=222(30.88) - 100.00
वैवाहिक सह-वाह्य-प्रवास	-		0+186=186(25.87) 75.40 37.42	2+289=291(40.48) 73.86 58.55	0+18=18(2.50) 60.00 3.62	0+2=2(0.28) 25.00 0.41	-		2+495=497(69.12) - 100.00
योग	8+7=15(2.08) 100.00	12+6=18(2.5) 100.00	24+226=250(34.77) 100.00	11+283=394(54.80) 100.00	0+30=30(4.17) 100.00	0+8=8(1.11) 100.00	0+1=1(0.14) 100.00	2+1=3(0.42) 100.00	57+662=719(100.00) 100.00

{26·14%} संरक्षक सह एवं 291 {73·86%} वैवाहिक सह प्रवासी हैं। 30-39 आयु-वर्ग के 30 {4·17%} सह-प्रवासियों में 12 संरक्षक सह एवं 18 वैवाहिक सह-प्रवासी हैं। 40-49 आयु-वर्ग के 8 {1·11%} सह-प्रवासियों में 6 संरक्षक-सह एवं मात्र 2 वैवाहिक सह-प्रवासी हैं। 50-59 एवं 60 से अधिक आयु-वर्ग में क्रमश: मात्र 1 एवं 3 संरक्षक सह प्रवासी हैं।

सारिणी से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक सह-वाह्य प्रवासी 394 {54·8%} हैं जो 20-29 आयु-वर्ग के हैं। संरक्षक सह-वाह्य प्रवासियों तथा वैवाहिक सह प्रवासियों दोनों में 20-29 आयु-वर्ग ही महत्वपूर्ण है। 30-39 आयु-वर्ग ही एवं 40-49 आयु-वर्ग के संरक्षक सह-प्रवासी तो हैं लेकिन महत्वपूर्ण विशेष नहीं कहा जा सकता क्योंकि उनकी मूल संख्या अत्यधिक कम है।

इस प्रकार इलाहाबाद नगर से 20-29 आयु-वर्ग के लोगों की प्रवास गतिविधियां सर्वाधिक हैं।

<u>प्रवास-कारण एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण</u>

(Distribution of Accompanied Out-migrants according to causes of migration and Education-level)

सारिणी संख्या 8·3 में सह-वाह्य प्रवास कारण एवं विभिन्न शैक्षिक स्तर के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

समस्त 719 सह-वाह्य प्रवासियों में 222 {30·88%} संरक्षक सह-प्रवासी एवं 497 {69·12%} वैवाहिक सह-प्रवासी हैं। जिसको विभिन्न

सारिणी संख्या - 8·3

प्रवास-कारण एवं शैक्षिक-स्तर के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION & EDUCATION LEVEL)

सह-प्रवासियों का शैक्षिक-स्तर / सह-वाह्य प्रवास का कारण	अशिक्षित (5 वर्ष से कम आयु के) M+F= T(%)	अशिक्षित (5 वर्ष से अधिक आयु के) M+F = T(%)	साक्षर M+F = T(%)	प्राथमिक-स्तर M+F = T(%)	पूर्व-माध्यमिक स्तर M+F = T(%)	माध्यमिक-स्तर M+F = T(%)	स्नातक-स्तर M+F=T(%)	परास्नातक-स्तर M+F=T(%)	शोध एवं अनुसंधान-स्तर M+F=T(%)	तकनीकि डिग्री-स्तर M+F=T(%)	तकनीकि डिप्लोमा-स्तर M+F=T(%)	योग M+F=T(%)
संरक्षक सह-वाह्य-प्रवास	12+7=19 (2.64) 100.00 8.56	2+8=10 (1.39) 23.25 4.50	1+8=9 (1.25) 19.15 4.05	16+13=29 (4.03) 37.18 13.06	4+22=26 (3.62) 24.08 11.71	9+42=51 (7.09) 26.15 22.97	7+33=40 (5.57) 30.30 18.02	3+28=31 (4.31) 38.75 13.96	0+2=2 (.28) 66.70 0.90	0+3=3 (.42) 25.00 1.35	1+0=1 (.14) 100.00 0.45	55+16=222 (30.88) 100.00
वैवाहिक वाह्य-प्रवास		0+33=33 (4.59) 76.75 6.64	0+38=38 (5.29) 80.85 7.65	0+49=49 (6.82) 62.82 9.66	0+82=82 (11.40) 75.92 16.50	1+143=144 (20.03) 73.85 28.97	1+91=92 (12.80) 69.70 18.51	0+49=49 (6.82) 61.25 9.66	0+1=1 (.14) 33.30 0.20	0+9=9 (1.25) 75.00 1.61	-	2+495=497 (69.12) - 100.00
योग	12+7=19 (2.64) 100.00	2+41=43 (5.98) 100.00	1+46=47 (6.54) 100.00	16+62=78 (10.85) 100.00	4+104=108 (15.02) 100.00	10+185=195 (27.12) 100.00	8+124=132 (18.36) 100.00	3+77=80 (11.13) 100.00	0+3=3 (.42) 100.00	0+12=12 (1.67) 100.00	1+0=1 (.14) 100.00	57+622=719 (100.00) 100.00

शैक्षिक स्तर के अनुसार विभक्त करने पर शून्य शैक्षिक (शिशु) स्तर 19 (2·64%), अशिक्षित 43 (5·99%), साक्षर 47 6·54%), प्राथमिक स्तरीय 78 (10·85%), पूर्व-माध्यमिक स्तरीय 108 (15·02%), माध्यमिक स्तरीय 195 (27·12%), स्नातक 132 (18·36%), परास्नातक 80 (11·13%), शोध एवं अनुसंधान स्तरीय मात्र 3 (0·42%), तकनीकि डिग्री स्तरीय 12 (1·67%), तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय मात्र 1 (0·14%) सह-वाह्य प्रवासी है।

इस प्रकार सर्वाधिक माध्यमिक स्तरीय, उसके बाद स्नातक सह-वाह्य प्रवासी हैं। परास्नातक सह-प्रवासी 11·13% है। इस प्रकार इन्हीं तीनशैक्षिक स्तर के लगभग 57% सह-वाह्य प्रवासी है।

सह-वाह्य प्रवास की सारिणी से स्पष्ट है कि, सर्वाधिक सह-वाह्य प्रवासी माध्यमिक स्तर के 27·12% हैं। स्नातक एवं परास्नातक सह-वाह्य प्रवासी सम्मिलित रूप से लगभग 30% हैं। पूर्व माध्यमिक स्तर के भी सह-वाह्य प्रवासी लगभग 15% हैं। इस प्रकार सह-वाह्य-प्रवास में उच्च स्तर के प्रवासियों की बहुलता है। यह बहुलता माध्यमिक स्तर तक तो अत्यधिक रही, उसके बाद उत्तरोत्तर घटती गयी। शोध, एवं तकनीकि शैक्षिक-स्तरों में तो अत्यधिक तीव्र गति से सह-प्रवासियों में कमी आयी जो महत्वपूर्ण कहा जा सकता है।

संरक्षक के वाह्य प्रवास के कारण उनके साथ हुए सह-प्रवास को देखा जाय तो परास्नातक संरक्षक सह-प्रवासी लगभग 39%, स्नातक लगभग 30%, एवं माध्यमिक स्तर के संरक्षक सह-प्रवासी लगभग 26% हैं। इस प्रकार

संरक्षक सह-प्रवासियों में सर्वाधिक उच्च शिक्षित परास्नातक हैं।

कारण एवं विभिन्न शैक्षिक स्तर के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों के वितरण से स्पष्ट होता है कि इलाहाबाद नगर के सह-वाह्य प्रवासी अधिक शिक्षित हैं। लेकिन संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी, वैवाहिक सह-वाह्य प्रवासियों से अपेक्षाकृत अधिक उच्च शिक्षित हैं।

प्रवास-कारण एवं प्रवास-क्षेत्र के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND MIGRATION REGION)

सारिणी संख्या 8·4 में सह-वाह्य प्रवास के कारण एवं प्रवास-क्षेत्रानुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

समस्त 719 सह-वाह्य प्रवासियों, जिसमें संरक्षक के वाह्य-प्रवास के कारण सह-प्रवास एवं वैवाहिक कारणों से सह-प्रवास हुए हैं, दोनों में इलाहाबाद नगर से -ग्रामीण क्षेत्र में सह-वाह्य प्रवासी 332 (46·17%), टाउन-एरिया एवं नोटीफाइड एरिया में 193 (26·8%), नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्र में 121 (16·82%), मेट्रो महानगरों में 54 (7·15%) एवं विश्व के अन्य देशों में इलाहाबाद नगर के 19 (2·64%) सह-प्रव्रजक हैं। इन सभी प्रवासियों में पुरुषों की संख्या 57 एवं महिलायें 662 हैं।

सारिणी संख्या - 8·4

प्रवास-क्षेत्र एवं प्रवास-कारणों के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT_MIGRANTS ACCORDING TO MIGRATION_REGION AND CAUSES OF MIGRATION)

वाह्य-प्रवास क्षेत्र / सह-वाह्य प्रवास कारण	इलाहाबाद नगर से ग्रामीण क्षेत्रों में M+F = T (%)	टाउन एरिया एवं नोटीफाइड-ऐरिया में M+F = T (%)	नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्रों में M+F = T (%)	मेट्रोपोलिटिन क्षेत्रों में M+F = T (%)	विश्व के अन्य देशों में (अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन) M+F = T (%)	योग M+F = T (%)
संरक्षक सह-वाह्य-प्रवास	22+78=100 (13.91) 30.12 45.05	12+32=44 (6.12) 22.88 19.82	12+30=42 (5.84) 34.71 18.92	7 + 15= 22 (3.06) 40.74 9.91	2 + 12=14 (1.95) 73.68 6.31	55 + 167 = 222 (30.88) - 100.00
वैवाहिक वाह्य-प्रवास	0+232=232 (32.27) 69.88 46.68	02+147=149 (20.72) 77.20 29.98	0+79=79 (10.99) 65.29 15.90	0 + 32 = 32 (4.45) 59.26 6.44	0 + 05 = 05 (0.70) 26.32 1.01	2 + 495 = 497 (69.12) - 100.00
योग	22+310=332 (46.18) 100.00	14+179=193 (26.84) 100.00	12+109=121 (16.82) 100.00	7 + 47 = 54 (7.51) 100.00	2 + 17=19 (2.64) 100.00	57 + 662 = 719 (100.00) 100.00

सारिणी में प्रदर्शित तथ्यों से स्पष्ट होता है कि, सर्वाधिक ग्रामीण क्षेत्र, के सह-वाह्य प्रवासी हैं। इसके अनन्तर टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया, नगरपालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्र, मेट्रो महानगर, एवं विश्व के अन्य देशों का स्थान आता है।

यदि हम संरक्षक सह-वाह्य-प्रवासियों को देखें तो स्पष्ट होता है कि, सर्वाधिक सह-वाह्य प्रवासी {संरक्षक के साथ सह-प्रवास} विश्व के अन्य देशों में लगभग 74%, मेट्रो महानगरों में लगभग 41% नगर पालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्रों में लगभग 35%, ग्रामीण क्षेत्रों में 30% एवं टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया में सबसे कम 22·8% सह-वाह्य-प्रवासी हैं। इस प्रकार विकसित क्षेत्रों में संरक्षक सह-वाह्य प्रवासियों की प्रवास गतिविधियाँ अधिक देखने को मिली । इस सम्बन्ध में ग्रामीण क्षेत्र एवं विश्व के अन्य देशों में सह-प्रवास महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में समस्त सह-वाह्य प्रवास का लगभग 14% सह-प्रवास हुआ है, लेकिन अपने वर्ग में इसका स्थान निम्न है। विश्व के अन्य देशों सह-वाह्य-प्रवास का प्रतिशत समस्त योग का मात्र 1·94% है, लेकिन संरक्षक सह-प्रवासी 73·69% को विशेष महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता क्योंकि इस क्षेत्र के साथ अन्य समस्त क्षेत्रों में हुए सह-प्रवास, स्व-वाह्य प्रवास पर पूर्णरूपेण निर्भर करता है। वैवाहिक सह-प्रवास से स्पष्ट होता है कि वैवाहिक सम्बंधों की स्थापना टाउन एरिया एवं नोटीफाइड एरिया में सर्वाधिक हुए हैं। इसके अनन्तर ग्रामीण क्षेत्र एवं नगर पालिका एवं नगर महापालिका क्षेत्र प्रमुख हैं।

सारिणी संख्या - 8·5

सह-प्रवास कारण एवं विशिष्ट-प्रवास क्षेत्रानुसार सह-बाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF ACCOMPANIED-MIGRATION AND SPECIFIC MIGRATION REGION)

विशिष्ट-प्रवास क्षेत्र / सह-बाह्य प्रवास का कारण	दस किमी का क्षेत्र	इलाहाबाद जनपद का अन्य क्षेत्र	संलग्न-जनपद	प्रदेश के अन्य जनपद	देश के अन्य राज्य	विश्व के अन्य देश (अन्तर्रा. प्रव्रजन)	योग
	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)
संरक्षक सह-बाह्य-प्रवास	0+ 1= 1(0.14) 3.03 0.45	2+3 = 5(0.70) 5.10 2.25	7+ 24= 31(4.31) 24.22 13.96	29+ 66= 95(13.21) 40.80 42.79	15+ 61= 76(10.60) 36.54 34.23	2+12=14(1.94) 73.80 6.31	55+167=222(30.88) - 100.00
वैवाहिक बाह्य-प्रवास	1+32=33(4.45) 96.96 6.64	0+93=93(12.93) 94.90 18.71	1+ 96= 97(13.50) 75.78 19.52	0+137=137(19.20) 59.22 27.77	0+132=132(18.35) 63.46 26.56	0+ 5= 5(0.70) 26.31 1.01	2+495=497(69.12) - 100.00
योग	1+33=34(4.73) 100.00	2+96=98(13.63) 100.00	8+120=128(17.80) 100.00	29+203=232(32.27) 100.00	15+193=208(28.83) 100.00	2+17=19(2.64) 100.00	57+662=719(100.00) 100.00

प्रवास-कारण एवं विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO CAUSES OF MIGRATION AND SPECIFIC MIGRATION REGION.

सारिणी संख्या 8·5 में विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं वाह्य सह-प्रवास कारणों के अनुसार प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है।

समस्त 719 वाह्य-सह प्रवासियों में 222 (30·88%) संरक्षक-सह वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 55 पुरूष एवं 167 महिलायें हैं तथा 497 (69·12%) वैवाहिक वाह्य प्रवासी हैं। इन कारणों से वाह्य सह-प्रवासियों ने विशिष्ट क्षेत्रों एवं सीमा में प्रवास किया है, इन्हीं को यहाँ स्पष्ट किया गया है -

नगर की सीमा से 10 किमी के अन्दर सह-प्रवास प्रवासी 34 (4·73%) हैं, जिसमें मात्र एक पुरूष एवं शेष महिलायें हैं। इसमें संरक्षक-सह वाह्य प्रवासी 1 (3·03%), एवं वैवाहिक वाह्य-प्रवासी 33 (96·97%) हैं। नगर से इलाहाबाद के शेष अन्यक्षेत्रों में वाह्य प्रवासी 98 (13·63%) हैं। इसमें संरक्षक सह-वाह्य प्रवासी 5 (5·1%) हैं एवं वैवाहिक सह वाह्य प्रवासी 93 (94·9%) हैं। नगर से इलाहाबाद के संलग्न जनपदों में वाह्य-सह प्रवासी 128 हैं, जिसमें 24·2% संरक्षक-सह प्रवासी एवं शेष 75·80% वैवाहिक कारणों से सह-वाह्य प्रवासी हैं। नगर से प्रदेश के अन्य जनपदों में वाह्य-सह प्रवासी 232 (32·27%) हैं, जिसमें संरक्षक सह-प्रवासी 40·80% एवं शेष 59·20% वैवाहिक कारणों से सह-प्रवासी हैं। नगर से भारत के शेष अन्य राज्यों में वाह्य-सह प्रवासियों की संख्या 208 है, जिसमें 36·53% संरक्षक सह वाह्य-प्रवासी हैं तथा शेष 63·50% वैवाहिक कारणों से सह-वाह्य

प्रवासी हैं। नगर से विश्व के अन्य देशों में 19 प्रव्रजक हैं, जिसमें 2 पुरूष एवं 17 महिलायें हैं।

इस प्रकार सह-वाह्य प्रवास के सम्बन्ध में यह प्रवृत्ति दिखायी पड़ी कि वाह्य प्रवासियों ने प्रदेश के शेष अन्य जनपदों को अत्यधिक वरीयता दी। संरक्षक सह-वाह्य प्रवास एवं वैवाहिक सह वाह्य प्रवास दोनों के वाह्य-प्रवास में यह बात दिखायी पड़ी। नगर से प्रवास क्षेत्र वृद्धि के साथ-साथ सह-वाह्य-प्रवास अनुपात बढ़ता गया, लेकिन एक सीमा के बाद इसमें ह्रास होता गया और अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास में तो प्रवास दर सर्वाधिक कम हो गया है।

विशिष्ट-प्रप्रवास-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार सह-वाह्य-प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND RELIGION)

सारिणी संख्या 8·6 में विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं धर्म के अनुसार सह-वाह्य-प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 719 सह-वाह्य प्रवासी हैं, जिसमें 57 पुरूष एवं 662 महिलायें हैं।

समस्त सह-वाह्य प्रवास में हिन्दू-सह-वाह्य प्रवासियों की कुल संख्या 610 {84·84%} है, जिसमें 45 पुरूष एवं 565 महिलायें हैं। हिन्दुओं का प्रवास क्षेत्र के अनुसार वितरण इस प्रकार है - नगर से 10 किमी क्षेत्र में 29 {4·75%}, नगर से शेष जनपद में 85 {13·93%}, नगर से संलग्न

सारिणी संख्या - 8·6

विशिष्ट-प्रवास-क्षेत्र एवं धर्मानुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND RELIGION)

वाह्य-प्रवासियों का धर्म / वाह्य-प्रवास-क्षेत्र	हिन्दू M+F = T (%)	इस्लाम M+F = T (%)	सिख M+F = T (%)	ईसाई M+F = T (%)	योग M+F = T (%)
दस किमी का क्षेत्र	1 + 28 = 29 (4.03) 4.75 85.30	0 + 5 = 5 (0.70 8.48 14.70	-	-	1 + 33 = 34 (4.73) - 100.00
जनपद के अन्य क्षेत्रों में	2 + 83 = 85 (11.82) 13.93 86.73	0 + 12 = 12 (1.67) 20.34 12.24	0 + 1 = 1 (0.14) 3.57 1.02	-	2 + 96 = 98 (13.63) - 100.00
संलग्न-जनपदों में	7 +109=116 (16.13) 19.02 90.62	0 + 8 = 8 (1.11) 13.56 6.30	1 + 1 = 2 (0.28) 7.14 1.60	0 + 2 = 2 (0.28) 9.09 1.60	8 +120=128 (17.80 - 100.00
प्रदेश के अन्य जनपदों में	22+190=212 (29.50) 34.75 91.40	2+7= 9 (1.25) 15.25 30.80	1 + 3 = 4 (0.55) 14.29 1.72	4 + 3 = 7 (0.97) 31.82 3.01	29+203=232 (32.27) - 100.00
देश के अन्य राज्यों में	11+144=155 (21.56) 25.41 74.51	0 + 22 = 22 (3.05) 37.29 10.60	0 + 18 = 18 (2.50) 64.29 8.65	4 + 9 = 13 (1.80) 59.09 6.25	15 + 93 = 208 (28.93) - 100.00
विश्व के अन्य देशों में (अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन)	2 + 11 = 13 (1.81) 2.13 68.42	0 + 3 = 3 (0.42) 5.08 15.79	0 + 3 = 3 (0.42) 10.71 15.79	-	2 + 17 = 19 (2.64) - 100.00
योग	45+565=610 (84.84) 100.00	2+57=59 (8.21) 100.00	2+26=28 (3.89) 100.00	8 + 14 = 22 (3.06) 100.00	57 +662=719 (100.00) 100.00

जनपदों में 116 (19·02%), प्रदेश के शेष अन्य जनपदों में 212 (34·75%), शेष अन्य राज्यों में 155 (25·41%), एवं विश्व के शेष अन्य देशों के 13 (2·13%), हिन्दू सह- प्रव्रजक हैं। जिनका समस्त सह-वाह्य-प्रवास में प्रतिशत स्थान क्रमशः 4·75%, 13·93%, 19·02%, 34·75%, 25·41%, एवं 2·13% है। इस प्रकार इलाहाबाद नगर के हिन्दू-सह-वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक 34·75% लोग प्रदेश के शेष अन्य जनपदों से सह-वाह्य प्रवासित हैं।

मुसलमान सह-वाह्य-प्रवासियों की कुल संख्या 59 (8·21%) है, जिसमें 2 पुरूष एवं शेष 57 महिलायें हैं। नगर के मुसलमान सह-वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक 22 (37·29%) शेष अन्य राज्यों में सह-वाह्य प्रवासित हैं।

समस्त सिख वाह्य प्रवासियों की कुल संख्या 28 (3·89%) है, जिसमें 2 पुरूष एवं 26 महिलायें हैं, क्षेत्रानुसार वितरण एवं विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि सिख सह-वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक 64·29% लोगों ने शेष अन्य राज्यों में सह-वाह्य-प्रवास किया है। सर्वाधिक ईसाई सह-वाह्य प्रवासी 59·09% देश के शेष अन्य राज्यों में प्रवासित हैं।

सर्वाधिक हिन्दू सह-वाह्य प्रवासियों ने प्रदेश के शेष अन्य जनपदों में एवं अन्य धर्म के अनुयायियों ने देश के शेष अन्य राज्यों में सह-वाह्य-प्रवास किया है। धर्मानुसार भी यदि देखा जाय तो हर क्षेत्र में हिन्दू सह-वाह्य प्रवासी सर्वाधिक हैं। इसका कारण यह भी है कि न्यादर्श एवं नगर की जनसंख्या में हिन्दू सर्वाधिक हैं।

सारिणी संख्या - 8·7

विशिष्ट प्रवास क्षेत्र एवं जाति के अनुसार सह-बाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED-OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND CASTE)

सह-बाह्य प्रवासियों की जाति / विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र	ब्राह्मण M+F = T(%)	क्षत्रिय M + F = T(%)	वैश्य M + F = T(%)	कायस्थ M + F = T(%)	कर्मकारक जाति M + F = T(%)	अनुसूचित जाति M + F = T(%)	पिछड़ी जाति M + F = T(%)	योग M + F = T(%)
इलाहाबाद नगर से 10 किमी० क्षेत्र में	0+ 5= 5(0.82) 2.56 17.24	-	0+ 4= 4(0.66) 3.33 13.79	0+ 2= 2(0.33) 1.61 6.89	0+ 5= 5(0.82) 14.29 7.24	1+ 2= 3(0.49) 13.04 10.34	0+10=10(1.64) 12.82 34.48	1+ 28= 29(4.75) - 100.00
इलाहाबाद नगर से जिले के शेष अन्य क्षेत्रों में	0+ 28= 28(4.59) 14.36 32.94	0+ 3= 3(0.49) 8.57 3.53	0+ 15= 15(2.46) 12.50 17.65	1+ 4= 5(0.82) 4.03 5.88	0+ 6= 6(0.98) 17.14 7.06	1+ 8= 9(1.48) 39.13 10.58	0+19=19(3.11) 24.36 22.35	2+ 83= 85(13.93) - 100.00
संलग्न जिलों में	2+ 38= 40(6.56) 20.51 34.48	0+11=11(1.80) 31.43 9.48	0+ 19= 19(3.11) 15.83 16.38	2+ 21= 23(3.77) 18.55 19.83	0+ 8= 8(1.31) 22.86 6.89	1+ 3= 4(0.66) 17.39 3.45	2+ 9=11(1.80) 14.10 9.48	7+109=116(19.02) - 100.00
उ० प्र० के शेष अन्य जिलों में	9+ 47= 56(9.18) 28.72 26.42	3+12=15(2.46) 42.86 7.08	1+ 48= 49(8.03) 40.83 23.11	3+ 52= 55(9.02) 44.35 25.94	3+ 7=10(1.64) 28.57 4.72	0+ 6= 6(0.98) 26.09 2.83	3+18=21(3.44) 26.92 9.91	22+190=212(34.75) - 100.00
भारत के शेष अन्य राज्यों में	3+ 56= 59(9.67) 30.26 38.06	0+ 6= 6(0.98) 17.14 3.87	1+ 31= 32(5.25) 26.67 20.65	5+ 30= 35(5.74) 28.23 22.58	0+ 6= 6(0.98) 17.14 3.87	1+ 0= 1(0.16) 4.35 0.65	1+15=16(2.62) 20.51 10.32	11+144=155(25.41) - 100.00
विश्व के शेष अन्य देशों में प्रव्रजन	1+ 6= 7(1.15) 3.59 53.85	-	0+ 1= 1(0.16) 0.83 7.69	1+ 3= 4(0.66) 3.23 30.77	-	-	0+ 1= 1(0.16) 1.28 7.69	2+ 11= 13(2.13) - 100.00
योग	15+180=195(31.96) 100.00	3+32=35(5.74) 100.00	2+118=120(19.67) 100.00	12+112=124(20.33) 100.00	3+32=35(5.74) 100.00	4+19=23(3.77) 100.00	6+72=78(12.79) 100.00	45+565=610(100%) 100.00

विशिष्ट-प्रवास-क्षेत्र एवं जाति के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND CASTE)

सारिणी संख्या 8·7 में **विशिष्ट** प्रवास-क्षेत्र एवं जाति के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के समस्त 610 हिन्दू सह-वाह्य प्रवासियों में 45 पुरुष एवं शेष 565 महिलायें हैं, जिसमें विभिन्न हिन्दू जाति के सह-वाह्य प्रवासी इस प्रकार हैं - ब्राह्मण 195 (31·96%), क्षत्रिय 35 (5·74%), वैश्य 120 (19·67%), कर्मकारक जाति 124 (20·33%), अनुसूचित जाति 35 (5·74%), एवं पिछड़ी जाति के 23 (3·77%) सह-वाह्य प्रवासी हैं।

नगर से विभिन्न क्षेत्र में प्रवासित सह-वाह्य-प्रवासी इस प्रकार हैं - 10 किमी क्षेत्र में 29 (4·75%), उसी जिले में 85 (13·93%), संलग्न जिलों में 116 (19·02%), उसी राज्य में 212 (34·75%), भारत के अन्य राज्यों में 155 (25·41%), एवं विश्व के अन्य देशों में मात्र 13 (2·13%) सह-प्रव्रजक हैं।

इस प्रकार हिन्दू जातियों में सर्वाधिक सह-वाह्य-प्रवासी - ब्राह्मण 31·96%, एवं इसके बाद कायस्थ एवं वैश्य जाति के क्रमशः 20·33% एवं 19·67% सह-वाह्य प्रवासी हैं।

क्षेत्रानुसार सर्वाधिक 212 (34·75%) सह-वाह्य प्रवासियों ने प्रदेश के शेष अन्य जनपदों (जिसमें इलाहाबाद एवं संलग्न जनपद सम्मिलित नहीं हैं) में सह-प्रवास किया है। इसके बाद शेष अन्य राज्यों एवं संलग्न

जनपदों में क्रमशः 25·41% एवं 19·02% सह-प्रवास किया है।

इस प्रकार हिन्दू जातियों के अनुसार सह-वाह्य प्रवास क्षेत्र का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि, सह-वाह्यप्रवासी सर्वाधिक अन्य जनपदों में प्रवासित हैं। यद्यपि भारत के प्रवास आंकड़े उत्तर प्रदेश से दूसरे राज्य में प्रवास को अधिक स्पष्ट करते हैं, अपेक्षाकृत अन्तर जनपदीय-प्रवास के, फिर भी सारिणी को महत्ता को कम नहीं कहा जा सकता। सारिणी से भी स्पष्ट होता है कि, सर्वाधिक अन्तर जनपदीय प्रवास के बाद अन्य राज्यों में सर्वाधिक सह-प्रवास हुआ है।

विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND AGE-GROUP)

सारिणी संख्या 8·8 में विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं आयु-वर्ग के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। समस्त 719 सह-वाह्यप्रवासियों में 57 पुरूष एवं शेष 662 महिलायें हैं।

नगर की सीमा से 10 किमी अन्तर्गत क्षेत्र के वाह्य प्रवासी 34 (4·73%) हैं, जिसमें 1 पुरूष एवं शेष 33 महिलायें हैं। इस क्षेत्र के सर्वाधिक प्रवासी 10-19 आयु-वर्ग के हैं। नगर से जनपद के शेष अन्य क्षेत्रों के सह-वाह्य-प्रवासियों की संख्या 98 (समस्त सह-वाह्य-प्रवास का 13·63%) है, जिसमें 2 पुरूष एवं शेष 96 महिलायें हैं। इस क्षेत्र के 98

सारिणी संख्या - 8·8

आयु-वर्ग एवं विशिष्ट-प्रवास-क्षेत्रानुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING AGE GROUP AND SPECIFIC MIGRATION REGION)

विशिष्ट प्रवास क्षेत्र / आयु-वर्ग (वर्षों में)	दस किमी. का क्षेत्र	इलाहाबाद जनपद का अन्य क्षेत्र	संलग्न जनपद	प्रदेश के अन्य जनपद	देश के अन्य राज्य	विश्व के अन्य देश (अन्तर्रा. प्रव्रजन)	योग
	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)	M + F = T (%)
0 - 4	-	2+00= 2(0.30) 5.90 13.33	-	2+ 3= 5(0.70) 2.15 33.33	4+ 4= 8(1.11) 3.84 53.33	-	8+ 7= 15(2.08) - 100.00
5 - 9	-	-	2+ 1= 3(0.41) 2.34 16.67	5+ 3= 8(1.11) 3.44 44.44	5+ 2= 7(0.97) 3.36 38.89	-	12+ 6= 18(2.50) - 100.00
10 - 19	1+16=17 (2.40) 50.00 6.80	0+53=53(7.40) 59.08 21.20	4+ 51= 55(7.64) 42.96 22.00	14+ 55= 69(9.60) 29.74 27.60	4+ 50= 54(7.51) 25.96 21.60	1+ 1= 2(0.30) 10.52 0.80	24+226=250 (33.80) - 100.00
20 - 29	0+16=16 (2.22) 47.05 4.06	0+40=40(5.60) 40.81 10.15	1+ 61= 62(8.62) 48.43 15.74	7+130=137 (19.05) 59.05 34.77	2+123=125 (17.40) 60.09 31.73	1+13=14(1.94) 73.70 3.55	11+383=394 (54.80) - 100.00
30 - 39	-	0+ 3= 3(0.41) 3.06 10.00	0+ 7= 7(0.97) 5.50 23.33	0+ 5= 5(0.70) 2.15 16.67	0+ 13= 13(1.80) 6.25 43.33	0+ 2= 2(0.30) 10.52 6.67	0+ 30= 30(4.17) - 100.00
40 - 49	0+ 1= 1(0.14) 2.94 12.50	-	-	0+ 6= 6(0.83) 2.58 75.00	0+ 1= 1(0.14) 0.50 12.50	-	0+ 8= 8(1.11) - 100.00
50 - 59	-	-	-	0+ 1= 1(0.14) 0.43 100.00	-	-	0+ 1= 1(0.14) - 100.00
60 +	-	-	1+ 0= 1(0.14) 0.78 33.33	1+ 0= 1(0.14) 0.93 33.33	-	0+ 1= 1(0.14) 5.30 33.33	2+ 1= 3(0.41) - 100.00
योग	1+33=34 (4.73) 100.00	2+96=98 (13.63) 100.00	8+120=128 (17.80) 100.00	29+203=232 (32.27) 100.00	15+193=208 (28.83) 100.00	2+17=19 (2.64) 100.00	57+662=719 (100%) 100.00

सह-वाह्य प्रवासियों में सर्वाधिक 10-19 आयु-वर्ग के एवं उसके बाद 20-29 आयु-वर्ग के प्रवासी हैं। नगर से संलग्न जनपदों में सह-प्रवास करने वालों की कुल संख्या 128 {17·81%} है, जिसमें 8 पुरूष एवं 120 महिला सह-वाह्य-प्रवासी हैं। इन सह-प्रवास करने वालों में सर्वाधिक 20-30आयु-वर्ग के 48·43% प्रवासी हैं, प्रदेश के शेष जनपदों में सह-प्रवासियों की कुल संख्या 232 {32·27%} है, जिसमें 29 पुरूष एवं 203 महिला सह-वाह्य-प्रवासी हैं। इस क्षेत्र के सर्वाधिक सह-वाह्य-प्रवासी 20-29 आयु-वर्ग के 59·05% प्रवासी हैं। शेष अन्य राज्यों में इलाहाबाद नगर से सह-वाह्य प्रवास करने वालों की कुल संख्या 208 {28·83%} है, जिसमें 15 पुरूष एवं शेष 193 महिलायें हैं। नगर से विश्व के शेष अन्य देशों में सह-वाह्य प्रवासियों की कुल संख्या 19 {2·64%} हैं, जिसमें मात्र 2 पुरूष एवं शेष 17 महिलायें हैं। प्रदर्शित सारिणी से स्पष्ट है कि, 10 किमी क्षेत्र एवं इलाहाबाद जनपद के शेष अन्य क्षेत्र में 10-19 आयु-वर्ग एवं शेष अन्य सभी क्षेत्रों में 20-29 आयु-वर्ग के सह-वाह्य प्रवासी सर्वाधिक हैं। समस्त सह-प्रवास के अनुसार भी 20-29 आयु वर्ग का सह-प्रवास का प्रतिशत 54·8% है। दूरी के अनुसार प्रदेश के शेष अन्य जनपदों {इलाहाबाद एवं संलग्न जनपदों को छोड़कर} के सर्वाधिक सह-वाह्य प्रवासी 32·27% हैं।

सारिणी संख्या - 8·9

शैक्षिक-स्तर एवं विशिष्ट-प्रवास क्षेत्रानुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण

(DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO EDUCATION LEVEL & SPECIFIC REGION OF MIGRATION)

वाह्य-प्रवास क्षेत्र / शैक्षिक-स्तर	इलाहाबाद नगर से 10 किमी. क्षेत्र में M + F = T (%)	इला. नगर से जिले के शेष अन्य क्षेत्र में M + F = T (%)	इलाहाबाद के संलग्न जिलों में M + F = T (%)	उ० प्र० के शेष अन्य जिलों में M + F = T(%)	भारत के अन्य राज्यों में M + F = T (%)	इला. नगर से विश्व के अन्य देशों में M + F = T(%)	योग M + F = T (%)
अशिक्षित	0+ 5= 5(0.70) 14.70 8.06	2+19=21(2.92) 21.42 33.87	1+ 9= 10(1.40) 7.81 16.13	5+ 5= 10(1.39) 4.31 16.13	6+ 9= 15(2.08) 7.21 24.19	0+ 1= 1(0.14) 5.30 1.61	14+ 48= 62(8.62) -- 100.00
- 5 वर्ष से कम	-	1+ 3= 4	1+ 1= 2	5+ 2= 7	5+ 1= 6	-	12+ 7= 19
- 5 वर्ष से अधिक	0+ 5= 5	1+16=17	0+ 8= 8	0+ 3= 3	1+ 8= 9	0+ 1= 1	2+ 41= 43
साक्षर	0+ 9= 9(1.25) 26.50 19.15	0+ 9= 9(1.25) 9.20 19.15	0+ 7= 7(0.97) 5.46 14.89	1+ 7= 8(1.11) 3.44 17.02	0+ 9= 9(1.25) 4.32 19.15	0+ 5= 5(0.70) 26.31 10.64	1+ 46= 47(6.54) -- 100.00
प्राथमिक-स्तर	0+ 3= 3(0.41) 8.82 3.85	0+19=19(2.69) 19.40 24.36	1+ 15= 16(2.22) 12.50 28.51	11+ 12= 23(3.20) 9.91 29.49	4+ 13= 17(2.40) 8.20 21.79	-	16+ 62= 78(10.85) - 100.00
पूर्व-माध्यमिक-स्तर	0+ 6= 6(0.83) 17.64 5.56	0+21=21(2.92) 21.42 19.44	1+ 15= 16(2.22) 12.50 14.81	1+ 31= 32(4.45) 13.80 29.63	1+ 30= 31(4.31) 14.90 28.70	1+ 1= 2(0.28) 10.52 1.85	4+104=108(15.02) - 100.00
माध्यमिक-स्तर	1+ 8= 9(1.25) 26.50 4.62	0+22=22(3.05) 22.42 11.28	2+ 45= 47(6.53) 36.71 24.10	4+ 63= 67(9.31) 28.90 34.36	3+ 46= 49(6.81) 23.55 25.13	0+ 1= 1(0.14) 5.30 0.51	10+185=195(27.12) - 100.00
स्नातक-स्तर	-	0+ 4= 4(0.55) 4.08 3.03	3+ 20= 23(3.20) 17.96 17.42	5+ 52= 57(7.92) 24.60 43.18	0+ 45= 45(6.25) 21.63 34.09	0+ 3= 3(0.42) 15.80 2.27	8+124=132(18.36) - 100.00
परास्नातक-स्तर	0+ 2= 2(0.28) 5.90 2.50	0+ 2= 2(0.24) 2.04 2.50	0+ 9= 9(1.25) 7.03 11.25	2+ 23= 25(3.50) 10.80 31.25	0+ 35= 35(4.90) 16.82 43.75	1+ 6= 7(0.97) 36.84 8.75	3+ 77= 80(11.13) - 100.00
शोध एवं अनुसंधान-स्तर	-	-	-	0+ 1= 1(0.14) 0.43 33.33	0+ 2= 2(0.28) 0.96 66.67	-	0+ 3= 3(0.42) - 100.00
तकनीकि-डिग्री	-	-	-	0+ 9= 9(1.25) 0.87 75.00	0+ 3= 3(0.42) 1.44 25.00	-	0+ 12= 12(1.67) - 100.00
तकनीकि-डिप्लोमा	-	-	-	-	1+ 1= 2(0.28) 0.96 100.00	-	1+ 1= 2(0.28) - 100.00
योग	1+33=34(4.73) 100.00	2+96=98(13.63) 100.00	8+120=128(17.80) 100.00	29+203=232(32.27) 100.00	15+193=208(28.83) 100.00	2+17=19(2.64) 100.00	57+662=719(100%) 100.00

विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र एवं शैक्षिक - स्तर के अनुसार सह-वाह्यप्रवासियों का वितरण (DISTRIBUTION OF ACCOMPANIED OUT-MIGRANTS ACCORDING TO SPECIFIC MIGRATION REGION AND EDUCATION-LEVEL)

सारिणी संख्या 8·9 में विशिष्ट वाह्य प्रवास-क्षेत्र एवं शिक्षा के अनुसार सह-वाह्य प्रवासियों का वितरण प्रदर्शित है। समस्त 719 सह-वाह्य प्रवासियों में 57 पुरूष एवं शेष 662 महिलायें हैं।

नगर से दस किमी0 के परिधि क्षेत्र में सह-वाह्य प्रवासियों की कुल संख्या 34 (4·73%) है जिसमें मात्र एक पुरूष एवं शेष महिलायें हैं। इस क्षेत्र में प्रवासियों को उनकी शिक्षा के अनुसार वितरित करने पर प्रतिशत प्रवासी इस प्रकार हैं - शिशु शून्य प्रतिशत, अशिक्षित 14·7%, साक्षर 26·5%, प्राथमिक स्तरीय 8·82%, पूर्व माध्यमिक स्तरीय 17·64%, माध्यमिक स्तरीय 26·5%, परास्नातक 5·9%, स्नातक, शोध स्तरीय, एवं तकनीकि डिग्री-डिप्लोमा स्तरीय शून्य प्रतिशत वाह्य प्रवासी हैं। स्पष्ट है कि इसक्षेत्र में नगर के साक्षर एवं माध्यमिक स्तर के सर्वाधिक समान रूप से 26·5% सह-वाह्य प्रवासी हैं जिनका समस्त सह-वाह्य प्रवास में प्रतिशत 1·25% है।

इलाहाबाद नगर से इलाहाबाद जनपद के शेष अन्य क्षेत्रों में (10 किमी परिधि को छोड़कर) 98 (13·63%) वाह्य प्रवासी हैं। इसक्षेत्र में प्रवासित व्यक्तियों को उनके शिक्षा के अनुसार वितरित करने पर प्रतिशत वितरण इस प्रकार है - अशिक्षित 21·42%, साक्षर 9·2%, प्राथमिक

स्तरीय, 19·4%, पूर्व-माध्यमिक स्तरीय 21·42%, माध्यमिक स्तरीय 22·44%, स्नातक 4·08%, एवं परास्नातक 2·04% हैं। शोध, तकनीकि डिग्री, डिप्लोमा स्तरीय बाह्य प्रवासी शून्य हैं। इन सभी प्रवासियों में माध्यमिक स्तरीय, पूर्व माध्यमिक स्तरीय एवं अशिक्षित सह-बाह्य प्रवासी प्रमुख हैं।

अध्ययन से स्पष्ट है कि 128 (17·8%) प्रवासियों ने संलग्न जनपदों में सह-प्रवास किया है-जिसमें अशिक्षित 7·81%, साक्षर 5·46%, प्राथमिक स्तरीय 12·5% , पूर्व माध्यमिक स्तरीय 12·5%, माध्यमिक स्तरीय 36·7%, स्नातक 17·96%, एवं परास्नातक 7·03%, सह-प्रवासी हैं। शोध व तकनीकि स्तरीय लोगों ने संलग्न जनपदों में सह-प्रवास नहीं किया है।

प्रदेश के अन्य जिलों में 232 (32·27%) व्यक्तियों ने नगर से सह-प्रवास किया है, जिसमें 29 पुरूष एवं 203 महिलायें हैं। सह-प्रवासियों में अशिक्षित 4·31%, साक्षर 3·44%, प्राथमिक स्तरीय 9·91%, पूर्व माध्यमिक स्तरीय 13·8%, माध्यमिक स्तरीय 28·9%, स्नातक 24·6%, परास्नातक 10·8%, शोध व अनुसंधान स्तरीय 0·43% एवं तकनीक डिग्री स्तरीय 3·87% सह-प्रवासी हैं।

देश के अन्य राज्यों में 208 (28·83%) व्यक्तियों ने इलाहाबाद नगर से सह-प्रवास किया है, जिसमें अशिक्षित 7·21%, साक्षर 4·32%, प्राथमिक स्तरीय 8·2%, पूर्व माध्यमिक स्तरीय 14·9%, माध्यमिक

स्तरीय 23·55%, स्नातक 21·63%, परास्नातक 16·82%, शोध स्तरीय 0·96%, तकनीकि डिग्री 1·44% एवं तकनीकि डिप्लोमा स्तरीय 0·96% सह प्रवासी हैं।

नगर के अन्तर्राष्ट्रीय सह-प्रव्रजक 19 (2·64%) व्यक्ति हैं, जिसमें अशिक्षित 5·3%, साक्षर 26·31%, पूर्व माध्यमिक 10·52%, माध्यमिक स्तरीय 5·3%, स्नातक 15·8%, एवं परास्नातक 36·84 सह-प्रवासी हैं। तकनीकि स्तरीय लोगों ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन नहीं किया है।

अध्ययन से स्पष्ट है कि यद्यपि 8·62% अशिक्षित एवं 6·54% मात्र साक्षर सह-प्रवासी हैं फिर भी सर्वाधिक माध्यमिक स्तरीय सह-प्रवासी हैं। अत्यधिक उच्च स्तरीय शिक्षित लोगों में सह-प्रवास प्रवृत्ति कम पायी जाती है। जो भी प्रवृत्ति है वह महिलाओं में ही है। तकनीकि डिग्री डिप्लोमा व शोध स्तरीय प्रवासी सह-प्रवास कम करते हैं। उच्च शिक्षितों ने यदि सह-प्रवास किया है तो उन्होंने प्रवास सीमा को महत्व नहीं दिया है। अन्य शैक्षिक स्तरीय सह-प्रवासियों ने अपने प्रवास सीमा को लगभग निम्नतम करने की कोशिश अवश्य की है।

—x—

ब- अन्त: एवं वाह्य प्रवास के परिणाम

(Consequences of In & Out-Migration)

प्रवास, जनांकिकी विश्लेषण का एक ऐसा महत्वपूर्ण कारक है जिसका परिणाम दृष्टिगत होना अपेक्षित है। यह जहां देश में दो धाराओं - अंत: प्रवास एवं वाह्य प्रवास को अभिव्यक्त करता है, वहीं अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास में आप्रजन एवं प्रव्रजन को भी स्पष्ट करता है। निश्चित रूप से दोनों स्तर के प्रवास में परिणाम अवश्य होंगे। आंतरिक एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास के परिणामों का अध्ययन पृथक रूप से हम करेंगे। इस सन्दर्भ में परिणाम का अध्ययन मुख्य रूप से तीन महत्वपूर्ण बिन्दुओं* पर संकेन्द्रित है -

1- जिस स्थान से प्रवास हो रहा है उस स्थान पर प्रवास परिणामों का अध्ययन।

2- जहां प्रवास हो रहा है, उस स्थान पर प्रवास परिणामों का अध्ययन।

3- प्रवास-प्रक्रिया के कारण प्रवासी पर पड़े परिणामों का अध्ययन।

उपर्युक्त तीनों महत्वपूर्ण बिन्दुओं का सम्मिलित रूप से अध्ययन किया गया है।

---

*Population reports, Series M, No. 7, Sep.-Oct.'1983, P. M 260.

1- प्रवास एवं शिक्षा

(Migration & Education)

प्रवास के प्रमुख कारणों में शिक्षा एक अतिमहत्वपूर्ण कारक है। यदि शिक्षा अनुकूल एवं आकर्षक कारक है, तो इसके प्रभाव भी उतने ही महत्वपूर्ण होंगे जितना इस तत्व में आकर्षण है। शिक्षा को इस सन्दर्भ में हम दो रूप में देख सकते हैं। प्रथम - सतत् शिक्षा हेतु प्रवास एवं द्वितीय अधिक अच्छी शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रवास। सतत्शिक्षा से हमारा तात्पर्य - मूल स्थान पर किसी व्यक्ति विशेष के लिए शिक्षा की निरन्तरताबनाये रखने वाली संस्थाओं के अभाव होने के कारण शिक्षा प्राप्त करने के लिए अन्यत्र प्रवास। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवास से तात्पर्य - मूल स्थान पर सतत्शैक्षिक संस्थानों के विद्यमान होने के उपरान्त भी अन्यत्र शिक्षा ग्रहण हेतु प्रवास। यह किसी भी शैक्षिक स्तर से सम्बन्धित हो सकता है।

प्रवास-स्थल पर शिक्षा के साधन यदि सीमित है और उस स्थान की शिक्षा में अनुकूल तत्व अपेक्षाकृत समीपवर्ती स्थानों के अधिक है तो शिक्षा के लिए प्रवास अधिक होने पर निश्चित रूप से प्रभाव दिखायी पड़ेंगे। यदि परिवर्तित स्थितियों में सुधार नहीं हुआ तो शैक्षिक संस्थानों में शैक्षिक उपलब्धता की मात्रा कम होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के विकार उत्पन्न होने की संभावनाएं प्रबल होंगी।

प्रवासियों का मुख्य उद्देश्य ज्ञान प्राप्त करना और ज्ञान में अभिवृद्धि करना होता है फलतः प्रवास के परिणाम धनात्मक होंगे। लेकिन

यदि मूल स्थान से मस्तिष्क-पलायन* होता है तो राष्ट्र के विकास के लिए अहितकर है।

प्रवासी विभिन्न क्षेत्रों, स्थानों, देशों, जातियों एवं धर्मों के होते हैं, फलत: विभिन्न स्थानों के विचारों का उचित समन्वयन होता है। शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार होता है जो इस क्षेत्र में गुणक की तरह कार्य करता है। नये-नये आविष्कार शोध एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलता है जो मानव-कल्याण एवं उसके बौद्धिक चिन्तन को बढ़ाने में सहायक होता है।

शिक्षा हेतु प्रवास में प्रवासी मूल स्थान एवं प्रवास स्थल दोनों परप्रभावित होते हैं।** प्रवासियों के लिए शिक्षा की प्राप्ति एक उपलब्धि होती है। यदिप्रवासी अपने उद्देश्य में सफल होता है तो यह शैक्षिक उपलब्धि न केवल प्रवासी के लिए वरन् सभी के लिए महत्वपूर्ण होगा। यदि प्रवास-स्थल पर उच्च शिक्षा की भी व्यवस्था है तो अधिक अच्छी शिक्षा प्राप्ति हेतु प्रवासियों की संख्या में वृद्धि होगी लेकिन यह निर्भर करता है कि उनके मूल स्थान पर अपेक्षित शिक्षण-संस्थाएं हैं कि नहीं।

शिक्षा हेतु प्रवासित व्यक्तियों पर कुछ परिणाम असंगत भी पड़ते हैं। एकल प्रवास होने के कारण प्रवासियों को हर प्रकार से परेशानी उठानी पड़ेगी। प्रवास क्षेत्र एवं संस्थानों की समस्याओं का सामना करना पड़ता

---

*Economics Times, Brain Drain, Need For a realistic Policy, 25 Oct., 1983.

**P.H. Bigg, Migration to Urban Areas, IBRD, Economic Dev. Working Paper, 107, June 1971.

है। आवश्यक साधनों के अभाव के कारण समुचित शिक्षा नहीं मिल पाती है। विभिन्न समुदायों के होने के कारण उनके मध्य आपसी टकराव एवं वैमनस्य की संभावनाएं भी विद्यमान रहती हैं। प्रवासियों में क्षेत्रीयता, जातिवाद तथा अलगाववाद की भावनाएं पनपने लगती हैं जो गलत परिणामों को जन्म देती हैं।

शैक्षिक प्रवास के परिणाम, प्रवास स्थल पर भी महत्वपूर्णहोते हैं। प्रवास के कारण ये स्थल शैक्षिक गतिविधियों के केन्द्र बनते जाते हैं, जिसके कारण देश-विदेश के लोग आकर्षित होते हैं। शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न व्यवसायों को प्रोत्साहन मिलता है। पुस्तक, स्टेशनरी सहित विभिन्न प्रकार के लघु एवं बड़े उद्योग उक्त क्षेत्र में स्थानीयकृत होने का प्रयास करते हैं। प्रवास स्थल को विभिन्न स्थानों के शिक्षार्थियों को ज्ञान प्रदान करने का गौरव प्राप्त होता है। विभिन्न स्तर के शैक्षिक संस्थाओं, तकनीकि एवं मेडिकल संस्थानों का अभ्युदय होता है। इन क्षेत्रों में लोगों को व्यवसाय एवं रोजगार प्राप्त होने का अवसर प्राप्त होता है। अधिक प्रवास के कारण प्रवासस्थल परिणाम यह होता है कि, प्रवासियों को आवासीय, शिक्षा तथा आवश्यक वस्तुओं के अभाव का भी सामना करना पड़ता है।

शैक्षिक-प्रवास के परिणाम मूल स्थान पर भी पड़ते हैं।* मूल-स्थान पर शिक्षित व्यक्तियों की कमी होती जाती है। ये शिक्षित व्यक्ति उस

---

* Yojna, December 1983.

स्थान के महत्वपूर्ण अंग होते हैं। शैक्षिक गतिविधियाँ उस स्थान विशेष की कम होती जाती है, फलत: विकास में अवरोध उत्पन्न होता है। शैक्षिक संस्थाएं एवं सम्बन्धित उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवास से प्रवासियों की स्थिति अच्छी होती है लेकिन उनके प्रवास से मूल स्थान पर शैक्षिक जागृति कम होती जाती है, क्योंकि ये व्यक्ति शैक्षिक उन्नयन में प्रोत्साहन का कार्य सम्पादित कर सकते थे, लेकिन यहबात प्रवासियों के हित में सर्वथा नहीं होती है।

प्रस्तुत शोध सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि निश्चित रूप से इलाहाबाद नगर में अच्छे परिणाम दिखायी पड़ेंगे, क्योंकि 83% अन्त: प्रवासी प्रबुद्ध वर्ग से सम्बन्धित है। लगभग 94% अन्त: प्रवासी हिन्दू एवं इसमें लगभग 34% प्रवासी ब्राह्मण एवं 21% प्रवासी कायस्थ होने से यह बात स्पष्ट होती है कि भविष्य में इलाहाबाद नगर में इन जातियों के अन्त: प्रवास में बाहुल्यता होगी। साथ ही शैक्षिक आकर्षण के कारण इलाहाबाद नगर को ऐसी श्रम शक्ति उपलब्ध हुई है, जो उच्च शिक्षित है। यद्यपि नगर के स्व-वाह्य प्रवासी अपेक्षाकृत स्व-अंत: प्रवासियों के कम हैं, लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं है कि इलाहाबाद नगर से कम लोग प्रवास में रुचि रखते हैं। वस्तुत: सर्वेक्षण के आँकड़े न्यादर्श स्थान से इकट्ठे किये गये है, न कि प्रवास स्थल से। फलत: मूलस्थान से वाह्य प्रवासियों की गणना एक दुरूह्य एवं दु:साध्य कार्य हो जाता है। इन सभी परिस्थितियों में वाह्य प्रवास के परिणामों का अध्ययन इस प्रकार है -

इलाहाबाद नगर से प्रवास करने वालों में सर्वाधिक प्रवासी स्नातक स्तर के 22·42%, माध्यमिक स्तर के 20·90% एवं परास्नातक स्तर के 19·70% हैं। तकनीकि शिक्षा से सम्बन्धित लगभग 23·63% है, स्पष्ट है कि इलाहाबाद नगर से अधिक शिक्षितों के जाने एवं अशिक्षितों एवं मध्यम स्तर के शिक्षितों के कम प्रवास के कारण मूल स्थान पर अच्छा प्रभावन नहीं पड़ेगा। इन शिक्षित प्रवासियों में 28% स्नातकों ने, 32% परास्नातकों ने, 16% माध्यमिक स्तरीय प्रवासियों ने एवं 16% तकनीकि शिक्षा से सम्बन्धित प्रवासियों ने अपेक्षाकृत अधिक अच्छी शिक्षा हेतु प्रवास किया है। इस प्रकार से इलाहाबाद नगर को लाभ हुआ कि यहाँ के लोग वाह्य प्रवास के कारण शिक्षित हुए लेकिन समस्त स्व-वाह्य प्रवास में अधिक अच्छी शिक्षा हेतु मात्र 7·58% ने ही प्रवास किया है, इस दृष्टिकोण से मूल स्थान पर अच्छे परिणाम होंगे कहना अविवेक पूर्ण होगा। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु संलग्न जनपदों में 36%, उत्तर प्रदेश को छोड़कर अन्य राज्यों में 32% एवं प्रदेश में 24% ने प्रवास किया है। प्रवासियों को शिक्षा प्राप्त होगी लेकिन प्रवास स्थल को इलाहाबाद नगर की सभ्यता-संस्कृति एवं प्रबुद्धता जानने का अवसर प्राप्त होगा। सर्वेक्षण के अनुसार यह देखा गया कि स्व-वाह्य प्रवास में नवयुवकों का प्रतिशत अत्यधिक है, फलतः इन क्षेत्रों में जागरूक पुरुषों के प्रवास से विकास के लिए अच्छा संकेत कहा जा सकता है।

2- प्रवास एवं आर्थिक विकास

(Migration & Economic Development)

प्रवास के कारण मूल-स्थान, प्रवास स्थल एवं प्रवासियों पर पड़ने वाले परिणामों के विषय में कुछ कहा जा सकता है लेकिन स्पष्ट रूप से आर्थिक विकास पर पड़े परिणामों के विषय में लक्ष्यित प्रयास रूप में ही कहा जा सकता है। दशकों से ग्रामीण से नगरी प्रवास यह विवाद निष्कर्ष नहीं निकाल सका कि ग्रामीण से नगरी प्रवास आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है या नहीं। नगरीकरण, औद्योगीकरण एवं विकास के मध्य सम्बन्ध बड़े गूढ़ हैं एवं इससम्बन्ध में अनुभवगम्य निष्कर्षों की भी सदैव से कमी रही है।*

मानवीय शक्ति का प्रवास न केवल व्यक्तिगत आधार पर लाभदायक होता है, वरन् उत्पादकता एवं आय बढ़ने के कारण राष्ट्रीय आधार पर भी लाभदायक होता है।

प्रवास मूल स्थान एवं प्रवास-स्थल दोनों के मध्य मजदूरी-दर को संतुलित करने का प्रयास करता है। क्योंकि दोनों स्थानों में मजदूरी एवं आय में अन्तर ही प्रवास को उत्पत्ति करता है।** यदि प्रवास-स्थल पर लोगों को रोजगार व उद्यम के अवसर हैं तो इस अनुकूल तत्व के कारण प्रवास होगा जो अर्थव्यवस्था के योगदान में अवश्य ही सहायक होगा।

---

*Population reports, Series M, No.7, Sep.-Oct.,1983, P. M 262.

**A model of Labour Migration and Urban Unemployment in Less Developed Countries, American Economic Review, Vol. 59, No. 1 (1969), PP. 138-48., Michael P. Todaro.

प्रवासी सदैव निम्न आय के क्षेत्रों से उच्च आय क्षेत्रों में प्रवास करते है जिसका महत्वपूर्ण परिणाम यह होता है कि इससे क्षेत्रीय आय-वितरण की असमानताएँ दूर होती हैं। यदि प्रवास-स्थल कम जनसंख्या वाला क्षेत्र है तब प्रवास के कारण जनसंख्या में होने वाली वृद्धि पैमाने के अर्थशास्त्र को प्राप्त करने में सहायक होगी। सामान्य रहन-सहन के स्तर में वृद्धि होगी। अन्य भिन्न परिस्थितियों में निवल प्रवास का प्रभाव यह हो सकता है कि आय एवं औसत मजदूरी में कमी हो।* प्रवासियों की प्रवास-अवधि यदि अधिक होती हैं तो उनकी आय अधिक होने की संभावनाएं भी अधिक होती हैं। प्रारंभ के समय में आय कम होती है लेकिन आयु, प्रवास अवधि एवं योग्यता बढ़ने के साथ उनकी आय भी बढ़ती है। जिससे प्रवासी एवं प्रवास क्षेत्र दोनों लाभान्वित होते है। यदि प्रवासी मूल-स्थान से अपना सम्पर्क बनाये रखता है तो वहाँ भी धन भेजकर मूल-स्थान को लाभान्वित करता है।

प्रवास से औद्योगीकरण को भी प्रोत्साहन मिलता है। यद्यपि औद्योगीकरण प्रवास अनुकूल कारक भी है लेकिन उद्योग-धन्धोंको स्थापनांतर तीव्र

---

*Oberoi, A.S., ManmohanSingh, H.K., Causes and Consequences of Internal Migration, Oxford University Press, 1983, P. 40.

विकास के लिए अतिरिक्त श्रम शक्ति विभिन्न स्थानों से मँगाये जाते हैं। बंगलोर, सूरत, भोपाल, रांची, दुर्ग, भिलाई, थाने, राउरकेला, औरंगाबाद, गाजियाबाद, बोकारो, नेल्लोर (आन्ध्र प्रदेश), रानीगंज (प0 बंगाल), तिरूपति, सोनीपत, परभानी (महाराष्ट्र), एवं ओन्डाल (प0 बंगाल) में प्रवास के कारण तीव्र औद्योगीकरण को प्रोत्साहन मिला। *

प्रवास-प्रवाह में तीन बिन्दुओं में यथा - आय एवं पूंजी प्रवाह, श्रम शक्ति प्रवाह एवं विभिन्न सूचनाओं का प्रवाह महत्वपूर्ण होते हैं। प्रवासी अपने साथ विभिन्न तकनीकि एवं गैर तकनीकि सूचनाएं भी ले जाता है जिसका उपयोग वह प्रवास स्थल पर करता है। तकनीकि सूचनाओं एवं जानकारियों के उपयोग से प्रत्येक क्षेत्र में कुशलता बढ़ती है। इस प्रकार प्रवासस्थल को विभिन्न स्थानों की शोधित तकनीकि का लाभ होता है।**

प्रवासियों की व्यक्तिगत क्षमता एवं विशेषताओं का आर्थिक विकास पर परिणाम पड़ता है। नवयुवकों के प्रवास से जहाँ ग्रामीण मूल-स्थान के आर्थिक विकास में बाधा आयेगी वहीं प्रवास स्थल को लाभ होगा। शिक्षा, व्यवसाय एवं उनके व्यक्तिगत विचार आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करते हैं।

साक्षरता के अनुसार इलाहाबाद में साक्षरता प्रतिशत 1981 में 27.99% एवं पुरूषों में 4.51% एवं महिलाओं में 12.87% है। सर्वाधिक

---

s, Paper No. 2, 1981.
eer, Society and Population Prentice Hall, od Cliffs, New Jersey, 1968.

साक्षरता केरल में एवं मेरठ में है।* प्रवासियों में यह देखा गया कि उनमें साक्षरता प्रतिशत अत्यधिक होती है। ऐसी स्थिति में आर्थिक विकास में प्रवास का परिणाम अच्छा पड़ेगा।

औद्योगिक अधिनियम 1948 के अन्तर्गत 1981-82 में इलाहाबाद में पंजीकृत कार्यरत कारखाने 189, रिटर्न प्रदान करने वाले कारखाने 183 एवं उसमें कार्यरत व्यक्तियों की संख्या 23018 रही। 1983-84 में लघु औद्योगिक इकाइयों की संख्या 710 एवं उसमें कार्यरत व्यक्तियों की संख्या 2646 रही**, निश्चत रूप से प्रवासियों ने औद्योगिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यद्यपि नगर के मूल-निवासी भी सम्मिलित है तथापि प्रवासियों के योगदान को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है।

इलाहाबाद जनपद में 1981 में कुल मुख्य कर्मकरों की जनसंख्या से प्रतिशत 29·61% है जिसमें नगरीय क्षेत्र के 26·01% एवं ग्रामीण क्षेत्र के कर्मकरों का प्रतिशत 30·53% है। जनपद में वस्तु उत्पाद खंडों से प्रति व्यक्ति शुद्ध उत्पाद (प्रचलित भावों पर) 1981-82 में 719 रूपये था जबकि 1979-80 में 531 रूपये एवं 774 रूपये था। राष्ट्रीय बचत में 1983-84 में शुद्ध जमाधन 1388 एवं सकल जमाधन 1416 लाख रूपये था**, इस प्रकार विभिन्न आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि नगर सहित जनपद में आर्थिक विकास इधर हाल के वर्षों में तीव्र हुआ है। मूल्य-वृद्धि एवं मुद्रा

---

* सांख्यिकीय डायरी, उत्तर प्रदेश, 1984, अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, उ०प्र०,

** सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद इलाहाबाद, 1984, कार्यालय संख्याधिकारी, अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, उत्तर प्रदेश।

स्फीति ने अपना प्रभाव अवश्य दिखाया है फिर भी शहरीकरण एवं मशीनीकरण ने आर्थिक विकास को एक नयी दिशा दी है।

प्रवास के कारण आर्थिक विकास पर पड़ेपरिणाम के विषय में पृथक रूप से स्पष्टतः कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। फिर भी परिणाम महत्वपूर्ण होते हैं। नगरीकरण, औद्योगीकरण एवं विकास के मध्य सम्बन्ध बड़े ही गूढ़ हैं। प्रवास का मानव श्रम शक्ति, मजदूरी दर, आर्थिक संतुलन रोजगार-अवसर, एवं क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय-स्तर पर आयका समान वितरण पर स्पष्ट रूप से परिणाम पड़ेगा। निम्न जनसंख्या वाले क्षेत्र में पैमाने के प्रतिफल की प्राप्ति होगी एवं अधिक अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र में आय एवं औसत मजदूरी में कमी ही होगी।

नगर कोआय, पूंजी, उच्च श्रम शक्ति प्रवाह, तकनीकि ज्ञान, एवं शोधित तकनीकि की प्राप्तिहोगी जो अर्थव्यवस्था को उत्पादन एवं उपभोग के क्षेत्र में नया रूप देगी। प्रवासी धन भी आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित करेगी, प्रवासी धन भी आर्थिक व्यवस्था कोप्रभावित कर,धन का समुचित उपयोग जहाँ मानव जीवन को ऊपर उठायेगा वहीं सम्बन्धित क्षेत्र एवं राष्ट्र के समग्र आय में वृद्धि भी करेगा।

प्रवास जनांकिकी का तृतीय स्तंभ है जो अत्यधिक महत्वपूर्ण है। प्रवास का तात्कालिक परिणाम किसी भी स्थान के जनसंख्या में संख्या वृद्धि, आयु-वर्ग एवं लैंगिक संरचना में प्रत्यक्ष परिवर्तन को व्यक्त करता है। अन्त: प्रवास दर एवं जन्मदर के अधिक व मृत्युदर के कम होनेपर स्थिति विस्फोटक होगी लेकिन यदि वाह्य प्रवास भी अधिक हो रहा है तो स्थिति कुछ संतुलित ही होगी।

प्रवास से परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे जनसंख्या स्थिति में सुधार अवश्य होगा।* नगर में अच्छी शिक्षा हेतु अन्त: प्रवासित युवाओं का शिक्षा एवं रोजगार में दीर्घकालीन समय तक संलग्न होने के कारण उनके प्रजननता पर भी असर दिखायी पड़ेगा जो जनसंख्या को कम अवश्य करेगी। वर्तमान समय में परिवार नियोजन पर बल दिये जाने के कारण उसके निष्कर्ष अच्छे ही दिखायी पड़ेंगे।

प्रवास का सर्वाधिक एवं प्रत्यक्ष परिणाम जनसामान्य सुविधाओं एवं सेवाओं पर पड़ता है।** अधिक अंत: प्रवास से इन सेवाओं पर खराब एवं अधिक वाह्य प्रवास से अच्छा परिणाम पड़ता है। वैसे इन सुविधाओं को प्रभावित करने वाली कुल जनसंख्या है लेकिन उसमें प्रवासी जनसंख्या का योगदान सर्वाधिक है। सुविधाओं एवं सेवाओं में कटौती, व त्रुटियां प्रवास-स्थल के अनुकूल आकर्षण को कम करने में सहायक होंगें। प्रवास के

---

* Population Reports, Series, M., Number 7, Sep.-Oct., 1983, P. M277.

** Causes & Consequences of Internal Migration, Oberoi, A.S. & ManmohanSingh, H.K. PP.339-34 .

कारण सर्वाधिक दबाव वाला क्षेत्र है - यातायात एवं परिवहन, जलापूर्ति व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवायें, क्रीड़ा-मनोरंजन, सफाई, रोजगार, आवास, वस्त्र, एवं आवश्यक उपभोग वस्तुओं की आपूर्ति। बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर इसके अप्रत्यक्ष परिणाम पड़ते हैं। धीरे-धीरे प्रवास स्थल पर अत्यधिक दबाव लोगों को कष्ट एवं दुख में डाल देगा। प्रवास-स्थल की बढ़ती भीड़, अव्यवस्था, असुरक्षा, गन्दगी, बीमारी, शोर, वायु व जल प्रदूषण, भ्रष्टता, नैतिक-स्तर में पतन, अशिक्षा, एवं बेकारी को प्रश्रय देकर समाज, राष्ट्र एवं अर्थव्यवस्था सभी को अधःपतन की स्थिति में खड़ा कर देगी। औद्योगीकरण शहरीकरण एवं आधुनिकीकरण आदि सभी का अन्धकार पक्ष सामने आ जायेगा जो मानव जीवन को दुरूह्य कर देगा।

3 - प्रवासी-धन
(Remittances)

प्रवासी अपने मूल-स्थान पर घनिष्ठ व्यक्तियों को धन भेजते हैं और कभी-कभी लौटने पर उनके लिए उपहार-भेंट एवं बचाये हुए धन को प्रदत्त करते हैं। सामान्यतया लगभग 60-90 प्रतिशत प्रवासीधन भेजते हैं।

---

*Population Reports, Series M. No. 7, Sep.-Oct.,1983.

परिवार में प्राय: संरक्षक ही पालन-पोषण के उत्तरदायी होते हैं। अपने बच्चों एवं अन्य लोगों को प्रत्येक स्थितियों में आर्थिक सहायता देते रहते हैं। ऐसे सहायय व्यक्ति अवसर आने पर अपने कर्त्तव्य का निर्वाह अर्जित धन में से कुछ धन भेजकर करते हैं।

भेजे हुए धन का मुख्य उपयोग प्राय: उत्पादन-विनियोग, बच्चों की शिक्षा, ऋणों का भुगतान, विवाह-अन्तिम संस्कार और विभिन्न उत्सवों, खाद्यान्न एवं वस्त्र, आवास तथा सम्बन्धित निर्माण, एवं उपभोग संस्कृति में अभिवृद्धि के लिए होता है। उत्पादन विनियोग में धन का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि-क्रय, भूमि-सुधार, उपकरण एवं यंत्रों का क्रय, बीज एवं उर्वरक आदि में होता है। नगरी क्षेत्रोंमें आवास, उद्यम एवं व्यापार, रहन-सहन की स्थिति में सुधार एवं प्रदर्शन-प्रभाव में प्रेषित धन का उपयोग होता है।* पाकिस्तान एवं बंगलादेश में 1979-80 में लोगों के पास कुल धन में तीन-चौथाई धन महत्त्वपूर्ण देशों के प्रवासियों द्वारा भेजा गया था।** कुछ साक्ष्य यह स्पष्ट करते हैं कि प्रवासियों के निवास की लम्बी अवधि एवं नियमितता धन भेजने के कार्य में अवरोध लायेगी।***

निश्चित रूप से प्रवासी धन से मूल-स्थान पर महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है। यह प्रक्रिया मूल-

---

* An Introduction to the Study of Population, Mishra, Bhaskar,D., PP.225-253.

** Population Reports,Series M. No. 7, Sep.-Oct., 1983.

***A Study of Agro-Economic Research Centre, Delhi, quoted by Mishra, Bhasker, D.

स्थान एवं प्रवास-स्थल दोनों स्थानों के आय-वितरण में पूर्ण परिवर्तन करता है। प्रवासी-धन से मूल-स्थान की आय में वृद्धि होती है जिसके कारण उपभोग स्तर में वृद्धि एवं तकनीकि प्रोत्साहन ग्रामीण क्षेत्र कीआय में परिवर्तन कर सकते हैं। यदि धन का उपभोग अनुत्पादक क्षेत्रों में कम एवं उत्पादक क्षेत्रों में अधिक हो रहा है तो ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों में विविधता के साथ प्रत्येक क्षेत्र में विकास होगा, रोजगार स्तर, उपभोग, बचत एवं विनियोजन में वृद्धि के साथ रहन-सहन स्तर में भी वृद्धि होगी जो सामाजिक कल्याण को अधिकतम करने में सहायक होगी।

वस्तुत: ग्रामीण क्षेत्रों के आय-स्तर एवं वितरण पर प्रभाव - धन का प्रवाह, प्रवास-प्रकार, व्यवसाय-क्षेत्र, प्रवासियों की आय, प्रवासियों के रहन-सहन की लागत (जो उनकी सीमान्त बचत प्रवृत्ति को निर्धारित करेगी), मूल स्थान पर सम्बन्धित व्यक्तियों की आवश्यकता, एवं प्रवासियों का मूलस्थान से लगाव आदि पर निर्भर करता है।

प्रवासी एवं मूल-स्थान पर धन का उपयोग करने वाला व्यक्ति यदि दोनों सचेष्ट है तो इसके उपयोग से सामाजिक परिवर्तन के साथ-साथ आर्थिक विकास भी प्रारंभ होगा। गरीब देशों में रहन-सहन के स्तर में परिवर्तन की उपलब्धि लोगों को उत्पादन बढ़ाने की प्रेरणा होती है।*

---

*Gunnar Myrdal, Asian Drama, Vol. III.,

4--जनसंख्या पर परिणाम

(Consequences of Population)

प्रवास जनांकिकी का ऐसा स्तम्भ है जिसके कारण जनसंख्या में गत्यात्मक परिवर्तन होता है। आन्तरिक प्रवास समग्र जनसंख्या के योग में तो परिवर्तन नहीं लायेगा लेकिन स्थान विशेष के अनुसार निश्चित रूप से परिवर्तन लायेगा। यह परिवर्तन उनकी संख्या, लैंगिक अनुपात, आयु-संरचनाआदि पर परिणाम अवश्य दृष्टिगत होंगे। यदि x मूलस्थान से x_1, जनसंख्या y स्थान पर प्रवासित होती है तो y प्रवास स्थल पर x_1, जनसंख्या अतिरिक्त वृद्धि लायेंगी। y स्थल पर तो यह परिणाम पड़ेंगे किवहां जनसंख्या का दबाव बढ़ेगा लेकिन x स्थल पर यह परिणाम घटित होगा कि वहां की जनसंख्या में x_1, जनसंख्या में कम होगी। संरचना में परिवर्तन इस बात पर निर्भर करेगा कि y स्थल पर प्रवासियों की आयु-लिंग आदि का स्वरूप किस प्रकार का है। प्रवास के कारण जनसंख्या पर पड़े परिणामों की गणना सरलता से नहीं किया जा सकता है। यह प्रवासियों की विभिन्न विशेषताओं के कारण दुरूह्य अवश्य है। यदिप्रवासियों का समूह युवा वर्ग का है तो प्रवास-स्थल पर मृत्यु-दर में कमी आयेगी लेकिन मूल-स्थान पर मृत्युदर में कमी ही आयेगी क्योंकि वहां शेष जनसंख्या प्रौढ़ एवंवृद्ध वर्ग के अधिक ही होंगे। वस्तुत: ये सब बातें दोनों स्थान की मृत्यु-दर पर भी निर्भर करती हैं।

किसीस्थान की जनसंख्या सामान्यतया उस स्तर तक बढ़ेगी जिस स्तर तक अर्थव्यवस्था सहायक होगी।* प्रवास-स्थल पर प्राकृतिक वृद्धि दर अत्यधिक कम होने पर प्रवास का परिणाम यह आवश्यक नहीं है कि अच्छा ही हो लेकिन कुपरिणाम की संभावनाएं कम ही होंगी। प्रवास-स्थल पर प्राकृतिक वृद्धि दर अधिक होने पर यदि प्रवास होता है तो विशिष्ट या कुशल लोगों को छोड़कर अन्य को अर्थव्यवस्था स्वीकार करने में असमर्थहोगी। हो सकता है कि लोगों को कष्ट एवं संत्रास से गुजरना पड़े।

युद्ध या विभीषिका के कारण प्राय: युवा वर्ग की कमी हो जाती है फलत: प्रजननता भी प्रभावित होती है, ऐसी स्थिति में किसी भी देश में हुए प्रवास कल्याणकारी हो सकते हैं। मूल-स्थान पर अतिरिक्त मानवीय संसाधनों की यद्यपि कमी होगी लेकिन प्रवास स्थल पर इनका समुचित उपयोग हो सकता है। इससे भिन्न परिस्थितियों होने पर जनसंख्या पर अतिरिक्त दबाव होगा जो वस्तुत: देश के वास्तविक जीवन कोप्रभावित करेगी। लोगों की संख्या एवं भूमि संसाधन के मध्य अत्यधिक विषमता विभीषिका लायेगी जो उच्च मृत्युदर का कारण भी हो सकता है।

न्यादर्श के सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि समस्त 1350 सर्वेक्षित गृहों में 5101 {2895 पुरुष + 2206 महिलायें} लोगों ऐसे हैं जिनका जन्म नगर में ही हुआ है और इन्होंने प्रवास नहीं किया है। इलाहाबाद नगर में

---

*David, M.Heer, Society and Population,Prentice Hall,INC Englewood Cliffs, New Jersey, 1968.

स्व-अंत: प्रवासियों की संख्या 1156 {1097 पुरुष एवं 59 महिलायें},
एवं सह-अन्त: प्रवासियों की संख्या 1722 {398 पुरुष + 1324 महिलायें}
है, इलाहाबाद नगर से विभिन्न स्थानों को वाह्य-प्रवास करने वालों में
स्व-वाह्य प्रवासियों की संख्या 330 {313 पुरुष + 17 महिलायें} व
सह-वाह्य प्रवासियों कीसंख्या 719 {57 पुरुष + 662 महिलायें} हैं।
समस्त वाह्य प्रवासियों एवं प्रवास न करने वालों में अनुपात जहाँ लगभग
1:5 है वहींसमस्त अन्त: प्रवासियों एवं प्रवास न करने वालों का अनुपात
1:2 है। स्पष्ट है कि इलाहाबाद नगर में अन्त: प्रवास के कारण
परिवर्तन समग्र जनसंख्या में वृद्धि के रूप में हुआ है। इस प्रकार न्यादर्श
के अनुसार नगर के मूल निवासियों की संख्यात्मक स्थिति 5101+2878=
7979 हुई। स्पष्ट है कि प्रवास का गत्यात्मक प्रभाव जनसंख्या पर पड़ता
है।

-5 - प्रवास एवं लिंग आयु संरचना

(Migration & Sex-age composition)

प्रवास में लिंग-आयु संरचना महत्वपूर्ण चर होते हैं। इन चरों
के आंशिक परिवर्तन से जनांकिको में अत्यधिक परिवर्तन होते हैं।

यदि वाह्य प्रवास में पुरुषों की प्रधानता है तो इसके परिणाम
स्वरूप मूल-स्थान पर पुरुषों की संख्या में कमी होगी, जो जनांकिको एवं

आर्थिक दोनों दृष्टिकोण से असंतुलन की स्थिति उत्पन्न कर देगी। इसके साथ ही पुरूषों के न होने से सम्बन्धित समस्त जनांकिकी, आर्थिक,सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना दिशाहीन हो सकती है। प्रवास स्थल पर भी कुछ प्रभाव पड़ सकते हैं। लेकिन यह निर्भर करता है कि प्रवास-स्थल किस प्रकार का क्षेत्र है। विवादग्रस्त, पुरूषप्रधान या महिलाओं के लिए सुरक्षित क्षेत्र न होने पर ही अच्छे प्रभावों में अवश्य कमी होगी लेकिन अन्य सामान्य स्थानों पर मात्र पुरूषों के ही अन्त: प्रवासित होने पर असंतुलित विकास की संभावनाएं हो सकती है। हमारा समाज पुरूष प्रधान होने के कारण महिलाओं के प्रत्येक कार्य को गौण रूप में देखता है लेकिन यदि प्रवास में महिलाओंका अनुपात बढ़ता है तो प्रभाव अवश्य अच्छे होंगे।

विभिन्न इस्कैप रीजन {कंट्री रिपोर्ट सं0 1-कोरिया गणराज्य, 2- श्रीलंका, 3- इण्डोनेशिया, 4- मलेशिया, 5 - थाईलैण्ड} के अध्ययन* से यह बात स्पष्ट होती है कि प्रवास में महिलाओं का पुरूषों से अनुपात अत्यधिक कम रहा है। प्रस्तुत शोध में भी इसी प्रकार के तथ्य दिखायी पड़े हैं। अध्ययन में स्व-प्रवास एवं सह-प्रवास का पृथक अध्ययन किया गया है। स्व-अन्त: प्रवासियों में जहां पुरूष एवं महिलाओं का अनुपात

---

*Economic and Social Commission for Asia and the Pacific Comparative Study on Migration, Urbanisation and Development, Country Report, United Nations, 1982.

19:1 है, वहीं सह-अंत:-प्रवासियों का अनुपात 1:3 है। स्व-वाह्य प्रवासियों में पुरूष एवं महिलाओं का अनुपात 18:1 है, वहीं सह-वाह्य प्रवास में 1:12 अनुपात है। स्पष्ट है कि महिलाओं का अनुपात स्व-प्रवास में अत्यधिक कम है। जिन महिलाओं ने सह-प्रवास किया है, उनका अनुपात अवश्य अधिक है लेकिन अत्यधिक नहीं है। इन सह प्रवासियों में वैवाहिक कारणों से सर्वाधिक महिलाओं ने प्रवास किया है,* फलत: जनांकिकी एवं सांस्कृतिक प्रभाव पड़ेंगे। वेबर ने यह पाया कि, "महिलायें पुरूषों की अपेक्षा अधिक संख्या में प्रवास करती है, लेकिन छोटी दूरियों में रोजगार के स्थान पर वैवाहिक कारणों से प्रवास करती है। प्रवासी प्रवृत्ति प्राय: युवा एवं अधिक से अधिक 20-40 आयु-वर्ग के होते हैं।**प्रवास में महिलाओं के आगे आने से समाज में इनको निश्चित ही विशिष्ट स्थान मिलेगा। हो सकता है कि लोग संकीर्णताओं से उठकर इन्हें पृथक वरीयता भी दें।

प्रवास में आयु-संरचना महत्वपूर्ण होती है।***यह प्रवासियों के प्रवास-स्थल के चुनाव एवं व्यवसायको भी प्रभावित करती है। वस्तुत: प्रवास क्षमता इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होती है। विभिन्न आयु-वर्ग के लोग प्रवास करते हैं लेकिन प्रवास का जोखिम उठाने का कार्य क्रम या अधिक आयु के लोग कम कर सकते हैं। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि

---

* Migration in India - An Appraisal of 1981 Population Census Data, S.C. Srivastava, Office of the Registrar General, India, Ministry of Home Affairs, New Delhi.

** Weber, Adna Ferin, The Growth of Cities in the 19th century, 1899, Quoted in Berry, Braian, J.L.'s - The Human Consequences of Urbanization, P.6.

***Population, William Peterson, P.263.

इस आयु में लोग प्रवास करते ही नहीं वरन् कम आयु में लोग संरक्षक या किसी अन्य के साथ प्रवास करते हैं। विश्व के बहुत से देशों में नवयुवकों से प्राय: यह आशा की जाती है कि वे कुछ अनुभव, दक्षता एवं आय प्राप्त करने के लिए अपना गाँव छोड़े।*

वस्तुत: प्रवास प्रक्रिया में नवयुवकों का योगदान सर्वाधिक होता है। नवयुवकों में प्रवास-शिक्षा, रोजगार व्यवसाय आदि के लिए हो सकता है लेकिन इसकी संभावनायें कम है कि वे धार्मिक कार्यों हेतु प्रवास करें।

1971 की जनगणना के अनुसार यू0एस0ए0 में 20-24 आयु-वर्ग के सर्वाधिक 41% लोगों ने अपना निवास परिवर्तन किया और इसी वर्ग के लगभग 16% ने विभिन्न देशों में प्रवास किया।** नवयुवकों में इसका कारण यह है कि एक तो वे किसी भी नये प्रवास-स्थल में अपने को अन्य आयु-वर्ग के लोगों की अपेक्षा ठीक से समायोजित कर सकते हैं, दूसरे-व्यवसाय प्रारंभ में प्रवास की स्थिति आने पर उन्हें अपेक्षाकृत सुविधा होती है।***

युवाओं के प्रवास से मूल स्थान एवं प्रवास-स्थल दोनों प्रभावित होते हैं। यद्यपि प्रवासी प्रवास के कारण कुछ भिन्न सन्तोषजनक स्थिति

---

* Guystanding - Population Mobility and Productive Relations. Page 11., World Bank Staff Working Papers No. 595, P.11.

** U.S. Bureau of the Census, Statistical Abstract of the U.S. 1972, Washington, DC, Govt. Printing Office, 1972, P.91.

*** William Peterson - Population, Page 252-302.

में हो जाता है लेकिन मूल स्थान पर ठीक विपरीत प्रभाव होता है। सभी देशों में जहां नवयुवकों का पुनर्वास हो रहा है प्रवास, जन्म-नियंत्रण का प्रतिस्थापक हो सकता है।* नवयुवकों के प्रवास से मूल स्थान पर आर्थिक विकास, उत्पादकता, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में संतुलन का अभाव हो सकता है, यदि नवयुवकों का प्रवास अत्यधिक दूर, एवं स्थायी है तो प्रवास का प्रभाव अनुचित ही होगा। यदि युवा-मस्तिष्क-पलायन विश्व के अन्य देशों में हो रहा है तो यह राष्ट्र के लिए घातक सिद्ध होगा। लेकिन यदि प्रवास उद्देश्यात्मक एवं अल्पकाल के लिए है तो प्रवास से लाभ भी हो सकता है। युवा-महिलाओं का प्रवास, प्रवास-स्थल की प्रजननता में वृद्धि हो जायेगी।

प्रस्तुत शोध से भी यह स्पष्ट होता है कि प्रवास के दो रूपों- स्व-प्रवास एवं सह-प्रवास में स्व-प्रवास अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि सह प्रवास**आश्रित चर है। इलाहाबाद नगर के समस्त प्रवासियों में 20-29 आयु-वर्ग के सर्वाधिक प्रवासी हैं। दूसरे,आयु-वर्ग में मात्र स्व-अन्त: प्रवास को छोड़कर अन्य सभी में 10-19 आयु वर्ग के प्रवासी सर्वाधिक महत्वपूर्ण रहे। प्रवास का अति उच्चदर नवयुवकों में है लेकिन अत्यधिक नवयुवकों का स्थान दूसरा है।***

---

* Gunnar Myrdal, Asian Drama - A Study of Poverty of Nations. Vol.III, P.2147.

** Migration Streams in India, Bose, Ashish, Institute of Economic Growth, New Delhi-11.

***David, M. Heer, Society and Population, Prentice Hall, INC Englewood Cliffs, New Jersey, 1968.

20-29 आयु-वर्ग के लगभग 40% युवाओं ने नगर में अंत: प्रवास किया है। वहीं 10-19 आयु-वर्ग के नवयुवाओं ने लगभग 18% ने अंत: प्रवास किया है। वाह्य-प्रवास में 20-29 आयु-वर्ग के लगभग 56% एवं 10-19 आयु-वर्ग के लगभग 30% ने नगर से वाह्य प्रवास किया है। स्पष्ट है कि इलाहाबाद नगर में 20-29 आयु-वर्ग में लगभग 31% एवं 10-19 आयु-वर्ग में 12% विशुद्ध अन्त: प्रवासी हैं जो साहसी वय एवं जोखिम प्रवृत्ति होने के कारण इलाहाबाद नगर को एक विशिष्ट स्थिति में कर सकते हैं।

6- प्रजननता एवं प्रवास

(Fertility & Migration)

व्यष्टि एवं समष्टि दोनों स्तरों पर प्रवास जन्म दर को प्रभावित करता है। सूक्ष्म (Micro) स्तर पर पति-पत्नी को कुछ समयावधि के लिए अलग करके, श्रम-शक्ति में अधिक योगदान देकर, विलम्ब विवाह, शीघ्र शिशु जन्म के भार को न धारण कर एवं इच्छित परिवार के आकार को घटाकर तथा वृहत् रूप में आय के स्तर एवं वितरण में परिवर्तन करके एवं नगरीय जनसंख्या के आयु-लिंग संरचना में पूर्ण परिवर्तन करके प्रवास जन्म दर को प्रभावित करने में सहायक हो सकता है।*

*Causes & Consequences of Internal Migration - Oberoi, A.S. & Manmohansingh, H.K., PP. 347-360.

प्रवास का परिणाम तब कुछ विशिष्ट ही होता है जब मूल-स्थान एवं प्रवास-स्थल के पुनरुत्पादन व्यवहार में अंतर हो। सामान्य तया ग्रामीण जन्म दर की तुलना में नगरीय जन्म दर निम्न होती है।* यह तथ्य यहाँ स्पष्ट भी है -

सारिणी संख्या 9·0

क्षेत्र, देश, एवं वर्ष		कुल जन्म दर % में	
		ग्रामीण	नगर
अफ्रीका			
केन्या	1973-78	8·4	5·7
सेनेगल	1978	7·5	6·5
सूडान	1978	6·4	5·1
एशिया			
बंगलादेश	1979	6·2	6·1
भारत	1971-72	5·7	4·3
कोरिया गणराज्य	1974	4·3	2·9
श्री लंका	1974-75	3·9	2·6
थाईलैण्ड	1978	3·8	3·1

* Zacharaih, K.C., Patel, Sulekha, Determinants of Fertility Decline in India - An Analysis, IBRD Staff Working Paper No. 699, Population and Development Series No. 24.

क्षेत्र, देश एवं वर्ष		कुल जन्म दर % में	
लैटिन अमेरिका एवं कैरेबिया			
ब्राजील	1980	5·6	3·4
कोलम्बिया	1972-73	6·3	3·1
हाइटी	1976-77	6·9	4·1
मैक्सिको	1978	6·5	4·1
मध्यपूर्व एवं उ0 अफ्रीका			
इजिप्ट	1975-76	6·0	5·0
जार्डन	1976	9·1	6·5
टर्की	1978	5·1	3·7

स्रोत : पी0पी0 रिपोर्ट, यू0एस0ए0, सिरीज एम सं0 7, 1983·

शिशु के पालन पोषण की बढ़ती उच्च लागत, विकसित संचार व्यवस्था, विकसित माँ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं परिवार नियोजन सेवाएँ आदि नगरों में निम्न जन्म दर के कारण हो सकते हैं।

प्रवास-स्थल पर प्रवास के कारण निम्न जन्म दर होगी और प्रवासी निम्न जन्म-दर लाने का प्रयास करेंगे, यह विश्वास किया जाता है। नगरों में प्रवास के कारण एकाकी परिवार की स्थापना से भी जन्म-दर पर प्रभाव पड़ेगा।* बच्चों के पालन-पोषण सम्बन्धी बढ़ती आवश्यकताएँ, बच्चों पर माता-पिता का अधिक समय न दे पाना बाजार की वस्तुएँ एवं आवश्यकता अधिक होने से जन्म दर प्रभाव पड़ेगा। जो वस्तुएँ सामान्य रूप से संयुक्त परिवार में मिल जाती रहीं अब अधिक आवश्यकता एवं उपभोग के कारण उपभोग प्रवृत्ति व्यय में वृद्धि होता जाता है। फलतः प्रवासी बड़े परिवार के आकार पर प्रतिबन्ध लगाने का स्वतः प्रयास करते हैं।

सामान्यरूप से अल्पकाल में अवधिमान एवं रुचियाँ नहीं बदलती हैं या धीरे-धीरे बदलती हैं। प्रवास के कारण आय बढ़ने पर यदि प्रवासी अधिक बच्चों का पालन-पोषण सह सकते हैं तो वे अधिक बच्चों की इच्छा भी रखते हैं, चूँकि नगरों में जीवन प्रत्याशा अपेक्षाकृत ग्रामीण स्थल के अधिक होती है, फलतः प्रवासियों को अपनी बढ़ी हुई आय अभीष्ट बच्चों पर व्यय करना पड़ता है। अधिक अच्छी सुविधाएँ, शिक्षा, वस्त्र, आवास एवं भोजन आदि के उपभोग मात्रा एवं गुणात्मक मात्रा पर अधिक व्यय करने से उसकी आर्थिक स्थिति कमज़ोर होने लगती है और

---

* Oberoi, A.S. & Manmohansingh, H.K.

परिस्थितियों में जब वह अपनी तुलना नगर के मूल निवासियों से करता है तो देखता है कि शहरी वस्तुएं वही अधिक उपभोग कर पाते है जिनके पास कम बच्चे हैं फलतः उच्च स्तरीय इच्छित उपभोग हेतु परिवार के आकार में कटौती करनी ही पड़ेगी।* इस प्रकार प्रवास करने से निश्चित रूप से जन्मदर प्रभावित होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धावस्था में अधिक बच्चे आर्थिक रूप से उपयोगी सिद्ध होते हैं वहीं प्रवास के अनन्तर प्रवासी आर्थिक बचत की ओर अधिक प्रेरित होते है, फलतः सन्तानों पर आश्रितता घटती जाती है। ग्राम्य क्षेत्रों में पुरूष शिशु वित्तीय धन एवं नगरों में वित्तीय नगर समझे जाते है, फलतः इस कारण भी जन्मदर प्रभावित होगा।

नगर एवं शहरी क्षेत्रों में जन्म दर निम्न होता है।** प्रवासियों का भी जन्मदर पति एवं पत्नी के मध्य पृथकता एवं महंगे नगरीय प्रवास आदि के कारण निम्न होता है। प्रजननता युवा वर्ग से ही सम्बन्धित है और प्रस्तुत सर्वेक्षण से भी यही स्पष्ट है कि प्रवास प्रक्रिया में युवा-वर्ग प्रमुख है।*** स्पष्ट है कि प्रवास के कारण जन्म-दर प्रभावित होगा। प्रजननता के तीन महत्वपूर्ण आधारों - प्रजनन के अवसर, प्रजनन शक्ति एवं प्रजनन सम्बन्धी निर्णय ये सभी प्रवास के कारण प्रभावित होते हैं फलतः जन्मदर प्रभावित होना स्वाभाविक है।

---

* David, M. Heer, Society and Population, Prentice Hall, INC Englewood Cliffs, New Jersey, 1968.

**Jaipal, P. Ambannavar, Population, 'Second India Studies', 1975, P. 1-26.

***Urbanization and Migration in India, Bogue, Donald, J. and Zachariah, K.C., University of California, 1962, Ch. II.

शिक्षा, जन्मदर निर्धारण का महत्वपूर्ण घटक है। प्रवास के कारण प्रवासियों के बौद्धिक - जागृत एवं चेतना का विकास होता है, जो प्रवास-स्थल पर जन्म-दर को कम करने में सहायक होगा। आय-स्तर* एवं वैवाहिक-आयु* भी जन्मदर निर्धारक हैं,यदि प्रवास-स्थल नगर क्षेत्र है तो ऐसे स्थानों पर इनके स्तर में वृद्धि होने के कारण जन्म दर प्रभावित होगी, नगरों में चिकित्सकीय सुविधाएं, परिवार कल्याण सुविधा एवं परिवार नियोजन सुविधाएं अपेक्षाकृत ग्राम्य क्षेत्रों के अधिक अच्छी प्राप्त होती हैं जो जन्म दर को रोकने में सहायक होती हैं। यद्यपि ये सुविधाएं नगर में सभी को मिलती है लेकिन इससे प्रवासियों को अधिक लाभहोगा।

इलाहाबाद नगर के इस सर्वेक्षण अध्ययन में भी यह देखा गया कि अधिकांशतः स्व-अंतः प्रवासी युवा-वर्ग के हैं जो उच्च शैक्षिक स्तर वर्ग में आते हैं। निश्चित रूप से ऐसे प्रवासियों के परिवार काआकार प्रभावित होगा। अधिकांशतः प्रवासी ग्राम्य क्षेत्र के है, फलतः एक तो प्रवास के कारण एवं दूसरे ग्राम्य क्षेत्र में नगर क्षेत्र में प्रवास के कारण जन्म-दर प्रवासियों का गिरेगा।

प्रवास के अनन्तर प्रवासी नये वातावरण, स्थिति, व्यवहार एवं निम्न जन्म दर करने के उपाय आदि, जो उसके जीवन को नगरीय जीवन के अनुकूलबनाते है शीघ्रता से स्वीकार करने में अपने को समायोजित करता है।**

---

* High fertility in India - Causes & Cure, Sharma, Prof. A.D. 1982, P. 49-53.

** Population reports, Series, M, No. 7, 1983.

7 - प्रवास एवं श्रम शक्ति का योगदान

(Migration & Labour Force Participation)

प्रवास के कारण मूल-स्थान (यदि ग्रामीण क्षेत्र है) पर तुरन्त परिणाम दृष्टिगोचर होते है, जनसंख्या का आकार कुछ सीमित होता है तथा भूमि पर बढ़ते हुए दबाव में भी परिवर्तन होता है, फलत: श्रम शक्ति के स्रोतों में कमी एवं आश्रितता अनुपात में वृद्धि होती है।

प्राय: यह देखा गया कि प्रवासी युवा वर्ग के ही ज्यादा होते है। प्रत्येक देश में बेरोजगारी एवं अर्धबेरोजगारी होने से प्रवास के कारण श्रमिकों की उत्पादकता तो बढ़ेगी लेकिन भूमि की उत्पादकता स्थिर रहेगी अथवा घटेगी।

मूल-स्थान पर वस्तुत: श्रमिक-अभाव की स्थिति आने पर श्रम-कार्यों में महिलाओं एवं बच्चों की भागीदारी बढ़ेगी। जो भी वाह्य प्रवासी मूल-स्थल पर धन भेजते हैं, उसका या तो अतिरिक्त श्रम शक्ति के क्रय पर व्यय हो जाता है या सम्बन्धित उद्योग आदि उपकरणों के क्रय पर इस प्रकार श्रमिकों की अतिरिक्त आवश्यकता नहीं होगी। कृषक अपने उद्योग में अल्प श्रम शक्ति प्रधान फसलों का उत्पादन करेंगे।

लेकिन ऐसी वस्तुस्थिति सदैव नहीं रहती है। प्रायः प्रवास के कारण मूल-स्थान पर श्रमिक उपलब्ध नहीं होते है या उच्च श्रमशक्ति दर होने के कारण श्रमिक मिल नहीं पाते हैं, ऐसी स्थिति में कृषिगत उत्पादन के परिणाम पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा। श्रमिक यदि अकेला प्रवास करता है (प्रायः अफ्रीका एवं एशिया के कुछ भाग में ऐसा ही होता है) तो मूल-स्थान पर इस प्रकार प्रवास से महिलाओं का गृह-प्रबन्धन एवं गृह से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर निर्णय लेने के अवसरों में वृद्धि होती है।*

इस प्रकार प्रवास से पुरुष श्रमिकों की स्थितियों में परिवर्तन होता है वरन् महिला श्रमिकों की स्थितियों एवं कार्य करने की दशाओं में परिवर्तन होता है।

---

* Oberoi,A.S. & Manmohansingh,H.K.,

8- प्रवास एवं सार्वजनिक सेवायें व आवासीय व्यवस्था

(Migration & Public Services and Housing)

प्रवास के कारण जनसाधारण के आवश्यक उपभोग, आवासीय प्रबन्ध एवं सार्वजनिक सेवाओं पर भी परिणाम पड़ता है। अंत: प्रवास के कारण जहाँ इस सम्बन्ध में प्रवास-स्थल पर अच्छा परिणाम नहीं पड़ेगा वहींवाह्य प्रवास के कारण मूल-स्थान पर अच्छा परिणाम पड़ेगा। लेकिन यह तथ्य प्रवास प्रक्रिया में लगे विशुद्ध लोगों की संख्या पर निर्भर करता है।

निम्न एवं अस्थित आयु-वर्ग के प्रवासी अपने व्यय को सीमित रखने का प्रयास करते हैं और जो भी व्यय करते हैं उसमें अधिकांश भाग आवश्यक उपभोग पर करते हैं। आवास एवं अन्य सुविधाओं पर अपनी आय का न्यून भाग व्यय करते हैं। वे जीवन-यापन के लिए कहीं भी रह सकते हैं और अर्जित धन को इकट्ठा करने की कोशिश करेंगें।

प्रवासी अपने आवास के लिए अवश्य सोचते हैं लेकिन यह बात उनके निवास अवधि पर भी निर्भर करती है कि प्रवास-स्थल पर कितने दीर्घकाल से रह रहे हैं। यदि प्रवासी मात्र अल्पअवधि से ही निवास कर रहाहै तो उसके पास निवास की अच्छी सुविधओं की संभावनाएँ कम होंगी। लेकिन यदि निवास की अवधि अधिक होगी तो उनके निवास

में स्थायित्वता भी आयेगी, अधिक समय तक रहने के बाद मूल नागरिकों की तरह अपनी आवासीय व्यवस्था करने का प्रयास करते हैं। प्रवास के प्रथम चरण में प्रवासी अपने आवास आकार को छोटा रखने का प्रयास करते हैं लेकिन भविष्य में उसे वे अपनी स्थिति के अनुसार बढ़ाने का प्रयास करते हैं।*

प्रवास के कारण प्रवासियों को आवासीय समस्या का सामना करना पड़ता है, यदि प्रवास-स्थल में अत्यधिक आकर्षक-तत्व है, आवासीय समस्या और भी विषम होगी, अच्छे आवास की कमी, उच्च दर पर इनका मिलना, अच्छे स्थानों पर कम आवासों का मिलना, आवास के भू-पति के साथ विवाद आदि विभिन्न कठिनाइयों का सामना प्रवासी भी करता है साथ में प्रवास-स्थल के मूल निवासी भी। यदि प्रवासी भी अच्छे स्वभाव एवं आदतों के नहीं हैं तो निश्चित रूप से ऐसे विवादों से कटुता बढ़ती जाती है। मकानों के आवंटन एवं उनके Assessment सम्बन्धी विभिन्न वैधानिक नियमों के कारण प्रवासियों एवं मूल निवासियों को विवादों में उलझना पड़ता है। बदलते हुए नैतिक मूल्यों एवं मानवीय परिवेश में मूल-निवासी अच्छे अंत: प्रवासी को ही निवास हेतु जगह देने का प्रयास करते है, फलत: प्रवासियों को प्रारंभ में अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। उन्हें भू-पतियों के शोषण का शिकार विवश होकर सहना पड़ता है।

---

* Population Reports, Series M, No. 7, Sep.-Oct.,1983,

प्रवासी, प्रवास-स्थल पर अन्य सुविधाओं को भी प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह उनके क्षमता एवं प्रवास-स्थल पर सुविधाओं की उपलब्धता पर निर्भर करता है। प्रवासियों को पेयजल की कम सुविधा मिल पाती है क्योंकि यह सुविधाएं स्थायी निवास पर ही संभव है। यदि प्रवास स्थल की जनसंख्या उसके आर्थिक एवं भौगोलिक स्रोतों कोक्षमता से अधिक है तो सामान्य उपभोग की सुविधाओं को और भी कठिनाई ही होगी। ठीक, यही बात विद्युत उपभोग को भी है। मात्रा थोड़ें से विद्युत उर्जा के लिए अधिक धन व्यय करना पड़ता है। इस सम्बन्ध में प्रवासी स्वतंत्र भी नहीं होता क्योंकिउसके लिए स्वतंत्र मीटर के व्यवस्था संभव नहीं। यदि कठिनाइयां अधिक होती गयीं तो लोग अवैध विद्युत-उपभोग करने लगते है जो अत्यधिक बढ़ते हुए भार के कारण नगरीय जीवन में बाधक बन जाते हैं।

प्रवास-स्थल यदि नगर है तो स्नानगृह एवं शौचालय की भी समस्या उठती हैं। प्रवासियों के पास पृथक से इन दोनों सुविधाओं का प्राय: अभाव रहता है। यदि प्रवासी आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है तो उन्हें इन सुविधाओं का संयुक्त रूप से उपभोग करना पड़ता है। आर्थिक क्षमता एवं प्रवास अवधि बढ़ने के साथ इन सुविधाओं में सुलभता होती जाती है। नगर के मूल निवासी अपने अतिरिक्त आय हेतु प्रवासियोंको किराये पर आवास दे देते हैं लेकिन इस सम्बन्ध में पृथक से सुविधाओं की व्यवस्था नहीं करवाते जिसके कारण समस्याएं बनी रहती हैं।

अत्यधिक प्रवास के कारण नगर या प्रवास स्थल पर अन्य बहुत सी समस्याएँ उठ जाती है। यथा - स्वास्थ्य, सफाई, जल व वायु-प्रदूषण, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, मनोरंजन, क्रीड़ा, आदि।

अध्याय - 6

निष्कर्ष

(Conclusions)

अध्याय - 6

निष्कर्ष

(Conclusion)

इस अध्याय में अध्ययन के महत्वपूर्ण निष्कर्षों को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है, जो प्रवास के कारणों एवं परिणामों सेसम्बन्धित इलाहाबाद नगर की समस्या का एक अध्ययन है।

प्रवास के विभिन्न कारणों - शिक्षा, रोजगार, स्व-रोजगार व उद्यम, धार्मिक,राजनीतिक, भौगोलिक एवं स्थानांतरण कारणों में शिक्षा एवं रोजगार कारक अधिक महत्वपूर्ण रहे। सह-प्रवास के भी निष्कर्ष महत्वपूर्ण कहे जा सकते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन इलाहाबाद जनपद के उस महत्वपूर्ण भाग का अध्ययन है, जो नगरमहापालिका क्षेत्र में आता है। अध्ययन में दो प्रतिशत प्रतिदर्श को लेकर नगर महापालिका के आठ वार्डों के अन्त: प्रवासियों एवं वाह्य-प्रवासियों का अध्ययन किया गया है। अंत: प्रवासियों एवं वाह्य प्रवासियों को दो भिन्न रूपों स्व-प्रवास एवं सह-प्रवास के रूप में भी अध्ययन किया गया है। स्व-प्रवास एक स्वतंत्र-चर है, जिसमें प्रवास से सम्बन्धित निर्णय प्रवासी में ही सन्निहित होते हैं जबकि, सह-प्रवास में प्रवासी अवलम्बित होता है। यह आश्रित चर होता है। इसमें दो कारक महत्वपूर्ण हैं, यथा -

संरक्षक के प्रवास के कारण संरक्षितों का उनके साथ सह-प्रवास, दूसरा, विवाह होने के कारण पति गृह-प्रवास अर्थात् वैवाहिक प्रवास। इस प्रकार चार मुख्य घटक हुए -

1- स्व-अंत: प्रवास

2- सह-अंत: प्रवास

3- स्व-वाह्य प्रवास

4- सह-वाह्य प्रवास

सर्वेक्षण द्वारा पूरित 1350 प्रश्नोत्तरी-पत्रक में प्रवास-प्रक्रिया में संलग्न एवं असंलग्न या नगर के मूल-निवासियों की वस्तु-स्थिति इस प्रकार रही।

इलाहाबाद नगर में अंत: प्रवासियों की कुल संख्या 2878 है, जिसमें 51•95% पुरूष एवं 48•05% महिलायें हैं। इन प्रवासियों को सह एवं स्व-प्रवास के अनुसार पृथक करने पर 1156 स्व-अंत: प्रवासियों में 94•9% पुरूष एवं 5•1% महिलायें हैं। 1722 सह-अंत: प्रवासियों में 23•11% पुरूष एवं 76•89% महिलायें हैं।

नगर के 1049 वाह्य-प्रवासियों में 35•27% पुरूष एवं 64•73% महिलायें हैं। इन प्रवासियों को सह एवं स्व-प्रवास के अनुसार पृथक करने पर 330 स्व-वाह्य प्रवासियों में 94•85% पुरूष एवं 5•15% महिलायें हैं। 719 सह-वाह्य प्रवासियों में 7•93% पुरूष एवं 92•07% महिलायें हैं।

सर्वेक्षण के अनुसार 5101 प्रवास-प्रक्रिया में असंलग्न नगर के मूल निवासी हैं। जिसमें 56·75% पुरूष 43·25% महिलायें हैं।

सह-अन्त: प्रवास की अपेक्षा स्व-अन्त:प्रवास अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि प्रवास का अनुकूल तत्व इन्हीं से सुनिश्चित होता है। प्रवास में शिक्षा एवं रोजगार अधिक महत्वपूर्ण कारक होते हैं, अध्ययन से भी यह बात स्पष्ट हुई। जहाँ शिक्षा के लिए लगभग 40% ने नगर में अंत: प्रवास किया, वहीं आर्थिक कारणों से लगभग 37% ने अन्त: प्रवास किया है। शिक्षा के दो कारणों में सतत शिक्षा (10·64%) की अपेक्षा अधिक अच्छी शिक्षा (29·31%) हेतु नगर के अन्त: प्रवासी अधिक रहे। निश्चित रूप से नगर की उच्च शैक्षिक-व्यवस्था का यह प्रभाव है। महिलाओं में अब शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, यह बात अध्ययन में देखी गयी। समस्त स्व-अन्त: प्रवासियों का 0·61% महिलाओं ने सतत शिक्षा हेतु एवं 1·9% ने अच्छी शिक्षा हेतु नगर में प्रवास किया है।

2· शिक्षा के कारण प्रवास करने वालों में हिन्दू यद्यपि सर्वाधिक है, लेकिन अन्य धर्मों को नगण्य नहीं कहा जा सकता है। भारत (हिन्दुस्तान) में हिन्दुओं के सर्वाधिक होने के कारण सर्वाधिक प्रवासियों का हिन्दू होना स्वाभाविक भी है। प्राचीन भारतीय संस्कृति के 'ब्राह्मण: मुख मासीत्' की परम्परा के अनुसार शिक्षा हेतु ब्राह्मण जाति के प्रवासी सर्वाधिक हैं, फिर भी अन्य जातियाँ विशेषकर पिछड़ी जातियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

3· नगर में शिक्षा हेतु अन्त: प्रवासियों में 20-29 आयु-वर्ग के सर्वाधिक लोग प्रवासित हुए। इस सम्बन्ध में 10-19 आयु-वर्ग भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा हेतु प्रवास में एक प्रवृत्ति दिखायी पड़ी, वह यह रही कि शिक्षा या अच्छी शिक्षा हेतु प्रवासी व्यक्ति प्राय: प्रवास स्थल पर ही रुक जाता है। उसके मूल-स्थान पर वापस आने की संभावना कम देखी गयी। प्रवास-स्थल की उच्च-शैक्षिक उपलब्धता अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन एवं आव्रजन को आकर्षित करती है। यह प्रवृत्ति इस अध्ययन में दिखायी पड़ी। यहाँ शिक्षा हेतु नगर में अंत: प्रवास एवं वाह्य प्रवास दोनों हुए हैं लेकिन वाह्य प्रवास अपेक्षाकृत अन्त: प्रवास के अधिक हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा सुविधाओं पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में शिक्षा के गुणात्मक स्वरूप में परिवर्तन व सुधार की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों, टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया के क्षेत्रों से नगर में सर्वाधिक अन्त: प्रवास हुए है, जो यह स्पष्ट करते हैं कि कम विकसित क्षेत्रों एवं अनुपलब्ध शैक्षिक वातावरण के कारण लोगों की प्रवृत्ति विकसित एवं समुचित शैक्षिक वातावरण की ओर आकृष्ट होता है।

4· शिक्षा को निरन्तर विद्यमान रखने के लिए प्रवास में दूरी महत्वपूर्णहोती है। प्राय: निकटवर्ती स्थानों में लोग प्रवास करते हैं, लेकिन अधिक अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रवास-प्रक्रिया में दूरी-बाधक नहीं होती है। यह तथ्य अन्त: प्रवास एवं वाह्य प्रवास दोनों में पाया गया है। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन भी हुए हैं।

5· प्रवास-स्थल पर जो कारक अधिक महत्वपूर्ण होते हैं, उसके कारण प्रवास अधिक होता है। अध्ययन में यह देखा गया कि, नगर में रोजगार या आर्थिक कारकों की अपेक्षा शैक्षिक कारक अन्तः प्रवास के लिए अधिक अनुकूल है। यद्यपि आर्थिक कारक कम महत्वपूर्ण नहीं हैं फिर भी उतना नहीं जितना शैक्षिक कारक हैं। नगर से वाह्य-प्रवास में शैक्षिक कारक के स्थान पर आर्थिक कारक अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। अधिक अच्छी शिक्षा हेतु वाह्य प्रवास में किसी विशेष शिक्षित वर्ग का योगदान महत्वपूर्ण नहीं है। इसका कारण नगर में शिक्षा की उच्च सुलभता भी कहा जा सकता है। इस प्रकार नगर के लिए शिक्षा अनुकूलकारक एवं रोजगार या आर्थिक कारण प्रतिकूल कारक है।

6· प्रवास-स्थल की सांस्कृतिक एवं सामाजिक उन्नति सामाजिक संगठन, धर्म एवं जाति व्यवस्था पर भी निर्भर करता है। उसका आर्थिक विकास विभिन्न विशिष्ट जातियों के द्वारा तेजी से बढ़ता है। व्यवसायगत प्रवासियों का सामाजिक संगठन अध्ययन से यह स्पष्ट करता है कि, आर्थिक कारणों से सर्वाधिक-हिन्दुओं ने प्रवास किया है। इसका कारण देश में ही हिन्दुओं की बाहुल्यता हो सकती है। अन्य धर्म के प्रवासियों में भी प्रवास प्रवृति पायी गयी है। ब्राह्मणों एवं कायस्थों में अन्तःप्रवास एवं वाह्यप्रवास की प्रवृत्तियाँ अधिक पायी गयी हैं। पिछड़ी जातियों एवं अनुसूचित जातियों में अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु प्रवास जागरूकता प्रारंभ हो गयी है, जो एक नया कदम कहा जा सकता है।

7· आर्थिक कारणों से प्रवासी-आयु युवा-वर्ग होती है। प्रथम रोजगार हेतु जहाँ 20-29 आयु-वर्ग वहीं अधिक अच्छे रोजगार हेतु 20-29 एवं 30-39 आयु-वर्ग महत्वपूर्ण है।

8· शिक्षित लोगों में प्रवास की प्रवृत्ति अधिक होती है। ये अपनी आजीविका हेतु शिक्षा के उपरान्त प्रवास करते हैं। लोगों को जहाँ रोजगार उपलब्ध होता है उन्हीं स्थानों की ओर प्रवास करते हैं। अधिक अच्छे रोजगार प्राप्त होते ही मनुष्य एक स्थान से दूसरे चाहे वह भिन्न वर्ग का रोजगार क्यों न हो, उपलब्ध होने पर प्रवास करता है। प्राय: इसमें तकनीकि, शोध व अनुसंधान वर्ग के लोग अधिक होते हैं, परन्तु सामान्य रोजगार के लोग भी कम नहीं होते हैं। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि, रोजगार एवं अधिक अच्छे रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रवास-गति विधियों में उच्च शिक्षित पुरुष एवं महिलायें अधिक होती है। अशिक्षित या कम शिक्षित व्यक्तियों में रोजगार हेतु प्रवास अपेक्षाकृत कम होती है। अधिक अच्छे रोजगार हेतु प्रवास में इनकी गतिविधियां तो शून्य होती हैं।

9· रोजगार एवं अधिक अच्छे रोजगार प्राप्ति में लोग यथा संभव मूल-स्थानसे निकट अन्यथा दूरियों को विशेष महत्व नहीं देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर प्रवास तीव्रता से हो रहा है। लोग विकसित स्थानों में रोजगार प्राप्ति के अधिक अवसर देखते हैं। अध्ययन में भी यह पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं टाउनएरिया से अंत: प्रवास

अधिक हुए हैं अपेक्षाकृत विकसित क्षेत्रों से। रोजगार प्राप्ति में दूरी प्रवास में बाधक नहीं होती है। अन्तः प्रवासी विभिन्न समीपवर्ती जनपदों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों केभी हैं, जो इस तथ्य की ओर संकेत करते हैं कि, रोजगार जहाँ भी उपलब्ध होगा प्रवास गतिविधियां उसी क्षेत्र में सक्रिय एवं उन्मुख होगी। अध्ययन में यह पाया गया कि रोजगार हेतु वाह्य-प्रवास ग्रामीण क्षेत्रों एवं टाऊन एरिया की ओर अपेक्षाकृत नगर क्षेत्रों के, अधिक हुआ है, अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन रोजगार एवं अधिक अच्छे रोजगार हेतु अधिक हो रहे हैं, जो देश के बेरोजगारी की ओर भी संकेत करते हैं।

10· स्व-रोजगार व उद्यम तथा अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवास में हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम एवं सिख धर्म में भी प्रवृति होती है। ईसाईयों में इस सम्बन्ध में प्रवास-प्रवृति लगभग नहीं होती है। हिन्दू धर्म के स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवासियों में ब्राह्मण-कायस्थके साथ वैश्य जाति में प्रवास-प्रक्रिया प्रमुख होती है। रोजगार व उद्यम के क्षेत्र में कर्मकारक जाति एवं पिछड़ी जाति में भीप्रवास-जागरूकता बढ़ रही है।

11· स्व-रोजगार एवं उद्यम हेतु प्रवास में शिक्षा महत्वपूर्ण निर्धारक नहीं होता है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि स्व-रोजगार व उद्यम तथा अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवासियों में किसी

विशिष्ट शिक्षित वर्ग के लोग अधिक नहीं पाये जाते हैं। शिक्षित व अशिक्षितों दोनों में स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवास प्रवृत्ति होती है।

12. स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवास में प्रवासियों की प्रवृत्ति ग्रामीण क्षेत्रों से विकसित नगरीय व उपनगरीय क्षेत्रों की ओर होती है। अत्यधिक विकसित क्षेत्रों में ग्रामीण, टाउनएरिया के साथ-साथ देश के विभिन्न नगरों के भी प्रवासी पाये जाते हैं। स्व-रोजगार व उद्यम हेतु प्रवास में समीपवर्ती प्रदेशों एवं दूरस्थ, प्रदेशों में प्रवास होता है। लेकिन अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु दूरस्थ प्रदेशों के साथ-साथ लोग अन्तर्राष्ट्रीय प्रव्रजन भी करते है। दूरस्थ प्रदेशों में लोगों की प्रवासप्रवृत्ति नगरपालिका व मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों में अधिक पायी जाती है।

13. प्राचीन भारतीय वर्णाश्रम व्यवस्था के अनुसार एक निश्चित आयु को प्राप्त करने के उपरान्त लोग इहलोक के साथ परलोक पर भी ध्यान देने लगते है, फलतः उनकी प्रवृत्ति धार्मिक कार्यों की ओर होने लगती है। ऐसी स्थिति में लोग धार्मिक स्थानों एवं तीर्थ स्थानों की ओर प्रवास करते है। 'स तीर्थराजो जयतिप्रयागः' के वाक्य से गौरवान्वित इलाहाबाद नगर धार्मिक तीर्थ-स्थल है। यहाँ प्रवास करने की प्रवृत्ति महिलाओं एवं पुरुषों दोनों में देखी गयी है। धार्मिक प्रवास में अधिकतर हिन्दू और ब्राह्मण प्रधानतः होते हैं। प्रवासी आयु प्रायः 50-60 एवं 60 से अधिक ही होती है जो विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से

सम्बन्धित होते है। तीर्थ स्थानों का महत्व समीपवर्ती क्षेत्रों में कम लेकिन सुदूरवर्ती क्षेत्रों में क्रमशः अधिक होता है।

14. भौगोलिक कारणों से प्रवास में प्रायः प्रतिकूल तत्व अधिक सम्मिलित रहता है। भौगोलिक तत्व किसी भी घर पर आश्रित नहीं होता है। यह प्राकृतिक तत्व होता है। किसी भी धर्म, जाति, आयु, क्षेत्र एवं शैक्षिक-स्तर के व्यक्ति प्रभावित हो सकते है। नगरीय क्षेत्र में नगर-व्यवस्था उचित होने के कारण उतनी प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थति नहीं होती जितनी ग्रामीण क्षेत्रों में होती है फलतः ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर प्रवास अधिक होता है।

15- राजनीतिक प्रवास में यद्यपि प्रतिकूल तत्व अधिक विद्यमान होते है, फिर भी किसी देश, काल व परिस्थिति में यह महत्वपूर्ण होता है। युद्ध एवं क्षेत्रीय विभाजन के समय राजनीतिक प्रवास सामूहिक रूप में भी होता है। अध्ययन में भी यह देखा गया कि, ब्रिटिश भारत के विभाजन के बाद अधिकांश लोगों जिसमें सिख प्रमुख थे, ने स्वतंत्र भारत में प्रवास किया। मात्रराजनीतिक उद्देश्य से प्रवास में प्रवासियों का शैक्षिक स्तर उच्च पाया जाता है, जो उसकी राजनीतिक प्रबुद्धता की ओर संकेत करता है।

16. स्थानांतरण होने के कारण प्रवास-प्रक्रिया में तीव्रता आती है। स्थानांतरण होने के कारण लोग एक स्थान से दूसरे स्थान उसी सेवा में रहकर प्रवास करते हैं। स्थानांतरण के कारण प्रवास में प्रतिकूल कारक विद्यमान रहता है। स्थानांतरण प्रायः एक ही मण्डल, या प्रदेश में होता है, लेकिन यह कोई आवश्यक नहीं है। यह नियोजक एवं सेवा के ऊपर निर्भर करता है।

17. प्रवास-प्रक्रिया में परिवार या संरक्षक के साथ प्रवास महत्वपूर्ण प्रवृत्ति होती है। संरक्षक के साथ प्रवास-प्रक्रिया में स्व-प्रवासी को छोड़कर अन्य सभी सह-प्रवासी आश्रित-चर होता है, फलतः प्रवास सम्बन्धी निर्णयों में उसकी भूमिका नगण्य सी होती है। परिवार के संरक्षितों में अल्पायु के बच्चे, महिलायें, वृद्ध एवं अन्य संरक्षणीय सदस्य होते है। जिसके कारण अल्पायु सदस्यों की संख्या स्वाभाविक रूप से अधिक होती है। उनका शैक्षिक-स्तर उनके अनुरूप ही होता है। अधिक उच्च स्तरीय शिक्षित सह-प्रवासी भी होते हैं, लेकिन इसमें महिलायें ही अधिक होती हैं। किसी विशेष परिस्थितियों की अनुपस्थिति में यद्यपि संरक्षक सह-प्रवास अमहत्वपूर्ण नहीं होता है, फिर भी प्रवास-निर्णयों में नगण्य सी स्थिति प्रवास-प्रक्रिया की महत्ता को व्यक्त नहीं करती। यह तथ्य अध्ययन में भी देखा गया कि संरक्षक सह-प्रवासी स्वतंत्र-चर नहीं होता है।

18. वैवाहिक-प्रवास, सह-प्रवास की एक विशिष्ट स्थिति होती है। विवाहोपरांत सामाजिक परम्पराओं के अनुसार वधू का वर के गृहस्थान को प्रवास वैवाहिक प्रवास-प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। यह भी आश्रित-चर होता है। प्रवास सम्बन्धी निर्णयों में तथ्य पूर्व-निर्णीत होते हैं। वर का निवास प्रवास-स्थल को व्यक्त करता है। प्रवास-दिशा एवं ग्रामीण या नगरीय क्षेत्र का निर्धारण वैवाहिक निर्णयों पर निर्भर होता है, न कि प्रवास-निर्णयों पर वैवाहिक-सह-प्रवासी की आयु तत्कालीन प्रचलित विवाह-आयु पर निर्भर करती है। अध्ययन में भी यह देखा गया कि वैवाहिक प्रवास स्वतंत्र-चर न होकर आश्रित-चर होता है।

II

प्रवास-परिणामों के सन्दर्भ में निश्चित एवं स्पष्ट रूप से कहना यद्यपि दुरूह्य अवश्य है, फिर भी समग्र जनसंख्या एवं वस्तु-स्थिति को लेकर अवश्य कहा जा सकता है।

1. किसी भी स्थान-विशेष की सुविधायें एवं उसके स्रोत-संसाधन की तुलना में अन्तः प्रवास अधिक होने पर परिणाम अच्छे नहीं पड़ते हैं। यह परिणाम प्रवास-स्थल, मूल-स्थान एवं प्रवासी तीनों पर पड़ते हैं।

2. इलाहाबाद नगर शिक्षा का एक प्रमुख आकर्षण केन्द्र है। इसका प्रवास के कारण अच्छा परिणाम पड़ा है। नगर को, बौद्धिक व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण योगदान का श्रेय प्राप्त है। लेकिन शिक्षा एवं अधिक अच्छी शिक्षा के आकर्षण ने प्रवास-स्थल को कुपरिणामों से भी परिचय कराया। आवास, अध्ययन सम्बन्धी वस्तुओं, आवश्यक उपभोग सामग्री एवं खाद्यान्न, वस्त्र, एवं अन्य जन-सामान्य सुविधाओं को सामान्य सुलभता पर अंकुश लगा। भविष्य में इसमें और भी कमी अवश्य होगी। इन स्थितियों के होने पर भी नगर को विभिन्न क्षेत्रों धर्मों एवं विचारों को समझने एवं ग्रहण करने के अवसर सुलभ होते रहते हैं। नगर में शिक्षा हेतु लगभग 43% ने अन्त: प्रवास किया है, जो अत्यधिक महत्वपूर्ण है। परिणामों की कल्पना इसी तथ्य से की जा सकती है कि 43% अन्त: प्रवासी शैक्षिक कारणों से अन्त: प्रवासित हुए और यहीं रूक गये।

3. इलाहाबाद नगर से अधिक शिक्षितों के वाह्य प्रवास से परिणाम अवश्य असंतुलित होंगे। जो प्रवास-स्थल के लिए तो उचित लेकिन मूल-स्थान के लिए अनुचित है।

4. रोजगार एवं अधिक अच्छे रोजगार हेतु नगर में अन्त: प्रवास से एक ओर जहाँ उनके उपभोग से प्रवास स्थल की आय बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर मूल निवासियों को उक्त रोजगार के अवसरों को

को घटाया है लेकिन स्व-रोजगार एवं अधिक अच्छे स्व-रोजगार हेतु अन्त: प्रवास के रोजगार के अवसरों को बढ़ावा भी है। इस प्रकार नगर के आर्थिक विकास में उद्यम के क्षेत्र में प्रवासियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

5· धार्मिक प्रवास राष्ट्र में धार्मिक सहिष्णुता, समन्वयता, एवं धार्मिक चेतना को उत्पन्न करते है। इलाहाबाद नगर में धार्मिक अन्त: प्रवास, वाह्य प्रवास की अपेक्षा अधिक हुए हैं, यह अध्ययन में देखा गया जो महत्वपूर्ण है। इसी धार्मिक चेतना ने इसनगर को 'स तीर्थराजो जयति प्रयाग: ' की संज्ञा से युक्त किया है। धार्मिक प्रवासी प्राय: अधिक आयु के ही लोग है, जिन्हें इलाहाबाद का शांत एवं धर्मानुप्राणित स्थल पर्याप्त आत्म संतोष प्रदान करता है।

6· तीव्र प्रवास से भौगोलिक असंतुलन होने की पूर्ण संभावना है। वायु प्रदूषण, जल-प्रदूषण, सड़कों पर बढ़ती भीड़ एवं उत्पन्न शोर, एवं प्राकृतिक-क्षरण ऐसे कुपरिणाम हैं, जो मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। नगर में सफाई, गन्दगी एंव गन्दे जल निकासी की उत्तम व्यवस्था न होने से प्राकृतिक असंतुलन अवश्य होगा।

7· इलाहाबाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक प्रमुख केन्द्र एवं राजनीतिक विचारकों का प्रमुख गढ़ रहा है। राजनीतिक प्रवास राष्ट्रीय एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा अवश्य देगा।

8· प्रवास-प्रक्रिया सामाजिक परिवर्तनों को भी और अधिक परिष्कृत करेगी। ये तथ्य इस प्रकार है -

§1§ प्रवास का अप्रत्यक्ष परिणाम जनसंख्या-आकार में परिवर्तनों के योगदान द्वारा सामाजिक परिवर्तन पर पड़ेगा।

§2§ प्रवासियों के निवास सम्बन्धी निर्णयों के योगदान का सामाजिक परिवर्तनों पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा।

§3§ जनसंख्या-संरचना, स्वरूप, एवं मृत्युक्रम व प्रजननता व्यवहार पर पड़े परिणामों के द्वारा प्रवास का अप्रत्यक्ष प्रभाव सामाजिक परिवर्तन पर पड़ेगा।

§4§ प्रवास का योगदान प्रवास-प्रक्रिया को उत्पन्न, प्रोत्साहन, एवं समाज के आन्तरिक स्वरूप के साथ सीमान्त-स्वरूप को भी स्पष्ट करने में अधिक बढ़ेगा।

§5§ प्रवास का प्रत्यक्ष परिणाम एक समाज से दूसरे समाज, तथा प्रवासियों के मूल-स्थान से अन्यत्र भिन्न प्रवास-स्थल पर प्रवास को प्रक्रिया पर पड़ेगा, जो नवीन सामाजिक परिवर्तनों को जन्म देगी।

अध्याय - 7

नीति हेतु संस्तुतियां

(Policy Recommendations)

अध्याय - 7

नीति हेतु संस्तुतियाँ

(Policy Recommendations

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध इलाहाबाद नगर में अन्तः प्रवास एवं नगर से वाह्य प्रवास के कारणों एवं परिणामों का अध्ययन है। इस संदर्भ में महत्वपूर्ण तथ्य इस प्रकार हैं -

अनुकूल कारकों में

1-- शिक्षा

2-- अधिक अच्छी शिक्षा

3-- रोजगार

4-- राजनीतिक अनुकूल पर्यावरण

5-- धार्मिक सहिष्णुता

6-- शान्ति प्रिय स्थान

7-- स्थिति, परिवहन एवं यातायात

8-- प्रदेश का साधन-सुविधा सम्पन्न नगर

प्रतिकूल कारणों में

1-- उचित तकनीकि एवं औद्योगिक विकास का अभाव

2-- अधिक अच्छे रोजगार के अवसर का अभाव

3-- उच्च आय की प्राप्ति की अन्यत्र सम्भावना

4-- व्यक्तित्व विकास के कम अवसर

प्रवास एवं परिणामों को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्तावित सुझाव इस प्रकार हैं -

1-- छोटे शहरों एवं टाउन एरिया के विकास को प्रोत्साहन

2-- मन्द-प्रवास

3-- ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का उचित क्रियान्वयन

4-- प्रवास के शहरी सीमा का निर्धारण

5-- शहरों एवं गाँवों का समन्वित विकास

6-- रोजगार एवं रोजगारपरक उद्योगों को प्रोत्साहन

7-- बड़े नगरों से छोटे नगरों की ओर आन्तरिक प्रवास का झुकाव

8- प्रवास नीति एवं राष्ट्रीय आर्थिक विकास नीति के मध्य सामंजस्य

9-- जनसंख्या नीति में प्रवास नीति को महत्ता

10-- शहरों में प्रदूषण को रोकथाम

11-- सार्वजनिक सुविधाओं में वृद्धि

12-- नगरीय आवासीय नीति में सरलता

13- बेतरतीब शहरीकरण का हतोत्साहन

14- प्रवास को हतोत्साहन

15- प्रवासियों द्वारा भेजे गये धन का समुचित उपयोग

16- प्रवास क्षेत्र से लौटे हुये प्रवासियों को तकनीकि एवं आर्थिक सहायता

17- कृषि-भूमि सुधार

18- सामाजिक सुरक्षा के नये कदम

अंत: एवं वाह्य प्रवास

अनावश्यक अन्त: प्रवास एवं वाह्यप्रवास को प्रोत्साहित न किया जाय, इसके लिएसमीपवर्ती टाउनएरिया, ग्रामीण क्षेत्र एवं संलग्न जनपदों के विकास हेतु उचित कदम उठायें जायं, परिवार नियोजन सम्बंधी कार्यक्रम को प्रोत्साहन मिले।

वाह्य प्रवास को रोकने के लिए नगर से विभिन्न रोजगारपरक संस्थानों के अन्यत्र विकेन्द्रीकरण से नगर के प्रतिकूल आकर्षण में कमी होगी, इसके साथ ही अन्य तकनीकि, औद्योगिक, शैक्षिक एवं रोजगारपरक संस्थान खोलना अपेक्षित है।

अध्याय - 8

सर्वेक्षण-अनुभव

(Field Experiences)

अध्याय - 8

सर्वेक्षण-अनुभव

(Field-Experiences)

प्रस्तुत शोध-सर्वेक्षण दिसम्बर 1983 से प्रारंभ होकर सितम्बर 1984 को समाप्त हुआ। लगभग नौ माह के सर्वेक्षण अवधि में साक्षात्कार के माध्यम से न्यादर्श के उत्तरदाताओं के विचार प्रश्नावली-पत्रक में संग्रहित करना अपने आप में एवं मेरे लिए विशेषकर विचित्र सा रहा।

इलाहाबाद के जनसाधारण में अभी उतनी जागरूकता नहीं है, जितनी शोध सर्वेक्षणों के लिए आवश्यक है। निश्चित रूप से सर्वेक्षणकर्ता को इसके लिए कई गुना परिश्रम करना ही पड़ता है। फिर भी अधिकांशतः शोधकर्ता को सहायता ही मिली। नगर के बुद्धिजीवियों ने सहायता अवश्य दी, इसमें इलाहाबाद के कुछ विशिष्ट क्षेत्र हैं, जैसे मम्फोर्डगंज, अल्लापुर, एवं दारागंज। यद्यपि इन क्षेत्रों में अशिक्षितों एवं मरेन्द्र वर्गों का भी प्रभुत्व है, लेकिन हो सकता है अपने आप को विशिष्ट मुहल्लों के निवासी समझने के कारण सहयोग दिया हो।

सर्वेक्षण हेतु निश्चित गृह में अपना परिचय एवं मन्तव्य बताने पर लोग 'तो हम क्या करें? सॉरी। अगला घर देख लीजिए।' आदि प्रलाप करते थे, फिर भी उनसे जानकारी ले लेना एक टेढ़ी खीर होती थी।

सामान्य लोगों में परिवार नियोजन के क्रियान्वयन करने वालों के प्रति अच्छी धारणा न होने के कारण सर्वेक्षण कर्ता को लोग उन्हीं का सदस्य समझते थे। फिर 'प्रवास' सम्बन्धी जानकारी प्राय: लोगों को शून्य होने के कारण अत्यधिक परेशानी होती थी। लोगों को पूरी तरह सन्तुष्ट करने के बाद ही उनसे उत्तर अपेक्षित था।

सर्वेक्षण में मैं शीत, उष्ण एवं बारिस की चिंता किये बिना लगा रहता था, इसके लिए कहीं स्थानीय लोगों की सहायता मिलती तो कहीं स्थानीय 'दादाओं' से परेशानी भी। एक स्थल पर तो सर्वेक्षण के असामाजिक तत्वों ने डंडा दिखाकर फिर न आने की चेतावनी भी दी।

नगर के कोडगंज में कुछ विचित्र अनुभव हुआ। कई जगह 'हमारा राशनकार्ड खो गया है', 'राशन कार्ड बढ़ा दीजिए', 'जब से आप लोग बिजली ठीक करके गये हैं, तभी से बिजली नहीं है', 'बेटा दरवाजा खोल देना, मीटर रीडिंग के लिए आये हैं', आदि विचित्र लेकिन मनोरंजक स्थितियों से गुजरना पड़ा। कहीं पर इन्साइज़-सेलटैक्स के, तो कहीं चंदा वालों के आदमी की संज्ञा से विभूषित हुआ। मुस्लिम क्षेत्रों के सर्वेक्षण में तो सर्वाधिक परेशानी हुई। एक घर में तो गन्दे से गिलास में जानकारी के बदले बिना दूध एवं गुड़ की चाय पीने को विवश भी होना पड़ा। संभवत: यह उसके आतिथ्य का ही एक ढंग था।

सर्वेक्षण से नगर की वास्तविक वस्तु-स्थिति से परिचित हुआ। वस्तुत: कितना नगर पिछड़ा हुआ है। आवास, भोजन, सफाई आदि जो प्राथमिक एवं आवश्यक सुविधाएं भी ठीक से उपलब्ध नहीं हैं। अशिक्षा एवं दरिद्रता में पले हुए लोगों से शोध के प्रति पूर्ण सहयोग की आशा कहाँ से की जा सकती है। उनको अपने विश्वास, गोपनीयता में लेकर इच्छित उत्तरों की प्राप्ति में जितने साहस, धैर्य एवं परिश्रम की आवश्यकता पड़ी, रोमांच के साथ-साथ रूचिकर भी रहा।

अध्याय - 9

भविष्य में शोध हेतु संस्तुतियाँ

(Recommendations for further Researches)

अध्याय - 9

भविष्य में शोध हेतु संस्तुतियाँ

(Recommendations for further Research)

सत्य एवं यथार्थ की खोज में लक्ष्य तक प्रकाश डाला जाता है लेकिन इस प्रक्रिया में कुछ स्थान अप्रकाशित होने से अँधेरे में ही रह जाते हैं। आवश्यकता है उन स्थानों पर प्रकाश डालने की।

कौन प्रवासी है ? क्यों प्रवासी है ? कब प्रवासी है ? परिभाषा क्या होनी चाहिए ? प्रवास सीमा क्या है ? आदि महत्वपूर्ण तथ्य हैं। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अलावा आंतरिक प्रवास की गणना अपेक्षित है। एक ही स्थान विशेष पर कुछ निश्चित समयान्तराल पर पुन: शोध होना चाहिए। प्रवास-दर, प्रवाह, दिशा, आयु-लिंग संरचना, प्रजननता, विकास-दर आदि की गत्यात्मक स्थिति एवं प्रवास के कारण पड़ने वाले परिणामों के विषय में निश्चित तथ्यों की खोज हो सकती है।

नगरीय अन्त: प्रवास की स्थिति सर्वेक्षण से स्पष्ट हो सकती है लेकिन वाह्य-प्रवास की पूर्णरूपेण नहीं, फलत: इस पर अत्यधिक शोध की आवश्यकता है।

अध्ययन इस तथ्यों पर भी होना चाहिए कि, सरकार-प्रवास-नीति में क्या चाहती है, गांवों का विकास या शहरों का ? प्रवास एवं नगरीकरण के मध्य सम्बन्धों की पुर्नस्थापना, नगर एवं गांवों का उचित समन्वित विकास, प्रवास एवं प्रजननता, स्वास्थ्य एवं प्रवास एवं आवास आदि महत्वपूर्ण शोध के विषय हैं।

प्रवास जनांकिकी का महत्वपूर्ण स्तंभ है। इसी स्तम्भ को शोध द्वारा सुदृढ़ करने की महती आवश्यकता है।

अध्याय - 10

ग्रंथ - संदर्भ - सूची

(BIBLIOGRAPHY)

BIBLIOGRAPHY

1. Agrawal, S.N.

   Socio-Economic and demographic characteristics of the rural migrants and non-migrants. Journal of the Institute of Economic Research, July-1968.

2. Agrawal, S.N.

   Some Problems of India's Population. Vora & Co. Publishers Ltd. Bombay.

3. Agrawal, S.N.

   India's Population Problems. Tata Macgraw Hill Pub. Co. Bombay.

4. Agrawal, Dr. S.K.

   Principles of Demography

5. Bown, Iane

   Population Book, Cambridge University Press-1955.

6. Berry, Brian, J.L.

   The Human Consequences of urbanization. The Mac Millan Press Ltd. 1974.

7. Barclay, George, W.

   Technique of Population Analysis, John Willy & Sons, New York, 1958.

8. Bose, Asish,

Urban Characteristics of Towns in India
a statistical study,
Indian Journal of Public Administration,
July,Sept.-1968.

9. Bose, Asish,

Urban Planning and Policy in India AICC
Economic Review, Sep. 1961.

10. Bose, Asish,

Migration streams in India, Institute of
Economic Growth, New Delhi-11.

11. Bhande, Asha, A. and Kanitkar, Tara,

Principles of Population Studies.

12. Casseen, R.H.

Population, economy and society,
The Mac Millan Company of India, Delni-1983.

13. Coal, A.J. and Hooves, E.M.

Population Growth and economic development
in India, 1956.

14. Chandrasekhar, S. (Edited)

Asia's Population Problems

15. Davis, Kingslay,

The Population of India and Pakistan
Princeton, Princeton University Press.

16. Dwyer, D.J.

The problems of in-migration and Squatter Settlement in Asian Cities, Asian Studies, Vol. II, No.2, 1964.

17. Desai, P.B.

Economy of Indian Cities, Indian Journal of Public Administration, July-Sept. 1968.

18. Donald, Bogue, J.

Demographic Techniques of Fertility analysis. Community and Family Study Center, University of Chicago-1970.

19. Elizaga, Juan, C.

Assessment of Migration data in Latin America, The Milkbank Memorial Fund Quarterly, Jan., 1965, Vol. XLIII, No. 1.

20. Goldstein, Sidney,

Urbanization in Thailand- 1947-67.

21. Goldstein, Sidney

Migration and Urban Growth in Thailand, An exploration of Interrelations among origin, recency and Frequency of moves. Paper 14 Institute of Population Studies, Chulalongkorn University.

22. Goldstein, Sidney,
Urbanisation, The New Challange For Policy makers, University of Waikato, 1977.

23. Gerald, Breese,
Urbanization in newly developing countries Bureau of urban research, Princeton University, 1978.

24. Gyan Chand,
Some aspect of Population in India, 1957.

25. Hauser and Duncan
The Study of Population (edited).

26. Heer, David, M.
Society and Population.

27. Jones, Hywel, G.
An Introduction to modern theoreis of Economic Growth, McGraw Hill Book Company, 1976

28. Jai Pal, P. Ambannavap,
A Demographic a study of Maharashtra State N.I.F.P., New Delhi, 1975.

29. Myrdal, Gunnar,
Asian Drama, An inquiry into the Poverty of nations - Vol. II, Penguin Books Ltd. Middlesex England, 1968.

30. Masood, M.S. and Shivalingaih, M.
Urban systems and rural development Part II (Edited), The Institute of Dev. Studies University of Mysore - 1972.

31. Memoria, C.B.,
Population Growth and Economic Development in India, Sahitya Bhawan, Agra.

32. Mishra, Bhaskar, D.
An Introduction to the Study of Population South Asian Publishers Pvt. Ltd.-1980.

33. Mishra, H.N.,
Urban Systems of a developing economy, International Institute for Development Research, Allahabad-1984.

34. Mitra, Ashok, Registrar General of India,
Internal Migration and urbanization in India-1961.

35. Narrian, Vatsala.
Migrants in the metropolitan areas of India. Demography Training Research Centre, Chembur, Bombay, 1971.

36. Oberoi, A.S. and Singh, H.K. Manmohan,
Cause and Consequences of Internal Migration, Oxford University Press-1983.

30. Masood, M.S. and Shivalingaih, M.
Urban systems and rural development Part II (Edited), The Institute of Dev. Studies University of Mysore - 1972.

31. Memoria, C.B.,
Population Growth and Economic Development in India, Sahitya Bhawan, Agra.

32. Mishra, Bhaskar, D.
An Introduction to the Study of Population South Asian Publishers Pvt. Ltd.-1980.

33. Mishra, H.N.,
Urban Systems of a developing economy, International Institute for Development Research, Allahabad-1984.

34. Mitra, Ashok, Registrar General of India,
Internal Migration and urbanization in India-1961.

35. Narrian, Vatsala,
Migrants in the metropolitan areas of India. Demography Training Research Centre, Chembur, Bombay, 1971.

36. Uberoi, A.S. and Singh, H.K. Manmohan,
Cause and Consequences of Internal Migration, Oxford University Press-1983.

37. Paulus, Caleb, R.

The Impact of Urbanization on Fertility in India, Prasaranga, University of Mysore, 1966.

38. Peterson, W.

Population in Economic Growth, North Holland Publishing Co., Amersterdam, 1977.

39. Pethe, V.P.

Demographic Profiles of an urban Population, Popular Prakashan, 1964.

40. Premi, M.K., Ramanamma, A., Bambawale, Usha.

An Introduction to social demography, Vikas Publishing House, Pvt. Ltd., 1983.

41. Rao, M.S.A.

Traditional Urbanism and urbanisation.

42. Standing, Guy

Population Mibility and Productive relations. World Bank staff working papers, No. 695, Pop. & Dev. Series No. 20.

43. Sharma, Anup, D.

Population Explosion in India, D.Litt. Dissertation, University of Allahabad, 1972.

44. Sehgal, Jag Mohan

The Population distribution in greater Bombay Asian Economic Review Vol. III, No.2. Fls, 1966.

45. Srivastava, S.C.

Migration in India, An appraisal of 1981 Population Census Data.
Office of the Registrar General of India, Ministry of Home Affairs, India.

46. Srivastava, Jagdish Narain.

1971 Census : India and Uttar Pradesh
Demographic Research Centre, University of Lucknow, 1971.

47. Thomlinson - Ralph,

The determination of a Base Population for Computing Migration rates. The Milbank Memorial Fund quarterly, July 1962, Vol. XL No. 3.

48. Todaro, Michael, P., An Analysis Industrialisation Employment and unemployment in LLC's, Yale EconomicsEssays, Vol.8, No.2, 1968.

49. Thompson, Warren, S. and Lewisl David, T.

Population Problems, Tata McGraw Hill.

50. Uppal, J.S. (Edited),

India's Economic Problems,

51. Wilkinson & Bhandarkar

Research Methodology on Social Sciences, Himalayan Publishing House, Nagpur.

PERIODICALS, MONOGRAPHS & CONFERENCCE REPORTS

1. Artha Vijnana - Journal of the Gokhale Institute of Politics and Economics, Pune.

2. A report of the United nations World Population, Conference-1974.

3. Annual Report, 1984-85, Ministry of Education, Government of India.

4. Conference reports on recent Population Trends in South Asia, New Delhi-1983.

5. Country Monograph, Series No. 10, Population of India 1982, U.N.O.

6. Centre Calling, Mass Mailing Unit, Department of Family Welfare, Government of India, New Delhi.

7. Demography India, Vol. 7, No. 1 & 2, Jan. Dec. 1978
   Vol. 12, No. 1, Jan.-June, 1983.
   Vol. 12, No. 2, July-Dec. 1983.
   Institute of Economic Growth, New Delhi-11.

8. District Plan Allahabad, 1984 and 1985, Office of the District Magistrate.

9. District Census Book, Allahabad, 1971, Part X A, Part X B, Government of Uttar Pradesh.

10. District Statistical Diary, Allahabad, District Statistical Office, Allahabad.

11. Economic and Political Weekly, A Sameeksha Trust Publication, Bombay.

12. Economic Survey, 1985-86, Ministry of Finance, Government of India.

13. Family Planning News, Government of India Press, Faridabad.

14. Hand Book on Population, Centre for Adult, Continuing Education and Extension, University of Delhi, 1983.

15. India - Town and Country Planning Organisation, Towards a human settlement Policy in India - New Delhi - 1975.

16. In Search of Population Policy, National Academy of Sciences, Washington-1974.

17. 'Indian Economic Review, Vol. IV, No. 1 Feb. 1958.

18. India, 1984, 1985, Ministry of Information, Government of India.

19. Journal of Population Research, National Institute of Family Planning, New Delhi.

20. Journal of Development Economics (A stochastic learning Model of Migration), Vol. 5/No. 2, June 1978, U.S.A.

21. Migration in South Asia, Population Division, ESCAP, Bangkok,

22. Migration, Urbanization and Development in Sri Lanka, ESCAP, U.N.O., 1980.

23. News Letter - Published by the Family Planning Association, Mostimer St. London.

24. Population Bulletin - Population Reference Bureau, I.N.C., Washington.

25. Population Index - Office of the Population Research, Princeton, University, New Jersey.

26. Population and Development International Conference on Population. Mexico city, August 1984.

27. Population Reports, Series, M. No. 7, Sep.-Oct. 1983.

28. Statistical Diary - Yearly, Published by the
Government of Uttar Pradesh.

29. The Indian Economic and Social History Review
Vol.II, No.1, Jan. 1965.

30. The World Population Conference, Belgrade,
Yugoslavia, 30 Aug-10 Sep. 1965,
Office of the Registration General of India
Paper contributed by Indian Authors.

31. The Indian Journal of Labour Economics, Vol. XXVII
April-July, 1984, No. 1 and 2,
University of Lucknow.

32. The Journal of Family Welfare, Vol.XXI, No.1,
Sep. 1984.

33. The Indian Journal of Economics, Published by
University of Allahabad.

34. World Population Conference, Vol. III, 1965,
United Nations.

35. Year-book, 1974-75, Family Welfare Planning in
India.

36. Yojana (Weekly), Published by Home Ministry,
Government of India.

परिशिष्ट

(APPENDICES)

अ - इलाहाबाद एवं प्रयाग -

सम्बन्धित आंकड़े एवं तथ्य

ब- प्रश्नावली - पत्रक
(Questionnaire)

सारिणी संख्या 9.1

विभिन्न जनगणना वर्षों में जनपद, राज्य एवं देश की जनसंख्या स्थिति

(जनसंख्या '000 में)

जनगणना वर्ष	इलाहाबाद जनपद			उत्तर प्रदेश			भारत		
	जन-संख्या	प्रतिशत वृद्धि	सूचकांक	जन-संख्या	प्रतिशत वृद्धि	सूचकांक	जन-संख्या	प्रतिशत वृद्धि	सूचकांक
1921	1402	-	100	46699	-	100	25321	-	100
1931	1488	6.1	106.1	49777	6.6	106.6	278977	11.0	111.0
1941	1809	21.5	127.6	56531	13.6	102.2	318661	14.2	125.2
1951	2044	13.0	140.6	63216	11.8	132.0	361088	13.3	138.5
1961	2438	19.3	159.9	73746	16.7	148.7	439235	21.6	160.1
1971	2937	20.5	180.4	88341	19.8	168.6	548160	24.8	184.9
1981	3797	29.3	209.7	110866	25.5	194.0	683810	24.7	209.7

सारिणी संख्या 9·2

इलाहाबाद की विगत तीन जनगणना वर्षों में जनसंख्या संरचना

जनगणना वर्ष	जनसंख्या				
	कुल जनसंख्या	पुरूष	प्रतिशत	स्त्री	प्रतिशत
1961	2438376	1263981	(51·84)	1174935	(48·16)
1971	2937278	1546282	(52·68)	1389996	(47·32)
1981	3797033	200877	(52·9)	1788262	(47·1)

स्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद - इलाहाबाद- 1984,
अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, उ०प्र०·

सारिणी संख्या 9·3

इलाहाबाद की ग्रामीण व नगरी जनसंख्या (1961-1981)

जनगणना वर्ष	जनसंख्या				
	कुल	ग्रामीण	प्रतिशत	नगरी	प्रतिशत
1961	2438376	1994412	(81·79)	443964	(18·21)
1971	2937278	2395175	(81·54)	542103	(18·46)
1981	3797003	3023445	(79·63)	773588	(20·37)

सारिणी संख्या 9·4

धर्मानुसार जनपद की जनसंख्या - 1981

धर्म	जनसंख्या	प्रतिशत
हिन्दू	33,01,290	86·94
इस्लाम	4,84,948	12;77
ईसाई	6,722	0·18
सिख	2,728	0·07
अन्य	1,275	0·03
अघोषित	70	
योग	37,97,033	100·00

स्रोत : जिला जनगणना पुस्तिका, 1981 जनगणना, इलाहाबाद

सारिणी संख्या 9·5

इलाहाबाद नगर एवं जनपद की जनसंख्या वृद्धि

जनगणना वर्ष	इलाहाबाद नगर		इलाहाबाद जनपद	
	जनसंख्या	प्रतिशत वृद्धि	जनसंख्या	प्रतिशत वृद्धि
1921	1,57,220	-	14,02,350	-
1931	1,73,895	10·6	14,88,303	6·2
1941	2,46,229	41·6	18,08,866	21·5
1951	3,32,615	35·1	20,44,117	13·0
1961	4,43,964	33·5	24,38,376	19·3
1971	4,90,622	10·5	29,37,278	20·5
1981	6,16,051	25·6	37,97,033	29·3

सारिणी संख्या 9•6

इलाहाबाद नगर की जनसंख्या वृद्धि (1853-1981)

जनगणना वर्ष	जनसंख्या	दशक वृद्धि	प्रतिशतवृद्धि
1853	72,093	-	-
1866	1,05,924	+33,831	46•9
1872	1,43,693	+37,769	36•0
1881	1,60,118	+16,425	11•4
1891	1,75,246	+15,128	9•4
1901	1,72,032	- 3,214	- 1•8
1911	1,71,697	- 1,335	- 0•8
1921	1,57,220	-14,477	- 8•4
1931	1,73,895	+16,675	10•6
1941	2,46,229	+72,324	41•6
1951	3,32,615	+86,386	35•1
1961	4,43,964	+ 121,349	36•5
1971	4,90,622	+ 46,658	10•5
1981	6,16,051	+ 1,25,429	25•6

स्रोत : इलाहाबाद रिट्रास्पेक्ट एन्ड प्रास्पेक्ट - बी0एन0 पाण्डेय

सारिणी संख्या 9·7

इलाहाबाद नगर एवं नगर समूह की जनसंख्या - 1981

क्षेत्र	जनसंख्या	पुरुष	स्त्री
1- इलाहाबाद नगर समूह (टाउन एरिया व नोटीफाइड एरिया)	6,50,070	3,58,943	2,91,127
2- इलाहाबाद नगरमहापालिका कैन्ट, रेलवे कालोनी सुबेदारगंज	6,19,628	3,40,339	2,79,289
3- इलाहाबाद नगरमहापालिका	6,16,051	3,38,360	2,77,691
4- सुबेदारगंज	3,577	1,979	1,598

स्रोत : जिला जनगणना पुस्तिका, 1981, जनगणना इलाहाबाद

सारिणी संख्या 9.8

साक्षरता एवं जनसंख्या घनत्व - 1981

इलाहाबाद जनपद/नगर	साक्षरता प्रतिशत			क्षेत्र वर्ग किमी	घनत्व प्रति वर्ग किमी
	कुल	पुरूष	स्त्री		
जनपद	27.99	41.51	12.81	7261	523
नगर	28.61*	-	-	62.94	9788

स्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद - इलाहाबाद - 1984
*इलाहाबाद 1985, निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0, लखनऊ
एवं
प्रगतिका - इलाहाबाद,
जनसम्पर्क कार्यालय, इलाहाबाद

सारिणी संख्या १•१

जनपद में मान्यताप्राप्त शिक्षा संस्थाएं

वर्ष	जू0बे0 स्कूल	सी0बेसिक स्कूल		हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट		महाविद्यालय	विश्वविद्यालय
	कुल	कुल	बालिका	कुल	बालिका		
1981-82	1766	360	68	206	30	16	1
1982-83	1842	404	68	211	30	16	1
1983-84	1842	404	68	213	39	16	1
ग्रामीण क्षेत्र में	1699	319	52	160	6	3	-
नगरीय क्षेत्र में	143	85	16	53	24	13	1

स्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद - इलाहाबाद, 1984,
अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, उ0प्र0·

सारिणी संख्या 10·0

औद्योगिक अधिनियम 1948 के अन्तर्गत इलाहाबाद की औद्योगिक प्रगति

कारखाने एवं व्यक्ति	1980-81	1981-82
1- कार्यरत पंजीकृत कारखानें	176	189
2- कारखाने जिनसे रिटर्न प्राप्त हुए	175	183
3- कार्यरत व्यक्ति	24761	23018

सारिणी संख्या 10·1

लघु औद्योगिक इकाईयों की स्थिति

संख्या एवं व्यक्ति	वर्ष 1980-81	वर्ष 1983-84
लघु-औद्योगिक इकाई	2941	710
कार्यरत व्यक्ति	29291	2646

स्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद - इलाहाबाद - 1983, 1984.

सारिणी संख्या 10-2

इलाहाबाद की जलवायु

1- वर्षा -	सामान्य	976 मि0मी0	वर्ष 1984
	वास्तविक	986 मि0मी0	वर्ष 1984
2- तापमान -	उच्चतम	46.7 सैंटीग्रेड	1983-84
	न्यूनतम	5.2 सैंटीग्रेड	1983-84

स्रोत : सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद - इलाहाबाद - 1984.

Table No. 10.3

Reasons for migration to rural areas according to 1981 Census

I N D I A*

Place of last residence	Total migrants		Employment		Education		Family moved		Marriage		Others	
	Males	Females	Males	Females	Males	Females	Males	Females	Males	Females	Males	Females
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A. Total migrants												
Total	100.00	100.00	19.93	1.28	3.87	0.47	33.44	9.81	4.80	79.45	37.96	8.99
B. Last residence elsewhere in India other than the place of enumeration												
Total	100.00	100.00	20.54	1.28	4.03	0.47	33.43	9.51	5.00	80.13	37.00	8.61
Rural	100.00	100.00	19.49	1.13	4.18	0.43	33.74	8.64	5.46	81.73	37.13	8.07
Urban	100.00	100.00	27.00	3.34	3.16	1.00	31.89	21.23	2.22	59.32	35.73	15.11
C. Within the state of enumeration												
Total	100.00	100.00	18.86	1.15	4.22	0.46	33.65	9.08	5.28	80.78	37.99	8.53
Rural	100.00	100.00	17.95	1.02	4.36	0.43	33.84	8.33	5.70	82.18	38.15	8.04
Urban	100.00	100.00	25.24	3.07	3.28	0.95	32.54	20.24	2.42	60.53	36.52	15.21
D. States in India beyond the state of enumeration												
Total	100.00	100.00	36.40	3.79	2.26	0.64	31.34	17.50	2.37	67.96	27.53	10.11
Rural	100.00	100.00	37.19	3.48	2.16	0.49	32.51	15.31	2.80	72.00	25.34	8.72
Urban	100.00	100.00	34.95	5.20	2.61	1.33	28.96	28.01	1.31	51.02	32.17	14.44
E. Other countries	100.00	100.00	7.47	1.18	0.57	0.27	33.59	32.95	0.63	26.81	57.14	38.79

*Excludes Assam.

Table No. 10.4

Reasons for migration to urban areas according to 1981 Census
I N D I A*

Place of last residence		Total migrants		Reasons for migration: Employment		Education		Family moved		Marriage		Others	
		Males	Females	Males	Females	Males	Females	Males	Females	Males	Females	Males	Females
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A. Total migrants	Total	100.00	100.00	43.14	4.20	5.61	2.36	27.31	32.51	1.06	46.61	21.88	14.32
B. Last residence elsewhere in India other than the place of enumeration													
	Total	100.00	100.00	44.87	4.31	6.89	2.42	26.76	32.08	1.09	48.07	20.39	13.12
	Rural	100.00	100.00	47.49	4.20	8.07	2.58	23.54	29.27	1.17	51.53	19.73	12.42
	Urban	100.00	100.00	41.12	4.45	5.19	2.22	31.52	35.89	0.99	43.56	21.18	13.88
C. Within the state of enumeration													
	Total	100.00	100.00	40.50	4.08	7.99	2.45	28.52	30.46	1.30	49.92	21.69	13.09
	Rural	100.00	100.00	42.50	3.97	9.55	2.69	25.33	27.59	1.40	53.40	21.22	12.35
	Urban	100.00	100.00	37.42	4.26	5.52	2.10	33.62	34.90	1.13	44.65	22.31	14.09
D. States in India beyond the state of enumeration													
	Total	100.00	100.00	55.49	5.13	4.21	2.31	22.48	37.83	0.60	41.53	17.22	13.20
	Rural	100.00	100.00	61.45	5.30	3.94	2.08	18.52	37.21	0.51	42.69	15.58	12.72
	Urban	100.00	100.00	48.71	4.97	4.53	2.52	27.20	38.45	0.71	40.73	18.85	13.33
E. Other countries		100.00	100.00	15.24	1.96	2.08	1.10	36.26	41.44	8.46	16.47	45.96	39.03

*Excludes Assam.

परिशिष्ट - ब

प्रवास के सन्दर्भ में इलाहाबाद नगर का अध्ययन

प्रश्नावली-पत्रक

वार्ड संख्या :

मुहल्ला :

मकान नम्बर :

नाम :

धर्म : उम्र :

जाति : लिंग :

शिक्षा : व्यवसाय :

स्थाई पता : ग्राम नगर जनपद मेट्रो क्षेत्र

पूर्व निवास पता :

अ - परिवार के विषय में सूचना :

नाम	सम्बन्ध	वर्तमान आयु/ अन्तःप्रवास के समय आयु	वर्तमान शिक्षा/ अंतःप्रवास के समय शिक्षा-स्तर	यहाँ निवास करते हैं ? क्या नगर के मूल निवासी हैं ? क्या नगर के अंतः प्रवासी हैं ? यदि हाँ, तो क्षेत्र का नाम, यदि नहीं, तो वाह्य प्रवास का क्षेत्र एवं प्रवास का कारण ?
1-				
2-				
3-				
4-				
5-				
6-				

ब - इलाहाबाद नगर में अंत: प्रवास के सम्बन्ध में सूचनाएँ

1- इलाहाबाद नगर में आप कब से रह रहे हैं ?

2- क्या आपका इलाहाबाद नगर में जन्म हुआ था ? हाँ/नहीं

3- क्या आपके पिता का जन्म इलाहाबाद नगर में हुआ था ? हाँ/नहीं

4- यदि आपके पिता ने इलाहाबाद नगर में प्रवास किया है, तो उनके प्रवास का क्या कारण था ?

क- (1) उनको स्वयं को शिक्षा या सतत शिक्षा हेतु हाँ/नहीं

(2) अपेक्षाकृत अधिक अच्छी शिक्षा हेतु हाँ/नहीं

ख- (1) रोजगार (प्रथम) के लिए हाँ/नहीं

(2) अपेक्षाकृत अधिक अच्छे रोजगार हेतु हाँ/नहीं

ग- (1) स्व-रोजगार व उद्यम हेतु हाँ/नहीं

(2) अपेक्षाकृत अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु हाँ/नहीं

घ- धार्मिक कारण हाँ/नहीं

च- भौगोलिक कारण हाँ/नहीं

छ- राजनीतिक कारण हाँ/नहीं

ज- स्थानांतरण होने के कारण हाँ/नहीं

झ- वैवाहिक कारण हाँ/नहीं

ञ- संरक्षक के साथ होने के कारण हाँ/नहीं

यदि हाँ, तब -

भाई के साथ अंत: प्रवास	हाँ/नहीं
पिता के साथ अंत: प्रवास	हाँ/नहीं
अन्य के साथ अंत: प्रवास	हाँ/नहीं

स

1- यदि आपने इलाहाबाद नगर में प्रवास किया, तो कब ?

2- अंत: प्रवास का कारण क्या था ?

क- (1) सतत् शिक्षा हेतु	हाँ/नहीं
(2) अपेक्षाकृत अधिक अच्छी शिक्षा हेतु	हाँ/नहीं
ख- (1) रोजगार (प्रथम) के लिए	हाँ/नहीं
(2) अपेक्षाकृत अधिक अच्छे रोजगार हेतु	हाँ/नहीं
ग- (1) स्व-रोजगार व उद्यम हेतु	हाँ/नहीं
(2) अपेक्षाकृत अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु	हाँ/नहीं
घ- धार्मिक कारण	हाँ/नहीं
च- भौगोलिक कारण	हाँ/नहीं
छ- राजनीतिक कारण	हाँ/नहीं

ज- स्थानांतरण होने के कारण हाँ/नहीं

झ- वैवाहिक कारण हाँ/नहीं

ञ- संरक्षक के साथ होने के कारण हाँ/नहीं

यदि हाँ/तब -

भाई के साथ अंत:प्रवास हाँ/नहीं

पिता के साथ अंत: प्रवास हाँ/नहीं

अन्य के साथ अंत: प्रवास हाँ/नहीं

द - इलाहाबाद नगर से वाह्य-प्रवास के सम्बन्ध में सूचनाएं

1- नाम

2- प्रवास के समय आयु/लिंग

3- प्रवास के समय शिक्षा-स्तर

4- कब प्रवास किया

5- प्रवास-क्षेत्र

6- विशिष्ट प्रवास-क्षेत्र

7- वाह्यप्रवास के कारण ?

क -(1) सतत शिक्षा हेतु हाँ/नहीं

(2) अपेक्षाकृत अधिक अच्छी शिक्षा हेतु हाँ/नहीं

ख-	§1§ प्रथम रोजगार हेतु	हाँ/नहीं
	§2§ अपेक्षाकृत अधिक अच्छे रोजगार हेतु	हाँ/नहीं
ग-	§1§ स्व-रोजगार व उद्यम हेतु	हाँ/नहीं
	§2§ अपेक्षाकृत अधिक अच्छे स्व-रोजगार व उद्यम हेतु	हाँ/नहीं
घ-	धार्मिक कारण	हाँ/नहीं
च-	भौगोलिक कारण	हाँ/नहीं
छ-	राजनीतिक कारण	हाँ/नहीं
ज-	स्थानांतरण होने के कारण	हाँ/नहीं
झ-	वैवाहिक कारण	हाँ/नहीं
ञ-	संरक्षक के साथ होने के कारण, यदि हाँ, तब-	हाँ/नहीं
	भाई के साथ वाह्य प्रवास	हाँ/नहीं
	पिता के साथ वाह्य प्रवास	हाँ/नहीं
	अन्य के साथ वाह्य प्रवास	हाँ/नहीं

-x-